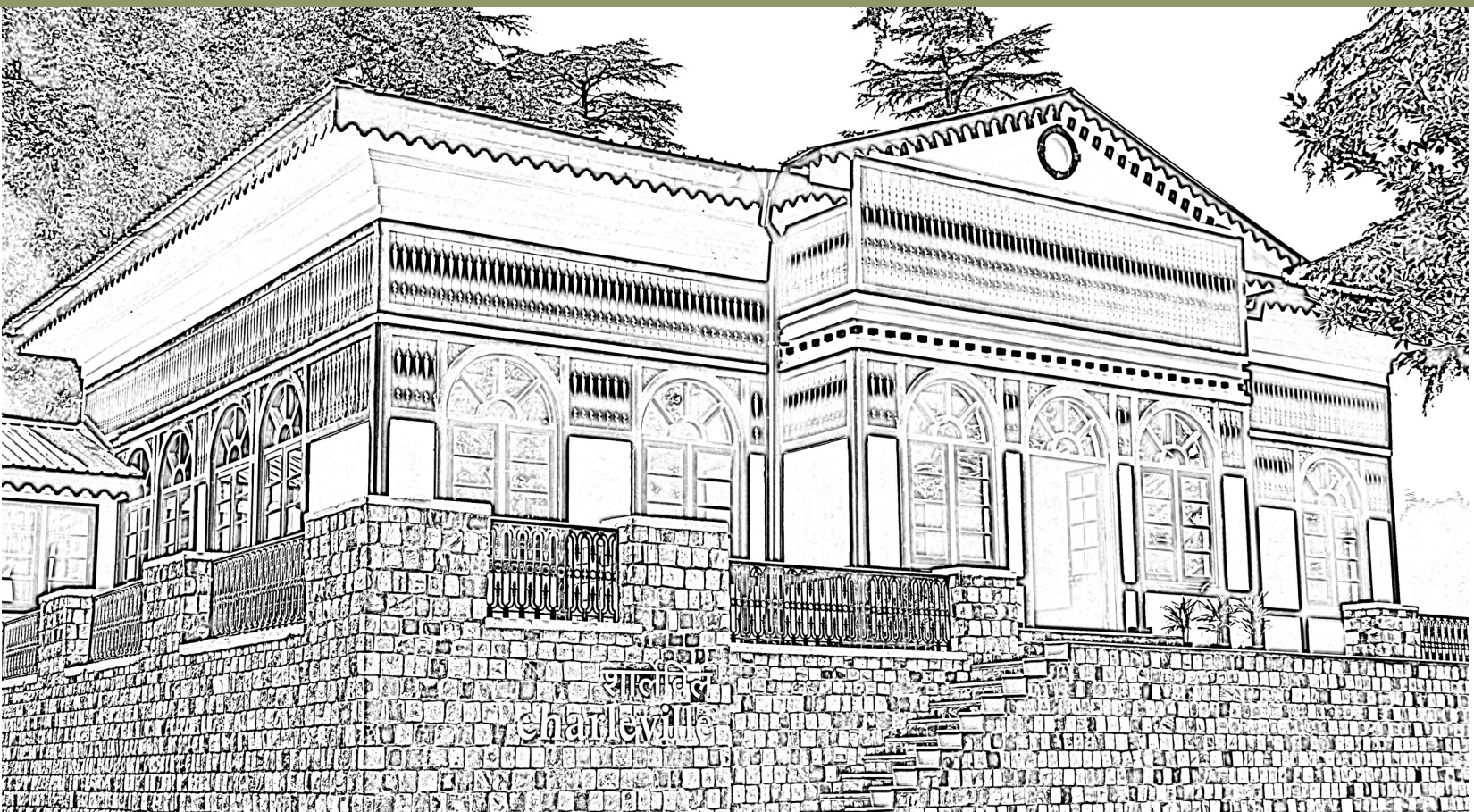




वार्षिक रिपोर्ट | Annual Report

2022-2023



वार्षिक रिपोर्ट
2022-2023



लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
मसूरी

विषय सूची

अकादमी मिशन एवं आधारभूत मूल्य.....	1
आधारभूत मूल्य	1
वंचितों की सेवा	1
सत्यनिष्ठा.....	1
सम्मान	1
व्यावसायिकता	1
सहयोग.....	1
 परिचय	2
प्रारंभ एवं विकास	2
कालक्रम	2
प्रशिक्षण पद्धति	4
क्षेत्र दौरे	5
‘मैत्री भाव’ को प्रोत्साहन.....	5
परिसर.....	5
 वर्ष 2022-2023 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम.....	6
पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां-मुख्य अंश.....	8
परिचय.....	8
 आईएसएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II (6 सप्ताह) (2020 बैच).....	8
पाठ्यक्रम के लक्ष्य.....	9
पाठ्यक्रम के उद्देश्य	9
पाठ्यक्रम की रूपरेखा	10
पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट.....	10
मूल्यांकन	13
शारीरिक फिटनेस और आउटडोर	13
 97वां फाउंडेशन कोर्स (15 सप्ताह)	17
पाठ्यक्रम के लक्ष्य	18
पाठ्यक्रम के उद्देश्य	18
पाठ्यक्रम की रूपरेखा	18
शैक्षणिक इनपुट्स	19
97वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी	23

आईएसएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2022 बैच)	24
पाठ्यक्रम के लक्ष्य	24
पाठ्यक्रम के उद्देश्य	24
पाठ्यक्रम की रूपरेखा	25
शैक्षणिक इनपुट	25
हमारा आदर्श वाक्य	27
हमारा मिशन: मिशन कर्मयोगी	28
आधारभूत मूल्य	29
आउटडोर और पाठ्येतर गतिविधियाँ	35
 2021 बैच का जिला प्रशिक्षण (53 सप्ताह)	38
आई.ए.एस. अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	38
मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम फेज-IV का 16वां दौर (4 सप्ताह)	39
पाठ्यक्रम का लक्ष्य.....	39
पाठ्यक्रम के उद्देश्य	39
प्रतिभागियों का मूल्यांकन	41
कोर्स समन्वयक की टिप्पणी	41
 आईएसएस अधिकारियों के लिए 124वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम	42
पाठ्यक्रम के उद्देश्य.....	42
पाठ्यक्रम की रूपरेखा.....	43
साप्ताहिक मॉड्यूल	43
भारत दर्शन.....	44
कोर्स कॉर्डिनेटर की रिपोर्ट	44
प्रतिभागियों का विवरण.....	45
 दूसरा कॉमन मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	46
पाठ्यक्रम का लक्ष्य.....	47
पाठ्यक्रम के उद्देश्य.....	47
पाठ्यक्रम की रूपरेखा.....	47
 28वां संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	48
पाठ्यक्रम का परिचय	49

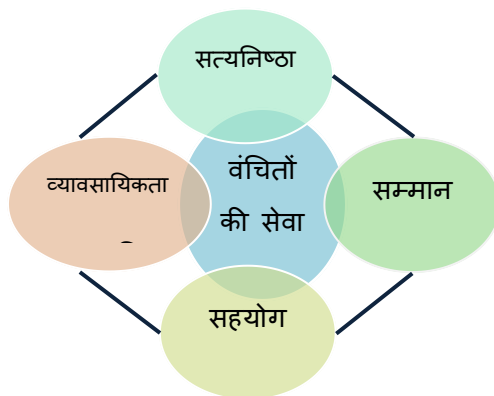
उद्देश्य, पाठ्यक्रम गतिविधियां एवं मुख्य अंश.....	49
28वें जेसीएम प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रुप फोटो.....	50
28वें जेसीएम में प्रतिभागियों का सेवा-वार ब्यौरा.....	50
अनुसंधान केंद्र.....	52
आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम)	52
बी.एन. युगान्धर ग्रामीण अध्ययन केंद्र	69
नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर (एनजीसीसी)	80
सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र	82
फूड प्लानेट एवं हेल्थ केंद्र (सीएफपीएच).....	84
क्लब एवं सोसाइटियां.....	91
साहसिक खेल क्लब.....	91
कंप्यूटर सोसायटी.....	92
फिल्म सोसायटी.....	92
ललित कला एसोसिएशन.....	93
अभिरूचि क्लब.....	94
नवाचार क्लब	94
अधिकारी क्लब.....	96
राइफल एवं तीरंदाजी क्लब.....	97
अधिकारी मेस.....	98
समकालीन मामलों के लिए सोसायटी.....	100
सामाजिक सेवा सोसायटी की गतिविधियों पर रिपोर्ट	103
राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच	109
एनआईसी प्रशिक्षण इकाई (एनआईसीटीयू)	115
राजभाषा.....	118
गांधी स्मृति लाइब्रेरी.....	119
कंप्यूटर सेंटर.....	122
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वितीय विवरण.....	123
संकाय और कर्मचारी कौशल विकास कार्यक्रम	125
प्रकाशन.....	126
अनुलग्नक-1: भौतिक अवसंरचना.....	128
अनुलग्नक-2: हमारे निदेशक और संयुक्त निदेशक	129

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के संयुक्त निदेशक.....	130
अनुलग्नक-3: आईएएस फेज़-II (2022 बैच) में प्रतिभागी	132
अनुलग्नक-4: 97वें फाउंडेशन कोर्स में प्रतिभागी.....	133
अनुलग्नक-5: आई.ए.एस. फेज़-I (2022 बैच) में प्रतिभागी.....	134
अनुलग्नक-6: आई.ए.एस. अधिकारियों के लिए 124वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम	135
अनुलग्नक-7: दूसरे कॉमन मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी.....	136
अनुलग्नक-8: राष्ट्रीय सुरक्षा पर 28वें संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम में प्रतिभागी	137
अनुलग्नक-8: अकादमी में संकाय सदस्य एवं प्रशासन.....	138

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य मिशन

“हमारा लक्ष्य है गुणात्मक प्रशिक्षण द्वारा कार्यकुशल और जवाबदेह सिविल सेवा का निर्माण करके सुशासन स्थापित करना और इसके लिए सहयोगपूर्ण, नैतिक और पारदर्शी परिवेश स्थापित करना।”

आधारभूत मूल्य



वंचितों की सेवा

“लोगों के साथ व्यवहार में अपने दृष्टिकोण में मानवता रखें, वंचितों की ताकत बनें तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय को रोकने में सक्रिय रहें। आप इन विशिष्ट कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।”

सत्यनिष्ठा

“अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप रहें जो आपको विश्वसनीय बनाती है। अपनी बात कहने का साहस रखें तथा सदैव बिना किसी भय के, यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलें। किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, भले वह राशि, सामग्री या बौद्धिक हो।”

सम्मान

“जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति की भिन्नता को अपनाएं। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।”

व्यावसायिकता

“अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहें, कार्य तथा परिणाम के लिए दृढ़ता के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहें और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखें।”

सहयोग

“एक मत बनाने के लिए सभी के साथ सम्मिलित होकर कार्य करके विचारों तथा कार्यों में सहयोग करें। दूसरों को प्रोत्साहित करें, टीम भावना को बढ़ावा दें तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करें। पहल करें तथा जिम्मेदारी लें।”

परिचय

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) के अधीन लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान है। इसका नेतृत्व निदेशक द्वारा किया जाता है जो भारत सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी हैं। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, विभिन्न रैंकों पर नियुक्त सिविल सेवकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूलस का संचालन करती है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और अन्य केन्द्रीय सेवाओं के समूह 'क' के नव-नियुक्त युवा अधिकारियों के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स संचालित किया जाता है। यह अकादमी फाउंडेशन कोर्स के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों तथा रॉयल भूटान प्रशासनिक सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है। इसके साथ-साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी नियमित अंतराल पर आयोजन किया जाता है।

प्रारंभ एवं विकास

तत्कालीन गृह मंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव रखा था जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। कुछ वर्षों के लिए इस अकादमी ने गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य किया। अक्टूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है।

कालक्रम

1958	लोकसभा में केन्द्रीय गृह मंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत द्वारा राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने की घोषणा।
1959	मसूरी में अकादमी की स्थापना और निदेशक कार्यालय, भाषा ब्लॉक (बाद में नवीनीकरण के उपरांत शार्लेविल नाम रखा गया), सरदार पटेल हॉल (एसपीएच) और हैप्पी वैली गेस्ट हाऊस स्थापित।
1960	भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा तथा अन्य सिविल सेवाओं के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत।
1969	अकादमी में सैंडविच पैटर्न की शुरुआत जिसमें फेज़-1, संबंधित संवर्गों में जिला प्रशिक्षण और तदुपरान्त फेज़-1। प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
1970	अकादमी ने 1970 तक और 1977 से 1985 तक गृह मंत्रालय के अधीन कार्य किया।
1970-1977	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय के अधीन कार्य-किया।

1972	अकादमी का नाम बदलकर "लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी" किया गया।
1973	तदुपरान्त "राष्ट्रीय" शब्द जोड़ा गया और अकादमी का नाम "लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी" के हो गया।
1975-1978	गंगा, कावेरी और नर्मदा छात्रावासों का निर्माण किया गया।
1984	मई 1984 में कैम्पस का एक भाग, जहां अधिकारी मेस, पुस्तकालय, वीआईपी गेस्ट हाऊस, निदेशक आवास इत्यादि थे, आग की चपेट में आ गया।
1985	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट की स्थापना की गई।
1989	ग्रामीण अध्ययन केंद्र (पूर्व में भूमि सुधार यूनिट) की स्थापना की गई।
1991	अक्टूबर, 1991 में, उत्तरकाशी के भूकंप से महिला ब्लॉक तथा जीबी पंत ब्लॉक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और इन दोनों स्थानों पर "ध्रुवशिला" तथा "कालिंदी गेस्ट हाऊस" का निर्माण किया गया।
1991	उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संपूर्णानंद सभागार का निर्माण किया गया तथा उसका नाम राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के नाम पर रखा गया।
1992	कर्मशिला भवन का उद्घाटन भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन द्वारा किया गया।
1995	नेशनल जेंडर सेंटर की स्थापना, यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसाइटी है।
1996	कालिंदी भवन का उद्घाटन तत्कालीन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री एस.आर. बालासुब्रह्मण्यम द्वारा किया गया।
1996	ध्रुवशिला भवन का उद्घाटन तत्कालीन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री एस.आर. बालासुब्रह्मण्यम द्वारा किया गया।
2004	अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन तत्कालीन गृह मंत्री श्री शिवराज वी. पाटिल द्वारा किया गया।
2004	आपदा प्रबंधन केंद्र का उद्घाटन किया गया।
2010	ज्ञानशिला भवन को क्रियाशील बनाया गया। सिल्वरवुड एग्जिक्यूटिव हॉस्टल का उद्घाटन किया गया।
2012	महानदी एग्जिक्यूटिव हॉस्टल का उद्घाटन किया गया।
2014	नेशनल सेंटर फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट एण्ड कॉम्पिटेन्सी एसेसमेंट (एनसीएलडीसीए) की स्थापना, यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसायटी है।
2015	आधारशिला ब्लॉक का उद्घाटन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन, डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।
2016	1995 में सेन्टर फॉर कोऑपरेटिव्स एण्ड रूरल डेवलपमेंट की स्थापना की गई थी, बाद में

2021 सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र की स्थापना की गई।

प्रशिक्षण पद्धति

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी-तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सके। पाठ्य-विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। यह कार्य राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से भी समय-समय पर विचार-विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रशिक्षुओं की प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा-व्याख्यान की विधि हर समय बहुत उपयुक्त नहीं होती इसलिए अनेक पद्धतियां अपनाई जाती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके विशेष मुद्दों के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं:-

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण (सिमुलेशन) अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- व्यावहारिक प्रदर्शन
- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

क्षेत्र का दौरा

हिमालयन ट्रैक

ऐसे ट्रैकों के दौरान प्रशिक्षु अधिकारी कठिन भू-क्षेत्र, अप्रत्याशित मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य-पदार्थों की सीमित उपलब्धता जैसी परिस्थितियों का सामना करते हैं। ऐसी दशाओं में प्रशिक्षु अधिकारियों की हिम्मत की परीक्षा होती है तथा उन्हें मजबूत बनाया जाता है।

पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा

प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है। इन फील्ड दौरों तथा लाभार्थियों के साथ विचार-विनिमय के जरिए, समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव का क्रियात्मक अनुसंधान भी किया जाता है।



“मैत्री-भाव को प्रोत्साहन”

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह ‘क’ के सभी प्रशिक्षु अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच मिलजुल कर काम करने की भावना कायम करती है। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा मैत्री-भाव स्थापित करती है कि वे इस संस्था में अपने पुराने दिनों को याद करते हैं और इन मूल्यों को अपनाने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

परिसर

अकादमी की मुख्य विशेषता है कि नवीनतम अवसंरचना के अतिरिक्त, यह अद्वितीय पुरातन एवं नवीनता का मेल है। प्रसिद्ध “शार्लेविल होटल” जिसका निर्माण 1870 में किया गया था, अकादमी की अवस्थिति एवं आरंभिक अवसंरचना का परिचायक है, तत्पश्चात इसका विस्तार किया गया। विभिन्न विगत वर्षों के दौरान नये भवन निर्मित किए गए तथा अन्य का अधिग्रहण किया गया। अकादमी तीन परिसरों शार्लेविल, ग्लेनमायर तथा इंदिरा भवन में फैली हुई है। प्रत्येक की अपनी विशिष्ट प्रकृति है। शार्लेविल में नये प्रशिक्षणार्थियों को संरचित पाठ्यक्रमों और 6 विशिष्ट पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्लेनमायर में पूर्व का एन.सी.जी.जी. अवस्थित है तथा इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा अन्य 7 विशिष्ट पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। अकादमी की अवसंरचनाओं का अतिरिक्त विवरण परिशिष्ट-1 में दिया गया है।

वर्ष 2022-2023 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2022-2023 के दौरान अकादमी में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों का विवरण निम्नानुसार है।

क्रम संख्या	कोर्स का नाम	समन्वयक श्री/सुश्री	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिला	कुल
अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग						
1.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2022 बैच) (22 सप्ताह)	शैलेश नवाल	21 मार्च से 19 अगस्त, 2022 तक	121	62	183
2.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-II (2020 बैच) (6 सप्ताह)	अभिराम जी शंकर	30 मई, 2022 से 8 जुलाई, 2022 तक	128	52	180
3.	अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए 97वां फाउंडेशन कोर्स (2022 बैच)	सुश्री आनंदी	29 अगस्त, 2022 से 9 दिसम्बर, 2022 तक	322	133	455
आईएएस अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम						
5.	मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के फेज-IV का 16वां दौर	सुश्री राधिका रस्तौगी	18 जुलाई से 12 अगस्त, 2022 तक	78	16	94
6.	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए 124वां इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम (4 सप्ताह)	सुश्री छवि भारद्वाज	13 फरवरी से 24 मार्च, 2023 तक	103	26	129
7.	संयुक्त मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दौर	सुश्री, राधिका रस्तौगी	27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022	95	35	130
8.	28वां संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिशा पन्नू	8 जून से 2022 17 जून से 2022	45	02	47
शॉर्ट टर्म कोर्स/सेमिनार/वर्कशॉप/अन्य						
9.	आपदा जोखिम प्रबंधन	सीडीएम	16 -18 नवंबर 2022	15	0	15
10.	जिला आपदा प्रबंधन योजना और घटना प्रतिक्रिया प्रणाली	सीडीएम	06-08 फरवरी, 2023	19	6	25
11.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन	सीडीएम	26 - 29 सितंबर 2022	26	3	29
12.	आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर दूसरा अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम	सीडीएम	05- 31 दिसंबर, 2022	29	20	49
13.	वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका	सीडीएम	25-29 जुलाई 2022	26	3	29
14.	नीति निर्माताओं के लिए जेंडर समावेशी शासन पर दो ई-आईटीईसी कार्यशालाएँ	एनजीसीसी	12-13 नवंबर, 2020 और 17-18 फरवरी 2021	52	112	164

15.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 के अवसर पर वेबिनार	एनजीसीसी	08 मार्च, 2021	5	22	27
16.	लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए मध्यस्थता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	सीपीएसएम	02 - 03 सितंबर 2021	16	13	29
17.	ईट राइट इंडिया मूवमेंट पर अवलोकन	सीपीएसएम	26 अप्रैल 2021			67
18.	सुश्री ऋजुता दिवेकर द्वारा रात्रिभोज से पूर्व बातचीत	सीपीएसएम, सीएफपीएच	26 अगस्त, 2021			49
19.	आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सनंदन थपलियाल	सीपीएसएम, सीएफपीएच	10 अगस्त, 2021			49
20.	एफएसएसएआई की निदेशक सुश्री इनोशी शर्मा द्वारा ईट राइट इंडिया मूवमेंट पर टीओटी	सीपीएसएम, सीएफपीएच	16 जुलाई, 2021			24
21.	एफएसएसएआई का कोविड-19 एफओएसटीएसी कार्यक्रम	सीपीएसएम, सीएफपीएच	12 अक्टूबर, 2021			40
22.	2021 बैच के अधिकारियों के फेज II के लिए लीडरशिप मॉड्यूल	एसपीएलसी	8 - 9 जून, 2022			181
23.	2021 बैच के अधिकारियों के फेज I के लिए लीडरशिप मॉड्यूल	एसपीएलसी	27 जुलाई, 2022			183
24.	96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए अंतिम लीडरशिप मॉड्यूल आयोजित करने से पहले रीफ्रेशर टीओटी	एसपीएलसी	18-20 फरवरी, 2022			
25.	97वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए लीडरशिप मॉड्यूल	सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज	22-23 सितंबर, 2022			455
26.	पर्वतमाला हिमालय और पूर्वोत्तर आउटडोर लर्निंग एरिना के लिए रोड मैप तैयार करने पर पहली कार्यशाला	सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज	1 जून, 2022			
27.	पर्वतमाला हिमालय और पूर्वोत्तर आउटडोर लर्निंग एरिना के लिए रोड मैप तैयार करने पर दूसरी कार्यशाला	एनजीसीसी	12 अगस्त, 2022			

संक्षिप्तियां

सीडीएम - आपदा प्रबंधन केंद्र

एनजीसीसी - नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर

सीपीएसएम - सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र

सीएफपीएच - फूड प्लानेट हेल्थ केंद्र

एसपीएलसी - सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां - मुख्य अंश

1. परिचय

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के प्रशिक्षण के लिए शीर्ष संस्थान है। अकादमी इंडक्शन स्तर और सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करती है। संघ की अखिल भारतीय सेवाओं और सभी समूह 'क' सेवाओं के नए अधिकारियों के लिए एक संयुक्त फाउंडेशन कोर्स आयोजित किया जाता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (भा.प्र.से.) और रॉयल भूटान सिविल सेवा के नियमित भर्ती अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, फाउंडेशन कोर्स के बाद आयोजित किया जाता है। अकादमी भा.प्र.से. के अधिकारियों के लिए सेवाकालीन और मिड-करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमसीटीपी) तथा राज्य सिविल सेवा से भा.प्र.से. में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित करती है, साथ ही लोक प्रशासन में विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित करती है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि शैक्षणिक पाठ्यक्रम प्रासंगिक है, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और अन्य विद्वानों एवं प्रेक्टीशनरों के प्रतिनिधियों की व्यापक परामर्श के माध्यम से इसकी लगातार समीक्षा की जाती है और इसे अद्यतन किया जाता है। पारंपरिक कक्षा व्याख्यानों की सीमाओं को देखते हुए, प्रशिक्षण विषय को और अधिक प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने के लिए नई शैक्षणिक पद्धति शुरू की गई है। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूलर संरचना के आधार पर संचालित किए जाते हैं, जिसके तहत प्रासंगिक विषयों को चुना जाता है और समेकित तरीके से अध्ययन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनसे संबंधित सभी पहलुओं को व्यापक रूप से शामिल किया जाए।

व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए आउटडोर और पाठ्येतर गतिविधियों पर बल दिया जाता है। शारीरिक प्रशिक्षण, टीम गेम और टेनिस, बैडमिंटन, क्रॉस-कंट्री दौड़, योग, घुड़सवारी, साहसिक खेलकूद जैसे रिवर राफ्टिंग, पैरा-ग्लाइडिंग, बंजी जंपिंग और राइफल शूटिंग कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं जिनमें प्रशिक्षु अधिकारी शामिल होते हैं। युवा प्रशासकों को कराई जाने वाली कुछ पाठ्येतर गतिविधियों में पब्लिक स्पीकिंग, थिएटर कार्यशालाएँ, मोटर मैकेनिक कौशल, बागवानी, फोटोग्राफी और संगीत आदि शामिल हैं।

सत्यनिष्ठा, नैतिक साहस, वंचितों के प्रति सहानुभूति और सम्मान के मूल्यों को बढ़ावा देने और धर्म, क्षेत्र, जाति, वर्ग या जेंडर के आधार पर किसी भी सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर, प्रशिक्षु अधिकारियों को विविध सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभिन्न क्लबों और सोसाइटियों का गठन किया गया जिनमें प्रशिक्षु अधिकारी को पदाधिकारी के रूप में चुना जाता है। वे कक्षा सत्र के बाद प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, कविता प्रतियोगिताओं और कई अन्य गतिविधियों का आयोजन करते हैं और उनमें भाग लेते हैं। इससे सौहार्द की भावना पैदा होती है और मैत्री भाव को भी बढ़ावा मिलता है।

आईएसएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II (6 सप्ताह ऑनलाइन) (2020 बैच)

हालांकि फाउंडेशन कोर्स तथा फेज़-I में सैद्धांतिक संकल्पनाएँ समझाई जाती हैं और जिला प्रशिक्षण के दौरान बुनियादी स्तर की वास्तविकताओं का अध्ययन कराया जाता है, फेज़-II कोर्स देशभर से प्राप्त अनुभवों को बांटने का समय होता है जब प्रशिक्षु अधिकारी भारत के अलग-अलग जिलों से अकादमी में लौटते हैं। फेज़-II कोर्स की विषय वस्तु प्रशासन के मामलों को समझने के लिए जिला प्रशिक्षण में राज्य स्तर पर वर्ष-भर प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा जानार्जन को समेकित करने तथा जिलों के अनुभवों से अवगत

कराने के लिए तैयार की गई है। इसके जरिए प्रशिक्षु अधिकारी अपने करियर के आरंभिक वर्षों में आने वाली समस्याओं तथा परिस्थितियों से अवगत होते हैं।

पाठ्यक्रम की अवधि	30 मई, 2022 से 8 जुलाई, 2022 तक
लक्ष्य समूह	जिला प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. संजय जे. जोशी, प्रोफेसर
	श्री नितेश झा, पाठक
	डॉ. एकता उनियाल, सहायक निदेशक
समापन भाषण	श्री सुरेश एन पटेल, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त
प्रतिभागियों की कुल संख्या	180 प्रशिक्षु अधिकारी (177 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारी और रॉयल भूटान सिविल सर्विसेज से 3 प्रशिक्षु अधिकारी)

पाठ्यक्रम लक्ष्य

आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- II को क्षेत्र में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए प्रशिक्षुओं के कौशल को निखारने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह सहभागी, संवादात्मक और साथ ही चिंतनशील हो ताकि पिछले 12 महीनों में आपने जो देखा और आत्मसात किया है, उसे दूरदर्शिता के लाभ के साथ समझ सकें। पहले के फाउंडेशन कोर्स और चरण 1 कार्यक्रम के विपरीत, चरण II कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को अपने स्वयं के जानाजान पर विचार करने की सुविधा प्रदान करना था - जो कि वास्तविक प्रत्यक्ष अनुभव है - और संभवतः इस सीमा तक इसके आसपास मॉड्यूल को तैयार करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा, प्रशिक्षुओं को यह भी समझना होगा कि पिछले छः महीनों में अकादमी में शिक्षण पद्धति और सामग्री के मामले में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है।

अकादमी को प्रौद्योगिकी-आधारित, नागरिक-केंद्रित, प्रगतिशील और उत्तरदायी प्रशासन के लिए क्षमता-निर्माण में बदलने के प्रधानमंत्री जी के आह्वान से प्रेरित होकर, मिशन कर्मयोगी अकादमी के प्रत्येक कार्य और विचार के पीछे मुख्य प्रेरक शक्ति बन गया है।

चरण- II पाठ्यक्रम में मिशन कर्मयोगी द्वारा निर्धारित सभी मुख्य दक्षताओं यानी कार्यात्मक (सही कौशल), डोमेन ज्ञान (सही ज्ञान) और व्यवहार (सही दृष्टिकोण) को प्राप्त करने के साथ-साथ प्रशिक्षु अधिकारियों में उन मूल्यों को आत्मसात करने पर जोर दिया गया है जो अकादमी का प्रतीकत्व करते हैं - संयम, अनामिकता और योग्यता।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अमृत काल के दौरान एक अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारी के महत्व को आत्मसात करना।
- संरचित प्रतिबिंब और अनुभव-साझाकरण की प्रक्रिया के माध्यम से जिला प्रशिक्षण के व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभवों का विश्लेषण करना।

- प्रौद्योगिकी-आधारित नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में फील्ड अधिकारी के रूप में कार्य करने की अनिवार्यता को समझना।
- जिला स्तर पर कानूनों के व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ-साथ प्रशासनिक, प्रबंधकीय और आईसीटी कौशल में सुधार करना।
- कार्य-कार्यकर्ता-कार्यस्थल को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक नेतृत्व गुणों और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को विकसित करना।
- शारीरिक और मानसिक फिटनेस को बढ़ावा देना।
- "मिशन कर्मयोगी" के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाना यानी व्यावहारिक, कार्यात्मक और डोमेन ज्ञान संबंधी दक्षताएं प्रदान करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

इस पाठ्यक्रम में प्राथमिक रूप से संवादात्मक, अनुभव साझा करने और विश्लेषण के माध्यम से ज्ञानार्जन को महत्व दिया गया। प्रशिक्षु अधिकारी द्वारा प्रस्तुति के लिए कुछ प्रकरणों और विषयों का चयन किया गया, जिनसे चर्चा के प्रेरक के रूप में सत्र के उद्देश्य में योगदान दिया जाना अपेक्षित था। प्रशिक्षु अधिकारियों का मूल्यांकन प्रस्तुति की गुणवत्ता, कक्षा में संवाद और कक्षा के दौरान और बाहर पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी पर आधारित था। अवगत कराने की आवश्यकता नहीं है कि चरण- II में निदेशक का मूल्यांकन प्रशिक्षुओं के व्यवहार, अनुशासन और सामान्य आचरण का आधारित रहा। प्रस्तुति सत्र का संचालन संकाय सदस्यों और/या बाहरी संसाधन व्यक्तियों द्वारा किया गया।

अकादमी ने इस पाठ्यक्रम को ऐसे विषयों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया जो सार्थक, प्रासंगिक और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उनकी तत्काल कार्य स्थितियों में लागू हों। लोक प्रशासन में कार्यक्षेत्र प्रशासकों, विधि, आईसीटी और भाषा से संबंधित इनपुट शामिल थे। प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण के पहले चरण में जो ज्ञानार्जन किया, विषयवस्तु उससे कहीं अधिक पर आधारित थी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में, अकादमी ने प्रशिक्षुओं द्वारा अब तक प्राप्त उपलब्धियों को समेकित करने और आगे ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया। प्रशिक्षण आवश्यकताओं के विश्लेषण प्रतिक्रियाओं के आधार पर संवाद, विनियमन, नेतृत्व और संचार जैसे व्यावहारिक कौशलों पर कुछ विशिष्ट सत्र शामिल किए गए। आंतरिक और बाह्य संसाधन व्यक्तियों दोनों के द्वारा इनपुट प्रदान किए गए।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

2020 बैच के लिए आईएएस प्रोफेशनल चरण- II पाठ्यक्रम 30 मई 2022 को शुरू हुआ और 8 जुलाई 2022 तक छः सप्ताह तक जारी रहा। कुल 181 प्रशिक्षु अधिकारियों (178 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारी और रॉयल भूटान सिविल सर्विसेज से 2 प्रशिक्षु अधिकारी) ने भाग लिया। यह अंतिम पाठ्यक्रम है जिसे कोई भी आईएएस प्रशिक्षु अधिकारी अकादमी में पूरा करता है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन को पूरा करने के लिए, अकादमी ने आईएएस अधिकारी के व्यक्तित्व को फिर से विचार-बिंदु बनाया। माननीय प्रधान मंत्री ने प्रशिक्षुओं से चिंतनशील बनने और "नियम संदर्भ" का मूल्यांकन करने - विनियमन के पारिस्थितिकी तंत्र का पता लगाने और फिर इसे विवेकपूर्ण तरीके से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने "राष्ट्रीय दृष्टिकोण, स्थानीय कार्रवाई" का आह्वान किया। यह युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को एक अलग तरह का कर्मयोगी बनने का आदेश देता है। प्रत्येक लोक सेवा को कर्मयोगी के सिद्धांतों को अपनाना और व्याख्या करना चाहिए और उन्हें आत्मसात करना चाहिए। इसी

तरह, आईएस के मामले में भी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में हमने एक भाव विरेचक दृष्टि अभ्यास शुरू किया है, और अब एक मसूरीवाला-कर्मयोगी की छवि में सेवा की आत्मा को देखते हैं।

मसूरीवाला-कर्मयोगी विद्वान-प्रशासक है। मसूरीवाला एक सिविल सेवक है जिसकी आत्मा "योग्यता-अनामिकता-संयम" के मूलभूत सिद्धांतों से परिपूर्ण है, और गहन प्रासंगिक विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण द्वारा शासित "डोमेन-प्रेक्टिस-मैकेनिस्टिक" कौशल की कई विशेषताओं के साथ निपुण है। इसे ही प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में "नियम संदर्भ" के रूप में संदर्भित किया है। एक सहानुभूतिशील मसूरीवाला-आईएस अधिकारी लोगों के उस सेवक का अवतार है, जो गांधी जी के टैलिसमैन से जीवंत हो चुका है।

अकादमी की शिक्षणपद्धति अब व्यक्तित्व के इन मुख्य घटकों को प्रतिबिंबित करेगी, और अलग-अलग वरिष्ठता के विभिन्न समूहों को उनके करियर और स्तर की जरूरतों के लिए उपयुक्त इनपुट दिए जाएंगे। उदाहरण के लिए, एक युवा अधिकारी की जरूरतें नागरिकता मूल्यों, यांत्रिक और व्यवसायी कौशल पर अधिक होंगी; जबकि वरिष्ठ स्तरों पर अधिक शैक्षिक कौशल की आवश्यकता होगी। अध्ययन बोर्ड द्वारा अनुशंसित और अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम इस दृष्टिकोण को दर्शाता है।

इस पाठ्यक्रम को डिजाइन करने और सेवा के पहले 8-10 वर्षों के दौरान फील्ड स्तर के आईएस अधिकारियों की जरूरतों/प्राथमिकताओं को ध्यान में रखने के लिए, अकादमी ने मई 2022 के दौरान चरण- II आईएस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण (टीएनए) सर्वेक्षण आयोजित किया। भौगोलिक रूप से पूरे देश में फैला हुआ था और इसने हमें कई जानकारीयें उपलब्ध करायीं। इन निष्कर्षों ने आपके पाठ्यक्रम की नई शिक्षण पद्धति की जानकारी दी।

चरण- II पाठ्यक्रम के दौरान, अकादमी ने प्रशिक्षुओं को उनकी अब तक की यात्रा पर विचार करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया, साथ ही साथ मिशन कर्मयोगी द्वारा अनिवार्य प्रमुख दक्षताओं को भी प्रदान किया। उम्मीद है कि इससे वे न केवल रोजमर्रा की कामकाजी चुनौतियों, बल्कि अप्रत्याशित और उभरते संकट से भी प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम होंगे। चूँकि अब हमने वयस्क-ज्ञानार्जन शिक्षण पद्धति में विश्वास रखते हैं और प्रशिक्षुओं को अपने स्वयं के अनुभवों और अपने साथियों से सीखने की सुविधा प्रदान करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री के वे यादगार शब्द हमें जीवंत कर देते हैं जब उन्होंने कहा था, *'अपने आप से पूछें कि क्या सेवा की भावना या कर्तव्य की भावना कम नहीं हो रही है' और 'काम पूरा करने के दो तरीकों - आदेश देकर और प्रेरित करके - के बीच बहुत अंतर है' कर्तव्य की भावना रखने वाले अन्य... यह एक नेतृत्व गुण है जिसे आपको विकसित करना चाहिए।'* इस प्रकार, नव स्थापित सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र और इसके प्रमुख "लर्निंग टू लीड" कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व कौशल प्रदान किए गए।

समृद्ध प्रस्तुति के हिस्से के रूप में, प्रशिक्षुओं को माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जैसे प्रतिष्ठित नेताओं के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

भारतीय प्रशासनिक सेवा का पारिस्थितिकी तंत्र निरंतर "लर्निंग, डी-लर्निंग और री-लर्निंग" की मांग करता है। हमने गहन डी-कंस्ट्रक्शन मॉड्यूल (सेवाओं में नए प्रवेशकों के लिए एक पुनः अभिविन्यास अभ्यास) के साथ शुरुआत की, जो अब अकादमी की शिक्षणपद्धति का अभिन्न हिस्सा है। 96वें फाउंडेशन कोर्स और आईएस 2021 बैच चरण-I प्रोफेशनल कोर्स के दौरान आयोजित डी-कंस्ट्रक्शन मॉड्यूल को न केवल बेहतर प्रतिक्रिया मिली, बल्कि इसने युवा प्रशिक्षु अधिकारियों के मस्तिष्क पर अमिट छाप भी छोड़ी। इसी तरह का एक अभ्यास चरण- II पाठ्यक्रम के पहले सप्ताह में आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं को उनकी अब तक की यात्रा - अकादमी में फाउंडेशन कोर्स और चरण- I पाठ्यक्रम, शीतकालीन अध्ययन यात्रा और वर्ष भर

चलने वाले जिला प्रशिक्षण के बारे में विचारमंथन कराया गया। हमने प्रशिक्षुओं को एक प्रबुद्ध नागरिक की सहानुभूति और अपनेपन को बनाए रखते हुए, नई भूमिका के मूल्यों और लोकाचार को आत्मसात करते हुए एक युवा छात्र-नागरिक से एक लोक सेवक बनने के मार्ग पर मार्गदर्शन करने का प्रयास किया।

डी-कंस्ट्रक्शन अभ्यास के दौरान और चरण- II पाठ्यक्रम के दौरान, हमने तीन गुणों पर फिर से जोर दिया जो अकादमी के दृष्टिकोण और आईएएस की भावना को समाहित करते हैं यानी **अनामिकता, योग्यता और संयम**। इन तीन गुणों को सेवा लोकाचार के मूलमंत्र के रूप में पोषित किया गया। हानिकारक सोशल मीडिया परिवेश के सामने अनामिकता का गुण जीवंत बनाए रखने की आवश्यकता है। योग्यता आईएएस अधिकारी की तेजी से बदलती भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक कार्यों और कौशलों को सीखने, फिर से सीखने और सीखते रहने की क्षमता को दर्शाती है। मितव्ययता न केवल मितव्ययी और सरल जीवन शैली की अवधारणा को समझने और आत्मसात करने का संकेत देती है बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के विवेकपूर्ण और प्रभावी प्रबंधन को भी संदर्भित करती है। सेवा के युवा सदस्यों को झूठे प्रचार के बजाय अनामिकता बनाए रखने, ग्लैमर की आकांक्षा करने के बजाय विनम्र और सक्षम होने, अधिकार की मिथ्य भावना रखने के बजाय जमीन से जुड़े रहने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

हमें विश्वास है कि श्री राजीव महर्षि, श्री गोविंद मोहन, श्री देवेश चतुर्वेदी, श्री अशोक कुमार, उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक और श्री अजय भटनागर, अपर निदेशक, सीबीआई जैसे प्रतिष्ठित वरिष्ठ अधिकारियों से उनकी बातचीत ने उन्हें अपेक्षित परिणामों की दिशा में मार्गदर्शन किया होगा जैसा कि पिछले पैराग्राफ में बताया गया है।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने मार्च 2022 में 96वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा था कि *"हमें भविष्य की पीढ़ियों के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा गवर्नेंस पर पाठ्यक्रम जोड़ना चाहिए"*। अकादमी में अब **डिजिटैग क्षेत्र** है, जिसे इस आह्वान की प्रतिक्रिया के रूप में स्थापित किया गया है, और यह प्रशिक्षुओं को भविष्य के लिए तैयार करने और उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे उच्च स्तरीय आईसीटी उपकरणों से परिचित कराने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है। पाठ्यक्रम के दौरान एनईजीडी के साथ डिजिटैग द्वारा 'उभरती प्रौद्योगिकियों और स्टार्ट-अप इंडिया पर एक कॉन्क्लेव' का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आने वाले वर्षों में अधिकारियों और संस्थानों को पारदर्शी, कुशल और आसानी से सुलभ नागरिक-केंद्रित ई-गवर्नेंस ढांचे के दायरे में ले जाना है।

इसके अलावा, चरण- II का मुख्य विषय 'अमृत काल के दौरान राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति संवेदनशीलता' केंद्र बिंदु के रूप में शामिल रहा, जिसे हमने 5 व्यापक अंब्रेला- आजीविका का समर्थन, ग्रामीण भारत का निर्माण, बेहतर एचडीआई की ओर, आत्मनिर्भरता @ 2047 और शहरी भारत का कायाकल्प के तहत शामिल करने का प्रयास किया। सबका प्रयास की भावना अनुरूप अकादमी ने पुरस्कार प्राप्त प्रशासकों, नीति-निर्माताओं, चिकित्सकों, नवप्रवर्तकों, व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वालों, उद्योग और नागरिक समाज संगठनों के मिश्रण से संवाद और ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान की – ये सभी लोक हित प्रदायगी की सामान्य भावना से जुड़े हैं।

"वोकल फॉर लोकल", "थिंक नेशनल, एक्ट लोकल" और "आत्मनिर्भर भारत" के संदर्भ में, हमने प्रशिक्षुओं को पोषण अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, आकांक्षी जिले, मनरेगा और एनआरएलएम, जे-ए-एम योजना, जन धन-आधार-मोबाइल-आधारित), प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई), भौगोलिक

संकेतक, जनजातीय उपज के विपणन के लिए वन धन विकास योजना, ओडीओपी और इन्वेस्ट इंडिया, पीएमएवाई - शहरी, स्मार्ट शहर और अमृत, जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान और किसानों की आय दोगुनी करना जैसी योजनाओं पर अंतर्दृष्टि से समृद्ध किया।

इसके अलावा, नवीनीकृत लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की विशेषता बताने वाले नए शैक्षणिक इनपुट प्रदान किए गए। दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी)-आईएमएफ द्वारा मैक्रोइकॉनॉमिक्स मॉड्यूल; डीएमईओ, नीति आयोग द्वारा आउटपुट-परिणाम निगरानी ढांचा और डेटा गवर्नेंस गुणवत्ता सूचकांक; आईआईएम-रायपुर द्वारा डेटा संग्रह, हस्तक्षेप डिजाइन और केस स्टडीज की तैयारी; एनसीडीईएक्स द्वारा कमोडिटी बाजार; रेरा अधिनियम और आईटी अधिनियम 2000 पर इनपुट; भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त द्वारा जनगणना पर व्यावहारिक मॉड्यूल जैसे कुछ नाम शामिल हैं।

लोक प्रशासन में नैतिकता, कानून और व्यवस्था को संभालना, नगर निगम आयुक्तों की संगोष्ठी, कठिन क्षेत्रों में कार्य करना (लद्दाख, अरुणाचल और छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद), अदालती काम संभालना, अभूतपूर्व स्थितियों को संभालना, शिकायत पत्र तैयार करना, सेवा मामले और क्षेत्रीय भाषा इनपुट जैसे व्यावहारिक प्रशासन पर सत्र के माध्यम से कार्यात्मक और डोमेन ज्ञान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

जुलाई 2022 में, चरण- II पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद, उन्हें भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में सहायक सचिव के रूप में तैनात किए जाने की उम्मीद थी। हमने उन्हें उन साधनों से सशक्त बनाने का भी प्रयास किया गया जो उन्हें मंत्रालयों में अपने कार्यकाल के दौरान सराहनीय प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएंगे। इनमें कैबिनेट नोट तैयार करने और टिप्पण लेखन कौशल और सार्वजनिक नीति के मामलों को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने और प्रस्तुत करने की क्षमता भी शामिल रही।

मूल्यांकन

अकादमी पारंपरिक परीक्षा आधारित मूल्यांकन विधियों से पाठ्यक्रम मॉड्यूल पर शोध पत्र, कक्षा प्रस्तुतियों, वाद-विवाद और चर्चा आदि के आधार पर समवर्ती और गहन मूल्यांकन पैटर्न में स्थानांतरित हो गई है। प्रशिक्षुओं ने प्रत्येक प्रमुख राष्ट्रीय योजनाओं और संबंधित क्षेत्रों पर प्रस्तुतियाँ दीं जिनका पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में मूल्यांकन किया गया। यह ज्ञानार्जन को जमीनी स्तर पर लाने के साथ-साथ नए और नवीन विचारों को उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया। सहायक संकाय सदस्यों की नई अवधारणा के साथ, देश भर में प्रतिष्ठित प्रतिभाशाली आईएएस अधिकारियों को प्रशिक्षुओं के लिए उनके निरंतर मार्गदर्शन और सलाह के लिए उपलब्ध कराया गया।

शारीरिक फिटनेस और आउटडोर

प्रवेश स्तर की फिटनेस बेंचमार्किंग जो 96वें फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए शुरू की गई, उसे चरण- II प्रशिक्षुओं तक भी विस्तारित किया गया। वैज्ञानिक लचीलेपन प्रशिक्षण, अत्यधिक शारीरिक और मानसिक सहनशक्ति के लिए साहसिक खेलों को अपनाने और दिन-प्रतिदिन के कार्यक्रम में सख्त अनुशासन बनाए रखने सहित विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक फिटनेस को बढ़ाया गया। इनमें पारंपरिक खेलों के अलावा क्राव मागा, तैराकी के इनपुट भी शामिल रहे। अंतर-बैच खेल प्रतियोगिताएं आईएएस 2020, आईएएस 2021 और आईएएस 2021 बैच डी-साइलोइज़ेशन की भावना से आयोजित की गई। प्रशिक्षुओं और अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पाठ्यक्रम को हमारी विरासत की झलक और जीवंतता से जोड़ा।

1. आईएएस प्रशिक्षुओं के लिए आजादी का **अमृत महोत्सव पर सेमिनार** आयोजित किया गया और इसका **उद्घाटन उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।**
2. आजादी का अमृत महोत्सव को 2020 और 2021 आईएएस बैच द्वारा संयुक्त रूप से **अमृतोत्सव** के रूप में मनाया गया। प्रशिक्षुओं के स्टालों से 1.20 लाख रुपये से अधिक का लाभ हुआ, जिसे बाद में सोशल सर्विस सोसाइटी को योगदान स्वरूप दे दिया गया।
3. हस्तशिल्प और जीआई उत्पादों का **प्रदर्शन करने के लिए 22 राज्यों** (अनुलग्नक - 2) से एसएचजी को आमंत्रित किया गया। यह वर्ष की बात थी कि इन स्टालों पर जीआई उत्पाद प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध रहें, जिन पर आईएएस 2020 प्रशिक्षुओं ने अपने जिला प्रशिक्षण के दौरान कार्य किया था।
4. **संस्कृति मंत्रालय द्वारा इंदिरा भवन में स्वतंत्रता संग्राम में जिलों की भूमिका** विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इनमें से कई कहानियाँ डिस्ट्रिक्ट डिजिटल रिपोजिटरी प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में 2020 और 2021 बैच के प्रशिक्षुओं द्वारा एकत्र की गईं। मसूरी के प्रमुख स्कूलों के 500 से अधिक स्कूली बच्चों, प्रशिक्षु अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों और उनके परिवारों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।
5. मसूरी के पास एक गांव में भारतीय सेना की इको-टास्क फोर्स बटालियन के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया।
6. 2047 तक देश के लिए क्या हासिल किया जाएगा, इस पर **लक्ष्य निर्धारण अभ्यास** - यह **वॉकवे ऑफ सर्विस टाइम कैप्सूल** के लिए 2020 बैच के सभी आईएएस प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया। इन्हें अगस्त 2047 तक खोला जाएगा और यह इन अधिकारियों के लिए प्रतिबिंब, गर्व और संतुष्टि की भावना को पोषित करेगा, जो उस समय उच्च स्तर पर वरिष्ठ नेतृत्व भूमिका निभाएंगे।

आईएसएस चरण II (2020 बैच) में प्रतिभागियों का राज्यवार विवरण

राज्य से प्रतिभागी	पुरुष	महिला	प्रतिभागी
अगमुट	06	06	12
आंध्र प्रदेश	08	03	11
असम-मेघालय	04	04	08
बिहार	05	02	07
छत्तीसगढ़	04	03	07
गुजरात	04	04	08
हरियाणा	04	01	05
हिमाचल प्रदेश	04	00	04
झारखंड	05	01	06
कर्नाटक	07	01	08
केरल	06	03	09
मध्य प्रदेश	07	01	08
महाराष्ट्र	07	03	10
मणिपुर	01	00	01
ओडिशा	04	01	05
पंजाब	03	01	04
राजस्थान	04	02	06
रॉयल भूटान सिविल सर्विस	02	01	03
सिक्किम	00	01	01
तमिलनाडु	07	05	12
त्रिपुरा	04	00	04
तेलंगाना	06	02	08
उत्तर प्रदेश	12	04	16
उत्तराखंड	02	00	02
पश्चिम बंगाल	12	03	14
कुल	128	52	180

7 जुलाई 2022 को केंद्रीय सतर्कता आयुक्त, श्री सुरेश पटेल द्वारा समापन भाषण दिया गया। इसके बाद 9 जुलाई 2022 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया गया। यह दौरा सार्थक और गहन चरण- II व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए वास्तविक और लाक्षणिक अंतिम कार्यक्रम (केपस्टोन इवेंट) के रूप में शामिल रहा।



आईएएस चरण- II (2022 बैच) का समापन

97वां फाउंडेशन कोर्स (15 सप्ताह)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सेवाओं और रॉयल भूटान सेवा के नवनियुक्त प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम, फाउंडेशन कोर्स का आयोजन करती है।

फाउंडेशन कोर्स, जैसा कि इसके नाम से ही ज्ञात होता है, वह आधारशिला है जिस पर सरकार में सिविल सेवक के करियर का निर्माण किया जाता है। फाउंडेशन कोर्स सरकार में सिविल सेवक के औपचारिक आरंभ का प्रतीक है, जो हमारे राष्ट्र के लोगों की सेवा के लिए समर्पित जीवन की शुरुआत है। यह इस बात को दर्शाता है कि सरकार कैसे कार्य करती है, इसे संचालित करने वाले मूल्य और लोकाचार क्या हैं, भारत जैसे विशाल जटिल और विविध देश के शासन में उत्पन्न होने वाली मुख्य चुनौतियाँ, अवसर और प्रतिक्रियाएँ क्या-क्या हैं।

पाठ्यक्रम का उद्घाटन 5 सितंबर, 2022 को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के निदेशक श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला द्वारा किया गया और पाठ्यक्रम समापन 9 दिसंबर, 2022 को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया।

चूंकि प्रशिक्षु अधिकारी सरकार में नए हैं, अकादमी उन्हें सुनियोजित पाठ्यक्रम के माध्यम से राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों के वातावरण से परिचित कराना चाहती है। पंद्रह सप्ताह के इस लंबे फाउंडेशन कोर्स में भारतीय संघ सेवाओं से अधिक की 15 और रॉयल भूटान की तीन सेवाओं को शामिल किया गया, जिसमें सिविल सेवकों को नई शिक्षा और साहसिक कार्य, ग्रामीण भारत में गहन अनुभवों, रेजिलिएन्स, हमारी समृद्ध विरासत की विविधता और गहनता की जानकारी देने का प्रयास किया गया और हिमालय के पहाड़ों और घाटियों के बीच ट्रेक और केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया गया।

कार्यक्रम की तिथि	29 अगस्त, 2022 से 9 दिसंबर, 2022 तक
कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	अखिल भारतीय सेवाओं तथा विभिन्न केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) (रॉयल भूटान सेवाओं सहित) के नए भर्ती अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री आनंदी, उप निदेशक (वरि.)
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी शंकर, उप निदेशक सुश्री दिशा पन्नू, उप निदेशक डॉ. संजय जोशी, प्रोफेसर डॉ. अनुपम तलवार, सहायक निदेशक डॉ. एकता उनियाल, सहायक निदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत की माननीय राष्ट्रपति
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल-455 (पुरुष-322; महिला-133)

पाठ्यक्रम का लक्ष्य

97वें फाउंडेशन कोर्स का उद्देश्य 455 युवा प्रशिक्षु अधिकारियों में अधिकारी-सदृश गुणों को विकसित करना था। फाउंडेशन कोर्स का मुख्य उद्देश्य देश की विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों में मैत्री-भाव को विकसित करना रहा। अकादमी ने रॉयल भूटान सिविल सेवा के अधिकारियों को भी 97वें फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की।

फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षु अधिकारियों को कॉलेज तथा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक जीवन से सरकार की व्यवस्थित प्रणाली में कार्य करने के लिए रूपांतरित किया जाता है। अधिकांश प्रतिभागियों के लिए यह पाठ्यक्रम सरकार और शासन एवं समाज में सरकार की भूमिका के बारे में पहला परिचय था। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई ताकि शैक्षणिक, बाह्य क्रियाकलाप, पाठ्येतर तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को मिलाकर निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। अकादमी का उद्देश्य प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को उन आधारिक मूल्यों, कौशल तथा ज्ञान से परिपूर्ण करना है जो उनके व्यवसाय में सहायक हों। उन्हें सरकारी क्षेत्रों में प्रभावी कार्य-निष्पादन के लिए जरूरी, शासन की बुनियादी अवधारणाओं, नियमों तथा विनियमों को समझने में उपयोगी प्रशिक्षण सामग्रियाँ उपलब्ध कराई गईं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- प्रशिक्षु अधिकारियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी देना।
- प्रशिक्षु अधिकारियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।
- प्रशिक्षु अधिकारियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता, शारीरिक स्वास्थ्य तथा रुचियों का विकास करना।
- मैत्री-भाव विकसित करके विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के बीच अधिक समन्वय को बढ़ावा देना।
- प्रशिक्षु अधिकारी के पेशेवर, बौद्धिक और भावनात्मक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए सर्वोत्तम संभव शिक्षण सामग्री और संसाधन व्यक्तियों का अनुभव प्रदान करना।
- प्रशिक्षु अधिकारी को ऐसा वातावरण प्रदान करना जो बौद्धिक विकास और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए पूछताछ और विचार की स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करता है, फिर भी अनुशासन से ओत-प्रोत है।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

97वें फाउंडेशन कोर्स में पाठ्यक्रम का डिज़ाइन कई मायनों में पहले कोर्स से काफी अलग है। प्रथमतः यह काफी हद तक विषयगत, सप्ताहवार कोर्स है।

प्रत्येक सप्ताह में एक केंद्रीय विचार/विषय शामिल होता है, जो प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को उस विषय को गहनता से समझने में सक्षम बनाता है। जर्नलिंग से शुरू होने वाले और निबंध तथा मौखिक प्रस्तुति

समाप्ति वाले पाठ्यक्रम डिजाइन में इन परिवर्तनों को समायोजित करने के लिए आकलन और मूल्यांकन मानदंडों को भी संशोधित किया गया।

तदुपरान्त, पाठ्यक्रम के डिजाइन को 'मिशन कर्मयोगी' के सिद्धांतों के साथ जोड़ा गया और इनडोर कक्षा के अनुभवों को आउटडोर विजिट द्वारा उपयुक्त रूप से संतुलित किया गया, जिन्हें सचेत रूप से गहन और अनुभवात्मक बनाया गया।

फाउंडेशन कोर्स में शामिल 15 सप्ताहों में से लगभग पांच सप्ताह अकादमी परिसर के बाहर यात्रा, भ्रमण और शिविर लगाने में व्यतीत हुए। भारत के 75वें स्वतंत्रता संग्राम जिलों में सामान्य से अधिक लंबे क्षेत्र अध्ययन और शोध कार्यक्रम (12 दिन) से लेकर गुजरात में अहमदाबाद से केवडिया तक आरंभ 4.0 और भुज से लेकर हिमालय में एक सप्ताह से अधिक की यात्रा तक, इन सभी से न केवल बौद्धिक क्षमताओं को बढ़ाया और उनमें निखार लाया गया बल्कि गुणवत्ता, दृढ़ता, सहनशीलता, साझाकरण, सहानुभूति और समावेश जैसे गुणों का भी विकास हुआ है।

इस वर्ष पाठ्यक्रम डिजाइन में केंद्र बिन्दु और विशेषता के दो महत्वपूर्ण क्षेत्र थे। पहला संप्रेषण, मौखिक और लिखित दोनों पर बल देना, और दूसरा फिटनेस पर बल देना है। कठोरता लाने के लिए इसे एक अनुशासन का रूप दिया गया और साथ ही इसकी ओर पर्याप्त अभ्यास और मूल्यांकन किया गया। इस मॉड्यूल को प्रदान करने के लिए विश्व भर से विशेषज्ञ एकत्रित हुए और इस मॉड्यूल का आयोजन पूरे फाउंडेशन कोर्स में किया गया और यही कोर्स का आधार भी बना।

शैक्षणिक इनपुट

विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर अकादमिक इनपुट मॉड्यूल के माध्यम से प्रदान किए गए: -

- मौखिक संप्रेषण
- लिखित संप्रेषण
- कानून
- आईएमएफ के साथ अर्थशास्त्र (माइक्रो और मैक्रो)
- सीएमयू के साथ डेटा एनालिटिक्स
- विदेश मंत्रालय के साथ भारत और इसके पड़ोसी देश
- राष्ट्रीय सुरक्षा मॉड्यूल
- सार्वजनिक नीति
- प्रबंध
- नीति
- सूचना प्रौद्योगिकी

इसके अलावा, बाहरी गतिविधियों (शारीरिक प्रशिक्षण; योग कक्षाएं और घुड़सवारी), सांस्कृतिक गतिविधियों, पाठ्येतर मॉड्यूल के माध्यम से सह-पाठ्यचर्या संबंधी इनपुट भी दिए गए।

अकादमी में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को कई पदक और ट्राफियां प्रदान की गईं।

फाउंडेशन पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित मुख्य गतिविधियाँ:

1) शारीरिक फिटनेस और खेल: स्वस्थ शरीर पाने के लिए शारीरिक फिटनेस न केवल सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है बल्कि यह स्वस्थ मस्तिष्क की नींव है। अकादमी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को उत्साहजनक माहौल प्रदान करने का प्रयास किया जिसमें शारीरिक फिटनेस प्रशिक्षण और समग्र व्यक्तित्व विकास अभिन्न और महत्वपूर्ण घटक था।

- **पाठ्यक्रम से पूर्व मूल्यांकन:** जैसे ही प्रशिक्षु अधिकारियों ने अकादमी को रिपोर्ट किया, लचीलेपन, मांसपेशियों की ताकत, कार्डियो वस्क्यूलर फिटनेस और संतुलन जैसे मापदंडों का आकलन करने के लिए कुछ आवश्यक स्वास्थ्य और फिटनेस परीक्षण किए गए। इसने वर्तमान फिटनेस स्तर का आधार निर्धारित किया गया, जिसे अकादमी प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को कोच और प्रशिक्षकों की सलाह के साथ खेल परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करके सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

- **सुबह की गतिविधियाँ:** दिन की शुरुआत 06:15 बजे हुई। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सुबह की अनिवार्य गतिविधियाँ जिनमें शारीरिक प्रशिक्षण, योग, एरोबिक्स, ज़ुम्बा और अन-आर्मर्ड कॉम्बैट शामिल हैं। क्राव मागा (निशस्त्र युद्ध का एक रूप) के माध्यम से आत्मरक्षा को महत्वपूर्ण कौशल के रूप में पहचाना गया और तदनुसार प्रशिक्षु अधिकारियों को पूरे उत्साह के साथ इसमें महारत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

2) फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम: यह अध्ययन/कार्यक्रम गांव में मौजूद सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक स्थिति की गतिशीलता का आकलन करने के लिए किया गया। इसके अलावा, इससे इस प्रकार भी सहायता मिली :-

- ग्रामीण लोगों, विशेषकर सामाजिक रूप से वंचित वर्गों और महिलाओं की समस्याओं को समझना।
- सरकारी और गैर-सरकारी हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप या समय व्यतीत के साथ गाँव में जीवन की गुणवत्ता के संदर्भ में हुए स्थानिक और लौकिक परिवर्तनों का मूल्यांकन करना।
- भागीदारी और प्रभावशीलता के संदर्भ में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के विभिन्न ग्राम स्तरीय संस्थानों के कामकाज का मूल्यांकन करना।
- अपनी समस्याओं के जन-आधारित समाधान विकसित करने में ग्रामीणों से ज्ञानार्जन की आवश्यकता के महत्व को पहचानना।
- पारिस्थितिक असंतुलन और आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता के संबंध में गांव के भौतिक पर्यावरण का अध्ययन करना।

प्रशिक्षु अधिकारी 24 सितंबर, 2022 से 2 अक्टूबर, 2022 तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम जिले में क्षेत्र अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम के लिए आगे बढ़े। क्षेत्र अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम फाउंडेशन कोर्स का एक प्रमुख घटक है, न केवल इसलिए कि यह प्रशिक्षु अधिकारियों को संरचित अध्ययन के माध्यम से ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं से अवगत कराता है, बल्कि इसलिए भी कि यह उन्हें गांवों में रहने और ग्रामीण आबादी के साथ गहन बातचीत करने का अवसर प्रदान करता है ताकि उनकी चिंताओं और प्राथमिकताओं को समझा और सराहा जा सके। उन्हें यात्रा के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करने के लिए डेटा संग्रह और विश्लेषण, ग्रामीण विकास कार्यक्रम, सामाजिक क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, पीआरए तकनीक आदि पर इनपुट दिए गए। अधिकारी प्रशिक्षुओं ने उन्हें दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार गांव में

एक सर्वेक्षण भी किया।

वापस लौटने पर, उन्होंने गतिविधियों, निष्कर्षों और सिफारिशों की व्यक्तिगत एवं समूह रिपोर्ट प्रस्तुत की और समूह प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें एकत्र किए गए डेटा और विश्लेषण की गुणवत्ता दोनों के आधार पर वर्गीकृत किया गया।

3) सबका विकास एवं अमृतोत्सव मेला: अकादमी ने 17 सितंबर 2022 को सबका विकास कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की, जिसमें लगभग दर्जन भर पद्म पुरस्कार विजेताओं के जीवन, संघर्ष और योगदान को प्रदर्शित किया गया, जिन्होंने निस्वार्थ रूप से स्वयं को जन कल्याण के लिए समर्पित किया और अपने आस-पास के जीवन पर सार्थक प्रभाव डाला। प्रशिक्षु अधिकारी पूर्वाहन में पद्म पुरस्कार विजेताओं से मिले और बातचीत की। उसी सप्ताहांत, प्रशिक्षु अधिकारियों ने देश भर में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सफलताओं और उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए "अमृतोत्सव मेला" का आयोजन किया, जो स्थानीय पारंपरिक हस्तशिल्प को संरक्षण और बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। 17 सितंबर 2022 को "अमृतोत्सव मेला" का उद्घाटन करने और सबका विकास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

4) एथलेटिक्स मीट: यह फाउंडेशन पाठ्यक्रम के दौरान प्रमुख कार्यक्रम है और सभी प्रशिक्षु अधिकारियों की भागीदारी अनिवार्य है। इस मीट में 100 और 200 मीटर रिले दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, शॉट-पुट थ्रो आदि जैसे विभिन्न ट्रैक और फील्ड कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए अपनी एथलेटिक क्षमता को परखने और प्रदर्शित करने का अवसर होता है। इस फाउंडेशन पाठ्यक्रम के दौरान कुछ नए रिकॉर्ड भी बने जैसे 100 मीटर दौड़ और ऊंची कूद (महिला) और ऊंची कूद (पुरुष)।

5) केवडिया यात्रा: आरंभ

क) सिविल सेवकों को परिवर्तन का नेतृत्व करने तथा विभिन्न विभागों और क्षेत्रों में निर्बाध रूप से कार्य करने में सक्षम बनाने के विजन से, 2019 में 94वें फाउंडेशन कोर्स के भाग के रूप में "आरंभ" नामक उभयनिष्ठ अवलोकन और सहयोगात्मक अभ्यास शुरू किया गया, जिसमें सभी नव नियुक्त प्रशिक्षु अधिकारी शामिल थे। प्रशिक्षु अधिकारी विश्व स्तरीय संस्थानों के विशेषज्ञों की सहायता से बदलती प्रौद्योगिकियों और शासन के लिए इसकी संभावनाओं को समझने के लिए केवडिया, गुजरात में एकत्रित हुए। "आरंभ" के दौरान, प्रशिक्षु अधिकारी द्वारा वर्तमान संदर्भ में देश के लिए प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषय को अभ्यास के रूप में गहन समझ और विश्लेषण के लिए चयनित किया जाता है।

ख) 97वें फाउंडेशन कोर्स में, आरंभ 4.0 का आयोजन 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2022 तक केवडिया में ही किया गया। इसका विषय था "डिजिटल गवर्नेंस: फाउंडेशन एंड फ्रंटियर्स" जहाँ स्थानीय नवाचारों से लेकर वैश्विक अगली पीढ़ी के प्रयोगों को अंजाम देने वाले विशेषज्ञों ने इस विषय पर प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम का समापन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रशिक्षुओं को संबोधित करने के साथ हुआ।

6) भारत दिवस: सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य बिंदु "भारत दिवस" का महोत्सव है। इस दिन, प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा आउटडोर और इनडोर गतिविधियों के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति, रीति-रिवाजों, कला और शिल्प और व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षुओं को अपने क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की समृद्ध परंपराओं के बारे में जागरूक करने के अलावा, देश की समृद्ध विरासत के प्रति गौरव का अनुभव प्राप्त हुआ।

- 7) **आईएमए के साथ मीट:** इसके अलावा, आईएमए के युवा कैडेटों को पाठ्यक्रम के दौरान फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और शो जंपिंग स्पर्धाओं में एलबीएस और आईएमए की मिश्रित टीमों के बीच प्रदर्शनी मैचों के लिए अकादमी में आमंत्रित किया गया। इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य अकादमी के प्रतिबद्ध और जिम्मेदार भविष्य के नेताओं के बीच साइलोज की समाप्ति सुनिश्चित करना और प्रगाढ़ संबंध बनाना था।
- 8) **ए.के.सिन्हा एकांकी नाटक:** 1976-78 बैच (राजस्थान कैडर) के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी स्वर्गीय श्री अनिरुद्ध कुमार सिन्हा बहुत ही प्रतिभाशाली नाटककार थे। वह अपना जिला प्रशिक्षण पूरा करने ही वाले थे कि वह बीमार पड़ गये और मस्तिष्क ज्वर के कारण उनका निधन हो गया। उनकी स्मृति को अमर बनाने के लिए, उनके बैच के साथियों ने ए.के.सिन्हा मेमोरियल ट्रॉफी की शुरुआत की। सर्वश्रेष्ठ एकांकी नाटक को ए.के. सिन्हा मेमोरियल ट्रॉफी प्रदान की जाती है। तदनुसार, प्रत्येक फाउंडेशन पाठ्यक्रम में ए.के. सिन्हा मेमोरियल एकांकी नाटक प्रतियोगिता होती है। इस आयोजन के दौरान प्रस्तुत नाटकों की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है, जिससे यह वर्षों से बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम बन गया है।
- 9) **वार्षिक फेट:** यह पाठ्यक्रम के एक दिन के दौरान सभी प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा उनके ट्यूटर ग्रुप के अनुसार आयोजित किया जाता है। खेल, भोजन, एसएचजी उत्पादों आदि के स्टॉल लगाए जाते हैं और मसूरी के लोगों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। फेट का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के लिए धन जुटाना और स्वयं सहायता समूहों की सहायता करना था। मसूरी के कैलेंडर में यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और प्रशिक्षु अधिकारी, संकाय सदस्य और शहर के लोग भी समान प्रत्याशा और उत्साह के साथ इसका इंतजार करते हैं।
- 10) **ट्रेकिंग:** हिमालयी ट्रेक (23 नवंबर, 2022 से 2 दिसंबर, 2022) शाब्दिक और लाक्षणिक दोनों ही दृष्टि से फाउंडेशन पाठ्यक्रम का मुख्य बिंदु है। यह प्रशिक्षु अधिकारियों को महान हिमालय की प्राकृतिक भव्यता और सुंदरता से परिचित कराता है। यह सर्वाधिक उत्साहवर्धक अनुभव प्रदान करता है। यह सक्रिय समूह का महत्वपूर्ण ज्ञानार्जन है और इससे नेतृत्व गुणों का विकास होता है। शक्तिशाली हिमालय किसी भी व्यक्ति में प्रकृति के प्रति सम्मान के साथ-साथ विनम्रता की भावना पैदा करता है जो उन्हें जानने का प्रयास करता है। यह सहनशक्ति और साहस की भी परीक्षा है।

परिशिष्ट-1: 97वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी

सेवा-वार विवरण

सेवा	पुरुष	महिला	कुल
भारतीय प्रशासनिक सेवा	127	50	177
इंडियन ऑडिट्स एवं अकाउंट्स सर्विस	04	03	07
इंडियन सिविल अकाउंट्स सर्विस	05	00	05
इंडियन कॉरपोरेट लॉ सर्विस	02	02	04
इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस	11	03	14
इंडियन डिफेंस एस्टेट सर्विस	02	00	02
भारतीय सूचना सेवा	22	12	34
भारतीय वन सेवा	45	05	50
भारतीय सूचना सेवा	01	00	01
भारतीय पुलिस सेवा	65	33	98
भारतीय डाक सेवा	03	03	06
भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम एंड सेन्ट्रल एक्साइज)	10	10	20
भारतीय राजस्व सेवा (आई टी)	15	11	26
रॉयल भूटान सिविल सेवा	02	01	03
रॉयल भूटान वन सेवा	02	00	02
रॉयल भूटान पुलिस सेवा	06	00	06
कुल योग	322	133	455

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-1 (2022 बैच)

(12 दिसंबर से 12 मई, 2022 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों के लिए प्रोफेशनल कोर्स
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी शंकर, उप निदेशक
एसोसिएट-पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री शैलेश नवाल, उप निदेशक
उद्घाटन संबोधन	श्री सुनीता रानी, प्रोफेसर श्री नितेश झा, सुश्री राधा चौहान, सचिव (डीओपीटी)
समापन संबोधन	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
कुल प्रतिभागी	184 (181 और 03 आरबीसीएस से) (पुरुष- 132; महिला-52) आईएएस फेज़-1 के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-1 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम के लक्ष्य

- अकादमी का लक्ष्य युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों में नेतृत्व के गुणों को विकसित करके उन्हें वास्तविक कर्मयोगी बनाना है ताकि उनमें एक प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के साथ-साथ सृजनशील एवं रचनात्मक, कल्पनाशील और नवीन, सक्रिय और विनम्र, प्रोफेशनल तथा प्रगतिशील, ऊर्जावान और सक्षम, पारदर्शी और तकनीकी गुणों का विकास किया जा सके।
- नीति-परक एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपीरियेंस से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में नए सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक-विधिक रुझानों से अवगत कराना, आईएएस की नई भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।
- करियर के पहले दशक में निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्रदान करना:
 - विधि एवं विधिक प्रावधान
 - प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
 - आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
 - आर्थिक विश्लेषण
- प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता प्रदान करना।

- आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
- अंतर्व्यक्तिक तथा संगठनात्मक, दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
- उचित जीवन मूल्यों एवं उचित व्यवहार की जानकारी प्रदान करना।
- शारीरिक फिटनेस को बनाए रखना।
- “शीलम् परम् भूषणम्” एवं मिशन कर्मयोगी की भावना पर अटल रहना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

फेज़-1 कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा मिशन कर्मयोगी की भावना एवं विषय वस्तु के संदर्भ में सोच-समझ कर बनायी गई है। अध्ययन, शिक्षा, अनुभव को पर्याप्त स्थान देते हुए यहां प्रशिक्षु अधिकारियों में प्रमुख क्षमताएँ जैसे कार्यक्षेत्र का ज्ञान (उचित जानकारी), व्यवहारपरक (उचित दृष्टिकोण) तथा कार्यात्मक (उचित कौशल) बढ़ाने का प्रयास किया जाता है, जिससे वे न केवल दैनिक कार्यों की चुनौतियों से बल्कि अप्रत्याशित और नए संकट का भी प्रभावी ढंग से सामना करते हुए भावी उत्तरदायित्वों को निभाने में सक्षम होंगे। 22 सप्ताह का आईएएस प्रोफेशनल कोर्स, फेज़-1, 2022 बैच 12 दिसंबर, 2022 को प्रारंभ हुआ तथा 12 मई, 2023 को समाप्त हुआ। इसमें दो मुख्य घटक थे:-

- शीतकालीन अध्ययन दौरा सह भारत दर्शन (26 दिसंबर, 2022 से 3 फरवरी, 2023 तक)
- ऑन-कैंपस प्रशिक्षण इनपुट भाग 01 (12 दिसंबर, 2022 से 25 दिसंबर 2022 तक)
- ऑन-कैंपस प्रशिक्षण इनपुट भाग 02 (13 फरवरी, 2023 से 12 मई, 2023 तक)

फेज़-1 एक पूर्णकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है जिसमें पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों का मिश्रण होता है। दिन की शुरुआत हैप्पी वैली ग्राउंड में शारीरिक व्यायाम के साथ प्रातः 06:40 बजे होती है। शाम को क्लब तथा सोसाइटियों द्वारा सांस्कृतिक तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे।

शैक्षणिक इनपुट्स

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 दिसंबर से 25 दिसंबर, 2022 और 13 फरवरी से 12 मई, 2023 तक आयोजित किया गया। हालांकि 'भारतीय प्रशासनिक सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनियम, 1955' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्य-विवरण बुनियादी फ्रेमवर्क है, तथापि आई.ए.एस. सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें समुचित संशोधन किए गए हैं। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए गए जिसमें अलग-अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए गए जो विभिन्न कार्य-क्षेत्रों में आई.ए.एस. सेवा के अधिकारियों को करने होते हैं। इसमें विधि, लोक प्रशासन, राजनीति शास्त्र तथा संविधान, प्रबंधन एवं अर्थशास्त्र शामिल हैं। इस दौरान भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र भी आयोजित किए गए।

आईएएस प्रोफेशनल चरण 1 पाठ्यक्रम (2022 बैच) आपको मिशन कर्मयोगी की भावना एवं नए विजन और विशेषज्ञतापूर्ण शिक्षण पद्धति साधनों के साथ प्रदान किया जा रहा है।

इस पाठ्यक्रम में कुल 184 प्रशिक्षु अधिकारी भाग लेंगे जिनमें 181 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारी और रॉयल भूटान सिविल सर्विसेज के 03 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल हैं। जैसा कि 2021 बैच से पैटर्न रहा है, आईएएस प्रोफेशनल चरण 1 कोर्स (2022 बैच) एक सप्ताह के डी-कंस्ट्रक्शन मॉड्यूल के साथ शुरू होगा, जिसके एक रूप से आप सभी 97वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान अवगत हुए थे। दोहराने की जरूरत नहीं है, इसे 2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से भी

जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। इस डी-कंस्ट्रक्शन मॉड्यूल में, देश के प्रख्यात और प्रतिष्ठित सिविल सेवक औपचारिक और अनौपचारिक रूप से आपसे बातचीत करेंगे और आपको सेवा, इसके भविष्य, चुनौतियों और अवसरों और इससे भी अधिक, किस प्रकार सीखें के बारे में सेवा के कुछ सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के साथ सार्थक बातचीत करने का अवसर देंगे।

चरण-1 व्यावसायिक पाठ्यक्रम ज्ञान सातत्य के सिद्धांत पर आधारित होगा। पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है ताकि यह फाउंडेशन कोर्स के बाद निरंतरता के अगले स्तर के रूप में कार्य कर सके। यह पाठ्यक्रम मिशन कर्मयोगी द्वारा निर्धारित सभी मुख्य दक्षताओं यानी कार्यात्मक (सही कौशल), डोमेन ज्ञान (सही ज्ञान) और व्यवहार (सही दृष्टिकोण) प्राप्त करने पर जोर देता है।

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, आईएस प्रोफेशनल चरण-1 पाठ्यक्रम कुछ मायनों में एक नई शुरुआत है और 2021 बैच के लिए पिछले चरण-1 के दौरान निर्धारित अच्छी प्रथाओं की निरंतरता है। आपको विभिन्न नई अवधारणाएँ और शैक्षणिक उपकरण पेश किए जा रहे हैं जैसे कि आईएमएफ द्वारा उन्नत स्तर का अर्थशास्त्र मॉड्यूल, सार्वजनिक नीति, संचार कौशल, डेटा एनालिटिक्स और नेतृत्व मॉड्यूल आदि। कानून, कैडर भाषा और आईसीटी पर इनपुट चरण-1 पाठ्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा होगा।

आईएस के लिए प्रासंगिक मॉड्यूल जैसे ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण उद्यमिता, पर्यावरण मॉड्यूल के लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क का एक्सपोजर दौरा, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य और पोषण, कृषि, शिक्षा, ऊर्जा, महिला और बाल विकास, अनुसंधान पद्धति आदि का संक्षिप्त विचार को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है ताकि आपको प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों से इनपुट के साथ-साथ क्षेत्र का एक संक्षिप्त दृश्य मिल सके। इस वर्ष अतिरिक्त, स्वास्थ्य, शहरी विकास आदि जैसे कुछ विकासात्मक मॉड्यूल के लिए व्यावहारिक शिक्षा होगी, जिसमें प्रशिक्षुओं से एक दिन के लिए क्षेत्र में जाने और वर्तमान वातावरण में स्वयं को तल्लीनता के साथ जानाजान करने की अपेक्षा की जाती है।

प्रशिक्षु अधिकारियों की शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ उनके पाठ्येतर विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। सुबह अनिवार्य शारीरिक गतिविधि और शाम को खेल/घुड़सवारी होगी। प्रशिक्षु अधिकारियों को किसी एक खेल को अपनाने और उसमें उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि यह उनके जीवन में हमेशा बना रहे। साथ ही प्रशिक्षु अधिकारियों को सप्ताहांत पर नियमित रूप से साहसिक गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग, रिवर राफ्टिंग और विभिन्न अन्य साहसिक खेलों से अवगत कराया जाएगा। इसी तरह, प्रशिक्षु अधिकारियों से उम्मीद की जाती है कि वे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्याओं में भाग लेने के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों की कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी करेंगे। प्रशिक्षु अधिकारियों को संगीत, पेंटिंग, फोटोग्राफी आदि जैसी समृद्ध गतिविधियों में आजीवन रुचि के साथ सीखने और विकसित करने का अवसर मिलेगा। विभिन्न समाजों और क्लबों को अपनी गतिविधियों को व्यवस्थित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिताओं और चर्चाओं के साथ अकादमी के माहौल को पोषित और जीवंत बनाया जा सके।



"योगः कर्मसु कौशलम्"

(Excellence in Action)



" शीलं परम् भूषणम्"

(Character is the Utmost Virtue)

हमारा मिशन: मिशन कर्मयोगी

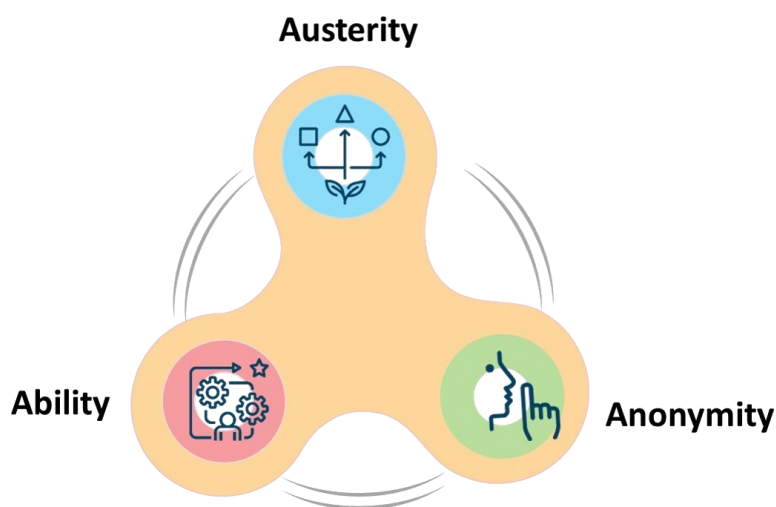


निम्नानुसार रूपांतरण के साथ सिविल सेवकों को कर्मयोगियों के रूप में तैयार करना;

- रचनात्मक एवं सृजनात्मक,
- कल्पनाशील एवं नवोन्मेषी,
- सक्रिय एवं विनम्र,
- पेशेवर एवं प्रगतिशील,
- ऊर्जावान एवं सक्षम,
- पारदर्शी एवं तकनीकी सक्षम

नए भारत के विजन के अनुरूप सही दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान के साथ नागरिक केंद्रित और भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा का निर्माण करना;

प्रमुख मुख्य दक्षताओं अर्थात डोमेन (सही ज्ञान), कार्यात्मक (सही कौशल), व्यवहार (सही दृष्टिकोण) को विकसित करना।



संयम

मितव्ययी और सरल जीवन की अवधारणा को समझना, आत्मसात करना एवं अपनाना और साथ ही सार्वजनिक संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रबंधन करना ताकि आम जनता और पूरे राष्ट्र के लिए सर्वश्रेष्ठ आउटपुट प्राप्त किया जा सके तथा दुर्लभ संसाधनों की अनावश्यक बर्बादी को रोका जा सके।

योग्यता	अनामिकता
आईएएस के करियर में तेजी से बदलती भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक कार्यो और कौशल को सीखना, सीमित सोच को विस्मृत कर देना और उपयोगी बातों को सीखना और विभिन्न परिस्थितियों को अपनाना तथा समायोजित करना ताकि नियमों और भूमिकाओं के बीच अच्छा संतुलन बनाया जा सके।	राष्ट्र की सेवा और आम लोगों के हित के लिए पर्दे के पीछे रहकर बिना किसी पुरस्कार, सम्मान या प्रचार की इच्छा के मौन रहकर कार्य करना।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी – नई भूमिका

भारत में शीर्ष सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान होने के नाते, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, सिविल सेवकों को भविष्य के लिए तैयार करती है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित मिशन कर्मयोगी की सच्ची भावना में, अकादमी का उद्देश्य युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को नेतृत्व गुणों को विकसित करके सच्चा कर्मयोगी बनाना है ताकि उन्हें सृजनशील और रचनात्मक, कल्पनाशील और अभिनव, सक्रिय और विनम्र, पेशेवर और प्रगतिशील, ऊर्जावान और सक्षम, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाया जा सके।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, अकादमी भारतीय प्रशासनिक सेवा की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आईएएस चरण-। शिक्षणपद्धति को पूरी तरह से नए और अभिनव तरीके से आकार दे रही है।

नया ज्ञान संचयन संस्थागत तंत्र:

अनुसंधान सहायता इकाई: अकादमी का मानना है कि कठोर क्षेत्र अनुसंधान करने की क्षमता कौशल का एक मूलभूत घटक है जो सभी प्रशासकों के पास होना चाहिए। नए भर्ती प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच इस कौशल को विकसित करने के लिए, अकादमी मजबूत शैक्षणिक

साख वाले प्रतिष्ठित अनुसंधान पेशेवरों की विशेषज्ञता को शामिल करना चाहती है। अनुसंधान सहायता इकाई (आरएसयू) के माध्यम से आईएस चरण-1 के साथ-साथ उनके जिला प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को तकनीकी डेटा विश्लेषण सहायता प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा किस क्षेत्र में इस तरह का शोध कार्य किया जाएगा, इसका निर्णय उनकी रुचि के आधार पर और संबंधित राज्य में काम करने वाले अधिकारियों के परामर्श से किया जाएगा।

अध्ययन बोर्ड (बीओएस): विभिन्न क्षेत्रों में नए और समकालीन विकास के अनुरूप प्रशिक्षण शिक्षण को विकसित और अद्यतन करने के लिए, प्रत्येक क्षेत्र में प्रासंगिक विशेषज्ञता लाना अनिवार्य है। इसे सुनिश्चित करने के लिए, अकादमी के निदेशक की अध्यक्षता में अध्ययन बोर्ड (बीओएस) का गठन किया है और बाहरी विशेषज्ञों को उनके संबंधित क्षेत्रों/डोमेन में मार्गदर्शन के लिए अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। विचार यह है कि विशिष्ट डोमेन विशेषज्ञ अकादमी द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम सामग्री, संस्थागत भागीदारी, मूल्यांकन तंत्र आदि की पहचान करने में मदद कर सकेंगे।

सेंटर: अकादमी में विभिन्न ज्ञान केंद्र जैसे बी. एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र, आपदा प्रबंधन केंद्र, नेशनल जेंडर, सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र, सहकारिता और आजीविका केंद्र आदि हैं। यद्यपि महत्वपूर्ण ज्ञान गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं, लेकिन व्यक्तिगत केंद्र न तो पाठ्यक्रम शिक्षण के अनुरूप काम कर रहे थे और न ही वे चल रहे पाठ्यक्रमों के लिए विभिन्न अध्ययन मॉड्यूल के लिए ज्ञान संग्रह में योगदान दे रहे थे। इस प्रकार ये केंद्र अधिकांश समय अलग-अलग लूप और साइलोज में काम कर रहे थे। विभिन्न ज्ञान केंद्रों के ज्ञान आधार का बेहतर उपयोग करने और उन्हें चल रहे शिक्षण और पाठ्यक्रमों के साथ सुसंगत और संबद्ध बनाने के लिए, इन सभी ज्ञान केंद्रों को सेंटर नामक एक अंब्रेला इकाई के तहत विलय करने का निर्णय लिया गया है।

फील्ड अध्ययन एवं जिला प्रशासन केंद्र (सीएफएसआर): फील्ड अध्ययन एवं जिला प्रशासन केंद्र की परिकल्पना एक शिक्षण क्षेत्र के रूप में की गई है, जिसमें ऐतिहासिक और समकालीन ज्ञान भंडार, पद्धतियों से उदार अनुभव, उन्नत डेटा एनालिटिक्स और डैशबोर्डिंग और वास्तविक समय, केस आधारित शिक्षण को क्षेत्र के अभ्यासकर्ताओं के लिए प्रयोगशाला के रूप में भूमि पारिस्थितिकी तंत्र शामिल है। इस केंद्र का उद्देश्य ज्ञानार्जन के अनुभव का अनुकरण करना है जो प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ-साथ फील्ड में विभिन्न क्षमताओं में सेवारत युवा अधिकारियों को जिले के पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में जानने, एक-दूसरे से ज्ञानार्जन और फील्ड अध्ययन, अनुसंधान और विश्लेषण में योगदान करने में सक्षम बनाता है। इस केंद्र के उद्देश्यों में जिले के पारिस्थितिकी तंत्र के ज्ञानार्जन में सक्षम बनाना; परस्पर ज्ञानार्जन में सक्षम बनाना; और फील्ड अनुसंधान और अध्ययनों में भागीदारी और योगदान, केस स्टडीज का दस्तावेजीकरण करना शामिल है।

'पर्वतमाला' हिमालय और पूर्वोत्तर आउटडोर लर्निंग एरिना: हिमालय केवल एक भौगोलिक विशेषता नहीं है, बल्कि आध्यात्मिकता, संस्कृति, जैव विविधता, जल सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत है। इसी तरह पूर्वोत्तर भारतीय क्षेत्र आर्थिक वृद्धि और अधिक विकास के लिए तैयार है, क्योंकि सरकार इस क्षेत्र पर बहुत ध्यान दे रही है। अकादमी हिमालय और पूर्वोत्तर भारत पर ज्ञान के अभिसरण को तैयार करने और सिविल सेवकों और प्रशासकों को उसी पर शिक्षित करने और उन्हें विकास के प्रभावी एजेंट के रूप में तैयार करने के लिए अद्वितीय स्थान रखती है।

पर्वतमाला ज्ञानार्जन कार्यक्षेत्र के लक्ष्य और उद्देश्य:

1. एक समृद्ध उपयोगकर्ता-अनुभव के लिए ऑडियो-विजुअल मीडिया, फोटोग्राफ, विहंगम भित्ति चित्र, क्यूआर कोड वाले दृश्यपटन/चित्रावली का उपयोग करके भौतिक, मानवीय और भू-राजनीतिक जैसे विषयों पर पूर्वोत्तर भारत और हिमालय के आसपास प्रदर्शनों को क्यूरेट करना।
2. अतीत की खोजों और समसामयिक मुद्दों की कहानियों के साथ-साथ पूर्वोत्तर और हिमालय प्रणाली के इतिहास, प्रशासनिक परंपराओं, संस्कृति, भू-राजनीतिक मुद्दों और पारिस्थितिकी से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करना।

3. लुक-ईस्ट/एक्ट-ईस्ट नीति और यूएनएफसीसीसी, आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर सेंडाई फ्रेमवर्क आदि जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के संदर्भ में भारत के पूर्वोत्तर और हिमालय के बारे में संवेदनशील बनाना, जो इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करना।
4. अकादमी की बाहरी गतिविधियों, जैसे हिमालय ट्रेक, भारत दर्शन आदि को डिजाइन और क्रियान्वित करने के लिए आधारशिला के रूप में कार्य करना।
5. पूर्वोत्तर पर केंद्रित पाठ्यक्रमों (जैसे अरुणाचल प्रदेश पीसीएस अधिकारियों के लिए इंडक्शन पाठ्यक्रम आदि) के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभाना।
6. दिव्यांग-अनुकूल पहुंच उपायों के साथ अत्याधुनिक बहुउद्देश्यीय शिक्षण सुविधा प्रदान करना।

ज्ञान सातत्य की नवीन अवधारणा:

पहले अकादमी में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रम तटस्थ, निरंतरता रहित और बिना सातत्य वाले प्रासंगिक कार्यक्रम थे। 97वें फाउंडेशन कोर्स से नवीनीकृत शिक्षणपद्धति के रूप में, आईएएस चरण I को शामिल करते हुए 120 महीने (10 वर्ष) के ज्ञान सातत्य की नई शिक्षणपद्धति के अनुरूप आईएएस व्यावसायिक चरण- I पाठ्यक्रम के लिए विभिन्न शैक्षणिक मॉड्यूल की योजना बनाई जा रही है जिसमें फाउंडेशन कोर्स (15 सप्ताह), आईएएस चरण I (22 सप्ताह), जिला प्रशिक्षण (53 सप्ताह), चरण II (6 सप्ताह) और पूर्व चरण III की अवधि लगभग 8 वर्ष शामिल हैं। इस प्रकार विभिन्न मॉड्यूल के स्तर को एक पाठ्यक्रम से दूसरे पाठ्यक्रम तक धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा ताकि आईएएस अधिकारी के जीवन के अगले 10 वर्षों के लिए निर्बाध ज्ञान प्रवाह की निरंतरता बनी रहे।

सहायक संकाय सदस्य:

अधिकारी प्रशिक्षुओं को उनके कैडर के बारे में सर्वोत्तम व्यावहारिक और क्षेत्र स्तरीय ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए, विभिन्न वरिष्ठता वाले आईएएस अधिकारियों में से एक चयनित सहायक संकाय सदस्यों की सूची तैयार करने का निर्णय लिया गया है, जो चरण I और जिला प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं अधिकारियों का मार्गदर्शन करेंगे। यह पहल युवा आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के सामने अनुकरण करने के लिए अच्छा रोल मॉडल उपलब्ध कराएगी और सहकर्मियों के साथ पारस्परिक ज्ञानार्जन के अवसर भी प्रदान करेगी।

नए शैक्षणिक साधन:

अकादमी में आईएएस प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन करने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण: प्रशिक्षण शिक्षण पद्धति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, हाल ही में अकादमी द्वारा प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण (टीएनए) आयोजित किया गया जिसमें 2010 से 2019 बैच के लगभग 400 आईएएस अधिकारी शामिल थे। चरण-I पाठ्यक्रम को डिजाइन करने में अकादमी की सहायता के लिए विस्तृत प्रश्नावली को अनुशंसित किया गया। टीएनए अभ्यास की कुछ मुख्य बातें हैं (i) शारीरिक गतिविधियों को बनाए रखने और फिटनेस और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य पर जोर देने की आवश्यकता; (ii) छोटे समूहों में अच्छे केस स्टडीज/केस-लेट्स, रोल प्ले/सिमुलेशन, ऑर्डर राइटिंग को शामिल करने के साथ लॉ मॉड्यूल पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। (iii) तत्काल वरिष्ठों के साथ अधिक बातचीत की आवश्यकता (iv) वरिष्ठों, साथी सिविल सेवकों, मीडिया और सोशल मीडिया पर आत्म-अभिव्यक्ति के साथ संचार पर मॉड्यूल (v) प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच ईमानदारी और विनम्रता की भावना पैदा करना (vi) चरण-I पाठ्यक्रम में क्षेत्र-

अध्ययन आधारित शिक्षण को शामिल करना, बजाय इसके कि यह अपने दृष्टिकोण में केवल सैद्धांतिक हो (vii) व्यावसायिकता आदि के लिए जीवन कौशल। अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए, अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आवश्यक दक्षताओं को विकसित करने की आवश्यकता है जैसे जैसे कि विश्वास, टीम निर्माण, समय प्रबंधन, उचित श्रवण कौशल विकसित करना, उचित संचार कौशल आदि। इसके अलावा प्रशिक्षु अधिकारियों को नियमों, अधिनियमों और विनियमों का उचित ज्ञान होना और प्रगाढ़ प्रशिक्षु-प्रशिक्षक संबंध आदि की आवश्यकता के विषय में टीएनए से जानकारी मिली। इसी प्रकार दीर्घकालिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मूल्यांकन भविष्य की तकनीकी प्रगति की आवश्यकता, विभिन्न स्थितियों का अनुकरण करके प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ऑनलाइन अनुभव बनाने की आवश्यकता, ऑडियो/वीडियो डिपॉजिटरी के निर्माण की आवश्यकता आदि के रूप में किया गया है। अकादमी प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण (टीएनए) के इनपुट के आधार पर पाठ्यक्रमों की योजना और मॉड्यूल तैयार करने का प्रयास कर रही है।

आईएएस चरण- I और डी-कंस्ट्रक्शन: भारतीय प्रशासनिक सेवा का वर्तमान पारिस्थितिकी तंत्र निरंतर "लर्निंग, डी-लर्निंग और री-लर्निंग" की मांग करता है। युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के मन में भारतीय प्रशासनिक सेवा के बारे में अंतर्निहित गलत धारणाएं और पूर्वाग्रह हो सकते हैं, जो फील्ड की वास्तविकता से मेल नहीं खा सकते हैं। इस प्रकार, युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के मन में व्याप्त ऐसी गलत धारणाओं को दूर करने और उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा की तेजी से बदलती जरूरतों के बारे में जागरूक करने के लिए, गहन डी-कंस्ट्रक्शन मॉड्यूल के साथ आईएएस प्रोफेशनल चरण- I पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया। डी-कंस्ट्रक्शन के दौरान, आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को आदर्श लेकिन सैद्धांतिक निर्माणों तक सीमित रखने के बजाय वास्तविक दुनिया की बारीकियों को समझने के लिए निर्देशित किया जाएगा; झूठे प्रचार के पीछे भागने के बजाय अनामिकता बनाए रखने; गलत तरीकों से आसान धन संचय करने के बजाय मितव्ययी होना; जमीन से जुड़े रहना; श्रेष्ठता की झूठी भावना को पोषित करने के बजाय आम नागरिक की सादगी को बनाए रखना; गहरी विनम्रता की भावना विकसित करना; आदि। शायद डी-कंस्ट्रक्शन मॉड्यूल अकादमी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यह युवा प्रशिक्षुओं के मन में गहराई से निहित मान्यताओं और मिथकों का परीक्षण करेगा। डी-कंस्ट्रक्शन के इस पहले सप्ताह के दौरान कई प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित आईएएस अधिकारियों को प्रशिक्षु अधिकारी को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

भारत दर्शन: दिसंबर 2022 और जनवरी 2023 के महीनों में भारत दर्शन (शीतकालीन अध्ययन यात्रा) को ज्ञान सातत्य की अवधारणा के साथ जोड़ा गया है। इस प्रकार, भारत दर्शन पर जाने से पहले, प्रशिक्षु अधिकारियों को उन महत्वपूर्ण अनुलग्नकों से अवगत कराया जाएगा जिनसे वे दौरे के दौरान गुजरेंगे, ताकि वे अपने भारत दर्शन के दौरान इसका अनुभव कर सकें। सशस्त्र बलों के साथ जुड़ाव पर फोकस रहेगा। सेना, नौसेना और वायु सेना के साथ जुड़ाव के अलावा, अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबंधित सशस्त्र बल अकादमी में से कम से कम एक में भेजा जाएगा ताकि सशस्त्र बलों के साथ जुड़ाव के दौरान प्राप्त उनके ज्ञान को समेकित और प्रगाढ़ बनाया जा सके। इस तरह प्रशिक्षु अधिकारी न केवल हमारे सशस्त्र बलों के बलिदान और वीरता की सराहना करने में सक्षम होंगे, बल्कि जेंटलमैन कैडेटों के साथ लोगों के बीच संबंध भी विकसित करेंगे जो उनके जीवन में हमेशा के लिए रहेगा। यह सेवाओं और क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम करने के लिए मिशन कर्मयोगी की भावना के अनुरूप है। इसके अलावा अधिकारी प्रशिक्षुओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास और आजीविका, सूचना और प्रौद्योगिकी, जनजातीय कल्याण, पर्यटन, उद्योग, द्वीप विकास आदि जैसे विभिन्न विकासात्मक

पहलुओं से परिचित कराया जाएगा। अधिकारी प्रशिक्षुओं को अनिवार्य रूप से उत्तर पूर्व से गुजरना होगा ताकि वे देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सेवा करने की कठिनाइयों और चुनौतियों के साथ-साथ क्षेत्र की भविष्य की संभावनाओं को समझ सकें। साथ ही, प्रशिक्षु अधिकारी को देश भर के प्रमुख संस्थानों से जोड़ा जाएगा ताकि वे देश की प्रगति में विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अपार योगदान को समझ सकें।

नेतृत्व निर्माण को महत्व: चूंकि आईएएस प्रशिक्षु अधिकारी देश के भावी लीडर हैं, इसलिए उन्हें अकादमी में "सरदार पटेल लीडरशिप सेंटर" के तहत सावधानीपूर्वक तैयार किए जाने वाले विभिन्न नेतृत्व मॉड्यूल के माध्यम से प्रमुख नेतृत्व गुणों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा नेतृत्व मॉड्यूल के एक भाग के रूप में, चरण-I में संचार पर एक मॉड्यूल जोड़ा गया है जो प्रशिक्षु अधिकारियों को अपने संचार कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

व्यावहारिक कौशलों पर ध्यान केंद्रित करना: कार्यक्षेत्र में एक प्रभावी आईएएस अधिकारी बनने के लिए, यह आवश्यक है कि आपके पास प्रभावी संप्रेषण क्षमता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, धैर्य, आत्म-संयम, आत्म-नियंत्रण और सुनने की गहरी भावना जैसे विनम्र व्यवहार कौशल हों। एक आईएएस अधिकारी के लिए अपने करियर में प्रभावी और सफल होने के लिए व्यावहारिक कौशलों का होना महत्वपूर्ण साधनों में से एक है। आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को अकादमी में विभिन्न नवीन प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से व्यावहारिक कौशल प्रदान किए जाएंगे।

सार्वजनिक नीति पर नए सिरे से ध्यान देना: आधुनिक शासन में सार्वजनिक नीति का महत्व समाज को बेहतर जीवन जीने और वस्तुओं और सेवाओं की प्रदायगी को निर्बाध तरीके से बनाए रखना है। चरण-I पाठ्यक्रम सहित अकादमी के सभी पाठ्यक्रमों में सार्वजनिक नीति पर जोर दिया जा रहा है ताकि आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को वर्तमान संदर्भ से अवगत कराया जा सके और साथ ही उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा सके।

विधान और संविधान माह, 5 मार्च से 16 अप्रैल 2023 तक 'कानून के शासन का जश्न मनाने' पर केंद्रित है। माह की शुरुआत 6 मार्च 2023 को डॉ. न्यायमूर्ति कटकिथाला रामास्वामी मेमोरियल व्याख्यान के साथ हुई, जो वर्तमान न्यायाधीश द्वारा दिया जाएगा। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अलावा, 16 अप्रैल को गणतंत्र के पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद समारोह का औपचारिक समापन करने के लिए अकादमी का दौरा किया। हम माह के दौरान कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें प्रश्नोत्तरी, फिल्म निर्माण आदि शामिल हैं। इस महीने के दौरान, माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधांशु धूलिया, माननीय न्यायमूर्ति श्री एस. रवींद्र भट्ट, श्री तुषार मेहता और माननीय श्री रामनाथ कोविंद जैसे दिग्गजों के साथ बातचीत से लाभ प्राप्त करने के लिए आपकी सक्रिय भागीदारी अनिवार्य रही।

अकादमी की क्षमता बढ़ाने के लिए नए संसाधन का निर्माण किया जा रहा है - **डिजीफैक** सेंटर उन उत्कृष्टता केंद्रों में सबसे नया अतिरिक्त केंद्र है जिनकी हम मेजबानी करते हैं। क्षेत्रीय अध्ययन और जिला प्रशासन के लिए यह केंद्र, जो शार्लेविल ब्लॉक में स्थित है, एक शिक्षण क्षेत्र के रूप में कार्यक्षेत्र अभ्यासकर्ताओं के लिए भूमि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए तैयार किया गया है जो ऐतिहासिक और समकालीन ज्ञान भंडार, अभ्यास से विविध अनुभव, उन्नत डेटा एनालिटिक्स और डैशबोर्डिंग और वास्तविक समय, केस आधारित शिक्षा को एक प्रयोगशाला में जोड़ता है। इस केंद्र का उद्देश्य ज्ञानार्जन के अनुभव का अनुकरण करना है जो प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं में सेवारत युवा अधिकारियों को जिला पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में जानने, एक-दूसरे से सीखने और क्षेत्र अध्ययन, अनुसंधान और विश्लेषण में योगदान करने में सक्षम बनाता है

डिजीफैक केंद्र के उद्देश्यों में शामिल हैं:

1. **जिला गजेटियर्स के माध्यम से जिले के पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में ज्ञानार्जन को सक्षम बनाना;** भूमि प्रशासन की प्रणाली; केंद्र और राज्य सरकार के डेटाबेस; बाईस आधिकारिक भाषाओं के लिए उपलब्ध ऑनलाइन भाषा सीखने की पद्धति के माध्यम से राज्य/जिले की भाषा; महत्वपूर्ण राज्य कानून; परिवीक्षाधीन अधिकारियों/एसडीएम/डीडीओ/जिला मजिस्ट्रेटों आदि द्वारा प्रस्तुत पिछले असाइनमेंट/परियोजनाएं/शोध प्रबंध।
2. **पारस्परिक ज्ञानार्जन को सक्षम बनाना** – श्रेष्ठ कार्यों तक पहुंच के संदर्भ में, युवा अधिकारियों द्वारा की गई पहलों का केस अध्ययन; डिजिटल डैशबोर्ड तक पहुंच जो परियोजनाओं, कार्यक्रमों और योजनाओं के स्पेक्ट्रम पर विभिन्न जिलों के कार्य प्रदर्शन का तुलनात्मक मूल्यांकन करने और समझने योग्य बनाती है; स्वतः सुखाय पहल आदि के तहत हर साल प्रभावशाली जिला स्तरीय व्यवधानों की पहचान, विश्लेषण और मूल्यांकन।
3. **कार्यक्षेत्र अनुसंधान और अध्ययन, केस अध्ययनों के दस्तावेजीकरण की खोज, भागीदारी और योगदान को सक्षम करना।**

इसी तरह, प्रशिक्षुओं की अनुसंधान गतिविधियों को मजबूती से स्थापित करने और मार्गदर्शन करने के लिए 2022 से **रिसर्च सपोर्ट यूनिट (आरएसयू)** की स्थापना की गई है, खासकर जब वे जिलों में प्रशिक्षण ले रहे हों। आरएसयू प्रशिक्षु अधिकारियों को अनुसंधान करने और उन्हें केस अध्ययन में बदलने में भी सहायता करेगा। 2021 बैच के प्रशिक्षु पहले से ही इस इकाई से लाभ प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि वे अपने जिला प्रशिक्षण के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

डेटा एनालिटिक्स और ई-गवर्नेंस: भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए, प्रशिक्षु अधिकारियों को डेटा एनालिटिक्स जैसे उच्च आईसीटी टूल से परिचित होना चाहिए। जिलों और राज्यों में बड़ी मात्रा में डेटा तैयार किया जाता है लेकिन उचित उपयोग की प्रतीक्षा की जाती है। इस प्रकार केंद्रित, लक्षित और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के लिए विभिन्न स्तरों पर डेटा को एकीकृत और विश्लेषण करने की तत्काल आवश्यकता है। अकादमी डेटा एनालिटिक्स और ई-गवर्नेंस पर इनपुट प्रदान करने के लिए भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और इस क्षेत्र के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग कर रही है।

ग्रामीण प्रबंधन/ग्रामीण उद्यम और ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला और सहकारी समितियों पर ध्यान केंद्रित करना: ग्रामीण कृषि-आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने और कृषि-आधारित उद्यमों को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए हमारी कृषि प्रथाओं को सुधारने की तत्काल आवश्यकता है। आईएस अधिकारियों को इन क्षेत्रों के महत्व को समझना चाहिए ताकि वे प्रभावी ढंग से और स्थायी रूप से देश की आर्थिक वृद्धि में बेहतर योगदान दे सकें। हाल ही में भारत सरकार ने देश के विशाल सहकारी क्षेत्र पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के लिए नया सहकारिता मंत्रालय बनाया है।

मूल्यांकन और आकलन का नया पैटर्न: केवल आवधिक परीक्षाओं के आयोजन के पारंपरिक मूल्यांकन पैटर्न से हटकर, अकादमी ने प्रत्येक शैक्षणिक माँड्यूल के बाद पेपर जमा करने, व्यक्तिगत/छोटे समूह की प्रस्तुति, वाद-विवाद और चर्चा आदि के माध्यम से समवर्ती मूल्यांकन पर जोर देने का निर्णय लिया है। इससे आईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के मन में संबंधित क्षेत्र के बारे में नवीन विचारों और विचारों को विकसित करने में मदद मिलेगी। साथ ही प्रदर्शन, वाद-विवाद, चर्चा आदि का अवसर मिलने से संचार और सॉफ्ट कौशल का और विकास होगा, और कुछ प्रशिक्षु अधिकारी के मन में छिपे संकोच और भय को कम करने में सहायता मिलेगी।

पर्यावरण एवं वन (मानव-जीवधारी संघर्ष) पर नया मॉड्यूल: मानव के अस्तित्व के लिए यह आवश्यक है कि सभी वन्यजीव प्रजातियों और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, संवर्धन और संरक्षण किया जाए। वन क्षेत्रों पर मनुष्यों द्वारा तेजी से अतिक्रमण के कारण, कई जंगली प्रजातियों के प्राकृतिक आवास तेजी से सिकुड़ रहे हैं, जिससे देश के विभिन्न हिस्सों में जंगली जानवरों का मनुष्यों के साथ लगातार संपर्क और संघर्ष हो रहा है। साथ ही ढांचागत विकास की बढ़ती मांग के कारण कई प्राकृतिक इको-सिस्टम को नुकसान पहुंच रहा है। आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को जीवधारियों और मनुष्यों के बीच के नाजुक संतुलन को समझने की तत्काल आवश्यकता है। इस प्रकार इस क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को दो दिनों के लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में ले जाकर इस संबंध में व्यावहारिक फील्ड मॉड्यूल प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यहां, प्रशिक्षु अधिकारी मानव और वन्यजीवों के बीच संबंध, पुनर्वास, सामान्य प्रशासन और वन/वन्यजीव प्रशासन के बीच प्रभावी इंटरफेस, पारिस्थितिक पर्यटन की संभावनाओं और चुनौतियों आदि जैसे मुद्दों का अवलोकन और अध्ययन कर सकते हैं।

शारीरिक फिटनेस और खेल पर नए सिरे से जोर: प्रशिक्षु अधिकारी की शारीरिक फिटनेस पर बहुत जोर दिया जा रहा है। अधिकारी प्रशिक्षुओं को अपनी शारीरिक और मानसिक फिटनेस व्यवस्था के अलावा, खेल भावना के निर्माण में मदद करने के लिए, अपनी पसंद के किसी भी खेल को चुनने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा, सप्ताहांत पर, अधिकारी प्रशिक्षुओं को गंगा में व्हाइट-वॉटर राफ्टिंग, ट्रेक, रॉक क्लाइंबिंग आदि जैसे साहसिक खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि उनके दिमाग और शरीर को बढ़ाया जा सके। इससे नई सीमाओं का पता चलेगा और साहस की भावना तथा अनिश्चित परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता भी विकसित होगी।

कुल मिलाकर अकादमी का लक्ष्य युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों में **चरित्र और ईमानदारी** के गुण का निर्माण करने और **"अनुशासन और कर्तव्य"** की प्रगाढ़ भावना पैदा करने का प्रयास करना होगा।

आउटडोर और पाठ्येतर गतिविधियाँ

चरण-1 व्यावसायिक पाठ्यक्रम में, न केवल उनकी शारीरिक फिटनेस के पहलुओं में बल्कि अकादमी में उनके द्वारा चुने गए खेल में भी मानक को ऊपर उठाने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए, देश भर के कुशल प्रशिक्षकों को प्रत्येक व्यक्तिगत प्रशिक्षु की यात्रा में मार्गदर्शन, समर्थन और सहायता करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस बात पर ध्यान दिया जाएगा कि सत्र पूरे पाठ्यक्रम में आकर्षक, रोचक और सबसे महत्वपूर्ण रूप से चोट मुक्त रहें। पाठ्यक्रम के अंत तक यह अपेक्षा की जाती है कि प्रशिक्षु खेल और शारीरिक फिटनेस से जुड़े मूल्यों को आत्मसात कर लें, जैसे अनुशासन, टीम भावना, सौहार्द, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से 'शरीर की समझ' का ज्ञानार्जन, जिसमें प्रशिक्षु अपने शरीर को अच्छी तरह से समझते हैं और फिटनेस के क्षेत्र में इसकी आवश्यकताओं को समझना सीखते हैं।

आउटडोर गतिविधियों को दो भागों में विभाजित किया गया है - सुबह और शाम की गतिविधि। उपरोक्त के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों को सुबह के स्लॉट के लिए उनके द्वारा चुनी गई गतिविधि के आधार पर छोटे समूहों में विभाजित किया जाएगा। समूहों को हर 3 सप्ताह के बाद फेरबदल किया जाएगा, ताकि सभी को अकादमी द्वारा पेश की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का लाभ मिल सके। शाम के आउटडोर शिक्षण के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित होंगे:

- प्रशिक्षुओं को निम्नलिखित में से अपनी पसंद का खेल चुनने, उसे अच्छी तरह से सीखने और अपने स्तर को इतना ऊपर उठाने के लिए सभी संभव अवसर प्रदान करना कि वे राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए आत्मविश्वास और कौशल प्राप्त कर सकें: बैडमिंटन/लॉन टेनिस/टेबल टेनिस/तैराकी/घुड़सवारी/शतरंज।
 - दोनों जेंडर और सभी शारीरिक क्षमताओं वाले व्यक्तियों को आत्मरक्षा में दक्षता के उच्च स्तर पर लाना। प्रशिक्षुओं को पेशेवर और कुशल यूएसी प्रशिक्षकों द्वारा क्राव मागा का पेशेवर प्रशिक्षण दिया जाएगा।
 - घुड़सवारी प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक अभिन्न अंग रहा है। यह न केवल व्यक्तियों की शारीरिक शक्ति और मानसिक फिटनेस को बढ़ावा देने में मदद करता है, बल्कि स्फूर्ति विकसित करने और सहानुभूति और सामाजिकता की भावना को बढ़ाने में भी मदद करता है। समग्र घुड़सवारी गतिविधि में घोड़ों के साथ बातचीत सवार के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है, जो आगे चलकर सहचारिता को बढ़ावा देता है।
- गंभीर अक्षमता के मामले में, जो गतिविधि को रोकती है, सह पाठ्यक्रम समन्वयक (अनुशासन) से पूर्व अनुमति लेनी होगी और उनकी अनुपस्थिति में, सह पाठ्यक्रम समन्वयक (आउटडोर) से अनुमति लेनी होगी। हालांकि, ऐसे मामलों में, बीमारी के स्तर और शारीरिक गतिविधि और सत्रों से पूरी तरह छूट की आवश्यकता का पता लगाने के लिए चिकित्सा केंद्र में स्वास्थ्य जांच की जाएगी। सप्ताहांत पर, साहसिक खेल गतिविधियाँ और ट्रेक शेड्यूल किए जा सकते हैं।

आधिकारिक काम से परे रुचि और शौक रखने वाले अधिकारी नौकरी से होने वाले तनाव को बेहतर ढंग से संभालने में सक्षम होते हैं। चरण I कार्यक्रम में, प्रशिक्षु अधिकारियों को पाठ्येतर मॉड्यूल के माध्यम से रचनात्मक गतिविधियों के लिए उत्साह विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। संगीत, नृत्य और रंगमंच में राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा प्रदर्शन भी किए जाएंगे।

परिशिष्ट-1

आईएस. फेज़-I (2022 बैच) के प्रतिभागी

राज्य से प्रतिभागी	पुरुष	महिला	कुल
अगमुट	13	02	15
आंध्र प्रदेश	07	03	10
असम-मेघालय	06	03	09
बिहार	07	03	10
छत्तीसगढ़	02	01	03
गुजरात	06	03	09
हरियाणा	04	02	06
हिमाचल प्रदेश	02	00	02
झारखंड	02	04	06

कर्नाटक	03	01	04
केरल	08	01	09
मध्य प्रदेश	06	02	08
महाराष्ट्र	09	04	13
मणिपुर	04	01	05
नागालैंड	01	00	01
ओडिशा	04	02	06
पंजाब	04	01	05
राजस्थान	07	02	09
रॉयल भूटान सिविल सर्विस	02	01	03
सिक्किम	02	00	02
तमिलनाडु	07	03	10
त्रिपुरा	03	02	05
तेलंगाना	04	02	06
उत्तर प्रदेश	09	05	14
उत्तराखंड	02	00	02
पश्चिम बंगाल	08	04	12
कुल	132	52	184

2021 बैच का जिला प्रशिक्षण (53 सप्ताह)

जिला प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को जिला स्तर पर संपूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना है। सभी राज्यों के अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम होते हैं तथा तदनुसार, प्रशिक्षण के विभिन्न अटैचमेंट्स के लिए समय अवधि भी अलग-अलग हो सकती है। परंतु इन अटैचमेंट्स के दौरान, प्रशिक्षु अधिकारी कलेक्टर के कार्य, राजस्व प्रशासन की प्रक्रियाओं, कार्यकारी मजिस्ट्रेट की भूमिका, केंद्र और राज्य प्रायोजित विभिन्न विकास योजनाओं और कार्यक्रमों, पुलिस तथा वन प्रशासन, अदालती कार्य तथा अन्य जिला स्तरीय विभागों के कार्यों से परिचित होते हैं। यद्यपि, अटैचमेंट्स की अवधि तथा निर्धारित कार्य की प्रकृति प्रत्येक राज्य में अलग-अलग हो सकती है, तथापि ये प्रशिक्षु अधिकारियों के फील्ड प्रशिक्षण के दौरान निम्नलिखित कार्यों की जानकारी प्राप्त करने में उपयोगी है।

- जिले में विभिन्न कार्यालयों तथा विभागों के साथ अटैचमेंट्स
- प्रशिक्षु अधिकारियों को स्वतंत्र प्रभार
- राज्य प्रशिक्षण संस्थान के साथ अटैचमेंट
- राज्य सचिवालय के साथ अटैचमेंट

प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए जिला प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विभाग/यूनिट के साथ अटैचमेंट के दौरान निम्नलिखित विषयों को समझने का अवसर प्राप्त करना।

- विभाग में संगठनात्मक संरचना, भूमिकाएं तथा दायित्व
- विभाग को शासित करने वाले अधिनियमों एवं नियमों की बुनियादी जानकारी
- कार्यालय प्रक्रियाएं-फाइल, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन की पद्धति को समझना, कार्यालय आदेश को तैयार करना तथा फाइल का संचालन
- बजट एवं लेखापरीक्षा-संसाधन आवंटन की प्रक्रिया, व्यय के दिशानिर्देश, अधिकारियों के पास निहित वित्तीय शक्तियों और लेखापरीक्षा की प्रक्रिया और उसकी क्रम व्यवस्था को समझना
- कार्यक्रम कार्यान्वयन, मॉनिटरिंग तथा रिपोर्ट की पद्धति

जिला प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को निम्नलिखित कार्यों को भी समझना होता है:

- दो माह में एक बार अर्ध शासकीय (अ.शा.) पत्रों का मसौदा तैयार करना
- ग्रामीण अध्ययन असाइनमेंट एवं भू-राजस्व असाइनमेंट
- तहसीलदार सर्वेक्षण असाइनमेंट
- ईट भट्ठा असाइनमेंट/प्रवासी श्रम असाइनमेंट/भौगोलिक संकेत असाइनमेंट
- अकादमी द्वारा सौंपे गए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर शोध निबंध रिपोर्ट
- अदालती कार्य असाइनमेंट
- भाषा असाइनमेंट

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मिड-करियर कार्यक्रम

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए करियर के मध्य में अनिवार्य तथा व्यवस्थित प्रशिक्षण हेतु वर्ष 2007 में मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) की शुरुआत की गई। एमसीटीपी का उद्देश्य अधिकारियों को उनके करियर के उच्च स्तर के विशिष्ट दायित्वों को संभालने के लिए तैयार करना है, जो मुख्यतः क्षेत्र में (7-9 वर्ष), नीति निर्माण स्तर पर (15-18 वर्ष) तथा अंतः

क्षेत्रीय नीति निर्माण और कार्यान्वयन स्तर (27-28 वर्ष) में कार्य कर रहे होते हैं। ये तीन स्तर क्रमशः फ़ेज-III, IV तथा V हैं। पहले तीन में इन कार्यक्रमों को मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संस्थानों को आउट सोर्स के माध्यम से चलाया गया था। हालांकि वर्ष 2010 से, अकादमी के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तथा उसके संचालन के अधिदेश में सरकार द्वारा समीक्षा की गई तथा उसकी अवधि कम कर दी गई। संशोधित कार्यक्रम निम्नानुसार है: फ़ेज-III (सप्ताह), फ़ेज-IV (एक सप्ताह के विदेश अध्ययन दौरे सहित 4 सप्ताह) और फ़ेज- V (3 सप्ताह)।

एमसीटीपी के चरण-IV का 16वां दौर (4 सप्ताह)

पाठ्यक्रम का नाम	चरण-IV का 16वाँ दौर (एमसीटीपी)		
अवधि (तिथियाँ निर्दिष्ट करें)	18 जुलाई - 12 अगस्त, 2022		
पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	सुश्री राधिका रस्तोगी		
पाठ्यक्रम टीम के अन्य सदस्यों के नाम	श्री विजय बी. वसंता, सुश्री आनंदी, डॉ. सुनीता रानी, डॉ. संजय जे. जोशी और श्री रोमियो विसैंट टेरे		
प्रतिभागियों की संख्या	कुल	पुरुष	महिला
	94	78	16
जिन बैचों ने भाग लिया	2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006 और 2007 बैच के अधिकारी		
कोर्स का उद्घाटन	चरण-IV का 16वाँ दौर (एमसीटीपी)		
समापन भाषण	श्री पेमा खांडू, माननीय मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश		

लक्ष्य

14 से 16 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को नीति निर्माण और बेहतर कार्यान्वयन में प्रभावी परिवर्तन लाने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- लोक नीति और शासन में राजनीतिक अर्थव्यवस्था और संस्थानों की भूमिका को समझना;
- लोक नीति निर्माण, विश्लेषण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझना;
- नीतिगत समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और हल करने के लिए नीति विश्लेषण के उपकरण को लागू करना; और
- व्यक्तिगत नेतृत्व, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बातचीत कौशल को मजबूत बनाना।
- प्रतिक्रिया
- प्रतिभागियों के अनुभव और ज्ञान और सहकर्मियों से पारस्परिक ज्ञानार्जन का लाभ उठाना

- संवादात्मक और सहभागी
- रणनीतिक और वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने का प्रयास
- विविध वक्ता- शिक्षाविद, वरिष्ठ अधिकारी, जमीनी स्तर के व्यवसायी, उद्योग: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय।

मोटे तौर पर, पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषयगत क्षेत्र शामिल थे:

सप्ताह 1

- सार्वजनिक नीति के लिए अर्थशास्त्र
- अंतिम चरण - सार्वजनिक नीति को अपसाइड डाउन कर देना
- करियर की प्रगति
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण
- भविष्य की नीति निर्माण
- शहरी परिवहन
- शहरी नीति
- सरकार में खरीद - नीतिगत चुनौतियाँ
- आपदा प्रबंधन

सप्ताह 2

- सार्वजनिक नीति का औचित्य
- पूर्वोत्तर एकीकरण
- कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव की आर्थिक उपयोगिता
- जम्मू कश्मीर और लद्दाख की सक्रिय सीमाओं की चुनौतियों पर काबू पाना
- साइबर सुरक्षा
- सुगम बातचीत
- अंतिम व्याख्यान: सुगम वार्तालाप
- ईपीओडी इंडिया - नीति मूल्यांकन
- कला एवं संस्कृति का महत्व
- शिक्षा

सप्ताह-3

- विनिवेश
- पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन
- जनगणना
- आईएस अधिकारियों की नैतिक दुविधाएँ
- स्टार्टअप और नेतृत्व के साथ जुड़ना
- सही खाएं - पोषण और कल्याण

- प्रश्नावली
- परावर्तन व्यायाम
- बातचीत मॉड्यूल
- नीति संचार
- आयुष एकीकरण
- दिल्ली ईवी नीति
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से जनसांख्यिकीय लाभान्श को अधिकतम करना
- एमएसएमई

सप्ताह-4

हालांकि चरण-IV एमसीटीपी पाठ्यक्रम में आमतौर पर एक सप्ताह का विदेश अध्ययन दौरा (एफएसटी) होता है, परंतु कोविड से संबंधित यात्रा प्रतिबंधों के कारण विदेशी विश्वविद्यालयों की भौतिक यात्रा नहीं हो सकी। एफएसटी के स्थान पर, यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतिभागी नेतृत्व में वैश्विक श्रेष्ठ कार्यों से सीखने के अवसर से वंचित न रहें इसलिए पिछले सप्ताह प्रेसिंग इंस्टीट्यूट, कैम्ब्रिज, यूएसए के सहयोग से लीडरशिप थ्योरी "यू" पर एक मॉड्यूल आयोजित किया गया।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन (प्रतिभागियों को प्राप्त ग्रेड)

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	22
ए	38
बी+	34
कुल	94

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणी

चरण IV एमसीटीपी सफलतापूर्वक पूरा हुआ जो 18 जुलाई से 12 अगस्त 2022 तक निर्धारित किया गया। पाठ्यक्रम पूरी तरह से अकादमी में आयोजित किया गया और कोविड संबंधी उचित सावधानियां बरती गईं।

चरण IV को सार्वजनिक नीति निर्माण और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करके डिजाइन किया गया। प्रतिभागियों ने सभी चार सप्ताह अकादमी में ही व्यतीत किए। वर्तमान कार्यक्रम के लिए कोई विदेशी अध्ययन दौरा नहीं था।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को निरंतर ज्ञानार्जन के लिए कौशल और दृष्टिकोण से लैस करने का प्रयास किया गया। विभिन्न क्षेत्रों, नीति निर्माण और बातचीत में कौशल, नेतृत्व और साक्ष्य-आधारित नीति डिजाइन पर इनपुट प्रदान किए गए।

प्रतिदिन सुबह की अनिवार्य गतिविधि के अलावा, कार्यक्रम में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल थे जिनमें प्रशिक्षुओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। छोटे ट्रेक, खेल-कूद का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके द्वारा लिखे गए व्यक्तिगत केस अध्ययनों और विभिन्न नीतिगत चुनौतियों पर समूह प्रस्तुतियों के आधार पर किया गया।

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग (4 सप्ताह)

इंडक्शन कोर्स विभिन्न राज्यों की चयन सूची में अधिकारियों अथवा राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए अधिकारियों के लिए आयोजित किए जाते हैं। इस कोर्स का उद्देश्य ज्ञान एवं कौशल के स्तरों का उन्नयन करना तथा उन व्यक्तियों के साथ विचार, मत तथा अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराना है जिन्होंने राष्ट्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकसित किया है। नए प्रबंधन विचारों, तकनीकों तथा कौशल एवं प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन के अग्रणी क्षेत्रों पर भी पर्याप्त बल दिया जाता है। प्रतिभागियों को एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य देने पर बल दिया जाता है। अधिकारियों को देश के अग्रणी संस्थानों के दौरों के लिए भी ले जाया जाता है, जिससे उन्हें सेवा की अखिल भारतीय प्रकृति से अवगत कराया जा सके।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए 124वां इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम

(13 फरवरी से 24 मार्च, 2023 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में (पदोन्नत/चयन सूची) अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती छवि भारद्वाज
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती दिशा पन्नू, डॉ. संजय जे. जोशी, डॉ. एकता उनियाल, श्री रोमियो विंसेंट टेरे
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री दीपक खांडेकर, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, डीओपीटी, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री अजय मित्तल, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, डीओपीटी, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल - 129 [पुरुष - 103; महिला- 26]

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- ✓ प्रशासनिक सेवाओं की अखिल भारतीय प्रवृत्ति को बहेतर ढंग से समझना तथा देश के लोक प्रशासन एवं मैक्रो-इकोनोमी से संबंधित एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य को विकसित करना।
- ✓ विभिन्न क्षेत्रों में अद्यतन नीतियों तथा कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त करने के साथ अपने साथी प्रतिभागियों के अनुभवों से सीखना।
- ✓ अपने कार्य क्षेत्र में सहयोगी कार्य और नेतृत्व एवं वार्ता के सिद्धांतों को लागू करने में समर्थ होना।

पाठ्यक्रम के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में इंटरैक्टिव व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन, हेरिटेज वॉक/पर्यटन, अनुभव का आदान-प्रदान, फिल्म एवं चर्चा, मैनेजमेंट गेम्स, सिमुलेशन अभ्यास, समूह कार्य तथा क्षेत्र दौरे शामिल किए गए।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

सप्ताह 1 गहन चिंतन, परिप्रेक्ष्य में आईएस, अकादमी का दौरा, विखंडन मॉड्यूल, नेतृत्व पर मॉड्यूल, भारत के पूर्वोत्तर पर परिप्रेक्ष्य, डेटा एनालिटिक्स का परिचय और क्या-अगर-विश्लेषण और पूर्वानुमान विश्लेषण का व्यावहारिक अभ्यास, प्रशासकों के लिए नैतिकता, लिंग: समावेशन और अंतर-अनुभागीयता, सही खाएं-3एस की रणनीति, वर्णनात्मक विश्लेषण और ग्राफिकल विश्लेषण का व्यावहारिक अभ्यास।

सप्ताह 2 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स का व्यावहारिक अभ्यास- चैटजीपीटी, सीएम डैशबोर्ड और डेटा एनालिटिक्स, जीएसटीएन-एप्लीकेशन और एनालिटिक्स फ्रेमवर्क, जीईएम पोर्टल-प्रोक्योरमेंट और एनालिटिक्स के अनुभव, आईसीटी, मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा अनुभाग का अवलोकन: एनईपी पर फोकस, शिक्षा को समृद्ध करने के लिए गैर-सरकारी समर्थन, इमर्सिव लर्निंग के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, पैनल चर्चा: 360 परिप्रेक्ष्य, स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढीकरण: बीजापुर और बस्तर अनुभव, एनीमिया: एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतगति शक्ति और सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, हवाई अड्डा क्षेत्र, बंदरगाह क्षेत्र, डीपीआईआईटी की वोकल लोकल पहल के माध्यम से निवेश प्रोत्साहन, ओडीओपी- निर्यात केंद्र के रूप में जिले, शहरी शासन- मलिन बस्तियां, नागरिक सुविधाएं और शहरव्यापी समावेशी स्वच्छता, कार्बन ट्रेडिंग और हरित उत्सर्जन, नगर वित्त के उपकरण, शहरी नियोजन: शहरों पुनर्विकास, केस स्टडी चर्चा: शहरों में पुनर्विकास,

सप्ताह 3 और सप्ताह 4 भारत दर्शन

सप्ताह 5 खरीद का वित्तीय ढांचा, सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर), बजट, माल और सेवा कर (जीएसटी), परियोजना प्रबंधन, अखिल भारतीय सेवा नियम (एआईएस), दवाओं का उपयोग और खतरे से निपटने के लिए प्रशासकों की भूमिका, राष्ट्रीय सुरक्षा, खरीद, कंपनी कानून, वार्ता मॉड्यूल।

सप्ताह 6 ग्रामीण, आदिवासी विकास और आजीविका, सरकार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, रक्षा का अवलोकन, कानूनी मामलों को संभालना, ग्रामीण विकास और आजीविका, क्षेत्र से अभ्यास - ग्रामीण विकास, जेंडर संवेदनशील संचार। प्रतिभागियों को राज्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी हस्तक्षेप, सार्वजनिक नीति या प्रशासन में रुचि किसी भी विषय पर अपने स्वयं के सुझावों के साथ 1500 शब्दों का निबंध / शोध पत्र प्रस्तुत करना था। प्रतिभागियों का मूल्यांकन 100 अंकों में से किया गया, जिनमें से 20 अंक की परीक्षा बहुविकल्पीय प्रकार की थी, अंक 20 केस स्टडी के लिए, 20 अंक समूह प्रस्तुतिकरण के लिए, 20 अंक फील्ड हस्तक्षेप समूह गतिविधि के लिए और 25 अंक निदेशक के मूल्यांकन के लिए थे।

सप्ताहांत मॉड्यूल

(i) जॉर्ज एवरेस्ट का ट्रेक

(ii) आईएमए का दौरा

(iii) पाइन फॉरेस्ट का ट्रेक

भारत दर्शन

इस पाठ्यक्रम में 02 सप्ताह का भारत दर्शन शामिल है। प्रतिभागियों को इस तरह से समूहबद्ध किया गया था कि वे देश के उन हिस्सों का दौरा कर सकें, जहाँ उन्होंने सेवा नहीं की है। भारत दर्शन का मुख्य विचार प्रतिभागियों को सेना/वायु सेना/नौसेना, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बुनियादी ढाँचे की परियोजनाओं और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़े बड़े राष्ट्रीय मुद्दों से परिचित कराना था।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

- इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को सक्षम बनाना था, जिन्हें राज्य सिविल सेवाओं से आईएएस में पदोन्नत किया गया है, ताकि वे भारतीय प्रशासनिक सेवा की अखिल भारतीय प्रकृति को समझ सकें और लोक प्रशासन और देश की वृहद अर्थव्यवस्था के कामकाज पर एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित कर सकें।
- इसके अलावा, इसका उद्देश्य इन अधिकारियों को शासन के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम नीतियों और कार्यक्रमों के ज्ञान के साथ-साथ उन कौशलों से लैस करना था जो आज के प्रशासनिक संदर्भ में प्रभावी प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए 124वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री जी के साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण के आह्वान की प्रतिक्रिया के रूप में तैयार किया गया।
- 124वें आईटीपी में 2008 से 2020 के बैच के 131 प्रतिभागी थे। वे 18 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों से आए हैं। इनमें से 20% महिला प्रतिभागी थीं। प्रतिभागियों की औसत आयु 52 वर्ष थी। समूह ने विभिन्न प्रशासनिक क्षमताओं में राज्य सरकारों में औसतन 23 वर्ष सेवा की है।
- मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य एक आदर्श सिविल सेवक तैयार करना है, जो कल्पनाशील और अभिनव, सक्रिय और विनम्र, पेशेवर और प्रगतिशील, ऊर्जावान और सक्षम, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम, रचनात्मक और सृजनात्मक हो। इन नेतृत्व शैलियों और मूल्यों को अपनाने वाले प्रशासनिक नेता राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगे। तदनुसार, पाठ्यक्रम को इस तरह से संरचित किया गया है कि डोमेन, कार्यात्मक और व्यवहार संबंधी इनपुट को पाठ्यक्रम डिजाइन में तैयार किया गया है।
- अतीत के पाठ्यक्रम से स्पष्ट अंतर करते हुए, इस पाठ्यक्रम में विषयगत मॉड्यूल शामिल थे, जिनमें से कुछ डोमेन और कार्यात्मक इनपुट को संबोधित करते थे जबकि कुछ मॉड्यूल स्पष्ट रूप से सिविल सेवा के व्यावहारिक आयाम पर ध्यान केंद्रित करते थे।
- नेतृत्व, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, बातचीत, समावेश, जेंडर और नैतिकता कौशल पर इनपुट का उद्देश्य एक सिविल सेवक के व्यावहारिक आयामों को निखारना था। पाठ्यक्रम में एआई और डेटा एनालिटिक्स के साथ-साथ खरीद, वित्तीय प्रबंधन और बजट पर इनपुट शामिल थे - डोमेन इनपुट जो विभिन्न डोमेन में काम करने वाले अभ्यासकर्ताओं के लिए प्रासंगिक और उपयोगी हैं।
- बुनियादी ढांचे और उद्योग, शहरी शासन और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और कौशल, कृषि और भूमि प्रबंधन आदि पर विषयगत क्षेत्रीय इनपुट दिन भर के मॉड्यूल के रूप में आयोजित किए गए थे, जिसमें डोमेन विशेषज्ञों ने विषयगत क्षेत्रों के बारे में पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।
- व्यावहारिक आईसीटी कौशल - विशेष रूप से विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करके डेटा का संगठन, प्रबंधन, विश्लेषण और व्याख्या आईटीपी का एक अभिन्न अंग था, जिसमें डेटा प्रसंस्करण और विश्लेषण उपकरणों पर व्यावहारिक कौशल के अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रति सप्ताह औसतन 2 आईसीटी सत्र होते थे। 124वें आईटीपी में नियमित आईसीटी प्रैक्टिकल सत्रों के अलावा एआई और डेटा एनालिटिक्स पर पूरे दिन का मॉड्यूल शामिल था।

- पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण पद्धति को शैक्षणिक उपकरणों की शुरुआत के साथ फिर से जोड़ा गया, जिससे अधिक भागीदारी, अनुभव साझा करने और पियर लर्निंग में सुविधा हुई। जबकि पहले अधिकांश सत्र व्याख्यान के रूप में दिए जाते थे, 124वें आईटीपी के दौरान शिक्षण और जानाजर्न के तौर-तरीकों के रूप में प्रशासनिक संदर्भ में समस्या समाधान के इर्द-गिर्द केस स्टडी आधारित शिक्षण, पैनल चर्चा, समूह कार्य, रोल प्ले और समूह असाइनमेंट पेश किए गए।
- 124वें आईटीपी में पहली बार एक दिन का डिकंस्ट्रक्शन मॉड्यूल शामिल था, जिसमें देश भर के राज्यों से आईएस में शामिल किए गए अनुभवी अधिकारियों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लागू करने या प्रमुख नीतियों को तैयार करने/निष्पादित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अपने अनुभव साझा किए। इसका उद्देश्य स्पष्ट भूमिका परिवर्तन की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करना और इसलिए निर्णय लेने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना था। ब्रेकआउट सत्रों में विषयगत क्षेत्रों के बारे में प्रारंभिक अनुभव साझा करने और बातचीत के बाद, समूह ने पूर्ण सत्र के लिए फिर से बैठक की जो एक पैनल चर्चा का रूप लेगी। डिकंस्ट्रक्शन मॉड्यूल के लिए मुख्य भाषण श्री दीपक खांडेकर, पूर्व सचिव, डीओपीटी, भारत सरकार द्वारा दिया गया।
- 124वें आईटीपी से, एक दिन का मॉड्यूल भी पेश किया गया जो एक फील्ड इंटरवेंशन ग्रुप गतिविधि के रूप में डिज़ाइन किया गया था। विचार सहकर्मी से सीखने और भागीदारी का था ताकि वरिष्ठ प्रशासकों द्वारा सामना किए जाने वाले वास्तविक जीवन के परिदृश्यों को प्रतिभागियों के समूहों के सामने समस्याओं के रूप में प्रस्तुत किया जा सके ताकि वे विचार-विमर्श कर सकें और समाधान का प्रस्ताव दे सकें। भारत के उत्तर पूर्व और राष्ट्रीय सुरक्षा पर सत्र एक बड़े परिप्रेक्ष्य को सामने लाने के लिए क्यूरेट किए गए थे क्योंकि हम परिदृश्य को तैयार करने के बारे में बात कर रहे थे।

पाठ्यक्रम में 2 सप्ताह लंबा भारत दर्शन भी शामिल था। दो सप्ताह के भारत दर्शन कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को एक वृहत, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने में मदद करना था जो उन्हें शासन को प्रासंगिक बनाने और समझने में सक्षम बनाए। राष्ट्रीय सुरक्षा के आयाम को रेखांकित करने के लिए सशस्त्र बलों - थल सेना (श्रीनगर), नौसेना (कोच्चि) और वायु सेना (अंबाला, हैदराबाद) के साथ अटैचमेंट शामिल किए गए। राष्ट्रीय विकास के महत्वपूर्ण घटक के रूप में पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रत्येक यात्रा कार्यक्रम में एक पूर्वोत्तर राज्य (मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और सिक्किम) की राजधानियों की यात्रा को शामिल किया गया। इसके अलावा, बड़े सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के उपक्रमों (जेएन पोर्ट ट्रस्ट मुंबई, विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट, गिफ्ट सिटी, अहमदाबाद एसईजेड, टी-हब हैदराबाद) नगर निगमों (अहमदाबाद, चंडीगढ़, बेंगलूर, हैदराबाद, भुवनेश्वर) और शासन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सार्वजनिक सेवाएँ प्रदायगी वाले एसपीवी के साथ अटैचमेंट शामिल रहे।

प्रतिभागियों का विवरण

124वें इंक्वशन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीपी) में 15 विभिन्न संवर्गों के अधिकारी प्रतिभागी थे। इसका विवरण नीचे दिया गया है:-

राज्य	महिला	पुरुष	अधिकारियों की संख्या
अगमुट	2	16	18
आंध्र प्रदेश		4	4
असम-मेघालय	3	2	5
छत्तीसगढ़	3	5	8
गुजरात		11	11
हरियाणा		4	4
हिमाचल प्रदेश	2	4	6

झारखंड	1	2	3
कर्नाटक	2	1	3
केरल		2	2
मध्य प्रदेश	3	4	7
महाराष्ट्र	1	16	17
मणिपुर	1	2	3
ओडिशा	1	5	6
पंजाब	1	6	7
राजस्थान	5	10	15
तमिलनाडु		2	2
उत्तराखंड		5	5
पश्चिम बंगाल	1	2	3
कुल	26	103	129

प्रतिभागियों की मूल्यांकन रिपोर्ट इस प्रकार है:-

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	01
ए	24
बी+	83
बी	21

दूसरा संयुक्त मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	दूसरा संयुक्त मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि	27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2022
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री राधिका रस्तोगी, विशेष निदेशक
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	1. सुश्री छवि भारद्वाज, उप निदेशक (वरिष्ठ) 2. श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक 3. श्री रोमियो विंसेंट टेटे, सहायक निदेशक

प्रतिभागी	कुल: 130 - पुरुष: 95; महिला: 35
बैचों का प्रतिनिधित्व	18 सेवाओं के 2002 बैच के अधिकारी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन भाषण	माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन में ऑनलाइन शामिल हुए जो 97वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

लक्ष्य

संयुक्त मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों को एक साथ लाना है जो प्रत्येक व्यक्ति की नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सरकारी संगठन के वरिष्ठ स्तर पर महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं। यह कार्यक्रम अपने प्रतिभागियों में राष्ट्रीय गौरव, मिशन और सौहार्द की भावना पैदा करने का प्रयास करता है जो सभी को राष्ट्रीय आकांक्षाओं और लक्ष्यों की जानकारी देने और सेवा प्रदायगी के लिए अपनी टीमों का नेतृत्व करने में सक्षम बनाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अगले स्तर की नेतृत्व क्षमताओं का पता लगाना और उन्हें बढ़ाना;
- राष्ट्रीय आकांक्षाओं और चुनौतियों की समझ को मजबूत बनाना;
- अपने कार्यालयी कामकाज में मजबूत सहयोगी कार्यनीति अपनाना; और
- उच्च मानक वाली नागरिक केंद्रित कुशल सेवा सुनिश्चित करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

पाठ्यक्रम का संचालन क्षमता निर्माण आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम का विषय 'प्रबुद्ध नेतृत्व का प्रयोग' था। दिनवार विषय थे - नेतृत्व और अधिकार को समझना, 'स्वयं' और 'अन्य' को समझना, अनुकूली बनाम तकनीकी चुनौतियाँ और प्रबुद्ध नेतृत्व - नेतृत्व के लिए एक नई रूपरेखा। पांचवें दिन, डिजिटल प्रशासन पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें कुछ प्रतिभागी पैनलिस्ट थे।

प्रतिभागियों को अकादमी में आने से पहले ऑनलाइन पाठ्यक्रम - "डिजिटल गवर्नेंस" पूरा करना आवश्यक था। इसने सभी प्रतिभागियों को एक राष्ट्रीय चुनौती से निपटने और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न साधनों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया।

दूसरा संयुक्त मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकार में वरिष्ठ नेतृत्व को अलग करने और एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया। इसका उद्देश्य नीति निर्माण स्तर पर एक मजबूत नागरिक नेतृत्व तैयार करना है जो अपने संगठन को सीखने और विभिन्न चुनौतियों से निपटने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उपकरणों से लैस हो।

अकादमी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में कल्याण के विचार को शामिल करने का यह पहला प्रयास है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के शारीरिक और मानसिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया। प्रत्येक

दिन की शुरुआत सुबह योगाभ्यास के साथ हुई और उसके बाद बाजरा आधारित प्रो-बायोटिक पेय लिया गया। मेन्यू को विशेष रूप से आयुर्वेद के सिद्धांतों पर तैयार किया गया और इसमें विषहरण को बढ़ावा देने के लिए 'सात्विक' व्यंजन शामिल थे। पांच दिवसीय आहार से पहले और बाद में प्रतिभागियों के रक्तचाप, रक्त शर्करा, वजन जैसे स्वास्थ्य मापदंडों ने प्रतिभागियों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव दिखाया, विशेष रूप से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और पाचन जैसे विकारों से पीड़ित लोगों के लिए। नेचर वॉक टू जॉर्ज एवरेस्ट का आयोजन किया गया जिसे प्रतिभागियों ने खूब सराहा।

28वां संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

(08 जून से 17 जून, 2022 तक)

कोर्स का नाम	28वां संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम (8 जून से 17 जून, 2022)
कोर्स समन्वयक	सुश्री दिशा पन्नू पाठ्यक्रम समन्वयक
सहयोगी कोर्स समन्वयक(स)	श्री हरि लाल चौहान, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री राजनाथ सिंह, माननीय रक्षा मंत्री
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समूह की संरचना-सेवा का प्रतिनिधित्व और पुरुष/महिला ब्रेकअप	कुल = 47 (महिला- 45; पुरुष- 02)
कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य	अखिल भारतीय सेवाएँ -आईएएस, आईपीएस, आईएफओएस, केंद्रीय सिविल सेवाएँ-आईएफएस, आईसीएंडसीईएस, आईआरएस, आईआरटीएस, आईडीएस, आईडीईएस अर्धसैनिक संगठन-बीएसएफ, सीआरपीएफ, एनएसजी, आईटीबीपी, एसएसबी रक्षा सेवाएँ-भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, तटरक्षक, एकीकृत रक्षा मुख्यालय, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज खुफिया-आईबी, कैबिनेट सचिवालय अन्य संगठन-सीबीआई
वरिष्ठता स्तर	संयुक्त सचिव/ भारत सरकार में निदेशक सेना में मेजर जनरल/ब्रिगेडियर/कर्नल

पाठ्यक्रम का परिचय

राष्ट्रीय सुरक्षा पर संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी का एक प्रमुख पाठ्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को बेहतर बनाने के लिए मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए वर्ष 2002 में आरंभ किया गया।

उद्देश्य, पाठ्यक्रम गतिविधियां तथा विशेषताएं:

- राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न आयामों तथा इसके घटकों तथा भारतीय राज्य में विभिन्न खतरों से संबंधित जानकारी में वृद्धि करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबंध की चुनौतियों से प्रतिभागियों को अवगत कराना, उभरते हुए बाह्य सुरक्षा परिवेश तथा आंतरिक सुरक्षा परिवेश से परिचित कराना।
- सुरक्षा के लिए खतरे के साथ-साथ सुरक्षा (साइबर, पर्यावरणीय, आर्थिक तथा ऊर्जा) के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करना।
- सिविल-सैन्य विचार-विनिमय का अवसर प्रदान करना तथा
- प्रतिभागियों को इस विषय पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करना।

जेसीएम कार्यक्रम का 28वां पुनरावृत्ति पहला कार्यक्रम था जिसने "मिशन कर्मयोगी" के सिद्धांतों को शामिल किया। मिशन कर्मयोगी के महत्वपूर्ण घटक हैं पृथकीकरण, अंतर-संस्थागत सहयोग और 'नियम' से 'भूमिका' में बदलाव। तदनुसार, 28वें पुनरावृत्ति में प्रमुखता आधार को व्यापक बनाने और प्रशिक्षण में अधिक हितधारकों को शामिल करने पर रहा। तदनुसार, प्रशिक्षण में पहली बार भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों और डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से नामांकन आमंत्रित करके प्रतिभागियों के आधार का विस्तार करने से पाठ्यक्रम में अनुभवों की अपेक्षित समृद्धि प्रदान की गई और अन्य सेवाओं की भूमिकाओं और चुनौतियों की गहरी समझ सुनिश्चित हुई जिससे साइलोज को समाप्त करने में मदद मिली। कार्यक्रम में डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की उपस्थिति ने सभी हितधारकों को सहयोग के लिए देश के अनुसंधान और विकास संगठन के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान किया। निर्देशात्मक इनपुट में आइस-ब्रेकिंग सत्र, व्याख्यान, पैनल चर्चा, केस स्टडीज, खलंगा युद्ध स्मारक का दौरा, ट्रेक, समूह चर्चा और फिल्में शामिल रही। कार्यक्रम ने सुरक्षा चुनौतियों की गहरी समझ के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर वैकल्पिक दृष्टिकोण रखने का प्रयास किया। इसका उद्देश्य अधिक प्रभावी शिक्षण के लिए प्रतिभागियों के समृद्ध और विविध अनुभव का उपयोग करना भी है। इस कार्यक्रम का निकटतम उद्देश्य उचित प्रशिक्षण इनपुट के माध्यम से व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण में कथित अंतराल को पूरा करना था। शैक्षणिक इनपुट के अलावा, सौहार्द और जीवन भर के संबंध बनाए रखने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए गए।

28वें जेसीएम प्रशिक्षण कार्यक्रम का ग्रुप फोटो



LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION, MUSSOORIE



Sitting Row(L-R)	Rita Raj, Patil Ketan Baliram, DIG Parikaj Verma, Gp Capt Solayan Kannan VSM, Satpal Rawat, Maj Gen Ajay Kumar Verma, AVSM, Disha Pannu, Srinivas R Katikithala, Hon'ble Defence Minister Shri Rajnath Singh Ladakshi Rastogi, Air Hail Chouhan, Air Hail M. D. Reddy, DIG Rana Yuvdhir Singh, DIG Srishrithar, Capt Vikrant Shankar Bansari, Pravin Kumar, Anuya Venkatesh
Standing Row(L-R) I	Sonam Chombay, Satya Narayan Choudhary, Veenu Bansal, Raj Kumar Negi, Cmde Rajan Dhimian, Col Navjot Singh, SM, DIG I. J. Singh, Cmde Sandeep Verma, Raj Kumar, Rahul Garg, Priyatu Mandal Dr. Jitendra Gupta, S. R. Natesha, Nabarun Dhar, Debashish Lahiri, Amarnath Kesarl, Vivek Kumar Jain, Pramod Verma, Ajay Kumar Mishra, Col H. Sabarinath, YSM, Raju Agasimani
Standing Row(L-R) II	Surinder Khatri, Amaramang Gujar, Air C.B.J. Mammen, VSM, Ameya Abhyankar, Col Dalbir Singh Rawat, Anwar All TP Col A. S. Gill, S. Jayaprahasam, R. K. S. Rawat Dr. Sanjay Kumar Sharma, Vidhyadhar Vasudeo Pawar, Col Ashok Kumar Sharma, SM, Dr. Atul Dev, Col Puspendar Sorpal

28वें जेसीएम में प्रतिभागियों का सेवा-वार ब्यौरा

सेवा	महिला	पुरुष	कुल
बीएसएफ		2	2
कैबिनेट सचिवालय		1	1
सीआरपीएफ		1	1
मुख्यालय आईडीएस		1	1
आईएएस		2	2
आईबी		1	1
आईडीएएस/सीबीआई		1	1
आईडीईएस		1	1
आईएफओएस		2	2
भारतीय विदेश सेवा		1	1
आईआईएस		1	1
भारतीय वायु सेना		3	3
भारतीय सेना		5	5
भारतीय तट रक्षक		2	2
भारतीय नौसेना		3	3
आईपीएस		4	4
आईआरएस (सी एंड आईटी)		4	4
आईआरएस (आईटी)		3	3
आईआरटीएस	1		1
आई टी बी पी		2	2

एनएसजी		1	1
एसएसबी		1	1
वैज्ञानिक	1	3	4
कुल	2	45	47

अनुसंधान केंद्र**आपदा प्रबंधन केंद्र****लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी -248179**

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम) अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र है और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार की यूनिट है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में की गई और यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (पंजीकरण संख्या-199/2007-2008 दिनांक 26-05-2007) के तहत स्वायत्त सोसायटी के रूप में पंजीकृत है। यह केंद्र कक्षा सत्रों, केस स्टडी, अनुभव साझा करने वाली प्रस्तुतियाँ, पैनल चर्चा, कार्यशालाएँ, मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा न्यूनीकरण (नीति, योजना, कार्यक्रम निर्माण और कार्यान्वयन) के विभिन्न पहलुओं में मिड-करियर के साथ-साथ इंडक्शन स्तर के प्रोग्राम में सिविल सेवा (आईएस और अन्य समूह-क सिविल सेवाओं) के अधिकारियों के प्रशिक्षण में शामिल रहा। अनुसंधान कार्य परियोजनाओं के अलावा, यह केंद्र प्रकाशन गतिविधियों जैसे श्रेष्ठ कार्यों का डॉक्यूमेंटेशन, केस स्टडी, पुस्तकों और आपदा और आपातकालीन प्रबंधन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आईईसी सामग्री तैयार करने के कार्य में भी शामिल रहा है।

यह केंद्र वर्ष 2007 से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से "सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों तथा प्रौद्योगिकीविदों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" की योजना के लिए ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के तहत अनेक विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। देशभर के सैकड़ों वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को अद्वितीय शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ प्रमुख संस्थान के प्रशिक्षण परिदृश्य से अवगत कराया गया। वर्ष 2012-13 से केंद्र को गृह मंत्रालय द्वारा समर्थन दिया गया। सीडीएम को "आपदा प्रबंधन पर भा.प्र. सेवा/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों का क्षमता निर्माण" नामक परियोजना के तहत एनडीएमए से समर्थन प्राप्त हो रहा है।

क. मानव संसाधनों के विकास तथा प्रबंधन के लिए आपदा प्रबंधन केंद्र की मुख्य पहलें/उपलब्धियां

आपदा प्रबंधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने भा.प्र.से./भारत में केंद्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

1. आईएस/आईपीएस/आईएफएस से संबंधित अधिकारियों के लिए "आपदा जोखिम प्रबंधन" पर 3 दिवसीय वार्षिक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम (16-18 नवंबर, 2022)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	आईएस/ भारत की केंद्रीय सेवा के अधिकारी (सचिव/संयुक्त सचिव (डीएम विभाग), जिला मजिस्ट्रेट/उपायुक्त, अपर जिला मजिस्ट्रेट/अपर उपायुक्त, अनेक जोखिमों की आशंका वाले जिलों के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएस

	उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, आईएएस निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्रीमती राधिका रस्तोगी, आईएएस संयुक्त निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 15 (पुरुष-15)

आईएएस/आईपीएस/आईएफएस से संबंधित अधिकारियों के लिए "आपदा जोखिम प्रबंधन" पर 03 (तीन) दिवसीय वार्षिक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 -18 नवंबर 2022 तक कलाम हॉल, इंदिरा भवन, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' का एक हिस्सा था, जिसे विशेष रूप से भारत के विभिन्न राज्यों के आईएएस/आईपीएस/आईएफएस अधिकारियों के लिए तैयार किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आपदा प्रबंधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए) के सहयोग से किया गया। यह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के तहत ओडिशा सरकार, भारत सरकार की योजना है और जिसका शीर्षक "आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन पर क्षमता निर्माण" है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य:

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना, 2019 में दिए गए विज़न को प्राप्त करना है, "भारत को सभी क्षेत्रों में आपदा के प्रति लचीला बनाना, गरीबों से शुरू करके और उल्लेखनीय रूप से जीवन क्षति कम करके स्थानीय क्षमताओं का निर्माण कर पर्याप्त रूप से और समावेशी आपदा जोखिम में कमी लाना।" सभी स्तरों पर आपदाओं से निपटने की क्षमता को बढ़ाते हुए आर्थिक, भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय सहित विभिन्न रूपों में जीवन, आजीविका और संपत्ति की हानि को कम करना।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य हैं:

- प्रतिभागियों को आपदा जोखिम प्रबंधन (गर्म हवाएं, बादल फटना, अचानक बाढ़ और जंगल की आग आदि) पर ध्यान केंद्रित करना) की चुनौतियों और रणनीतियों से परिचित कराना।
 - प्रतिभागियों को विषय पर बातचीत करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करना।
 - उन्हें सेवाओं में परस्पर तालमेल की अनिवार्यताओं से अवगत कराना।
 - आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों और घटकों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
1. राष्ट्रीय कानूनी अधिदेशों के अनुरूप - डीएम अधिनियम 2005 और एनपीडीएम 2009
 2. 2015 के बाद के वैश्विक ढांचे के डीआरआर के लिए सुसंगतता और पारस्परिक सुदृढीकरण
 3. डीआरआर के लिए प्रधान मंत्री का दस सूत्रीय एजेंडा, समकालीन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।
 4. सर्वव्यापी और सर्वव्यापी सिद्धांत के रूप में सामाजिक समावेशन
 5. डीआरआर को एक अभिन्न विशेषता के रूप में मुख्यधारा में लाना

व्यापक विषय-वस्तु:

कार्यक्रम को प्रशासकों, क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा आपदा जोखिम को कम करने और प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं और अधिगमों पर प्रस्तुतियों और अनुभव साझा करने के माध्यम से निम्नलिखित विषयगत क्षेत्रों पर अधिकारियों को जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया।

1. रोकथाम/शमन: क्षमता निर्माण; जोखिम को समझना; जोखिम न्यूनीकरण उपायों पर नज़र रखना; आपदा जोखिम का कम करना: योजना (संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय); संसाधन प्रबंधन
2. तैयारी और योजना: जोखिम पूर्वानुमान और पूर्वानुमान आधारित जोखिम संचार: प्रारंभिक चेतावनी; निकासी; परिप्रेक्ष्य डीएमपी योजना: आकस्मिक योजना एवं संसाधन जुटाना; निगरानी
3. प्रतिक्रिया: समुदाय आधारित आपदा प्रतिक्रिया; खोज एवं बचाव; अंतर-एजेंसी समन्वय; आपदा डेटाबेस; हानि एवं क्षति आकलन; आपातकालीन राहत (भोजन, पानी, स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा, आश्रय, आघात देखभाल); सेवाओं की बहाली

4. पुनर्प्राप्ति, पुनर्वास और पुनर्निर्माण बेहतर तरीके से करना: आपदा जोखिम को कम करना और जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन को मुख्यधारा में लाना; सामुदायिक पुनर्प्राप्ति (मनोवैज्ञानिक और सामाजिक और आर्थिक पुनर्प्राप्ति); प्रभावी कार्यान्वयन; डीआरआर में निवेश-संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय

प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिणाम:

यह कार्यक्रम आपदा जोखिम को कम करने की साझा समझ के लिए अखिल भारतीय सेवाओं के बीच संरचित इंटरफेस को बढ़ावा देकर और बेहतर जोखिम प्रबंधन के लिए क्षेत्र स्तर के प्रशासकों के बीच सामंजस्य में सुधार करके और राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास में आपदा प्रबंधन की मौजूदा प्रणाली को मजबूत करने में सक्षम होगा। विभिन्न सेवाओं के बीच सौहार्द को बढ़ाने के साथ-साथ उनके कामकाज में एकजुटता में भी सुधार हो सकता है जिससे प्रशासन में सुधार होगा।

2. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में आईएस अधिकारियों के लिए 3 दिवसीय जिला आपदा प्रबंधन योजना और घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (06-08 फरवरी, 2023)

कार्यक्रम का लक्ष्य समूह	भारत में आई.एस./केंद्रीय सेवा अधिकारी (सचिव/संयुक्त सचिव (डीएम विभाग), जिला मजिस्ट्रेट/उपायुक्त, अपर जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त उपायुक्त, अनेक जोखिम की आशंका वाले जिलों के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्रीमती -राधिका रस्तोगी, आईएस विशेष निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी श्री अभिराम जी शंकर आईएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री. कुणाल सत्यार्थी, आईएस संयुक्त सचिव एवं

	सलाहकार (नीति एवं योजना), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली श्री अभिराम जी शंकर आईएसएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 25 (पुरुष-19; महिला-06)

आईएसएस से संबंधित अधिकारियों के लिए 03 (तीन) दिवसीय जिला आपदा प्रबंधन योजना और घटना प्रतिक्रिया प्रणाली का आयोजन 06-08 फरवरी, 2023 को कलाम हॉल, इंदिरा भवन, लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी, मसूरी में किया गया। यह कार्यक्रम भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' का एक हिस्सा था, जिसे विशेष रूप से भारत के विभिन्न राज्यों के आईएसएस/आईपीएस/आईएफएस अधिकारियों के लिए डिजाइन किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार के सहयोग से "आईएसएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन पर क्षमता निर्माण" योजना के तहत आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम), लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भारत सरकार द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य:

इस कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर अधिकारियों को संवेदनशील बनाना और उन्हें एनडीएमए, भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं को डिजाइन करने और तैयार करने, घटना प्रतिक्रिया प्रणाली को एकीकृत करने के लिए उन्मुख करना है। विभिन्न आपदाएँ कार्यक्रम को प्रशासकों, क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा आपदा जोखिम शमन और प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं और अधिगमों पर प्रस्तुतियों और अनुभव साझा करने के माध्यम से निम्नलिखित पहलुओं पर अधिकारियों को जानकारी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया। जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) और घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) पर कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रबंधकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आपदा जोखिम प्रबंधन, घटना योजना और प्रतिक्रिया पर आवश्यक और उपयोगी मौलिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है, जो समुदायों पर विनाशकारी घटनाओं के प्रभाव को कम करने चाहते हैं।

- भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन प्रणालियों पर प्रतिभागियों को परिचित कराना; एसडीजी के लिए आपदा जोखिम और चुनौतियाँ
- आपदा जोखिम में कमी के लिए नीतियों, योजना-परिचालन दृष्टिकोण और उपकरणों पर मूल्यांकन करना

- राज्य/जिला, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर सभी क्षेत्रों में विकास योजना में डीआरआर को मुख्यधारा में लाने के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर चर्चा करना
- प्रतिभागियों को आपदा जोखिम प्रशासन पर बातचीत करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करना
- कुशल आपदा प्रतिक्रिया प्रबंधन के लिए आईआरएस और डीडीएमपी की रूपरेखा, सिद्धांतों, अवधारणाओं, प्रथाओं और विशेषताओं का परिचय देना।
- भारत में आपदाओं पर प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता और महत्व को समझाना
- प्रतिभागियों को प्रमुख कौशल विकसित करने और इंटरैक्टिव व्याख्यानों में भाग लेने के माध्यम से सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे विभिन्न प्रमुख विषयों पर चर्चा की जा सकेगी।
- मुद्दों और विभिन्न आयामों और तत्वों के बारे में जागरूकता बढ़ाना
- आपदा प्रबंधन जैसे:
 1. आपदा और सतत विकास लक्ष्यों पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी दें
 2. राष्ट्रीय कानूनी अधिदेशों के अनुरूप - डीएम अधिनियम 2005 और एनपीडीएम 2009
 3. 2015 के बाद के वैश्विक ढांचे के डीआरआर के लिए सुसंगतता और पारस्परिक सुदृढीकरण
 4. आपदा जोखिम न्यूनीकरण और वैश्विक के लिए आपदा प्रबंधन ढांचा परिप्रेक्ष्य
 5. सेंडाई फ्रेमवर्क की व्यापक समझ और प्रधानमंत्री जी के समकालीन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने वाले डीआरआर के लिए दस सूत्री एजेंडा।
 6. सर्वव्यापी और सर्वव्यापी सिद्धांत के रूप में सामाजिक समावेशन
 7. डीआरआर को एक अभिन्न विशेषता के रूप में मुख्यधारा में लाना
 8. घटना प्रतिक्रिया प्रणाली को एकीकृत करके जिला आपदा प्रबंधन योजना तैयार करना। इन योजनाओं में रोकथाम/शमन (क्षमता निर्माण; जोखिम को समझना; जोखिम कम करने के उपायों पर नज़र रखना; आपदा जोखिम में कमी: योजना (संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय); संसाधन प्रबंधन); तैयारी और योजना (जोखिम पूर्वानुमान और पूर्वानुमान आधारित जोखिम संचार: प्रारंभिक चेतावनी; निकासी; परिप्रेक्ष्य डीएमपी योजना: आकस्मिक योजना और संसाधन जुटाना; निगरानी); प्रतिक्रिया (समुदाय आधारित आपदा प्रतिक्रिया; खोज और बचाव; अंतर-एजेंसी समन्वय; आपदा डेटाबेस; हानि और क्षति का आकलन; आपातकालीन राहत (भोजन, पानी, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा, आश्रय, आघात देखभाल); सेवाओं की बहाली); प्रभावी प्रबंधन के लिए पुनर्प्राप्ति, पुनर्वास और पुनर्निर्माण (आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन को मुख्यधारा में लाना; सामुदायिक

पुनर्प्राप्ति (मनोवैज्ञानिक और सामाजिक और आर्थिक सुधार); प्रभावी कार्यान्वयन; डीआरआर-संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपायों में निवेश) में बेहतर सुधार करना जैसे उपाय शामिल होंगे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य हैं:

- प्रतिभागियों को आपदा जोखिम प्रबंधन (गर्म हवाएं, बादल फटना, अचानक बाढ़ और जंगल की आग आदि पर ध्यान केंद्रित) की चुनौतियों और रणनीतियों से परिचित कराना।
- प्रतिभागियों को विषय पर बातचीत करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करना।
- उन्हें सेवाओं में परस्पर तालमेल की अनिवार्यताओं से अवगत कराना।
- आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों और तत्वों के बारे में जागरूकता बढ़ाना
 - राष्ट्रीय कानूनी अधिदेशों के अनुरूप - डीएम अधिनियम 2005 और एनपीडीएम 2009
 - 2015 के बाद के वैश्विक ढांचे के डीआरआर के लिए सुसंगतता और पारस्परिक सुदृढीकरण
 - डीआरआर के लिए प्रधान मंत्री का दस सूत्रीय एजेंडा समकालीन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।
 - एक सर्वव्यापी और क्रॉस-कटिंग सिद्धांत के रूप में सामाजिक समावेशन
 - डीआरआर को एक अभिन्न विशेषता के रूप में मुख्यधारा में लाना

व्यापक विषय-वस्तु:

कार्यक्रम को प्रशासकों, क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा आपदा जोखिम शमन और प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं और अधिगमों पर प्रस्तुतियों और अनुभव साझा करने के माध्यम से निम्नलिखित विषयगत क्षेत्रों पर अधिकारियों को अभिविन्यास प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया।

1. रोकथाम/शमन: क्षमता निर्माण; जोखिम को समझना; जोखिम न्यूनीकरण उपायों पर नज़र रखना; आपदा जोखिम न्यूनीकरण: योजना (संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय); संसाधन प्रबंधन
2. तैयारी और योजना: जोखिम पूर्वानुमान और पूर्वानुमान आधारित जोखिम संचार: प्रारंभिक चेतावनी; निकासी; परिप्रेक्ष्य डीएमपी योजना: आकस्मिक योजना एवं संसाधन जुटाना; निगरानी
3. प्रतिक्रिया: समुदाय आधारित आपदा प्रतिक्रिया; खोज एवं बचाव; अंतर-एजेंसी समन्वय; आपदा डेटाबेस; हानि एवं क्षति आकलन; आपातकालीन राहत (भोजन, पानी, स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा, आश्रय, आघात देखभाल); सेवाओं की बहाली
4. पुनर्प्राप्ति, पुनर्वास और पुनर्निर्माण में बेहतर निर्माण करें: आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन को मुख्यधारा में लाना; सामुदायिक पुनर्प्राप्ति (मनोवैज्ञानिक और सामाजिक और आर्थिक पुनर्प्राप्ति); प्रभावी कार्यान्वयन; डीआरआर में निवेश- संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय

प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिणाम:

कार्यक्रम (प्री-इवेंट) का परिणाम: प्रतिभागी प्रभावी आपदा प्रतिक्रिया के लिए एनडीएमए द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार डीडीएमपी और घटना प्रतिक्रिया योजना तैयार करने और समीक्षा करने में सक्षम हो गए हैं और प्रशिक्षकों, बाहरी संकाय सदस्यों और सहकर्मियों के साथ बातचीत करके और ज्ञानार्जन में शामिल होकर पारस्परिक रूप से लाभान्वित हुए हैं। आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-2030 और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए प्रधानमंत्री जी के 10 सूत्री एजेंडा और सेंडाई फ्रेमवर्क की प्राथमिकताओं को प्राप्त करने के लिए आपस में बातचीत की।

3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन पर 4 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (26 - 29 सितंबर 2022) ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश

कार्यक्रम के उद्देश्य/लक्ष्य समूह	एपीसीएस अधिकारी, डीडीएमओ और अन्य विभागों के नोडल अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री पेमा खांडू, अरुणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री तागे ताकी, मंत्री कृषि, बागवानी, एएच एंड वेटी, डेयरी विकास, मत्स्य पालन, अरुणाचल प्रदेश श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, आईएएस, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्री धर्मेन्द्र, आईएएस, अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दानी सालू, आईडीएस, आपदा प्रबंधन सचिव, अरुणाचल प्रदेश श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्री कोमकर डुलोम, निदेशक, एसडीएमए, अरुणाचल प्रदेश डॉ एकता उनियाल, सहायक निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री दानी सालू, आईडीएस, आपदा प्रबंधन सचिव, अरुणाचल प्रदेश श्री कोमकर डुलोम, निदेशक, एसडीएमए, अरुणाचल प्रदेश श्री अभिराम जी. शंकर आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्रीमती सी. वांग्लेट, उप निदेशक, एसडीएमए, अरुणाचल प्रदेश

	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 96

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाना
- समुदाय स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को सक्षम करने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों से परिचित कराना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका पर आपदाओं के प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- समुदाय स्तर पर आपदा न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान करना
- सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सैंड्राई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर 2015-2030) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सहकर्मों और सम्मिलित शिक्षण की सुविधा प्रदान करना

विषयगत क्षेत्र:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)
 - सहभागी शिक्षण और कार्यवाही (पीएलए)
 - समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीबीडीआरएम) योजना
 - आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका
 - कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना
5. "आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन" पर दूसरा अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम 05-12-2022 से 31-12-2022 तक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 49 अधिकारियों (अरुणाचल प्रदेश के सिविल सेवा अधिकारियों (एपीसीएस अधिकारी)) को प्रशिक्षित गया एवं आपदा सत्र दिनांक 07 से 08-12-2022 एवं 28-12-2022 को आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	अधिकारी (अरुणाचल प्रदेश के सिविल सेवा अधिकारी (एपीसीएस अधिकारी))
-----------------------------------	--

पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	कुल: 49 (पुरुष-29; महिला-20)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को संभव बनाने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और एकीकृत आजीविका पर आपदाओं के प्रभावों से अवगत कराना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) और सैंडई फ्रेमवर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)
- सहभागी ज्ञानार्जन एवं कार्यवाई (पीएलए)
- समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीबीडीआरएम) योजना
- आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका
- कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना

5. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा शमन में प्रौद्योगिकी की भूमिका (25-29 जुलाई 2022)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं नोडल अधिकारी, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला आईएएस, निदेशक एवं अध्यक्ष, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी,

	मसूरी-248179 डॉ. श्रीवारी चन्द्रशेखर उद्घाटन सत्र में सचिव एवं मुख्य अतिथि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली श्री अभिराम जी. शंकर आईएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी डॉ एकता उनियाल, सहायक निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
समापन भाषण	श्री उपेन्द्र त्रिपाठी, आईएस (सेवानिवृत्त) माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा के मानद प्रधान सलाहकार (शिक्षा) और सलाहकार, ओडिशा आदर्श विद्यालय संगठन, ओडिशा सरकार, क्यू आर सं. -2, VIII एमआर, यूनिट-VI, भुवनेश्वर- 751003 श्री अभिराम जी. शंकर, आईएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी डॉ. एकता उनियाल, सहायक निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल संख्या: 29 (पुरुष-26; महिला-3)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को संभव बनाने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और एकीकृत आजीविका पर आपदाओं के प्रभावों से अवगत कराना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) और सैंडैई फ्रेमवर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)
- सहभागी ज्ञानार्जन एवं कार्रवाई (पीएलए)
- समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीबीडीआरएम) योजना
- आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका
- कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना

6. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए जलवायु जोखिम प्रबंधन नीति और शासन (30 जनवरी-03 फरवरी 2023)

कार्यक्रम उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ.अखिलेश गुप्ता सचिव विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
समापन भाषण	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी-248179
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल संख्या: 23 (पुरुष-22; महिला-01)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को संभव बनाने के लिए क्रियाविधि (विभिन्न उपकरण और तकनीक) पर विचार-विमर्श करना।
- जलवायु परिवर्तन से संबंधित उभरते मुद्दों, चुनौतियों और नीतियों पर चर्चा करना

- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका एकीकरण पर आपदाओं के प्रभावों की जानकारी प्रदान करना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका की जानकारी प्रदान करना
- समावेशी आपदा लचीलापन के लिए नीतियों, शासन और योजना और समन्वय तंत्र की पहचान करना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए जानकारी एकत्र करना और तकनीकी ज्ञान/अनुभवों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना
- ज्ञानार्जन और भविष्य में कार्रवाई करने के लिए सिफारिशों पर चर्चा करना
- भविष्य की रणनीतियों, नीतियों और विकल्पों का सुझाव देना
- पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंटाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समूह में और मिलकर ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान करना।

विषयगत क्षेत्र:

- शासन और नीति पहलू
- क्षेत्रीय प्रभाव और समाधान
- जलवायु जोखिम शमन योजना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण

प्रशिक्षण पद्धति:

क. फ्लिपड कक्षा सत्र, फ़ील्ड दौरे और समूह अभ्यास शिक्षण पद्धति का हिस्सा होंगे।

अतिरिक्त गतिविधियां

- क. जलवायु स्मार्ट ग्राम योजनाओं और समूह प्रस्तुतियों और चर्चाओं के विकास के लिए पीएलए उपकरणों और तकनीकों के अनुप्रयोग के लिए गांव का दौरा
- ख. भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस), भारतीय सर्वेक्षण (एसओआई), और वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून का संस्थागत दौरा

7. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए "लचीला भविष्य: आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" (27 फरवरी से 03 मार्च 2023)

कार्यक्रम के लक्ष्य/ लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, आईएएस निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179 श्री अभिराम जी. शंकर आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179 डॉ एकता उनियाल,

	सहायक निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी-248179
समापन भाषण	डॉ. विनोद बी. माथुर, आईएफएस (सेवानिवृत्त) पूर्व अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण एवं पूर्व निदेशक भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहारदून श्री अभिराम जी. शंकर आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी-248179
कुल संख्या प्रतिभागियों की	कुल संख्या: 25 (पुरुष-23; महिला-02)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) से संबंधित अवधारणाओं और डीआरआर के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की व्याख्या करना
- भूस्खलन और बाढ़ में कमी के लिए मौजूदा और उभरती प्रौद्योगिकियों की पहचान करना और उनका वर्णन करना
- कमजोरियों और जोखिम का आकलन करने और भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप के जोखिम वाले समुदायों के लचीलेपन को मजबूत करने के लिए पद्धतिगत उपकरणों की व्याख्या करना।
- सामाजिक पहलुओं के महत्व सहित अंतःविषय तरीके से आपदा जोखिम में कमी के लिए विज्ञान और तकनीकी नवाचारों की भूमिका और चुनौतियों का उदाहरण देना।
- पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पीयर लर्निंग और सक्रिय ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान करना।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सतत विकास के समग्र उद्देश्य को बढ़ावा देते हुए प्रतिभागियों को आपदा जोखिम में कमी के लिए उपयुक्त मौजूदा और उभरती प्रौद्योगिकियों से परिचित कराना है।

विषयगत क्षेत्र:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और डीआरआर के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- जोखिम मूल्यांकन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- रोकथाम के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- पूर्व चेतावनी और तैयारी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- आपदा प्रतिक्रिया और आपातकालीन राहत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- आपदा पश्चात पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- लचीलेपन और सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी

प्रशिक्षण पद्धति:

घ. फ्लिप्ट कक्षा सत्र, फ़ील्ड टूर और समूह अभ्यास शिक्षणपद्धति का हिस्सा होंगे।

अतिरिक्त गतिविधियां

ग. मसूरी भ्रमण

8. महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए "जलवायु परिवर्तन: चुनौतियाँ और प्रतिक्रिया" (13-17 मार्च 2023)

कार्यक्रम के लक्ष्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री अभिराम जी. शंकर आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179 डॉ. पंकज कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन केंद्र लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179
समापन भाषण	डॉ विनोद बी. माथुर, आईएफएस (सेवानिवृत्त) पूर्व अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण एवं पूर्व निदेशक भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहारदून डॉ एकता उनियाल, सहायक निदेशक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी-248179
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 24 (महिलाएं- 24)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- सामुदायिक स्तर पर आपदा शमन को सक्षम करने के लिए तंत्र (विभिन्न उपकरण और तकनीक) पर विचार-विमर्श करना
- जलवायु परिवर्तन से संबंधित उभरते मुद्दों, चुनौतियों और नीतियों पर चर्चा करना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका के एकीकरण पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- सामुदायिक स्तर पर जलवायु जोखिम शमन योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जानकारी प्रदान करें
- समावेशी जलवायु लचीलेपन के लिए नीतियों, शासन और योजना और समन्वय तंत्र की पहचान करें
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम में कमी के लिए जानकारी एकत्र करना और तकनीकी ज्ञान/अनुभवों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना
- भविष्य की कार्यवाही के लिए सीखों और सिफारिशों पर चर्चा करें और भविष्य की रणनीतियों, नीतियों और विकल्पों का सुझाव दें
- पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पीयर लर्निंग और सक्रिय ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान करना।

विषयगत क्षेत्र:

- शासन और नीति पहलू

- क्षेत्रीय प्रभाव और समाधान
- जलवायु जोखिम शमन योजना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण

प्रशिक्षण पद्धति:

क. फ़्लिपड कक्षा सत्र, फ़ील्ड दौरे और समूह अभ्यास शिक्षण पद्धति का हिस्सा होंगे।

अतिरिक्त गतिविधियां

ख. आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र, रुड़की और सीएसआईआर, रुड़की में संस्थागत दौरा
ग. हरिद्वार

9. एमसीटीपी (आईएस चरण-III) पाठ्यक्रमों के 18वें दौर के लिए मॉड्यूल (आपदा के साथ पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन) के लिए इन-हाउस संवेदीकरण:

- जलवायु परिवर्तन और बदलती सीमाओं पर चर्चा करना;
- तंत्र (उपकरण, रूपरेखा, कार्यप्रणाली, कार्य योजना, दिशानिर्देश) पर विचार-विमर्श करना;
- उभरते मुद्दों, चुनौतियों और नीतियों पर चर्चा करना;
- मौजूदा कानूनी, संस्थागत ढांचे और हाल के विकास की पर्याप्तता की जांच करना;
- समावेशी जलवायु लचीलेपन के लिए नीतियों, शासन और योजना और समन्वय तंत्र की पहचान करना;
- जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के लिए जानकारी एकत्र करना और तकनीकी ज्ञान/अनुभवों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना;
- भविष्य की कार्यवाई के लिए सीखों और सिफ़ारिशों पर चर्चा करना;
- भविष्य की रणनीतियों, नीतियों और विकल्पों का सुझाव देना; और
- पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पीयर लर्निंग और सक्रिय ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान करना।

विषयगत क्षेत्र:

- जल सुरक्षा
- जैव विविधता हानि और पारिस्थितिक असंतुलन
- खाद्य सुरक्षा
- जलवायु शरणार्थी
- भू-राजनीति में विवर्तनिक बदलाव
- प्रौद्योगिकी की भूमिका
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण

फ़िल्म: डेमन गेमों द्वारा "2040" डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म

पाठ्यक्रम समन्वयक:

श्री नंद कुमारम, आईएस, उप निदेशक (वरिष्ठ) और पाठ्यक्रम समन्वयक;

चरण-III, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

सीडीएम: समन्वयक:

1. श्री अभिराम जी. शंकर, आईएस

उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

2. डॉ. एकता उनियाल,

सहायक निदेशक,

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-248179

3. डॉ. पंकज कुमार सिंह,

एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

4. डॉ. पासाला ई. राव, अनुसंधान अधिकारी, आपदा प्रबंधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी-

248179

10. विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आपदा प्रबंधन पर इन-हाउस संवेदीकरण मॉड्यूल:

सीडीएम ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 97वें फाउंडेशन कोर्स (एफसी), आईएएस चरण- I (2021 बैच), आईएएस चरण-II (2020 बैच), एमसीटीपी चरण- III का 16वां दौर और एमसीटीपी चरण- IV का 16वां दौर के प्रशिक्षुओं अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आपदा रोकथाम/शमन, तैयारी और योजना, प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति, पुनर्वास और पुनर्निर्माण में बेहतर क्षमता निर्माण मॉड्यूल को शामिल किया। फाउंडेशन कोर्स और चरण - I के अधिकारियों को देश के प्रयासों में नीतिगत हस्तक्षेप में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ महामारी रोग अधिनियम, 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के साथ-साथ कोविड-19 महामारी के प्रकोप का प्रबंधन करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र (बीएनवाईसीआरएस)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी - 248179

केंद्र का विजन

"भूमि, ग्रामीण विकास, कृषि आंदोलन, आजीविका, जेंडर और पंचायती राज के विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीतिगत विचार-विमर्श के लिए वातावरण तैयार करना और उसको बढ़ावा देने में सहायता करना।"

केंद्र का मिशन

" प्रशिक्षुओं अधिकारी के प्रशिक्षण के लिए सामग्री और मैनुअल तैयार करना, अनुसंधान संबंधी अध्ययन कार्य करना, कार्यशालाओं और नीतिगत संगोष्ठियों का आयोजन करना, सहयोगी संगठनों और पेशेवर व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित करना, पत्रिकाओं, शोध पत्रों, रिपोर्टों आदि का प्रकाशन सुनिश्चित करना और नीति बनाने या उसमें परिवर्तन करने के लिए सरकारी एजेंसियों में अनुसंधान आधारित ज्ञान का प्रसार करना तथा युवा पेशेवरों को देश की सामाजिक आर्थिक वास्तविकताओं से रूबरू कराना।

केंद्र निदेशक का नाम

सुश्री आनंदी, आईएएस

(21.12.2020 से)

केंद्र की संक्षिप्त पृष्ठभूमि

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में बी. एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र वर्ष 1989 में स्थापना के बाद से ही भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण और नीति निर्माण संबंधी सिफारिशें देने के लिए प्रमुख संसाधन/प्रतिष्ठान के रूप में उभरा है। इसे मुख्य रूप से भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधि आबंटित की जाती है और सहायता की जाती है। वर्तमान में यह भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अनुसंधान समिति के रूप में पंजीकृत है। अकादमी के निदेशक इस केंद्र के पदेन अध्यक्ष हैं और उन्हें किसी भी संयुक्त निदेशक, उप निदेशक या प्रोफेसर को केंद्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने का अधिकार है।

केंद्र भूमि सुधार, भूमि अभिलेख प्रबंधन, भुगतान आधारित रोजगार, सामान्य संपत्ति संसाधन, विस्थापन और पुनर्वास, समकालीन कृषि आंदोलनों, और ग्रामीण विकास, पंचायती राज आदि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रकाशन संबंधी कार्य करता है। यह मुख्य रूप से फाउंडेशन कोर्स के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम (पूर्व में ग्रामीण दौरा कार्यक्रम) आयोजित करता है। गांव के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार लाने के लिए उनकी प्राथमिकताओं का आकलन करने हेतु प्रशिक्षु अधिकारियों को पार्टिसिपेटरी रूरल एप्रेजल (पीआरए) तकनीकों पर इनपुट्स दिए जाते हैं। केंद्र प्रशिक्षु अधिकारियों के माध्यम से उनके जिला प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम तैयार करने और उसकी जांच की प्रक्रिया में भी शामिल रहता है। काश्तकारी, भूमि के सीमा निर्धारण, भूमि अभिलेख, भूमि चकबंदी, बंजर भूमि प्रबंधन, आवासहीनता, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों सहित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर डेटा एकत्र किया जाता है और प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट गांवों की सामाजिक-आर्थिक और भूमि सुधार संबंधी रिपोर्ट तैयार करते समय उपयोग में लाया जाता है। इन रिपोर्टों के आधार पर केंद्र ने 'भारत में भूमि सुधार' की एक सीरीज और 'ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा' की तीन सीरीज प्रकाशित की हैं। केंद्र के अन्य प्रकाशनों में पुस्तकें, लेख, शोध पत्र शामिल हैं और सबसे महत्वपूर्ण सेज प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा किया जाने वाला जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज है जोकि उपर्युक्त विषयों पर विचारों को प्रकट करने और उनको साझा करने का अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म है। भूमि प्रशासन और ग्रामीण विकास पर विचारों का नियमित आदान-प्रदान करने हेतु यह केंद्र कार्यशालाएं भी आयोजित कर रहा है।

वर्ष के दौरान गतिविधियाँ

(क) प्रशिक्षण कार्यक्रम

बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र अकादमी द्वारा आयोजित फाउंडेशन कोर्स और आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के दौरान सक्रिय रूप से सम्मिलित होता है। इस वर्ष के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की:

(i) आईएएस प्रोफेशनल कोर्स चरण- I

कृषि मॉड्यूल: केंद्र ने 2021 बैच के आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- I में इसकी शुरुआत के लिए तीन दिवसीय 'कृषि मॉड्यूल' डिजाइन और तैयार किया। अकादमी के निदेशक, अतिरिक्त मुख्य सचिव - उत्तर प्रदेश (व्यक्तिगत, नियुक्ति एवं कृषि विभाग, लखनऊ), देश निदेशक - भारत (आईसीआरआईएसएटी, नई दिल्ली) से प्राप्त समर्थन, मार्गदर्शन और निर्देशों के साथ पठन सामग्री को अंतिम रूप दिया गया।

मॉड्यूल में स्वतंत्रता के बाद के युग में कृषि के विकास, हरित क्रांति (जीआर), जलवायु अनुकूल कृषि (सीआरए) और कृषि-जैव विविधता के वर्तमान मुद्दे, राज्यों में कृषि और संबद्ध क्षेत्र विभागों की प्रशासनिक व्यवस्था, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन(एनआरएम), कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं और कृषि विपणन के मुद्दे को शामिल किया गया। यह व्यावसायिक प्रशासकों के लिए एक संपूर्ण पैकेज था क्योंकि इसमें पाठकों को देश में कृषि के विकास के लिए आवश्यक समस्याओं, संभावित समाधानों और रणनीतिक हस्तक्षेपों को समझने में मदद करने के लिए कई केस अध्ययन भी शामिल किए गए।



अकादमी के विशेष निदेशक पद्म-पुरस्कार विजेताओं और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए

कृषि और संबद्ध क्षेत्र से संबंधित राज्य-विशिष्ट इनपुट प्रदान करने के लिए विभिन्न राज्यों के संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। इसके अलावा, पद्म-पुरस्कार विजेताओं और प्रगतिशील किसानों को पहली बार अपनी सफलता की कहानियों और क्षेत्र में हस्तक्षेपों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

भूमि प्रशासन मॉड्यूल: केंद्र ने पठन सामग्री को दोबारा देखने और संशोधित करने के बाद 2021 बैच के आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-1 के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए भूमि प्रशासन मॉड्यूल का संचालन किया।



सचिव, भूमि एवं संसाधन विभाग समापन भाषण देते हुए तथा 2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी उन्हें सम्मानित करते हुए

इस मॉड्यूल में भूमि प्रशासन और प्रबंधन के विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। मॉड्यूल के लिए तैयार की गई अध्ययनों ने भूमि प्रणालियों, भूमि सुधारों और संबंधित नीतिगत मुद्दों का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया और देश की भूमि रिकॉर्ड प्रणाली पर प्रकाश डाला। वर्तमान कार्यक्रम जिसके तहत देश में भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और आने वाले समय में नागरिकों की सुविधा के लिए जो रास्ता खोजा जाना है, उसे इस मॉड्यूल में सोच-समझकर शामिल किया गया है। भूमि अधिग्रहण, जिसके लिए हमेशा रणनीतिक सोच और जमीनी स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता होती है, को आरएफसीटीएलएआरआर के मुद्दों और जटिलताओं को शामिल करते हुए उचित स्थान दिया गया। एफआरए से संबंधित समान विषय एमओईएफ और एमओटीए द्वारा गठित संयुक्त समिति की रिपोर्ट से एकत्र किए गए थे। राजस्व प्रशासन के प्रमुख कार्यों और कुछ महत्वपूर्ण भू-राजस्व शर्तों को बुनियादी बातों के रूप में शामिल किया गया। वास्तव में, अपने पेशेवर करियर में भूमि संबंधी मुद्दों को संभालने वाले एक अधिकारी के लिए यह एक अच्छा संकलन था।

इस बार केंद्र ने कक्षा सत्रों के पूरक के रूप में 'राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में भूमि प्रशासन - इतिहास, संगठनात्मक संरचना और अभिलेखों का आधुनिकीकरण' भी तैयार किया; जिसमें आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्य

प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान शामिल हैं। और निकोबार द्वीप, लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल रहें।

केंद्र ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून और जिला सर्वेक्षण एवं निपटान कार्यालय, देहरादून के साथ विधिवत समन्वय करते हुए 'सर्वेक्षण तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम राजस्व सर्वेक्षण के दौरान पारंपरिक और आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों और उनकी उपयोगिता को प्रदर्शित करने पर केंद्रित था।



भूमि सर्वेक्षण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण की तस्वीरें

मॉड्यूल के सफल संचालन के लिए केंद्र ने विभिन्न राज्यों से संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य-विशिष्ट इनपुट ओटी तक पहुंचाए जाएं। इससे प्रशिक्षु अधिकारियों को संबंधित केंद्र राज्यों की भूमि संबंधी प्रक्रियाओं और प्रक्रिया को तुलनात्मक रूप से अधिक जानकारीपूर्ण तरीके से समझने में मदद मिली। श्री अजय तिकी, आईएस, सचिव, भूमि एवं संसाधन विभाग ने समापन भाषण दिया।

(ii) आईएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- II: जिला प्रशिक्षण

ग्राम अध्ययन असाइनमेंट (वीएसए): वीएसए आईएस प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके प्रशिक्षण के दौरान दिए जाने वाले जिला प्रशिक्षण असाइनमेंट का प्रमुख हिस्सा है। संदर्भ अवधि के दौरान, केंद्र को 2020-22 बैच के आईएस प्रशिक्षु अधिकारियों से 178 सामाजिक-आर्थिक (एसई) और 177 भूमि प्रशासन (एलए) रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। मौजूदा स्थिति, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विश्लेषण और गरीबी उन्मूलन पहल के कवरेज के लिए केंद्र द्वारा इन रिपोर्टों की जांच और मूल्यांकन किया गया था। ये मूल्यांकन पुरस्कार प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम रिपोर्ट की पहचान करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। आने वाले समय में इनका उपयोग 'ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा' और 'भारत में भूमि सुधार' तैयार करने में किया जाएगा।

ग्रामीण विकास परिदृश्य में परिवर्तनों को समायोजित करने के लिए 2021-23 बैच के आईएस प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ग्राम अध्ययन असाइनमेंट पर जिला प्रशिक्षण मैनुअल को संशोधित किया गया है।

ग्रामीण परिवारों का नृवंशविज्ञान अध्ययन (ईएसआरएच): वीएसए के तहत निष्पादित अनुसूचियां और रिपोर्ट/केस अध्ययन न केवल एक समुदाय के रूप में गांव/ग्रामीणों के विकास को प्रस्तुत करते हैं, बल्कि चुनिंदा घरों के विकास को

भी प्रस्तुत करते हैं। हालाँकि, चूँकि अधिकांश डेटा सामान्यतः समय-बिंदु आधारित होता है, एक नृवंशविज्ञान अध्ययन तभी संभव है जब समान गाँवों और समान घरों को अलग-अलग समय-बिंदुओं पर कवर किया जाता है। यह इस दृष्टिकोण के साथ है कि केंद्र ने 2020 बैच के आईएसएस प्रोफेशनल कोर्स चरण- I से एक शोध रणनीति अपनाई और डिजाइन की है, जिससे "गरीबों में सबसे गरीब" पर केस स्टडी के बजाय "ग्रामीण परिवारों का नृवंशविज्ञान अध्ययन (ईएसआरएच)" तैयार करने का कार्य प्रति राज्य एक प्रशिक्षु आवंटित किया गया है। इस गुणात्मक शोध का उद्देश्य घरों की 'रोजमर्रा की वास्तविकताओं' का अवलोकन करना और व्यक्तिगत घर के भीतर परिवर्तन की प्रक्रियाओं को समझना और बड़े पैमाने पर 'समुदाय' में 'विकासात्मक' परिवर्तनों को ट्रैक करना है। पिछले साल 15 प्रशिक्षु अधिकारियों को यह अध्ययन सौंपा गया और इस साल (यानी 2021 बैच के आईएसएस प्रोफेशनल कोर्स चरण- I के दौरान) 12 प्रशिक्षु अधिकारियों को ईएसआरएच के लिए चुना गया है।

(iii) फाउंडेशन कोर्स

फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम (एफएसआरपी): फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम (एफएसआरपी) में तीन गतिविधियाँ शामिल हैं: कक्षा इनपुट, फील्ड अध्ययन, और ओटी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और फिल्मों का मूल्यांकन। 97वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान केंद्र द्वारा निम्नलिखित अभ्यास निष्पादित किए गए:

एफएसआरपी का योजना चरण

- 'फील्ड स्टडी एंड रिसर्च प्रोग्राम मैनुअल' को प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए संदर्भ दस्तावेज के रूप में फिर से डिजाइन किया गया था।
- 28 राज्यों (आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र) के 74 जिलों के 74 गांव ('आज़ादी से अंत्योदय तक' अभियान के अनुसार) एफएसआरपी के संचालन के लिए मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल) का चयन किया गया था। संबंधित जिलाधिकारियों से संपर्क किया गया और कार्यक्रम का समन्वय करने का अनुरोध किया गया।
- चूँकि 'आज़ादी से अंत्योदय तक' (एसएटी) के अंतर्गत आने वाले जिलों को एफएसआरपी के संचालन के लिए चुना गया था, इसलिए एसएटी की 17 योजनाओं को भी विस्तृत अध्ययन के लिए आवंटित किया गया था। तदनुसार, केंद्र ने 17 पुस्तिकाएं तैयार कीं, जिससे प्रत्येक योजना को कवर किया गया और प्रशिक्षु अधिकारियों को संतुष्टि माध्यम में उनके कार्यान्वयन का अध्ययन करने की सुविधा मिली।



एफएसआरपी (97वें एफसी) के ब्रीफिंग सत्र के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते अकादमी के निदेशक

- प्रत्येक जिले और संबंधित गांव के लिए एक ग्रुप लीडर (जीएल) के साथ प्रशिक्षु अधिकारियों के समूह (प्रति समूह 6-8 सदस्य) बनाए गए।
- प्रशिक्षु अधिकारियों को कक्षा शिक्षण के माध्यम से पार्टिसिपेटरी लर्निंग एंड एक्शन (पीएलए) और फोकस ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी) तकनीकों पर इनपुट दिया गया, जिसके बाद अकादमी में ही मॉक अभ्यास किया गया।

एफएसआरपी का निष्पादन चरण

- यह सुनिश्चित किया गया कि एफएसआरपी के संचालन के दौरान प्रशिक्षु अधिकारी संबंधित गांवों में रहेंगे, ग्रामीणों और जमीनी स्तर के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे और पीएलए/एफजीडी अभ्यास करेंगे।
- अकादमी से प्रशिक्षु अधिकारी के प्रस्थान से लेकर उनके प्रवास और वापस आने के दौरान एफएसआरपी गतिविधियों के प्रबंधन और समन्वय के लिए एक इन-हाउस नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया।
- प्रशिक्षु अधिकारी के प्रत्येक समूह ने क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ की गई गतिविधियों को दर्शाने और ग्रामीण जीवन का अवलोकन देने के लिए एक विस्तृत फील्ड अध्ययन और अनुसंधान रिपोर्ट और एक फिल्म तैयार की।

एफएसआरपी का समापन चरण

- सभी समूहों ने एसएटी योजनाओं पर अपने क्षेत्रीय अध्ययनों के आधार पर प्रस्तुतियाँ दीं। इनका मूल्यांकन अकादमी के संकाय और संबंधित मंत्रालयों/विभागों के विशेषज्ञों द्वारा किया गया।
- विभिन्न समूहों द्वारा प्रस्तुत क्षेत्रीय अध्ययन और अनुसंधान रिपोर्ट का केंद्र द्वारा मूल्यांकन किया गया। ये रिपोर्टें अब केंद्र द्वारा बनाए गए भंडार का हिस्सा हैं। चुनिंदा समूहों को उनकी रिपोर्ट की गुणवत्ता के आधार पर स्वर्ण पदक, रजत पदक और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।
- चुनिंदा समूहों को उनके द्वारा निर्मित फिल्मों की गुणवत्ता और कवरेज के आधार पर उपयुक्त नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इन फिल्मों का केंद्र द्वारा मूल्यांकन भी किया गया।

- प्रशिक्षु अधिकारी द्वारा क्षेत्रीय अध्ययन से सीखने पर एक विशेष रूप से डिज़ाइन की गई प्रश्नावली भी प्रस्तुत की गई। केंद्र ने इस अभ्यास का समन्वय भी किया। इससे अकादमी को "आजादी से अंत्योदय तक: एक कर्मयोगी की आंखों के माध्यम से" शीर्षक से अधिकारी प्रशिक्षुओं के संस्मरण संकलित करने और तैयार करने में मदद मिली है।
- 97वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारी को समापन भाषण देते समय, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने फील्ड में एफएसआरपी की संकल्पना, डिजाइन, आयोजन और संचालन के तरीके की सराहना की।

(ख) अनुसंधान अध्ययन - प्रस्तावित/जिन पर कार्य किया गया

क्र.सं.	शीर्षक
1	शहरी और ग्रामीण भूमि प्रबंधन: कर्नाटक और तमिलनाडु में संघर्ष और चुनौतियाँ
2	हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 के अधिनियमन के बाद महिलाओं द्वारा भूमि स्वामित्व की स्थिति
3	भूमि बैंक और लंबित मुद्दे: महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश
4	सामान्य संपत्ति संसाधन (सीपीआर): ओडिशा और मध्य प्रदेश में प्रथाएं, कानून और चुनौतियाँ
5	उत्तर-पूर्व राज्यों में भूमि प्रशासन: प्रथागत और स्वदेशी कानूनों पर नीतिगत सुधारों और क्षेत्रीय पहलों की स्थिति और प्रभाव (छठवीं अनुसूची क्षेत्र)
6	कानूनी भूमि दस्तावेज़ के रूप में संपत्ति कार्ड की सीमा और उपयोग का अध्ययन

(ग) अन्य शोध अध्ययन - जिन पर कार्य किया गया

क्र.सं.	शीर्षक	स्थिति
1	महाराष्ट्र में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम - 2006 और संशोधन नियम - 2012 के कार्यान्वयन की स्थिति	ड्राफ्ट रिपोर्ट पर कार्य चल रहा है
2	हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम - 2006 और संशोधन नियम - 2012 के कार्यान्वयन की स्थिति	ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हुई.

(घ) कार्यशालाएं/संगोष्ठी/एक्सपोजर कार्यक्रम - प्रस्तावित/जिन पर कार्य किया गया

क्र.सं.	कार्यशालाओं/सेमिनारों/एक्सपोजर कार्यक्रम का विषय
1	भूमि शासन: मुद्दे और चुनौतियाँ
2	'भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण पर राज्य के अधिकारियों की सहकर्मि शिक्षा: स्थिति और चुनौतियाँ

	और भूमि स्वामित्व पर अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं से सीखने के लिए 'एक्सपोजर विजिट' पर राज्य स्तरीय कार्यशालाएं स्थिति: 17 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को एक पत्र भेजा गया है जिसमें उन्हें सूचित किया गया है कि केंद्र को विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण में विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं, चुनौतियों और क्षमता निर्माण की पहचान करने का काम सौंपा गया है। इस प्रकार, उन्हें इस अभ्यास को आगे बढ़ाने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता है। अब तक पुडुचेरी, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, दमन और उत्तराखंड ने प्रतिक्रिया दी है। 23 जनवरी 2022 को उत्तराखंड के अधिकारियों के साथ बैठक निर्धारित है। भूमि एवं संसाधन विभाग के प्रतिनिधियों के उक्त बैठक में भाग लेने की संभावना है। उच्च प्रदर्शन वाले राज्यों के अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर (डीआईएलआरएमपी) के संबंध में भूमि संसाधन विभाग के साथ पहले ही चर्चा हो चुकी है। नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और जॉर्जिया के बीच एक देश का चयन करने के लिए एक नोट तैयार किया जा रहा है।
3	'भूमि प्रशासन में सुधार में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर राष्ट्रीय कार्यशाला
4	उत्तर-पूर्व राज्यों में भूमि शासन: नीतिगत सुधारों की स्थिति और प्रभाव और प्रथागत और स्वदेशी कानूनों (छठवीं अनुसूची क्षेत्र) पर क्षेत्रीय पहल' पर क्षेत्रीय कार्यशाला स्थिति: केंद्र ने विभिन्न विषय विशेषज्ञों से संपर्क किया है, और कार्यशाला के विषयों और उप-विषयों को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है और अस्थायी कार्यक्रम अनुसूची (दिन-वार) तैयार कर ली गई है। आयोजन स्थल तय करने के लिए केंद्र विभिन्न उत्तर-पूर्वी राज्य सरकारों के संपर्क में है। हालाँकि, कुछ राज्यों में आगामी चुनावों को देखते हुए, संबंधित राज्यों से चुनाव समाप्त होने के बाद कार्यशाला आयोजित करने के अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

(ड.) प्रकाशन: वर्तमान और आगामी

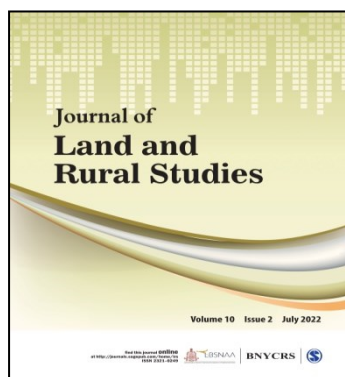
'भूमि सर्वेक्षण' पर लंबे समय से लंबित प्रकाशन पूरा हो सकता है। इस प्रकाशन को "भारत में भूमि सर्वेक्षण पर पुस्तिका" शीर्षक दिया गया है।

माननीय प्रधान मंत्री ने 97वें एफसी के तहत आयोजित कार्यक्रम 'आरंभ 4.0' के दौरान 31.10.2022 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवडिया में उपरोक्त प्रकाशन जारी किया है।

यह संपादित प्रकाशन 12 राज्यों (आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल) में भूमि सर्वेक्षण और रिकॉर्डिंग प्रणालियों की मौजूदा प्रथाओं को शामिल करता है, और विभिन्न मॉडलों एवं भूमि सर्वेक्षण के आधुनिक प्रौद्योगिकियाँ पर भी प्रकाश डालता है।

क्र. सं.	शीर्षक
वर्तमान प्रकाशन	
1	भारत में भूमि सर्वेक्षण पर हैंडबुक
2	जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज (खंड 10, अंक 2: जुलाई 2022)
3	जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज (खंड 11, अंक 1: जनवरी 2023)
आगामी प्रकाशन	
1	पंजाब के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
2	राजस्थान के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
3	पश्चिम बंगाल के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
4	केरल के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
5	महाराष्ट्र के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
6	मिजोरम के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
7	गोवा के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
8	लक्षद्वीप के (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
9	ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा (शृंखला IV)
10	पंजाब में राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज़ पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) का प्रभाव आकलन
11	झारखंड में राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज़ पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) का प्रभाव आकलन
12	जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज (खंड 11, अंक 2: जुलाई 2023)
13	भारत में भूमि सर्वेक्षण पर हैंड बुक (खंड-2)

(च) जर्नल आफ लैंड एंड रूरल स्टडीज



जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज, विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की गई पत्रिका, वर्ष 2012 से केंद्र की ओर से सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित की जा रही है। इस जर्नल के पास कमेटी ऑन पब्लिक इथिक्स (सीओपीई) की सदस्यता है। यह प्रिंट (आईएसएसएन: 2321-0249) और ऑनलाइन (आईएसएसएन: 2321-7464) में उपलब्ध है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में इसका सर्कुलेशन लगभग 10,446 है।

संदर्भ अवधि के दौरान केंद्र ने खंड 10 अंक 2 (जुलाई, 2022) प्रकाशित किया है और खंड 11 अंक 1 (जनवरी, 2023) में उनके प्रकाशन के लिए चयनित कागजात/लेखों का प्रकाशन किया है। इनका विवरण इस प्रकार है:

वॉल्यूम 10 अंक 2 (जुलाई 2022) : इसमें शामिल लेख और पुस्तक समीक्षा निम्नलिखित हैं:

1. गुजरात में जल और ऊर्जा क्षेत्र के सुधारों के प्रभाव: सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के विस्तार और बिजली टैरिफ द्वारा कृषि के युक्तिकरण का मामला - पी.के. विश्वनाथन, चंद्र शेखर बाहिनीपति और बिभु के. मोहंती
2. विपरीत किरायेदारी का परिमाण और निर्धारक: कृषि रूप से विकसित और पिछड़े राज्यों का एक अध्ययन - एच. आर. शर्मा और शाकिर हुसैन मलिक
3. उत्तर प्रदेश में भूमि उपयोग के रुझान और पैटर्न की गतिशीलता: एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य - शहाब फज़ल, अज़हरुद्दीन एस.के. और दीपिका वशिष्ठ
4. ग्रामीण बस्तियों के भीतर सामाजिक-पारिस्थितिक गतिशीलता: जिम्बाब्वे में एमबीरे जिले से साक्ष्य- इनोसेंट चिरिसा और वर्ना नेल
5. के. वरुण रेड्डी द्वारा 'धरणी पोर्टल' और खम्मम जिले, तेलंगाना में इसके परिवर्तनकारी प्रभाव पर एक अध्ययन
6. बहिष्करणों को सुदृढ़ करना: भारत में जाति, पितृसत्ता और भूमि सुधार - प्रशांत के. त्रिवेदी
7. विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जलवायु परिवर्तन को कम करने और खाद्य उत्पादन प्रणालियों को बनाए रखने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बढ़ावा देना - एग्बे बी. एटोवा, इमैनुएल बी. इफ्रा, उगोचुकु आई. नज़ोग्बू और एविला ओलाबियी बादिरू
8. पुस्तक समीक्षा: रॉबर्ट होम, उप-सहारा अफ्रीका में शहरी शासन के लिए भूमि मुद्दे- ताइवो ओलाडापो बाबालोला

खंड 11 अंक 1 (जनवरी, 2023): प्रकाशन के लिए चयनित लेख और पुस्तक समीक्षाएँ हैं:

1. भूमि अधिकारों पर भूमि अलगाव और विध्वंस रणनीतियाँ: अट्टापडी के परिप्रेक्ष्य - के. ए. मंजूषा और बिपिन किशोर जोषी
2. उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के एक हिस्से में सैटेलाइट छवियों का उपयोग करके खेती योग्य बंजर भूमि की निगरानी- रणजीत सिंह वर्मा, अमित कुमार सिंह, मनीषा मिश्रा और आलोक माथुर
3. औपनिवेशिक से नवउदारवादी शासन तक: भारत में भूमि बेदखली के प्रतिमानों को समझना- अनिमेष राय
4. रिचर्ड कोफी असरावोर द्वारा ग्रामीण घाना में छोटे किसानों की कृषि-स्तरीय जलवायु अनुकूलन रणनीतियों को प्रभावित करने वाले कारक
5. तराबा राज्य, उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में किसान किसानों के बीच कृषि जोखिम प्रबंधन और उत्पादन दक्षता- मैरीएन, ओडुफा एगबेदुमाह, एलीशा अपाके अबोशी, गोदिया बुलुस और मोहम्मद एन. ज़रेवा
6. झारखंड में आदिवासी महिलाओं के बारे में मूल भूमि अधिकार प्रणाली: एक व्याख्यात्मक विश्लेषण-अंबरीश गौतम
7. पुस्तक समीक्षा: भूमि स्वामित्व में भूमि सुधार; भारत में भूमि शासन के उभरते प्रतिमान- टी. प्रभाकर रेड्डी

विशेष प्रयास: 2021-22 से केंद्र ने आईएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- II को पूरा करने के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंधों का प्रकाशन शुरू कर दिया है। पुरस्कृत निबंधों को संबंधित प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा जर्नल में प्रकाशन के लिए शोध पत्रों के रूप में संक्षिप्त और पुनः लिखा जाता है। अब तक शोध-प्रबंध पर आधारित निम्नलिखित शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं:

1. धान खरीद में प्रक्रिया और कमियाँ: महाराष्ट्र के भंडारा जिले की एक केस स्टडी- मीनल करणवाल
2. 'धरणी पोर्टल' और खम्मम जिले, तेलंगाना में इसके परिवर्तनकारी प्रभाव पर एक अध्ययन- के. वरुण रेड्डी

(छ) पुरानी रिपोर्टों का डैशबोर्ड और डिजिटलीकरण

संदर्भ वर्ष के दौरान बीएनवाईसीआरएस ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ एक आईटी परियोजना जारी रखी:

- विभिन्न बैचों के प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और भरी हुई अनुसूचियों के डिजिटलीकरण के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक (एसई) रिपोर्ट और भूमि सुधार (एलआर) रिपोर्ट का एक एकल डिजिटल भंडार तैयार करना।
- अच्छी तरह से संरचित उपयोगकर्ता-अनुकूल डैशबोर्ड और डेटाबेस का निर्माण; जिससे प्रशासकों को निर्णय लेने में सुविधा होगी और शोधकर्ताओं/शिक्षाविदों को भविष्य के अनुसंधान के लिए इसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा

इसका उद्देश्य प्रशासकों को उनके क्षेत्र (राज्य/जिला/गांव) में विकास योजनाओं के प्रभाव की जांच करने में सुविधा प्रदान करना है। वे बेहतर कार्यान्वयन (यदि आवश्यक हो) के लिए रणनीतिक निर्णय लेना पसंद कर सकते हैं। साथ ही, दुनिया भर में व्यक्तिगत शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, डेटा वैज्ञानिकों आदि को भविष्य के अनुसंधान के लिए डेटा निकालना आसान होगा, और जिन संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ अकादमी या उसके केंद्रों ने समझौता ज्ञापन किया है, उनसे डेटा तक पहुंचने, अनुसंधान करने और नीतिगत सुझाव देने का अनुरोध किया जा सकता है।

नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर (एनजीसीसी)

राष्ट्रीय जेंडर प्रशिक्षण, योजना और अनुसंधान केंद्र (नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर) की स्थापना 1993 में हुई और 1998 में सोसायटी अधिनियम 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकरण हुआ।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य सरकार में नीति, कार्यक्रम निर्माण और कार्यान्वयन में जेंडर और बाल अधिकारों के मुद्दों को मुख्यधारा में लाना और पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के समान विकास को सुनिश्चित करना है। केंद्र पाठ्यक्रमों और संवेदीकरण कार्यशालाओं के माध्यम से जेंडर और बाल अधिकारों पर प्रारंभिक स्तर के साथ-साथ सेवा स्तर पर सिविल सेवकों के प्रशिक्षण में शामिल है। अकादमी नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा केंद्र एमडब्ल्यूसीडी, एनसीडब्ल्यू, एनसीपीसीआर, यूनिसेफ, यूएन-महिला, यूएनडीपी, यूएनएफपीए, आईएफपीआरआई जैसी एजेंसियों और जागोरी, एमएजेएलआईएस, टीआईएसएस आदि जैसे नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थानों संबंधी विषयगत प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन भी आयोजित करता है।

- डॉ. संजीव चोपड़ा, अध्यक्ष, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
- मेजर दिशा पन्नू कार्यकारी निदेशक, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
- डॉ. अनुपम तलवार, उप कार्यकारी निदेशक, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

1. नीति निर्माताओं के लिए जेंडर समावेशी शासन पर दो ई-आईटीईसी-कार्यशालाएं 12-13 नवंबर, 2020 और 17-18 फरवरी 2021 को आयोजित की गईं:-

उपर्युक्त कार्यशालाओं के लक्ष्य और उद्देश्य थे-

- शासन को जेंडर समावेशी बनाने में चुनौतियों और इसके महत्व पर बातचीत करने और चर्चा करने के लिए आईटीईसी देशों के वरिष्ठ नीति निर्माताओं को एक मंच प्रदान करना।
- उसे प्राप्त करने के तरीकों और साधनों पर विचार-मंथन करना।

कार्यक्रम समन्वयक	सुश्री अलंकृता सिंह, आईपीएस, कार्यकारी निदेशक (12-13 नवंबर 2020) श्री विद्या भूषण, आईएएस कार्यकारी निदेशक (17-18 फरवरी 2021)
कार्यक्रम सह समन्वयक	सुश्री अंजलि एस चौहान
प्रतिभागियों की संख्या	कुल: 50 (पुरुष: 18; महिलाएं: 32) कुल: 114 (पुरुष: 34; महिलाएं: 80)
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ. संजीव चोपड़ा, आईएएस, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्री राम मोहन मिश्रा, आईएएस, सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

2. एडमिनिस्ट्रेटर पर विशेष अंक- नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर ने 2020 में जेंडर उत्तरदायी शासन में योगदान के 25 वर्ष पूरे किए। "एडमिनिस्ट्रेटर" (जर्नल ऑफ लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन) का एक रजत जयंती विशेष अंक निकाला गया। केंद्र के 25 वर्षों पर प्रकाश डाला गया और महिलाओं के अधिकारों और बच्चों के अधिकारों की उन्नति पर 2018 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के शोध प्रबंध प्रस्तुत किए गए।

3. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 के अवसर पर वेबिनार:-

कार्यक्रम समन्वयक	मेजर दिशा पन्नु, कार्यकारी निदेशक
कार्यक्रम सह समन्वयक	- डॉ. अनुपम तलवार, उप कार्यकारी निदेशक - सुश्री अंजलि एस. चौहान, एसोसिएट प्रोफेसर
प्रतिभागियों की संख्या	कुल: 27 (पुरुष: 5; महिला: 22)
कार्यक्रम का उद्घाटन	माननीय मंत्री, श्रीमती. स्मृति जुबिन ईरानी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य

नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 पर सभी महिलाओं के लिए "नेतृत्व में महिलाएं: एक कोविड-19 दुनिया में समान भविष्य प्राप्त करना" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। देश भर के जिला मजिस्ट्रेट और महिला पुलिस अधीक्षक जिन्होंने हमारे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के साथ कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व किया। वेबिनार का उद्देश्य न केवल अधिकारियों को अपने अनुभव और यात्राएं साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना था, बल्कि चुनौतियों से उनकी सीख को उजागर करना और महिलाएं एक-दूसरे को सशक्त बनाने में अभिन्न भूमिका कैसे निभा सकती हैं, इस पर प्रकाश डालना था। वेबिनार का आयोजन 11 मार्च, 2021 को किया गया, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के आलोक में महिला नेताओं की सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रेरक कहानियों को प्रदर्शित करना था। इस संबंध में चर्चा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा पर प्रभाव, कार्यबल की भागीदारी और संसाधनों तक पहुंच, प्रतिभागियों द्वारा अनुभव साझा करने के संदर्भ में जेंडर परिप्रेक्ष्य के माध्यम से कोविड -19 महामारी के अवलोकन के इर्द-गिर्द केंद्रित रही कि उन्होंने हमारे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के साथ कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई कैसे नेतृत्व किया और इस चुनौती से निपटने में महिला डीएम और एसपी के जानार्जन और चुनौतियां भी शामिल रही। इसका उद्घाटन भाषण श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, माननीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास और कपड़ा मंत्रालय द्वारा दिया गया।

सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी



सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र का उद्घाटन 31 अक्टूबर, 2021 को डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग ने किया। इस केंद्र को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में राष्ट्र को समर्पित किया गया।

केंद्र का लक्ष्य सिविल सेवकों की भावी पीढ़ियों के लिए क्षमता विकास की नींव रखना है ताकि वे दुनिया भर में नेतृत्व की सर्वोत्तम कार्यविधियों से ज्ञान प्राप्त कर सकें और साथ ही अपने सांस्कृतिक लोकाचार, मूल्यों और जमीनी स्तर पर जुड़े रहें। माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि सुशासन के लिए फील्ड अधिकारियों के साथ-साथ नीति निर्धारण स्तर के अधिकारियों में भी अच्छे नेतृत्व कौशल की आवश्यकता है। सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र का लक्ष्य भारत के सिविल सेवकों को निरंतर अध्ययन और जानाजर्जन के अवसर प्रदान करने के लिए संसाधन केंद्र के रूप में विकसित करना है।

इस केंद्र की स्थापना का लक्ष्य सिविल सेवकों को सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र के साथ लगातार संपर्क में रहने में सक्षम बनाना है, यह एक ऐसी इकाई जो उन्हें अपने व्यक्तिगत लक्ष्य में बेहतर कौशल और मार्गदर्शन प्रदान कर सकती है।

कार्यशालाएँ और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) निम्नानुसार आयोजित किए गए:

- **8-9 जून, 2022:** 2021 बैच के अधिकारियों के दूसरे चरण के लिए एक नेतृत्व मॉड्यूल आयोजित किया गया। मॉड्यूल में 181 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस नेतृत्व मॉड्यूल का उद्देश्य प्रतिभागियों को बुनियादी बातचीत कौशल पर इनपुट प्रदान करना था। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने एक सिविल सेवक के रूप में अपने पेशेवर जीवन में बातचीत कौशल के महत्व, संघर्ष समाधान की अपनी शैली का आकलन, इसकी ताकत और कमजोरियों, विभिन्न प्रकार की बातचीत और उन्हें संभालने के लिए रणनीतियों के बारे में सीखा।
- **18 -22 जुलाई, 2022:** सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र (एसपीएलसी) के मुख्य उद्देश्य के एक भाग के रूप में, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने सरकार में महिला अधिकारियों के लिए 'नेतृत्व में महिला' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। एसपीएलसी ने महिला अधिकारियों के लिए पहला विशेष नेतृत्व कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम

इस आधार पर आधारित था कि नेतृत्व में महिलाएं कई मार्गों से समावेशी विकास का समर्थन कर सकती हैं। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों, वैज्ञानिक संस्थानों और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों की कुल 41 महिला अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 18 जुलाई, 22 को माननीय न्यायाधीश श्रीमती अभिलाषा कुमारी, न्यायिक सदस्य, लोकपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन 22 जुलाई, 22 को आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इसरो की वैज्ञानिक डॉ. रितु क्रिधल श्रीवास्तव थी।

- **27 जुलाई, 2022:** 2021 बैच के चरण I के लिए एक नेतृत्व मॉड्यूल आयोजित किया गया। इस मॉड्यूल में 183 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया। इस मॉड्यूल का उद्देश्य प्रतिभागियों को काम पर पारस्परिक संबंधों के महत्व और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में विभिन्न हितधारकों को संभालने में मदद करना था। उन्होंने विभिन्न प्रकार के हितधारकों को प्रभावित करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सीखा।
- **22-23 सितंबर, 2022:** अकादमी में बाहरी विशेषज्ञों और इन-हाउस संकाय द्वारा 97वें फाउंडेशन कोर्स के 455 प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए लीडरशिप मॉड्यूल आयोजित किया गया था। इस मॉड्यूल का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को बुनियादी नेतृत्व कौशल से परिचित कराना था, जिसमें नेतृत्व की अवधारणा की समझ, हमारे जीवन में रोल मॉडल का प्रभाव, प्रभावी प्रतिक्रिया कैसे दें, एक टीम के सदस्य के रूप में एक अधिकारी की भूमिका, सुनने और मौखिक संचार आदि का महत्व शामिल है।
- **27-31 अक्टूबर, 2022:** 2002 बैच के अधिकारियों के लिए कॉमन मिड-कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम (सीएमसीटीपी), 2022 का तीसरा दौर 27-31 अक्टूबर तक पांच दिनों के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 130 अधिकारियों ने भाग लिया। सीएमसीटीपी का प्राथमिक उद्देश्य सीखने के लिए नेतृत्व करना है, जो स्वयं को "अपने अंदर के नेता" का पता लगाने का एक अवसर है। कार्यक्रम को एक साझा राष्ट्रीय संस्करण बनाने के लिए नेतृत्व को कमजोर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पांच दिनों तक चले इस कार्यक्रम में भारतीय सिविल सेवा और केंद्रीय सिविल सेवा सहित विभिन्न सेवाओं से 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- **14-15 फरवरी, 2023:** 133 प्रतिभागियों के लिए 124वां प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य अत्याधुनिक स्तर के सरकारी पदाधिकारियों के बीच सामान्य और डोमेन विशिष्ट दोनों दक्षताओं को विकसित करना था। कार्यक्रम का उद्देश्य उनकी क्षमताओं को बढ़ाना, दृष्टिकोण में बदलाव को बढ़ावा देना और अंततः सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार करना है। उनके मौजूदा अनुभव का लाभ उठाते हुए, हमने आत्मविश्लेषणात्मक विचार-विमर्श की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उनकी विशेषज्ञता का उपयोग किया। इस दृष्टिकोण ने उन्हें अपने पिछले अनुभवों पर विचार करने, नए कौशल को बढ़ाने, नए दृष्टिकोण की खेती और सोचने के नए तरीके के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया।
- **27-31 मार्च, 2023:** विशेष रूप से चरण I पाठ्यक्रमों के लिए नए लीडरशिप मॉड्यूल डिज़ाइन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में 15 आंतरिक संकाय सदस्यों के साथ-साथ 10 बाहरी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य एक नेतृत्व मॉड्यूल डिज़ाइन करना था जो अधिकारी प्रशिक्षुओं (ओटी) को प्रतिष्ठा और मूल मूल्यों को समझने, जागरूक निर्णय लेने के लिए आत्म-जागरूकता सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यशाला में सीखने-चतुर व्यवहारों के माध्यम से विकास के अवसरों की निरंतर पहचान पर जोर दिया गया: ज्ञान की खोज, समझ बनाना, आंतरिक बनाना और लागू करना। संचार में, इसने समग्र रणनीतियों पर जोर दिया- सक्रिय सुनना, प्रभावशाली प्रश्न, समर्थन और जवाबदेही। नेतृत्व प्रभाव को बढ़ाने के लिए, विश्वास-निर्माण और नेटवर्क उत्तोलन को प्राथमिकता दी गई, जिससे सफल नेतृत्व प्रयासों के लिए प्रभावी दिशा-निर्धारण का मार्गदर्शन किया गया।

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र (सीएफपीएच)

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने अकादमी के सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र के साथ साझेदारी से वर्ष 2019 में फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की थी।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य सिविल सेवकों में समग्र रूप से विचार करने और कार्य करने की क्षमता पैदा करना तथा लोगों और प्लेनेट दोनों के लिए हितकारी खाद्य नीतियां और क्रियाकलापों को बढ़ावा देना है। केंद्र जागरूक करने वाली कार्यशालाओं के माध्यम से दीर्घकालिक खाद्य प्रणालियों, खाद्य सुरक्षा, पोषण और जन स्वास्थ्य पर इंडक्शन लेवल के साथ-साथ सेवाकालीन स्तर पर सिविल सेवकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य कर रहा है तथा कोर्सों में विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल को सम्मिलित कर रहा है।

केंद्र के कार्यकारी निदेशक: श्री विजय बी. वसंत

2021-2022 के दौरान आयोजित गतिविधियाँ

26 अप्रैल 2021 को सुश्री ऋजुता पांडव द्वारा ईट राइट इंडिया मूवमेंट का अवलोकन

लक्ष्य समूह: 123वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के पदोन्नत आईएसएस अधिकारी

कार्यक्रम समन्वयक: सुश्री मोनिका धामी

प्रतिभागियों की संख्या: 67

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं



सुश्री रिजुता पांडव, डिप्टी लीड, एफएसएसएआई, फूड फोर्टिफिकेशन रिसोर्स सेंटर (एफएफआरसी)

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र द्वारा 26 अप्रैल, 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से 123वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए ईट राइट इंडिया पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को ईट राइट इंडिया पहल की व्यापक रूपरेखा समझाना था, जिसे भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देश में सुरक्षित, पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक आहार सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के फूड फोर्टिफिकेशन रिसोर्स सेंटर (एफएफआरसी) की डिप्टी लीड सुश्री रिजुता पांडव के नेतृत्व में प्रशिक्षण सत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि ईट राइट इंडिया आंदोलन तीन स्तंभों पर किस प्रकार आधारित है यानी सुरक्षित, स्वास्थ्यकर और चिरस्थायी भोजन खाने पर बल दिया गया जिसमें मिलावट से बचना, विषाक्त औद्योगिक ट्रांस वसा को खत्म करना, नमक, चीनी और सेचुरेटेड वसा की खपत को कम करना, ईट राइट कैप्स, एफओएसटीएसी और फूड फोर्टिफिकेशन आदि जैसी पहल शामिल हैं, जो असुरक्षित भोजन, अस्वास्थ्यकर आहार और पर्यावरण की महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान में सहायक हैं। चूँकि प्रतिभागी नीति निर्माता हैं और दिन-प्रतिदिन के आधार पर लोगों से जुड़ते हैं और उनके खान-पान और संबंधित समस्याओं की बेहतर समझ रखते हैं, इसलिए सुरक्षित, पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार के बारे में चर्चा से भोजन संबंधी नीतियों और कार्यों, लोगों और प्लेनेट दोनों के लिए सुरक्षित और स्वस्थकर आदतों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सत्र का समापन उचित खान-पान पर संक्षिप्त प्रश्नोत्तरी के साथ हुआ, इसके बाद वार्तालाप आधारित प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ जिसमें प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दिया गया।

26 अगस्त, 2021 को सुश्री ऋजुता दिवेकर द्वारा रात्रिभोज से पहले की गई वार्ता

लक्ष्य समूह: मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागी

कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी. वसंत

प्रतिभागियों की संख्या: 49

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं



सुश्री रिजुता दिवेकर, सेलिब्रिटी पोषण विशेषज्ञ को अकादमी में मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागियों के बीच पोषण और स्वस्थ खान-पान की आदतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 अगस्त, 2021 को आमंत्रित किया गया। उन्होंने समग्र जीवनशैली हासिल करने के लिए उचित और स्वस्थ खान-पान के महत्व पर जोर दिया और कुछ खाद्य पदार्थों

के बारे में कई मिथकों को खारिज किया।

पोषण विशेषज्ञ

उन्होंने अंतराल के साथ उपवास जैसे आहार संबंधी रुझानों पर अपने विचार साझा किए और पारंपरिक खाद्य पदार्थों से संबंधित उपलब्ध सामग्री के अध्ययन पर जोर दिया जो स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए स्वदेशी भाषाओं में उपलब्ध है। उन्होंने स्वास्थ्यवर्धक भोजन को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय और मौसमी भोजन खाने पर जोर दिया और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। सुश्री दिवेकर ने प्रतिभागियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और भोजन संबंधी उनकी गलतफहमियों को दूर किया।

"स्लिमिंग का मतलब कैलोरी कम करना नहीं है, बल्कि पोषण, शरीर की संरचना में सुधार करना और स्वास्थ्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाना है। वजन घटाना एक गौण परिणाम है, लक्ष्य नहीं है।" – सुश्री रिजुता दिवेकर

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 10 अगस्त, 2021 को आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सनंदन थपलियाल के विचार

लक्ष्य समूह: मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागी

कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी. वसंत

प्रतिभागियों की संख्या: 49

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं



डॉ. सनंदन थपलियाल,
आयुर्वेदिक चिकित्सक

अकादमी ने फूड प्लैनेट और स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागियों के लिए 'आयुर्वेदिक कुकिंग – ईट राइट' विषय पर डॉ. सनंदन थपलियाल, एमडी(आयुर्वेदिक) के सत्र का आयोजन किया। थपलियाल ने वर्तमान भारतीय परिदृश्य में एफएसएसएआई की पहल ईट राइट इंडिया आंदोलन की आवश्यकता पर प्रस्तुति के साथ अपने विचार रखे; वर्तमान में देश संक्रामक से गैर-संचारी रोगों की ओर, महामारी विज्ञान में बदलाव के दौर से गुजर रहा है, इसमें विशेष रूप से आहार संबंधी बीमारियों की बढ़ती घटनाएं शामिल हैं।

उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली के सिद्धांतों को समझाया, भोजन को और बेहतर बनाने और भोजन व पोषण की आयुर्वेदिक अवधारणा पर चर्चा की, उदाहरण के तौर पर स्वस्थ भोजन के लिए दस आयुर्वेदिक नियम, शरीर में मौजूद दोष के अनुसार भोजन को संतुलित करने के विषय में तार्किक रूप से बताया और शारीरिक जरूरतों और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद की जीवन शैली अपनाने और उपवास पर चर्चा की। बातचीत संवादात्मक और जानकारी प्रदान करने वाली थी और प्रतिभागियों को उचित खान-पान की आयुर्वेदिक अवधारणा और दैनिक जीवन में इसके लाभों के बारे में जानने में मदद मिली। उन्होंने पूरे दिन के लिए ईट राइट मेन्यू तैयार करने में भी सहायता की।

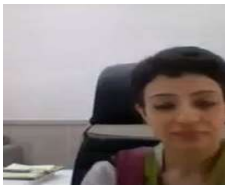
उचित खान-पान - स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद आधारित पाक कला



10 अगस्त, 2021 को एमसीटीपी के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागियों को आयुर्वेद व्यंजनों को शामिल करते हुए भोजन परोसा गया।

सुश्री इनोशी शर्मा, निदेशक, एफएसएसएआई द्वारा ईट राइट इंडिया मूवमेंट पर टीओटी का आयोजन
लक्ष्य समूह: संकाय सदस्य, केंद्रों के प्रतिनिधि सदस्य, अनुसंधान अध्येता और अकादमी के शिक्षण सहयोगी
कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी. वसंत
प्रतिभागियों की संख्या: 24

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं



सुश्री इनोशी शर्मा,
निदेशक,
एफएसएसएआई

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र व भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा संयुक्त रूप से 16 जुलाई, 2021 को अकादमी में ईट राइट इंडिया मूवमेंट विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किया गया।

सुश्री इनोशी शर्मा, निदेशक, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जिसमें अकादमी के सभी संकाय सदस्य, केंद्रों के प्रतिनिधि सदस्य, अनुसंधान अध्येता और शिक्षण सहयोगी शामिल थे।

प्रशिक्षण में एफएसएसएआई के मुख्य कार्य, ईट राइट इंडिया मूवमेंट के नियामक ढांचे और विभिन्न ईट राइट इंडिया पहल जैसे खाद्य सुरक्षा रेटिंग और प्रमाणन, ईट स्मार्ट सिटीज चैलेंज, एफओएसटीएसी, ईट राइट कैंपस, ईट राइट टूलकिट और फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स और फार्टिफिकेशन जैसे सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन अभियान शामिल थे।



डा. प्लाकत

उन्होंने इस महत्वाकांक्षी आंदोलन के सफल कार्यान्वयन में क्षेत्रीय पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। सत्र के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें संकाय सदस्यों ने सुश्री शर्मा के साथ बातचीत की।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 12 अक्टूबर, 2021 को एफएसएसएआई का कोविड-19 एफओएसटीएसी कार्यक्रम का आयोजन

लक्ष्य समूह: ऑफिसर्स मेस और विभागीय कैंटीन में कार्यरत व्यक्ति
कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी.वसंत
प्रतिभागियों की संख्या: 40

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

अकादमी के 20 खाद्य संचालकों को एफओएसटीएसी के पूरा होने पर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के 'खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक प्रमाणपत्र' से सम्मानित किया गया।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सहयोग से फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र ने 12 अक्टूबर, 2021 को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के ऑफिसर्स मेस और विभागीय कैंटीन में कार्यरत कर्मिकों के लिए एफओएसटीएसी कार्यक्रम के तहत बुनियादी खानपान में कोविड-19 केंद्रित खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षण स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली के खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. पुलकित माथुर प्रशिक्षण देने वाली मुख्य प्रशिक्षक थी। प्रशिक्षण में खाद्य सुरक्षा की समझ को बेहतर बनाना, एफएसएस अधिनियम, नियमों और विनियमों का व्यक्तिगत स्तर पर पालन करने का बेहतर वातावरण तैयार करना और अकादमी में खाद्य संचालकों द्वारा पालन की जाने वाली स्वच्छता आवश्यकताओं पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

भोजन प्रबंधनकर्ताओं का मूल्यांकन किया गया, उन्हें अंक प्रदान किए गए, उत्तीर्ण/असफल घोषित किया गया और इस प्रशिक्षण के सफल समापन पर एफओएसटीएसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

96वें फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित फील्ड विजिट और अनुसंधान कार्यक्रम के दौरान भोजन संबंधी आदतों का आकलन



ग्रामीण वास्तविकताओं का बहुत बारीकी से अध्ययन करने के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों ने 96वें फाउंडेशन कोर्स के फील्ड विजिट और अनुसंधान कार्यक्रम के तहत छह समूह बनाकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, बिहार और उत्तराखंड के चयनित गांवों में 29 दिसंबर, 2021 और 8 जनवरी, 2022 के बीच एक सप्ताह का समय बिताया। फूड प्लेनेट को ग्रामीण आबादी के सामने खान-पान और



स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए एक प्रश्नावली साझा की। एकत्र किए गए आंकड़े केंद्र के लिए ग्रामीण लोगों के स्वास्थ्य और पोषण के संबंध में गांवों के वर्तमान परिदृश्य को समझने में सहायक हैं। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

राजस्थान: बीकानेर के 14 बी डी गांव और बाड़मेर जिले के ढोक इस अध्ययन का हिस्सा थे। मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

यह देखा गया है कि इन गांवों के निवासियों के पास विशिष्ट फोर्टिफाइड भोजन नहीं पहुंच पाता या वे फोर्टिफाइड भोजन का उपयोग करने वाले सार्वजनिक पोषण कार्यक्रमों के अंतर्गत नहीं आते हैं। इनमें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, पानी में लवणता के कारण घुटने के जोड़ कमजोर होना और भोजन में विविधता न होना, बाजरा जैसी फसलों पर अत्यधिक निर्भरता

पाई गई।

उत्तर प्रदेश: अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के जनकपुर, भटगवां, मथुरा नगर और विष्णुपुर विश्राम गांवों को शामिल किया गया।



यह देखा गया कि मथुरा नगर और विष्णुपुर निवासियों को फोर्टिफाइड राशन प्रदान किया जाता है। आलू के अधिक सेवन से कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है।

यहां के क्षेत्रीय और पारंपरिक व्यंजन काला नमक चावल (जीआई टैग), लिट्टी चोखा, रसीली आलू टमाटर की सब्जी, मटन करी, विभिन्न प्रकार के परांठे और रोटियां हैं, मुख्य पारंपरिक व्यंजन चावल का माड़ है जिसका सेवन वे सुबह करते हैं। हालांकि, अब उनकी खान-पान की आदतें काफी हद तक उत्तर भारत के समान हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों के कम सेवन के कारण पोषण विविधता में कमी है, जिससे आहार में आयरन की कमी हो जाती है। मधुमेह, रक्तचाप और कुपोषण जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं

देखी गई।

बिहार: अध्ययन के लिए बिहार के धूम नगर, पश्चिमी चंपारण को शामिल किया गया।

पौष्टिक (फोर्टिफाइड) खाद्य पदार्थों की उपलब्धता नहीं पायी गई। स्थानीय फल लीची और आम हैं, क्षेत्रीय व्यंजन मालपुआ और बाटी चोखा हैं और पारंपरिक व्यंजन चंपारण मटन हैं, स्वास्थ्य समस्याओं में कार्बोहाइड्रेट युक्त और पोषक तत्वों की कमी के कारण कुपोषण व बौनापन शामिल है।



केरल: केरल के तिरुवनंतपुरम जिले का कल्लियूर गांव



स्थानीय रूप से उगाई जाने वाली फसलें धान, पालक, सहजन, करेला, मटर हैं। टैपोइका पुझुक्कू, अवियाल, सांबर, मछली करी उनके पारंपरिक व्यंजन हैं। वे केरल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया फोर्टिफाइड धान उगाते हैं।

उत्तराखंड: काशीपुर जिले का जुरका और उधम सिंह नगर जिले का सरपुरा

जुरका में देखी गई स्वास्थ्य चुनौतियाँ बच्चों में प्रोटीन की कमी है और सरपुरा में चीनी के अधिक सेवन के कारण प्री-डायबिटीज देखा गई है। जुरका गांव में पौष्टिक (फोर्टिफाइड) भोजन की खपत देखी गई है।

अकादमी के लिए केंद्र द्वारा तैयार की गई कैलोरी की जानकारी से संबंधित व्यंजन-सूची पुस्तिका

Beverages			Appetizers		
Juices			Soups		
Juice	Quantity	Calories	Indian Soups / Soup / Rasam	Quantity	Calories
Freshly Squeezed Fruit Juices	250 ml	125	Apple Soup	150 ml	107
Buttermilk Juice	5 ml	12	Dal Soup	150 ml	79
Fresh Lime Juice/ Lime Water	200 ml	60	Melon Soup	150 ml	55
Vegetable Juice	250 ml	55	Mutton Soup	150 gms	71
Apple Fanta	250 ml	113	Molligatnam Soup	350 ml	125
Lemon Squash	250 ml	706	Pepper Rasam	100 gms	48
Orange Squash	5 ml	7	Tomato Rasam	150 gms	43
Blood Orange	5 ml	21			
Milkshakes			Continental Soups		
Milkshake	Quantity	Calories	Tomato Soup	Quantity	Calories
Banana Shake	250 ml	230	Mexican Soup	150 ml	94
Mango Shake	250 ml	191	Cream of Vegetable Soup	150 ml	68
Strawberry Shake	250 ml	162	Almond Soup	150 ml	173
Chocolate Shake	250 ml	239	Minestrone Soup	250 gms	133
Vanilla Shake	250 ml	369	Wild Mushroom Soup	350 ml	407

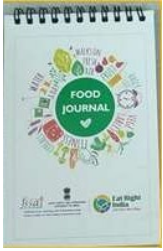
विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को भोजन और अल्पाहार के बारे में जानकारी और स्वास्थ्यप्रद खान-पान में सहायता के लिए व्यंजन-सूची से संबंधित कैलोरी कंटेंट

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के ईट राइट कैंपस सर्टिफिकेशन के नवीकरण की प्रक्रिया



अकादमी में उपलब्ध भोजन सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक होना चाहिए, यह देखते हुए कि आहार संबंधी बीमारियाँ चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं, केंद्र ने अधिकारी मेस का स्व-मूल्यांकन किया और जाँच सूची के आधार पर कमियों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान की। कमियों को दूर करने के लिए खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जल्द ही, अकादमी की मेस को ईट राइट कैंपस के रूप में प्रमाणित करने के लिए तीसरे पक्ष द्वारा उसका ऑडिट किया जाएगा।

96वें फाउंडेशन कोर्स के उद्घाटन के दौरान केंद्र द्वारा अधिकारी प्रशिक्षुओं को फूड जर्नल्स और ईट राइट लैपल पिन वितरण



फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र ने शिक्षा का प्रसार करने और सही खान-पान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए फूड जर्नल और लैपल पिन वितरित किए, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा 96वें फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए भेजे गए। ये उनके लिए अत्यन्त फायदेमंद हो सकते हैं। फूड जर्नल के माध्यम से उन्हें पूरे दिन के अपने खान-पान पर नज़र रखने, खान-पान की आदतों को बेहतर ढंग से समझने और यह पता लगाने में मदद मिलती है कि वे किन खाद्य पदार्थों के प्रति संवेदनशील हों। शोध अध्ययनों के अनुसार फूड जर्नल और खान-पान की स्वयं मानीटरिंग के माध्यम से वजन में भी काफी कमी की जा सकती है।

क्लब और सोसाइटियां

अकादमी में प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। क्लब और सोसाइटियों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा विभिन्न इंडोर और आउट डोर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनका संचालन निदेशक नामिति के समग्र दिशानिर्देशन में प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा स्वयं ही किया जाता है। क्लब और सोसाइटियों की गतिविधियां स्व-अभिव्यक्ति और विकास के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों को एक श्रेष्ठ माध्यम उपलब्ध कराती हैं। अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते हैं जो मनोरंजन ही प्रदान नहीं करते बल्कि अकादमी के परिसरीय जीवन को भी समृद्ध करते हैं। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और सुविधाओं का सदुपयोग करें। क्लबों और सोसाइटियों के पदाधिकारियों का चुनाव प्रशिक्षु अधिकारियों में से ही किया जाता है किन्तु क्लब और सोसाइटियों के कार्यक्रम सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के सहयोग और सहायता से चलाए जाते हैं। निदेशक नामिति/निदेशक सह नामिति क्लबों और सोसाइटियों के संचालन में और उनके द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के आयोजन में आवश्यक दिशानिर्देश और सहायता देते हैं। संकाय सदस्य और उनके परिवार के सदस्यों को ऐसे सभी कार्यक्रमों में प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उनके कार्यक्रमों को चलाने के लिए क्लबों और सोसाइटियों को वार्षिक और द्वि-वार्षिक अनुदान दिए जाते हैं जिसे वे सदस्यता शुल्क के माध्यम से प्राप्त करते हैं। निदेशक के मूल्यांकन के भाग के रूप में पाठ्यक्रम के अंत में क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों में भागीदारी का मूल्यांकन किया जाता है। क्लबों और सोसाइटियों के उद्देश्यों और गतिविधियों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

साहसिक खेल क्लब

- समिति का गठन : 1 सचिव और 3 सदस्य
- निदेशक नामिति: डॉ. मिलिन्द रामटेके, उप निदेशक
- निदेशक सह नामिति: श्री हरि लाल चौहान

उद्देश्य:-

विभिन्न साहसिक खेलों का आयोजन करके प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साहस की भावना को उत्पन्न करना। क्रॉस कंट्री दौड़, घुड़सवारी प्रदर्शन, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, रॉक क्लाइंबिंग, हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग आदि जैसे साहसिक खेलों का समय-समय पर आयोजन करना।

गतिविधियां:-

साहसिक खेल क्लब का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साहसिक खेलों के प्रति उत्साह को बनाए रखना और बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, क्लब द्वारा "लाल टिब्बा का ट्रेक" आयोजित किया गया। यहां प्रशिक्षु अधिकारियों ने कुछ संकाय सदस्यों के साथ हिमालय के निचले भाग की चोटी पर चढ़ने में अपनी सहनशीलता का परीक्षण किया। साहस और मनोरंजन दोनों प्रकार का अनुभव प्रदान करने के लिए, क्लब ने पावन नगरी ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग का भी आयोजन किया।

कंप्यूटर सोसायटी

आईएसएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण I (2021 बैच)

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के अनुप्रयोगों पर "आईओटी - आधारित विवेकपूर्वक निर्णय" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों को घटकों को इकट्ठा करने, "स्मार्ट सिटी" और स्मार्ट फार्मिंग" आईओटी समाधान के लिए घटकों को कॉन्फिगर करने के बारे में बताया गया।
- इंटेल द्वारा प्रस्तावित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रशिक्षण मॉड्यूल पर फीडबैक प्रदान किए गए।
- नवोन्मेष क्लब के साथ, कंप्यूटर सोसाइटी ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रयोग की जा रही प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता लाने के लिए इंटेल और आईएसबी के साथ चर्चा की। कंप्यूटर सोसाइटी ने मसौदा ज्ञापन तैयार किया और आपसी दृष्टिकोण को समझने और मसौदा ज्ञापन को समेकित करने के लिए कई बैठकें आयोजित की।
- राइफल्स और तीरंदाजी क्लब के साथ मिलकर काउंटर स्ट्राइक टूर्नामेंट का आयोजन किया।
- जिन प्रशिक्षु अधिकारियों को आईसीटी व्यावहारिक सत्रों में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, उनकी सहायता के लिए आईसीटी बड्डी सिस्टम शुरू किया गया।
- प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए माइक्रोसॉफ्ट पावर बाई हैंड्स-ऑन सत्र का आयोजन किया गया।
- गूगल डेटा स्टूडियो का उपयोग करके एलपीएल बैडमिंटन और लॉन टेनिस इवेंट के लिए लाइव डैशबोर्ड बनाए गए।
- मेगा हैकथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आईएसएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण II (2019-21 बैच)

- प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा आईटी से संबंधित सर्वोत्तम पहल के लिए सफल कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में 135 प्रशिक्षु अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में 120 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया।
- निम्नलिखित ऑनलाइन गेम आयोजित किए गए:
 - लूडो - 135 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया
 - शतरंज - 25 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया
 - पोकर - 37 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया

फिल्म सोसाइटी

1. 2020-21 के दौरान, फाउंडेशन पाठ्यक्रम और आईएसएस चरण- I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सामाजिक मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर 22 फिल्में दिखाई गईं।
2. 2018 बैच के आईएसएस चरण- II के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्मों के विभिन्न ऑनलाइन क्विज़ कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3. 95वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए मूवी रिव्यू प्रतियोगिता का आयोजन।
4. 2020 बैच के आईएसएस चरण-I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्मों पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
5. 2020 बैच के आईएसएस चरण-I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्म समीक्षा प्रतियोगिता और डम्ब-चैरेड्स प्रतियोगिता का आयोजन।
- 6.

ललित कला एसोसिएशन

उद्देश्य

ललित कला एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक विविधता के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को एक सूत्र में पिरोया जो समूह प्रतिभागिता पर आधारित थी। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने प्रशिक्षु अधिकारियों में मैत्री-भाव को प्रोत्साहित किया तथा धर्म एवं भाषा की सीमाओं से आगे बढ़कर एकता का परिचय दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अनेक प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके रचनात्मक पक्ष को उजागर करने का अवसर मिला। ललित कला एसोसिएशन विभिन्न विजिटिंग कलाकारों तथा समूहों के कार्यक्रमों का आयोजन करने में भी सक्रिय रूप से शामिल रही। ललित कला एसोसिएशन ने भारतीय वोकल म्यूजिक, गिटार तथा ड्रम के लिए पाठ्यतर मॉड्यूलस भी आयोजित किए।

एफसी 96 2021

सदस्य	बसंत सिंह	
सदस्य	कैथरीन सारन्या	ई 12

फेज़ I 2021

निदेशक नामिति	हरि लाल चौहान	
सदस्य	अपर्णा एमबी	ई 12
सदस्य	टी प्रतीक राव	यू 20

निदेशक नामिति	आनंदी		
2	निदेशक सह नामिति	हरि लाल चौहान	...
3	लेखा	देव सिंह राणा	...
4	सचिव		ई02
5	सदस्य	श्रेष्ठ कुमार कृष्ण	बी29
6			
7	सदस्य	रिया डाबी	जे03
8		रिक्त	...

निदेशक नामिति	आनंदी		
2			...
3	लेखाकार	देव सिंह राणा	...
4	सचिव		डी20
5	सदस्य	वाई मेघा स्वरूप	वी22
6		शैलजा पांडे	जी22
7	सदस्य	पेद्दिति धात्री रेड्डी	एम10
8		रिक्त	...

अभिरुचि क्लब

उद्देश्य

- विभिन्न अभिरुचियां जैसे - फोटोग्राफी, पेंटिंग, डाक टिकट संग्रह, पौधों के संग्रह में रुचि को विकसित करना, बढ़ावा देना और लोकप्रिय बनाना।
- फिल्मों और गानों आदि पर आधारित प्रश्नोत्तरी।
- अभिरुचि को बढ़ावा देने के लिए बातचीत, चर्चा, प्रदर्शनियों आदि की व्यवस्था करना और प्रशिक्षु अधिकारियों को सीखने और कुशल होने के लिए प्रोत्साहित करना।
- विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच की तरह कार्य करना।
- अभिरुचि को पूरा करने के लिए सामग्री एवं उपकरणों सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना।

गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए हॉबीज़ क्लब ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ कीं:

- वेस्ट टू वेल्थ प्रतियोगिता
- मेहंदी प्रतियोगिता (पुरुष और महिला वर्ग),
- स्केचिंग कार्यशाला
- पेंटिंग कार्यशाला कार्यक्रम
- फोटो प्रदर्शनी
- होम टर्फ का जीर्णोद्धार और प्रकाश व्यवस्था

इन गतिविधियों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा बड़ी संख्या में भागीदारी दिखाई गई है। श्री नितेश झा और श्री अभिराम जी शंकर, उप निदेशक अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक की अवधि के लिए निदेशक नामिति थे।

नवाचार क्लब

उद्देश्य

1. प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासन में जमीनी स्तर के नवोन्मेष के महत्व से अवगत कराना और उन्हें सुलभतापूर्वक प्रशासन करने के बारे में जागरूक करना।
2. लिंक पोर्टल की देखरेख एवं उन्नयन।
3. लिंक पोर्टल में पोस्ट की गई जरूरतों के लिए जमीनी स्तर के नवोन्मेषी विचार एकत्रित करना।
4. विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षु अधिकारियों और नवप्रवर्तकों के बीच वार्तालाप के लिए नवप्रवर्तन संगोष्ठी आयोजित करना।
5. नवोन्मेष प्रदर्शनियों का आयोजन।

6. क्लब की गतिविधियों में प्रशिक्षुओं अधिकारी की भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए क्विज़ जैसे कार्यक्रम आयोजित करना।

96वां फाउंडेशन पाठ्यक्रम

96वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान निदेशक नामिति और पदाधिकारी:

क्र.सं.	भूमिका	पदाधिकारी का नाम
1.	निदेशक नामिति	शैलेश नवाल
2.	निदेशक सह नामिति	अमरजीत सिंह दत्त
3.	निदेशक सह नामिति	आजाद सिंह
4.	लेखाकार	अवध डबास
5.	सदस्य	जयंत नहाटा
6.	सदस्य	कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण
7.	सदस्य	पूजा अशोक कदम
8.	सदस्य	आकाश शर्मा
9.	सदस्य	भरत सिंह
10.	सदस्य	वैभव जिंदल
11.	सदस्य	नीरजा अनिश शाह
12.	सदस्य	कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण
13.	सदस्य	अक्षिता गुप्ता
14.	सदस्य	मिथुन प्रेमराज

क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ

1. आइडियाथॉन:

19 जनवरी, 2022 को 'ग्राम' विषय पर आधारित नवाचार पर 'आइडियाथॉन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2. स्वयं सहायता समूह (एसएचजी):

महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में एसएचजी उत्पादों की स्टॉल प्रदर्शनी का आयोजन।

3. सीधी पहुंच:

ज्ञान पोर्टल पर जूम के माध्यम से ऑनलाइन समूह बैठकों तक सीधी पहुंच की सुविधा।

4. शासन में नवोन्मेष:

28 जनवरी, 2022 को अटल इनोवेशन मिशन के निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव द्वारा 'शासन में नवोन्मेष' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

5. डेटा एनालिटिक्स मॉड्यूल:

कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय ने बेहतर 'डेटा एनालिटिक्स मॉड्यूल' पर संकाय सदस्यों को सहयोग प्रदान किया।

अधिकारी क्लब

- **समिति का गठन:** 1 निदेशक नामिति, 2 निदेशक सह नामिति, 1 लेखाकार-सह-लिपिक और 1 एमटीएस
- **निदेशक नामिति:** सुश्री सौजन्या, संयुक्त निदेशक
- **निदेशक सह-नामिति:** सुश्री दिशा पन्नू उपनिदेशक (खाता हस्ताक्षरकर्ता), श्री शैलेश नवाल, उप निदेशक
- **लेखाकार एवं लिपिक:** श्री बलवंत सिंह
- **एमटीएस:** श्री विकास

उद्देश्य:

अधिकारी क्लब ने अपने सभी सदस्यों अर्थात 97वां फाउंडेशन पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु अधिकारियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों चरण V, चरण IV, चरण III, चरण II, चरण I एवं संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागियों और अकादमी में संकाय सदस्यों को आउटडोर और इनडोर खेल सुविधाएं उपलब्ध करायी।

- क्लब का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को अधिक अवसर प्रदान करना है जिससे वे न केवल स्वास्थ्य और समग्र आत्मविश्वास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं बल्कि बेहतर नेतृत्व कौशल और समूह में कार्य क्षमता विकसित कर सकते हैं।
- आउटडोर सुविधाओं में लॉन टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल स्केटिंग और एथलेटिक्स के आयोजन शामिल हैं। आउटडोर गतिविधियों में राइडिंग एस्टेबलिशमेंट शामिल है। घुड़सवारी के बुनियादी कौशल प्रदान करने के लिए अकादमी के पास 23 घोड़े हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों और इच्छुक अधिकारियों को घुड़सवारी क्षेत्र (राइडिंग एरिना) में घुड़सवारी का प्रशिक्षण और अनुभव दिलाया जाता है। घुड़सवारी प्रशिक्षकों को राष्ट्रपति बॉडी गार्ड रेजिमेंट से प्रतिनियुक्ति पर बुलाया जाता है, यह रेजिमेंट भारतीय सेना की उत्कृष्ट घुड़सवार रेजिमेंट है।
- इनडोर खेल की सुविधाओं में बिलियर्ड्स, कैरम, तैराकी, शतरंज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश, फ़ॉर्स्बॉल और बैडमिंटन शामिल हैं।
- खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए, गतिविधि सत्रों को रोचक, आकर्षक और मनोरंजक बनाने के लिए योग, ध्यान, एरोबिक्स और जुम्बा के क्षेत्र में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों को नियुक्त किया जाता है।
- क्लब में सभी समग्र सुविधाओं सहित जिमनेजियम है जिसकी सेवाएं वर्ष भर उपलब्ध रहती हैं।

गतिविधियाँ:

ऑफिसर्स क्लब ने कई तरह की गतिविधियाँ आयोजित कीं। 97वें फाउंडेशन कोर्स के लिए, क्लब ने एथलेटिक मीट की मेजबानी की, जिससे टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला। इसके अतिरिक्त, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, स्क्वैश, बैडमिंटन, क्रिकेट और तैराकी जैसे खेलों के लिए व्यापक अभ्यास सत्र फाउंडेशन कोर्स, चरण 1 और 2, मिड-करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम, जेसीएम और यहां तक कि रीयूनियन बैचों में भी आयोजित किए गए। चरण 1 के दौरान प्रतिभागियों ने रॉक क्लाइम्बिंग का आनंद लिया, जिससे उनकी यात्रा के लिए रोमांचकारी माहौल तैयार हुआ। अधिकारी क्लब हैप्पी वैली मसूरी मैराथन का भी आयोजन करता है, जिसमें शारीरिक चुनौती के साथ-साथ प्राकृतिक सुंदरता भी शामिल होती है, जिसमें चरण-1 के प्रतिभागियों, संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया।

राइफल और तीरंदाजी क्लब

- समिति का गठन: 1 निदेशक नामिति, 2 निदेशक सह नामिति, 1 लेखाकार-सह- क्लर्क और 1 एमटीएस
- निदेशक नामिति: सुश्री सौजन्या, संयुक्त निदेशक
- निदेशक सह नामिति: सुश्री दिशा पन्नू उप निदेशक (खाता हस्ताक्षरकर्ता), श्री शैलेश नवाल, उपनिदेशक
- लेखाकार-सह-क्लर्क: श्री बलवंत सिंह
- एमटीएस: श्री विकास

उद्देश्य

क्लब के सदस्यों को आग्नेयास्त्रों और धनुष-बाणों के कुशल संचालन में प्रशिक्षित करना।

सदस्यों के बीच निशानेबाजी की कला और विज्ञान को एक स्वस्थ खेल के रूप में प्रोत्साहित और बढ़ावा देना। टीमों और/या व्यक्तियों के लिए समय-समय पर शूटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करना और पुरस्कार प्रदान करना। तीरंदाजी और शूटिंग दोनों में मनोरंजक कार्यक्रमों को प्रायोजित/आयोजित करना। निम्नलिखित छह हथियारों के साथ रेंज और आउटडोर शूटिंग के लिए सुविधाएं प्रदान करना: 12-बोर राइफल, स्मॉल बोर राइफल, पिस्तौल और रिवॉल्वर, एयर राइफल और धनुष और तीर, निशानेबाजी की ऐसी अन्य वस्तुएं जिन्हें निदेशक नामिति द्वारा उपयुक्त समझा जाए।

गतिविधियाँ

राइफल और तीरंदाजी क्लब ने फाउंडेशन कोर्स, चरण-1 और चरण-II के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए समर्पित अभ्यास सत्रों का आयोजन किया। इन सत्रों का उद्देश्य राइफल शूटिंग और तीरंदाजी में उनके कौशल को निखारना था। प्रशिक्षुओं की निशानेबाजी और तीरंदाजी क्षमताओं को निखारने के लिए क्लब की प्रतिबद्धता इन सुव्यवस्थित अभ्यास सत्रों के माध्यम से स्पष्ट थी। इस पहल ने प्रशिक्षुओं को अपनी शूटिंग तकनीकों और तीरंदाजी की सटीकता सीखने और सुधारने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया।

गतिविधियाँ

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के परिसर में अधिकारी मेस समर्पित संस्था है। यह एक ऐसी स्थान है जहां संस्कृतियां, परंपराएं दृष्टिगोचर होती हैं। प्रथाएँ और मान्यताएँ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के माध्यम से मिलती हैं। यह संस्था प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच सार्वभौमिक भाईचारे और बंधुत्व की भावना को अंतर्हीन रूप से बढ़ावा देती है और पोषित करती है: मेस को शिष्टाचार, आचरण और सेवाओं के मामले में उच्चतम मानकों को प्राप्त करने का जनादेश है। प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी इस संस्था का अभिन्न अंग है।

अधिकारी मेस एक मेस कमेटी द्वारा चलाया जाता है। मेस समिति के सदस्य प्रशिक्षु अधिकारियों में से होते हैं। मेस समिति में एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष और पांच अन्य सदस्य होते हैं, जो मैत्रीभाव के अंतर्निहित दर्शन को बढ़ावा देने के लिए निर्विवाद रूप से कर्तव्य निभाते हैं।

मेस समिति अधिकारी मेस के निदेशक द्वारा नामित व्यक्ति के समग्र मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत कार्य करती है। मेस को एक पूर्णकालिक मेस अधिकारी, प्रबंधक (लेखा), स्टोर कीपर और पर्यवेक्षकों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। इस संस्था की ताकत, ऑफिसर्स मेस के कर्मचारी हैं जिनमें रसोइया, सहायक, टेबल बियरर, रूम बियरर, सफाई कर्मचारी और, डिशवॉशर शामिल हैं।

अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला, मोनेस्ट्री एस्टेट और इंदिरा भवन मेस परिसर में लगभग 700 लोगों को सेवा प्रदान करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों के लिए देश के कोने-कोने से विभिन्न प्रकार के व्यंजन (अकादमी में तैयार) परोसता है। अधिकारी मेस अपने लागत केंद्रों के माध्यम से भी अपनी सेवाएं प्रदान करता है:-

1. ए.एन. झा प्लाजा कैफे,
2. होम टर्फ कैफेटेरिया,
3. स्पोर्ट्स कैफेटेरिया

कैलेंडर वर्ष 2022-23 के दौरान अधिकारी मेस के पदाधिकारी

आईएस चरण 1 (2021-22 बैच)

निदेशक नामिति: डॉ. सुनीता रानी, प्रोफेसर, प्रबंधन

निदेशक सह नामिति: श्री. हरि प्रकाश, प्रोफेसर

- | | |
|-------------------|-------------------|
| • शताब्दी मजूमदार | अध्यक्ष मेस समिति |
| • रेहान खत्री, | सचिव |
| • यश जालुका | कोषाध्यक्ष |
| • सनी राज | सदस्य मेस समिति |
| • धीना दस्तागर | सदस्य मेस समिति |
| • सारा अशरफ | सदस्य मेस समिति |
| • पूजा गुप्ता, | सदस्य मेस समिति |

आईएस चरण II (2020-22 बैच) ऑनलाइन

निदेशक नामिति: डॉ. विजय बाबू वसंत, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

निदेशक सह नामिति: श्री. अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक

- | | |
|---------------------------------|-------------------|
| • तातिमाकुला राहुल कुमार रेड्डी | अध्यक्ष मेस समिति |
| • अभिषेक कुमार | सचिव |
| • दीपक बाबूलाल करवा | कोषाध्यक्ष |
| • नूपुर गोयल, | सदस्य मेस समिति |
| • प्रियंका एस. | सदस्य मेस समिति |
| • हरजिंदर सिंह, | सदस्य मेस समिति |
| • अभिनव कुमार सिंह, | सदस्य मेस समिति |
| • हेमन्त. एन., | सदस्य मेस समिति |

97वां फाउंडेशन कोर्स

निदेशक नामिति: डॉ. सुनीता रानी, प्रबंधन की प्रोफेसर

निदेशक सह नामिति: श्री. हरि प्रकाश, प्रोफेसर

- | | |
|-----------------------------|-------------------|
| • मो. अब्दुल रऊफ, | अध्यक्ष मेस समिति |
| • अर्पित गुप्ता, | सचिव |
| • दीपेश कुमारी, | कोषाध्यक्ष |
| • किरणमयी कोप्पिसेट्टी., | सदस्य मेस समिति |
| • श्रीकुमार रवीन्द्र कुमार, | सदस्य मेस समिति |
| • दिव्या पी., | सदस्य मेस समिति |
| • सुविज्ञा एस चंद्रा., | सदस्य मेस समिति |
| • भरत कुमार डीके, | सदस्य मेस समिति |

आईएसएस चरण 1 (2022 बैच)

निदेशक नामिति: डॉ. सुनीता रानी, प्रबंधन की प्रोफेसर

निदेशक सह नामिति: श्री हरि प्रकाश, प्रोफेसर

- | | |
|-----------------------------|-------------------|
| • सुविज्ञा एस चंद्रा | अध्यक्ष मेस समिति |
| • शिवम चंद्रा, | सचिव |
| • शुभंकर प्रत्यूष प्रोफेसर, | कोषाध्यक्ष |
| • अरिजीत महाजन, | सदस्य मेस समिति |
| • राहुल आनंद, | सदस्य मेस समिति |
| • आनंद मल्होत्रा, | सदस्य मेस समिति |
| • अरिजीत महाजन, | सदस्य मेस समिति |

प्रमुख गतिविधियाँ:

- 1) प्रशिक्षु अधिकारियों की पोषण और स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भोजन मेनू तैयार किया गया।
- 2) इस साल पहली बार कॉमन मिड-करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम, 28वें ज्वाइंट सिविल मिलिट्री प्रोग्राम और इंडक्शन प्रोग्राम में भी पूरे दिन के लिए बाजरा मेनू पेश किया गया।
- 3) क्षेत्रीय दिवसों का आयोजन करें. भारत दिवस और राज्य दिवस।
- 4) विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय व्यंजन परोसे गए और शुरू किए गए।

- 5) प्रशिक्षुओं अधिकारियों के बीच पाक कला, बेकिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं गोलगप्पे खाने की प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई।
- 6) फाउंडेशन कोर्स, चरण-1 और चरण-II के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए क्लास रूम, जिम और अन्य विभिन्न स्थानों पर फूड कार्ट की शुरुआत की गई।
- 7) अकादमी के भ्रमण के दौरान भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मृमु के लिए भोजन का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- 8) भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जैसे कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों को तरह-तरह के व्यंजन परोसे गए जिन्होंने अकादमी का दौरा किया।।
- 9) 2022 के आईएएस चरण-1 बैच में एक सप्ताह का औपचारिक रात्रिभोज किया गया।
- 10) मेस स्टाफ को भारतीय सैन्य अकादमी मेस के समान बियरर वर्दी प्रदान की गई औपचारिक रात्रिभोज।

ऑफिसर्स मेस, हमेशा की तरह, अकादमी की सभी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में जीवन, रंग और स्वाद जोड़ने में सहायक रहा है।

हस्ता/-

(डॉ. सुनीता रानी)
प्रोफेसर, प्रबंधन एवं
अधिकारी मेस में
निदेशक नामिति

समकालीन क्रियाकलाप सोसायटी

- समिति का गठन : 1 सचिव और 3 सदस्य
- निदेशक नामिति : श्री नितेश झा, रीडर

उद्देश्य

- समसामयिक मामलों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा सामयिक रुचि के विषयों सहित सामान्य रुचि के सभी मामलों पर चर्चा, तर्क-वितर्क और अध्ययन के लिए मंच प्रदान करना।
- अकादमी में अधिकारियों को सभी सामान्य गतिविधियों के लिए एक मंच प्रदान करना, जो विशेष रूप से अन्य क्लबों या सोसायटी द्वारा नहीं ली जाती हैं।

सुश्री सी.एस. राम्या, आईएफएस प्रशिक्षु अधिकारी और 97वें फाउंडेशन कोर्स के समकालीन क्रियाकलाप सोसायटी की सचिव ने 97वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान “भारतीय शासन के लिए डिजिटल समाधान” विषय पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की।

गतिविधियों का सारांश

1. हमारे फाउंडेशन कोर्स के पुस्तक समीक्षा अभ्यास के पहले कार्यक्रम और प्रस्तावना के रूप में, हमारी सोसायटी ने एक मिनट - समीक्षा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को निर्धारित समय के भीतर अपनी सर्वाधिक पसंदीदा पुस्तक की समीक्षा करनी थी। इसके अलावा, उन्हें जजों को अपनी किताबें पढ़ने के लिए मनाने के लिए अपने अनुनय और अभिनव तरीकों का उपयोग करना पड़ा। 27 प्रशिक्षु अधिकारियों ने पूरे जोश के साथ

प्रतिभाग लिया। जॉन जॉर्ज ने वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलिट्यूड के लिए पहला पुरस्कार जीता, उसके बाद सक्षम गोयल और विशाल खत्री ने पुरस्कार जीता।

2. हमारा दूसरा कार्यक्रम गाँव के दौरे और भारतीय शासन के लिए आरंभ समाधानों में हमारे जानार्जन के बाद आरंभ हुआ। समाधान व्यावहारिक प्रयोज्य, वर्तमान चुनौतियों के लिए प्रासंगिक और पारेटो सिद्धांत का पालन करने वाले होने चाहिए थे। 19 प्रविष्टियों में से, शिवानंदम ने व्यक्तिगत स्तर पर योजना संतृप्ति प्राप्त करने के लिए योजना लाभार्थियों की समेकित डैशबोर्ड ट्रैकिंग पर अपनी प्रविष्टि के साथ पहला पुरस्कार जीता। विशाल खत्री की अवसंरचना प्रबंधन और नियोजन के लिए भू-स्थानिक विश्लेषण तकनीक और फैसल खान की लोक सेवा से जुड़े अधिकारियों के बीच साइलोज को समाप्त करना क्रमशः दूसरे और तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
3. अंतिम आयोजन के रूप में, इंटर-हाउस पॉप-क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, हालांकि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण, कार्यक्रम अंतिम समय में आयोजित नहीं किया जा सका।

आईएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-1 2022 बैच के समकालीन क्रियाकलाप सोसायटी/कंचनजंगा हाउस के सचिव ने फेज-1 कोर्स के दौरान "फोटोग्राफी" विषय पर क्विज़ आयोजित की।

गतिविधियों का सारांश

ऐसी दुनिया में जहाँ दृश्य कहानी सुनाना मानव संचार का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है, फोटोग्राफी की कला लगातार फल-फूल रही है। वर्ष 2022 फोटोग्राफी के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है क्योंकि दुनिया भर के उत्साही लोग बहुप्रतीक्षित "कैप्चरिंग मोमेंट्स" फोटोग्राफी में अपनी रचनात्मकता, दृष्टिकोण और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा हुए

रचनात्मकता का अनावरण: प्रतियोगिता का सार

"कैप्चरिंग मोमेंट्स" फोटोग्राफी प्रतियोगिता केवल एक आयोजन नहीं है; यह उन विविध तरीकों का उत्सव है जिनसे हम अपने आस-पास की दुनिया को देखते और व्याख्या करते हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी स्तरों के फोटोग्राफरों को एक साथ लाना है जिनमें समय को स्थिर करने के जुनून वाले शौकिया फोटोग्राफर से लेकर प्रकाश, रचना और भावना की बारीकियों में महारत हासिल करने वाले पेशेवर शामिल हैं।

प्रतियोगिता मुक्त-प्रसंग वाली है, जिसमें प्रतिभागियों को विषयों, शैलियों और तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला में तस्वीरें जमा करने की अनुमति है। दर्शकों को दूर के लोकों में ले जाने वाले लुभावने परिदृश्यों से लेकर मानवीय भावनाओं के सार को प्रकट करने वाले अंतरंग चित्रों तक, और यहां तक कि पारंपरिक दृष्टिकोणों को चुनौती देने वाले प्रयोगात्मक सार-चित्रों तक - हर तस्वीर में बताने के लिए एक कहानी, स्थिर करने के लिए एक पल और व्यक्त करने के लिए एक भावना होती है।

रचनात्मकता समुदाय को बढ़ावा देना

प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच से कहीं अधिक, "कैप्चरिंग मोमेंट्स" फोटोग्राफी प्रतियोगिता फोटोग्राफरों के बीच समुदाय भावना को बढ़ावा देती है। कार्यशालाओं, वेबिनार और इंटरैक्टिव ऑनलाइन फोरम के माध्यम से, प्रतिभागियों को एक-दूसरे से सीखने, अंतर्दृष्टि साझा करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलता है। यह सहयोगी माहौल न केवल उनके व्यक्तिगत कौशल को बढ़ाता है बल्कि कला के समग्र विकास में भी योगदान देता है।

फोटोग्राफी के भविष्य की एक झलक

जैसे-जैसे दुनिया भविष्य की ओर बढ़ रही है, फोटोग्राफी जीवन, संस्कृति और मानवीय अनुभव के सार को कैप्चर करने का एक शक्तिशाली माध्यम बनी हुई है। "कैप्चरिंग मोमेंट्स" फोटोग्राफी प्रतियोगिता इस कला के स्थायी महत्व का प्रमाण है। दुनिया के विभिन्न कोनों और पृष्ठभूमियों से फोटोग्राफरों को एक साथ लाकर, यह प्रतियोगिता न केवल फोटोग्राफी की वर्तमान स्थिति को प्रदर्शित करती है, बल्कि इसके रोमांचक भविष्य की झलक भी दिखाती है।

ऐसी दुनिया में जहाँ पल पल भर में गुजर जाते हैं, फोटोग्राफी में समय को थामने और हमारे अस्तित्व को परिभाषित करने वाली सुंदरता, भावना और कहानियों को समेटने की अनूठी क्षमता है। "कैप्चरिंग मोमेंट्स" फोटोग्राफी प्रतियोगिता इस क्षमता का उत्सव है और यह उन फोटोग्राफरों के लिए श्रद्धांजलि जो इन पलों को स्थिर करते हैं और हमें उनकी आँखों से दुनिया को निहारने के लिए आमंत्रित करते हैं।

समाज सेवा सोसाइटी की गतिविधियों पर रिपोर्ट

1. सरकारी स्कूलों का दौरा:

समाज सेवा सोसाइटी ने 25 फरवरी 2023 को स्कूलों का दौरा आयोजित किया। हमने अकादमी मुख्य द्वार पर स्थित स्कूल, कैमल बैक रोड स्थित सरकारी स्कूलों का दौरा किया। स्वयंसेवकों ने छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की। वे बच्चों के साथ खेलें, उनके सीखने के स्तर का आकलन किया। स्कूल में समस्याओं का पता लगाने के लिए शिक्षकों से बातचीत की। बाल मजदूर यहाँ की प्रमुख समस्याओं में से एक है। साथ ही सफाई कर्मचारी भी नहीं है। हमने बच्चों को फल, स्टेशनरी और मोजे वितरित किए। यह दौरा प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ज्ञानार्जन का अनुभव है।



हमने पाया कि बच्चे पेंटिंग में बहुत प्रतिभाशाली थे और उन्होंने कुछ सुंदर चित्र बनाए। शिक्षक छात्रों को पढ़ाने के लिए बहुत प्रेरित थे।

2. वृद्धाश्रम का दौरा

समाज सेवा सोसाइटी ने 11 मार्च 2023 को देहरादून में कल्पवृक्ष सामाजिक वृद्धाश्रम नामक वृद्धाश्रम का दौरा आयोजित किया। हमने वहाँ मौजूद निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। उन्हें प्रशिक्षु अधिकारियों से बात करके अति प्रसन्नता हुई। हमने पाया कि मालिक इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध थे। वे बिना सरकारी सहायता के इस वृद्धाश्रम को चला रहे थे। परिवार के सदस्यों द्वारा दिया जाने वाला दान और मासिक भुगतान आय का मुख्य स्रोत है। भोजन और सुविधाएँ संतोषजनक थीं।



3. बी.वी.जी. स्टाफ को सलाह देना

हमें पहले अपना घर व्यवस्थित करना है। इसलिए हमने अपने कर्मचारियों को पढ़ाने का फैसला किया जो कैंपस में हमारे प्रवास को आरामदायक बनाने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। हमने उन महिला कर्मचारियों की सूची तैयार की जो सीखने में रुचि रखती हैं और उनके लिए सप्ताहांत में कक्षाएं शुरू कीं। यहाँ समय एक बड़ी बाधा थी। फिर भी मुझे उन प्रशिक्षु अधिकारियों की सराहना करनी चाहिए जो महिलाओं को पढ़ाने के लिए आगे आए। हमने उन्हें किताबें, नोट्स, स्लेट, पेन वितरित किए ताकि वे सबसे बुनियादी और आवश्यक चीजें सीख सकें जो उन्हें पता होनी चाहिए। हमने अक्षर, संख्या, फोन चलाना, एटीएम चलाना, वेतन पर्ची पढ़ना आदि से शुरुआत की। उनमें से कुछ अपने जीवन में पहली बार पढ़ और लिख रहे हैं। हम उनके प्रति जो कृतज्ञता दिखाते हैं, उससे हम आश्चर्यचकित हैं। चरण 1 के अंत तक कक्षाएं जारी रहती हैं।



4. बालवाड़ी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिविर

हमने 25 मार्च, 2023 को एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने बच्चों के लिए एक मेडिकल कार्ड तैयार किया है। शिविर का उद्देश्य वजन, ऊंचाई, बीएमआई, सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसे बुनियादी स्वास्थ्य मापदंडों की जांच करना था। लगभग 90 बच्चे थे जिन्होंने अपने स्वास्थ्य मापदंडों की जांच की और स्वास्थ्य कार्ड जारी किए। प्रशिक्षु अधिकारी जो डॉक्टर थे, उन्होंने बहुत धैर्य से बच्चों की जांच की और अपनी बहुमूल्य सलाह दी। अंत में, माता-पिता को स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के बारे में सामान्य स्वास्थ्य सलाह दी गई। शिक्षकों और अभिभावकों ने शिविर की सराहना की।



SOCIAL SERVICE SOCIETY REQUESTS 124TH ITP OFFICERS FOR DONATION

No amount is
too small to give.



5. **124वें आईटीपी के अधिकारियों द्वारा धन जुटाना** - सोसायटी की गतिविधियों का वित्तपोषण मुख्य रूप से स्वैच्छिक योगदान से होता है। इस संबंध में आईटीपी अधिकारियों को सोसायटी में योगदान देने के लिए एक प्रस्तुति तैयार दी गई। इस प्रयास से 1,14,055/- रुपए की राशि जुटाई गई। सोसायटी उन अधिकारियों की उदारता का आभार व्यक्त करती है जिन्होंने प्रसन्नतापूर्वक योगदान दिया।

6. **वस्त्र दान अभियान** – फेज-1 2022 बैच का पहला चरण अपने अंतिम दिनों में है, इसलिए प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा छात्रावासों में अनिवार्य रूप से स्थानांतरण का लाभ उठाते हुए, हमने वस्त्र दान अभियान चलाया। प्रशिक्षुओं अधिकारियों द्वारा जूते, शर्ट, पतलून, जींस, टोपी, दस्ताने, हल्के कंबल, छाते, बांस के थैले आदि से लेकर कई तरह की वस्तुएं दान की जा रही हैं। आईटीपी अधिकारियों से भी दान मांगा गया। इन्हें संबंधित छात्रावासों के बीबीजी



कार्यकर्ताओं को वितरित किया जाएगा। यह साझा करना और देखभाल के सिद्धांत पर आधारित है।

7. **केंद्रीय विद्यालय के छात्रों का ज्ञानार्जन मूल्यांकन:** चरण 1 में शिक्षा मॉड्यूल कक्षाओं के बाद, प्रशिक्षु अधिकारियों सरकारी स्कूलों में ज्ञानार्जन के स्तर के बारे में व्यावहारिक रूप से जानने में रुचि रखते थे। इसलिए हमने छात्रों के मूल्यांकन के लिए केंद्रीय विद्यालय, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का चयन किया है। प्रशिक्षु अधिकारियों ने कक्षा 2, 3, 4, 5, 6, 7 और 8 के लिए प्रश्न पत्र तैयार किए। हमने 3 मई, 2023 को परीक्षा आयोजित की। 9 प्रशिक्षु अधिकारियों ने परीक्षा आयोजित की और छात्रों के प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन किया। हमने पाया है कि छात्रों में व्यावहारिक, सामान्य ज्ञान, गणित कमजोर है। हमने ज्ञानार्जन के स्तर को बेहतर बनाने और बेहतर परिणामों के लिए कमजोर विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित करने के तरीके पर प्रतिक्रिया दी है।



8. चरण 4 के अधिकारियों द्वारा धन जुटाना – अत्यधिक सर्दियों की शुरुआत को ध्यान में रखते हुए, सोसायटी ने चरण 4 के अधिकारियों के लिए अपनी इच्छानुसार धन दान करने के मार्ग सुझाए, जिसका उपयोग सोसायटी की गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाएगा।

राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच

1. संसदीय समिति का दौरा: सांस्कृतिक कार्यक्रम

राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच को 11 अप्रैल 2022 को संसदीय समिति के दौरे की शाम और 21 अप्रैल 2022 को सिविल सेवा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 11 अप्रैल को यह कार्यक्रम ललित कला क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया।

11 अप्रैल को एक घंटे के प्रदर्शन में "सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास" और "अनामिकता, संयम, योग्यता" विषय पर आधारित दो नाटक, एक फ्यूजन नृत्य, एक संगीतमय कविता प्रस्तुति और अकादमी बैंड द्वारा "विज्ञान फ़ॉर इंडिया@100" थीम पर एक विशेष देशभक्ति प्रदर्शन शामिल था। भाषा मंच के सदस्यों ने कार्यक्रम- मार्गदर्शन और पटकथा लेखन, एंकरिंग, नाटक लिखने में मार्गदर्शन, कविता का मंचन और बैंड प्रदर्शन के लिए रचना, वाद्य और गायन का आयोजन में योगदान दिया।



2. सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम

21 अप्रैल को, राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच ने सिविल सेवा दिवस 2022 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन और समन्वय किया। इस दिन की शुरुआत प्रशिक्षुओं अधिकारियों द्वारा "श्रमदान" से हुई, जिसके परिणामस्वरूप 186 किलोग्राम कचरा एकत्र किया गया, और सेवा के उन सदस्यों की स्मृति और सम्मान में



"पुष्पांजलि समारोह" आयोजित किया गया, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। अकादमी के गायकों ने अकादमी गीत और राष्ट्रगान की प्रस्तुतियाँ दीं। भाषा मंच ने शाम को "जश्न" (काव्य-सम्मेलन और मुशायरा) का भी आयोजन किया, जिसमें 18 प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा बेहतरीन कविताएँ और सेवा की भावना को समेटे हुए अकादमी बैंड द्वारा विशेष प्रदर्शन शामिल रहे। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक, संयुक्त निदेशक और संकायों की उपस्थिति रही।

ये कार्यक्रम बहुत सफल रहे और मेहमानों, संकाय सदस्यों और प्रशिक्षु अधिकारियों ने इनकी सराहना की। भाषा मंच

इस कार्यक्रम के आयोजन, इसमें भाग लेने और इसमें शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता है।





3. सफ़रनामा: सफ़र जारी है

भाषा मंच द्वारा सफ़रनामा नामक यात्रा वृत्तांत प्रकाशित किया गया है। इसमें भारत दर्शन और अन्य यात्राओं के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के अनुभवों को सहेजने का प्रयास किया गया है। इसमें प्रशिक्षु अधिकारियों के अनुभवों और सुंदर तस्वीरों को दस्तावेज़ीकृत करने पर ज़ोर दिया गया है। भाषा मंच का उद्देश्य सफ़रनामा के रूप में संस्थागत स्मृति तैयार करना है।

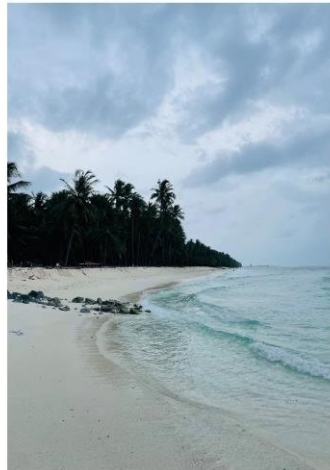
A "LIVING IN THE MOMENT" TRIP TO LAKSHADWEEP!

The pain of losing sleep for early morning flights, strictly planned attachments that gave us no time to enjoy the tour the way we wished, all the chaos we faced while hotel check outs or flight checks in and living out of a bag for almost 42 days, Bharat Darshan was tiring as hell. Yet, each of us had the best time of our lives. Each one of us has that one memory that we will cherish for our entire lives. For me, it was the trip to Lakshadweep!

It's not like that the trip to Lakshadweep was any less dramatic. We had a flight from Chennai to Kochi at 6:35 am. The chaos started at Kochi airport. Our booking was not available in the Air India's database for reasons beyond our understanding. We stood at the counter for 2 hours straight to get this thing sorted instead of enjoying our 4 hours long lay off in Kerala. And to our surprise, for the first time in our lives, we got hand-written boarding passes! Then we waited at the boarding gate for the flight. First, it was delayed, and then it got cancelled after waiting there for 2 hours for nothing. Monsoon just arrived in India, already making its presence noticed!

Thankfully, our stay in Kochi was arranged quite promptly by the academy and it was quite amazing as well. But, we were all hoping for the weather to improve. Island attachment was something that we were all waiting for. After a tiring journey to Burn La for our army attachment and heavily packed Health & Education attachment in Chennai, we all anticipated that Lakshadweep would finally give us some "Me Time". It rained all night, while we were in Kochi, almost rendering us hopeless for the trip. But to our surprise, the weather did improve in the morning! All 38 of us were excited beyond measure.

We landed in Agatti amid cloudy weather. As soon as we settled ourselves in the guest house, we headed for the beach. The turquoise coloured seawater and white sand beach was all we needed to set the tone for our island attachment. It was so calming to just sit there, hear the ocean roar and watch the endless horizon at the end of it! On top of it, lush green coconut trees covering the entire island was an added solace to the eyes. This was the moment we were longing for, since the training began. But thankfully, this was not the last one. We had many



The next day, we took a chopper ride to Kavaratti island, the first such ride for most of us. That 15 minutes ride was all about clicking selfies, making videos and literally being happy like a child! Kavaratti island is bigger than Agatti, a more commercial one as well. Our accommodation here was right by the beach. There was a 1-kilometre floating jay on that beach. The fun part was to walk on the floating surface to reach the end of it. None of us could walk straight on that thing, and each one of us had our peculiar wobble to reach the end of it. Entire afternoon, we sat there, talking, taking thousands of pictures, enjoying the sun breeze with half of our leg dipped in water.

For two days straight, we had no attachments. No formal meet-ups. No rush to be anywhere. Before this experience, I believed that it's better said than done - "living in the moment". But Lakshadweep trip made me experience this. The sheer serenity of the trip which left us clueless about the question "what next?" or the recent. Serenity of the pristine beaches that captured our attention, whatever be the reason, the "living in the moment" came true for all of us!

Final day on this island was the most lively one. We went for SCUBA Diving in the morning. Because of the rain, we couldn't go very deep and were under water for only 15-20 minutes, but it was still an adventure for most of us. After that, we went for the Naval Attachment, met the Naval Officials posted there and tried to understand their operations. While we were there, we planned to go for Kavaratti. But to our surprise, while we were coming back to the hotel, we were informed that we will be "airlifted" back to Agatti island in the afternoon itself because of the weather. By the evening, we were back in Agatti, from all the chaos to again doing nothing.

Strolls along the beaches, taking a walk from one end of the island to the other, enjoying the sun with us while sitting under the shade, talking for hours or even lying silently on the hammock along the beach, every moment spent in Lakshadweep was an unparalleled experience. One could complain that these islands are yet to be properly commercialised for tourism. Mobile network is patchy there. It is difficult to find a good place to eat, especially during the monsoon when Lakshadweep is closed for tourism. But for us, it was blessing in disguise.

We did regret not being able to visit Flamingo island or have good sea food because shacks were closed. Rain added another spoiler to our trip, cutting it short wherever possible. But still, for me it was the best part of the Bharat Darshan. We experienced the joy of doing nothing, something we might not experience for a very long time once we are posted in our respective districts, the reason why I will cherish this trip for my entire life!

4. काव्यांजलि: कविताओं का संग्रह

बैच के प्रतिभाशाली कवियों को प्रदर्शित करने के लिए भाषा मंच ने कविताओं का संग्रह संकलित किया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने मित्रता, महिला सशक्तिकरण, दुख का चित्रण, रोमांटिक विषय, प्रवास आदि जैसे भावनाओं और विषयों को दर्शाते हुए अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कविता का यह संग्रह काव्यांजलि शीर्षक के तहत प्रकाशित किया गया है।

5. संगम : पत्रिका

संगम पत्रिका भाषा मंच के मुख्य प्रकाशनों में से एक है। भारत की भाषाई विविधता का जश्न मनाने के लिए प्रशिक्षु अधिकारी विभिन्न भारतीय भाषाओं में अपनी प्रविष्टियाँ देते हैं। इस पत्रिका में प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा लिखे गए लेख, कविताएँ, कहानियाँ, कलाकृतियाँ और अन्य रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ शामिल हैं।



6. भारतीय भाषाओं में आज का विचार

कक्षा सत्र दिन के विचार से शुरू होता है। भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए भाषा मंच ने तमिल, तेलुगु, मराठी, हिंदी, संस्कृत, उड़िया, बांग्ला आदि विभिन्न भारतीय भाषाओं में दिन के विचारों का संग्रह संकलित किया। इन्हें शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा पढ़ा गया।

Language: Marathi

OT- Prathmesh-M08

असे जगावे दुनियेमध्ये
असे जगावे दुनियेमध्ये,
आव्हानाचे लावुन अत्तर,
नजर रोखुनी नजरे मध्ये,

7. कहानी लेखन प्रतियोगिता

एक तस्वीर हमें हजार कहानियाँ बताती है। भाषा मंच ने प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों को एक तस्वीर दिखाई गई और उस तस्वीर एवं उनकी कल्पना के आधार पर उन्हें आधे घंटे में एक कहानी लिखनी थी। प्रशिक्षु अधिकारियों ने छह से ज्यादा भाषाओं में 30 से ज्यादा कहानियाँ सुंदरतापूर्वक लिखीं।



8. साहित्य और पुस्तक क्लब सम्मेलन (मीटअप)

भारतीय साहित्य को बढ़ावा देने और जिज्ञासा पैदा करने के लिए भाषा मंच ने साहित्य सम्मेलन (मीटअप) का आयोजन किया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने विभिन्न लेखकों की पुस्तकों, कविताओं, नाटकों, शायरी, लेखों आदि पर चर्चा की। कुछ प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपनी रचनाएँ भी प्रस्तुत की।

9. भारतीय भाषाओं में कहानियों की पुस्तक

भाषा मंच ने प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा लिखी गई कहानियों को संकलित किया और उन्हें एक ही प्रकाशन में प्रकाशित किया। ये कहानियाँ अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगू और उड़िया भाषा में थी।

ସେହି ଆମେରିକା ରେ ସଂସାର କରି ରହିଲା । ହେଲେ ମଧ୍ୟାବର ମନରେ ଟିକେ ବି ଖୁସି ନାହିଁ । ପଚୋଶୀ ସରି ପଡ଼ିଶାର ଲୋକେ ଯେବେ ବି ତା' ପୁଅ ବିଷୟରେ କିଛି ବି କହନ୍ତି କି ବେଶ "ଧେରୁ କିପରି ପୁଅ, ବାପା ଟିକି ପଚାରୁଛି" ବୁଢ଼ା ମାଧବ ବହେ ରୁପ୍ ରୁହନ୍ତୁ "ମୋ ପୁଅ ଫେରି ଆସିବ ମୋ ପାଖକୁ" ବୁଢ଼ା ତାର ଜବାବୀ ଶରୀରରେ ଆସିବି ଅଶେଷ ଆଶା ସାଜି ଚାଲି ଚାଲି , ଆଉ ଦୁର୍ବଳର ପ୍ରତିଫଳରେ ମଧ୍ୟ ରିକସା ଟିକି ଚାଣି ନିଜ ପେଟ ପୋଶୁଛି । ସାରିମାନୀ ମାଧବ କାହା ଆଗରେ ହାତ ପୋତେଇନି ।

ଆଜି ଟିକେ ବୁଢ଼ା ମାଧବ ବେଶୀ ଭାବ ବିହୀନ ହୋଇଯାଇଛି , ହୁଅନ୍ତାହିଁ ବା ବେନିଟା। ଆଜି ପରା ତା'ର ପୁଅ ହିମାଂଶୁ ର ଜନ୍ମଦିନ । ଏଇ ମନ୍ଦିର କାନ୍ଥରେ ଆଉଜି ହୋଇ ସେ ତା' ପୁଅର ଲକ୍ଷ୍ୟ ଜୀବନ ଓ ସୁଖଶାନ୍ତି ପାଇଁ ପ୍ରାର୍ଥନା କରୁଛି । ଧନ୍ୟରେ ପିତା ମାତା।।।

ଧନ୍ୟରେ ପ୍ରଭୁ ତୁମର କି ବିଚିତ୍ର ସୃଷ୍ଟି । ପିତାର ସେହି ନିଃସ୍ୱାର୍ଥପର ଭଲପାଇବା ତା'ପୁଅ କୁ କଣ କେବେ ଫେରେଇ ପାରିବ।।।।।।

Tamil

மாடாவின கனவு

மாடசாமி என்னும் 67 வயது மதிக்கத்தக்க முதியவர் கோயில் துப்புரவு செய்து பிழைக்கும் தொழிலாளி ஒரு மதியான நேரத்தில் நல்ல வெயில் அடிக்கிற டைம் மாடசாமி நல்லா துப்புரவு பண்ணிட்டு கடைசியா தான் பக்கத்தில் உட்கார்ந்து தன் தலையில் வழிந்த வியர்வையை நன்கு துடைத்த பின் சிறிது நேரம் யோசித்திறார் எப்படி தான் குறுக்கு வழியில் செல்வம் சேர்த்து விட வேண்டும் என்கிற வெறு அவரது மனதிற்குள் அப்படியே அவரது

10. 12 अगस्त को सांस्कृतिक कार्यक्रम

भाषा मंच द्वारा अकादमी के म्यूजिक बैंड द्वारा प्रस्तुत गीतों के बोल लिखे गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान भाषा मंच के सहयोग से नाटकों का मंचन भी किया गया।



11. हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता

भाषा मंच ने हिंदी भाषा में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। दो-दो के समूह में विभिन्न प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया। विषय समसामयिक और राष्ट्रीय महत्व के हैं।

12. स्टैंड अप कॉमेडी

हास्य कई बीमारियों के लिए बेहतरीन दवा है। प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रसन्न करने के लिए स्टैंड-अप कॉमेडी नाइट का आयोजन किया गया। कलाकार अकादमी के अंदर और बाहर के विभिन्न पहलुओं पर हास्यपूर्ण तरीके से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

एनआईसी प्रशिक्षण इकाई

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

एनआईसी प्रशिक्षण इकाई द्वारा समन्वय, सत्र डिजाइन, समवर्ती मूल्यांकन और सफल सेवा प्रदायगी ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कौशल आवश्यकताओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने यह कार्य अकादमी की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित संबंधित पाठ्यक्रम समन्वयकों द्वारा साझा की गई पाठ्यक्रम आवश्यकताओं, फीडबैक व प्रशिक्षण आवश्यकताओं के विश्लेषण के अनुसार किया। इसके अलावा, एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, एनआईसी उत्तराखंड, आईटीबीपी और डीआरडीओ के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किया। कुल मिलाकर वर्ष 2023 के दौरान, लगभग 1600 सरकारी अधिकारी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), ई-गवर्नेंस और डिजिटल परिवर्तन पर एनआईसी प्रशिक्षण इकाई द्वारा व्यावहारिक कौशल से लाभान्वित हुए। इसके कुछ इच्छित उद्देश्य हैं: व्यक्तिगत और कार्यालय उत्पादन क्षमता बढ़ाना, डेटा-संचालित निर्णय लेना और इस तरह प्रशिक्षित सरकारी अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर डिजिटल परिवर्तन के प्रयास के लिए आवश्यक अपेक्षाओं को पूरा करना।



एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने सुनिश्चित किया कि सफल ई-गवर्नेंस कार्यान्वयन और उत्पादक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स, कंप्यूटर विज्ञान-आधारित मशीन लर्निंग, जीआईएस और ड्रोन तकनीक के वर्तमान रुझानों के विषय में अकादमी में प्रवेशकालीन और मध्य-अवधि करियर कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को बताया गया। इसके लिए, एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने सरकार में अनुभवी चिकित्सकों के साथ समन्वय किया: केंद्रीय मंत्रालय (एमईआईटीवाई, एनआईसी, एनईजीडी, आयकर, जीएसटी, रेलवे, नीति आयोग), राज्य सरकारें (भूमि अभिलेख, आईटी एजेंसियां, सीएम डैशबोर्ड और अन्य आईटी पहल), पीएसयू/एजेंसियां (राज्य बिजली बोर्ड, स्मार्ट सिटी, बैंक), वैश्विक संगठन (विश्व बैंक, कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी), शैक्षणिक संस्था (सीएमयू आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईएम अहमदाबाद), और उद्योग (एमईआईटीवाई द्वारा सुझाए गए पुरस्कार विजेता टेक स्टार्टअप और

नैसर्काम)। अकादमी ने अतिथि व्याख्यान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों के लिए उनके संबंधित प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया।



एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने यह भी सुनिश्चित किया कि प्रशिक्षण प्रतिभागियों ने सार्वजनिक डेटा को प्रबंधित करने में पर्याप्त व्यावहारिक कौशल अर्जित किए हो। उन्हें प्रशासन और शासन क्षेत्र से संबंधित समस्या विवरणों को हल करने के लिए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त बड़े डेटासेट के विभिन्न डेटा प्रारूपों का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया गया। एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने उन्हें आरडीबीएमएस टूल पर स्ट्रक्चर्ड क्वेरी लैंग्वेज (एसक्यूएल) का उपयोग करके प्रारंभिक डेटा निष्कर्षण और डेटा परिवर्तन का अभ्यास कराया। उन्हें सामान्य स्प्रेडशीट और विजुअलाइज़ेशन टूल का उपयोग करके डेटा सारांश और डेटा विजुअलाइज़ेशन का अभ्यास भी कराया गया। नमूना डेटा का उपयोग करके पूर्वानुमानित मॉडल तैयार करने के लिए उन्हें एआई/एमएल टूल से भी अवगत कराया गया। व्यक्तिगत और टीम के प्रयासों ने उन्हें सार्थक इन्फोग्राफिक्स और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने साथियों के बीच और आमंत्रित सम्मानित अतिथियों के समक्ष अलग-अलग डेटा वृत्तान्त तैयार किए और उन्हें प्रस्तुत किया। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत की राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविन्द, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री गुरमीत सिंह, उत्तराखंड के राज्यपाल, श्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, भारत सरकार के सचिव और राज्य सरकारों, भारतीय क्षमता निर्माण आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने एनआईसी प्रशिक्षण इकाई द्वारा प्रशिक्षित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के ऐसे प्रदर्शनों और प्रस्तुतियों को देखा।



एनआईसी प्रशिक्षण इकाई ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनअकादमी के बैक-ऑफिस संचालन और गतिविधियों के बेहतर स्वचालन में भी योगदान दिया। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण हैं: एनडीसी और एमईआईटीवाई-एम्पैनल्ड क्लाउड में अनुप्रयोगों की ऑन-प्रीमाइसेस तैनाती का योजनाबद्ध स्थानांतरण, अकादमी और एम्स ऋषिकेश के बीच टेली-मेडिसिन सुविधा स्थापित करना, एनईजीडी-प्रायोजित डेटा विश्लेषकों की नियुक्ति और तैनाती, एनआईसीटीयू प्रयोगशाला को सुसज्जित करना। एनआईसीएसआई के माध्यम से खरीदी गई 120 उच्च-स्तरीय मशीनों के साथ अकादमी और सभी सरकारों में सरकारी योजनाओं की लाइव निगरानी को दर्शाने वाले समृद्ध डैशबोर्ड की श्रृंखला विकसित और तैयार की गई है।

राजभाषा

संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए -

भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया गया। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' क्षेत्र के साथ 94.77%, 'ख' क्षेत्र के साथ 92.83% और 'ग' क्षेत्र के साथ 69% पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, इस अकादमी ने हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 46.57% प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। अकादमी के प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की गई तथा यथोचित मार्गदर्शन किया गया।

अकादमी में दिनांक 14 सितंबर से 29 सितंबर 2022 तक दो सप्ताह हिन्दी के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ के लिए भारत सरकार की राजभाषा नीति संबंधी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, आशुभाषण, सभी वर्गों के लिए अलग-अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुतलेखन, यूनिकोड टाइपिंग तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2021-22 के कुल 10 प्रतिभागियों को भी निदेशक महोदय तथा प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा पुरस्कार स्वरूप नकद धनराशि प्रदान की।

इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका 'सृजन' के 10वें अंक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर निदेशक महोदय और प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट किया और सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय द्वारा राजभाषा शील्ड प्रदान की गई।

अकादमी को राजभाषा की प्रगति के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून द्वारा दिनांक 28 जून, 2023 को समिति की बैठक के दौरान द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

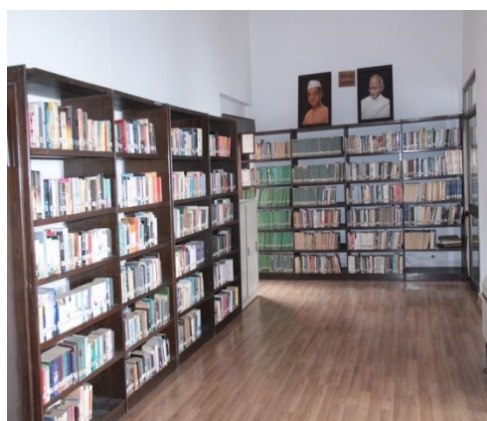
गांधी स्मृति पुस्तकालय

अकादमी में एक समृद्ध पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। इस पुस्तकालय का नाम माहात्मा गांधी के नाम पर 'गांधी स्मृति पुस्तकालय' रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है तथा पुस्तकालय की संपूर्ण पुस्तक सूची ऑनलाइन उपलब्ध हैं। <http://4.240.60.45:70/>

- पुस्तक/सीडी/डीवीडी आरएफआईडी टैग किए गए हैं तथा पुस्तकालय सर्कुलेशन काउंटर का उपयोग किए बिना पुस्तकों को जारी करवाने, रीन्यू करवाने तथा लौटाने के लिए पुस्तकालय पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व-निर्गमन/स्व-वापसी कियोस्क स्थापित किए गए हैं। अकादमी में मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन और ज्ञानशिला भवन के प्रवेश स्थल पर आरएफआईडी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय आए बिना पुस्तक लौटाने के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध है।



पुस्तक संग्रहण



- गांधी स्मृति पुस्तकालय अध्ययन संसाधनों से परिपूर्ण है जिसमें 1.71 लाख दस्तावेज़ हैं जिनमें 1,61,184 पुस्तकें, पत्रिकाओं के 9,497 बाउंड वॉल्यूम्स, 64 ब्रेल पुस्तकें 2,109 ओडियो कैसेट्स, 1,708 विडियो कैसेट्स, 8,496 सीडी/डीवीडी (लेक्चर रिकॉर्डिंग्स, डॉक्यूमेंट्रीज, मूवी) तथा 4,178 डिजिटल दुर्लभ तथा पुरानी पुस्तकें शामिल हैं।
- पुस्तकालय में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थाओं द्वारा प्रकाशित ई-संसाधन (11) समाचार-पत्र (18), पत्रिकाएं (63), विदेशी पत्रिकाएं (8), भारतीय जर्नल (61), तथा ई-जर्नल्स (30) मंगाए जाते हैं।

पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों की सदस्यता लेता है:

- **ईबीएससीओ का बिजनेस सोर्स कॉम्प्लेट:** डेटाबेस 3000 से अधिक पत्रिकाओं/जर्नल लेखों की पूर्ण पाठ सामग्री प्रदान करता है, जिसमें विपणन, प्रबंधन, प्रबंधन सूचना प्रणाली, उत्पादन और संचालन प्रबंधन, लेखांकन, वित्त और अर्थशास्त्र सहित व्यवसाय के विषयों को शामिल किया गया है।
- **पूर्ण पाठ के साथ ईबीएससीओ का इकॉनलिट:** पूंजी बाजार, देश अध्ययन, अर्थमिति, आर्थिक पूर्वानुमान, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, सरकारी विनियम, श्रम अर्थशास्त्र, मौद्रिक सिद्धांत, शहरी अर्थशास्त्र सहित अर्थशास्त्र के सभी क्षेत्रों में पूर्ण-पाठ लेख प्रदान करने वाला डेटाबेस और बहुत कुछ शामिल है।
- **ईबीएससीओ का संपूर्ण राजनीतिक विज्ञान:** डेटाबेस 340 से अधिक पूर्ण-पाठ संदर्भ पुस्तकें और मोनोग्राफ और 44,000 से अधिक पूर्ण-पाठ सम्मेलन पत्र प्रदान करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विज्ञान संघ के लोग शामिल हैं।
- **ईबीएससीओ का सॉकइंडेक्स:** एक व्यापक समाजशास्त्र अनुसंधान डेटाबेस है। इसमें लगभग 900 जर्नल्स की पूरी पाठ्य सामग्री है तथा इसमें 1895 तक के 1500 से अधिक कोर कवरेज जर्नल्स के सूचनापरक सार हैं।
- **इंडियास्टेट:** इसमें भारत और उसके राज्यों के बारे में द्वितीयक स्तर का डेटा अर्थात सामाजिक-आर्थिक सांख्यिकीय डेटा शामिल है।
- **जेएसटीओआर:** मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो-अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त, सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में विद्वत्तापूर्ण जर्नल्स का डिजिटल संग्रह है।
- **इंडियन जर्नल्स.कॉम : (व्यवसाय, अर्थशास्त्र और प्रबंधन)** जिसमें लगभग 52 भारतीय शैक्षणिक पत्रिकाएं और अनुसंधान प्रकाशन शामिल हैं।
- **मनुपात्र :** एक कानूनी डेटाबेस जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी विधि सामग्री भी व्यापक रूप से शामिल है।
- **एससीसी ऑनलाइन:** यह एक कानूनी डाटाबेस है जिसमें उच्चतम न्यायालय, सभी उच्च न्यायालयों, न्यायाधिकरणों और आयोगों आदि से कानूनी मामले, वैधानिक सामग्री और अनेक विदेशी क्षेत्राधिकार और अंतर्राष्ट्रीय सामग्री सम्मिलित है।
- **ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज :** डेटाबेस अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कार्य के लिए मैक्रो – इकोनॉमिक और वित्तीय क्षेत्र की व्यापक श्रृंखला को शामिल करने वाले लगभग तेरह मॉड्यूल की ऑनलाइन श्रृंखला है।
- **ईबीसी रीडर:** ईबीसी रीडर ई-लाइब्रेरी, विधि सामग्री की ईबुक पढ़ने की सुविधा है। ईबीसी रीडर सिंगल सर्च सुविधा के साथ उपलब्ध है जिससे ई-पुस्तकालय के भीतर पुस्तकों, विषयों, वाक्यांशों की खोज कर सकते हैं।
- **लाइव लॉ:** एक कानूनी वेबसाइट।
- **बार एंड बेंच:** एक कानूनी वेबसाइट।
- **मैगज़्टर:** एक समाचार पत्र और पत्रिका डेटाबेस।

- **माईलोफ्ट:** माईलोफ्ट का अर्थ है "माई लाइब्रेरी ऑन फिंगरटिप्स" यह परिसर के बाहर पुस्तकालय संसाधनों को खोजने और उपयोग करने के लिए एक दूरस्थ पहुंच उपकरण है।

इसके अलावा, पुस्तकालय द्वारा मासिक बुलेटिन भी जारी किया जाता है, जिसका नाम है पुस्तकों की नई आवक। चालू वर्ष के दौरान अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक पुस्तकालय में लगभग 2138 पुस्तकें जोड़ी गईं।



कंप्यूटर केंद्र

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी अपनी अधिकांश महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी समाधान का उपयोग कर रही है। अकादमी का परिसर नेटवर्क युक्त है तथा अपने प्रशिक्षण और प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की विश्वसनीयता में वृद्धि कर रहा है। अकादमी में सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के महत्वपूर्ण घटक निम्नानुसार हैं:

- कंप्यूटर सेंटर विभिन्न अनुप्रयोगों का प्रबंधन कर रहा है, कुछ अनुप्रयोगों को क्लाउड में होस्ट किया जा रहा है और कुछ को इन-हाउस होस्ट किया जा रहा है। प्रमुख अनुप्रयोगों की सूची इस प्रकार है:
 - अकादमी वेबसाइट
 - प्रशिक्षण प्रबंधन सॉफ्टवेयर (सरगम)
 - लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (ज्ञान)
 - ई-ऑफिस
 - अकादमी कर्मचारियों के लिए स्पैरो
 - व्यक्तिगत सूचना प्रबंधन प्रणाली
 - ऑनलाइन परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली
 - सीजीएचएस मॉड्यूल
 - डिजिटल एरिना
 - लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर
 - केंद्रीकृत कॉल निगरानी प्रणाली
 - एम्स ऋषिकेश के साथ टेलीमेडिसिन सुविधा
 - ई-एचआरएमएस का कार्यान्वयन (कार्यान्वयन शुरू)
- जीईएम के माध्यम से अकादमी के समस्त कार्मिकों और प्रशिक्षुओं के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद तथा वितरण।
- मौजूदा कंप्यूटर सुविधाओं का विकास और सुदृढीकरण।
- परिसर में इस्तेमाल की जा रही ईआरपी अकादमी के विभिन्न अनुभागों में अकादमी की गतिविधियों के प्रबंधन के लिए विभिन्न मॉड्यूल को कवर कर रही है।
- एम्स ऋषिकेश के साथ टेलीमेडिसिन सुविधा की स्थापना की गई है। यह सुविधा अकादमी के कर्मचारियों और मसूरी के निवासियों के लिए खुली है।
- नेटवर्क डिवाइस, सुरक्षा प्रणाली और लैन (जो मुख्य रूप से यूटीपी आधारित है, लेकिन कक्षाओं में वाई-फाई उपकरणों के साथ एकीकृत किया गया है)।
- कंप्यूटर सेंटर ने अकादमी की वेबसाइट को नया रूप दिया है जो अधिक संवादात्मक और सक्रिय है।
- कंप्यूटर सेंटर कोर्स मैनुअल, प्रशिक्षण कैलेंडर, ब्रोशर, बैनर, पोस्टर, अधिकारी निर्देशिका, संस्मरण, फोटो रोस्टर, अकादमी डायरी और मासिक कैलेंडर आदि को डिजाइन करने में भी कार्य करता है। इसके अलावा कंप्यूटर सेंटर कोर्स प्रतिभागियों के लिए वीडियो फिल्म एडिटिंग और मिक्सिंग संबंधी कार्य भी देखता है। तदुपरांत समापन कार्यक्रम के दौरान फिल्म का प्रदर्शन किया जा रहा है।
- कम्प्यूटर सेंटर पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा परिणाम तैयार करने में परीक्षा नियंत्रक की मदद करता है और जेएनयू में लोक प्रशासन में एमए के परिणाम तैयार करने में भी शामिल है।
- कम्प्यूटर सेंटर समय-समय पर संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न आईटी से संबंधित गतिविधियों के लिए कंप्यूटर सहायता प्रदान करता है।
- अकादमी के पास इंटरनेट के उपयोग के लिए 1 जीबीपीएस राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क लिंक है और साथ ही अतिरिक्त रूप में 100 एमबीपीएस बैकअप लिंक भी है।

- कम्प्यूटर सेंटर विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों और प्रशिक्षु अधिकारियों को लैपटॉप प्रदान करता है। प्रशिक्षु हॉस्टल के कमरों से वाई-फाई और वायर्ड लैन के माध्यम से नेटवर्क तक पहुंच सकते हैं और अपने कौशल को बढ़ाने और नवीनतम सॉफ्टवेयर से परिचित होने के अलावा एक-दूसरे से संवाद कर सकते हैं।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए आयोजित की जा रही आईसीटी कक्षाओं के लिए अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब की स्थापना की गई है।
- कम्प्यूटर सेंटर द्वारा अकादमी के सभी कर्मचारियों को नए सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षित करने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। कम्प्यूटर सेंटर अकादमी के सभी वर्गों को ई-ऑफिस और अन्य अनुप्रयोगों के उपयोग और विशेषताओं के बारे में ऑन-जॉब प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।
- अधिकांश क्लास रूम और कॉन्फ्रेंस हॉल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सुविधा और अन्य वेबिनार सॉफ्टवेयर से सुसज्जित हैं। कोविड अवधि के दौरान कम्प्यूटर सेंटर द्वारा अधिकांश पाठ्यक्रम/कक्षाएं वीसी और अन्य वेबिनार सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ऑनलाइन आयोजित की गईं।
- अकादमी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग लैब की स्थापना की गई है ताकि ऐसा वातावरण तैयार हो जहां प्रशिक्षु अधिकारियों और प्रतिभागियों को डेटा एनालिटिक्स, एआई/एमएल, ड्रोन, आईओटी और अन्य उभरती हुई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा सके।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वित्तीय विवरण

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का बजट आवंटन "मांग संख्या 074 - कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय" के तहत किया जाता है। प्रावधान में गैर-योजना (राजस्व) के तहत स्थापना संबंधी व्यय शामिल है। बुनियादी ढांचे से संबंधित व्यय योजना (राजस्व) और योजना (पूँजी) के तहत प्रदान किया जाता है। बजट आवंटन अकादमी की विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे फाउंडेशन पाठ्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि शामिल हैं। अकादमी में बुनियादी ढांचे में सुधार एवं आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए योजना (पूँजी) और योजना (राजस्व) के तहत आवंटन किया जाता है।

वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24 के लिए वास्तविक व्यय और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवंटन का विवरण इस प्रकार है:

(आंकड़ा हजारों में)

क्रम संख्या.	गैर-योजना(राजस्व) स्थापना	वास्तविक व्यय			बजट आवंटन
		2020-21	2021-22	2022-23 (23 जनवरी तक, 2023)	2023-24

1.	वेतन	1,62,877	1,62,235	1,49,963	2,15,080
2.	मजूदरी	33,495	36,498	37,840	46,000
3.	ओवरटाइम भत्ता	0	0	0	50
4.	चिकित्सा उपचार	4,480	5,145	4,977	6,000
5.	घरेलू यात्रा व्यय	5,996	5,725	3,413	6,600
6.	विदेश यात्रा व्यय	84	0	40	500
7.	कार्यालय का व्यय	88,950	85,528	87,727	90,000
8.	किराया, दरें और कर	1,998	1,964	1,574	3,000
9.	प्रकाशन	350	636	382	650
10.	अन्य प्रशासनिक व्यय	200	199	190	300
11.	गौण कार्य	1,500	1,500	0	2500
12.	पेशेवर सेवाएं	1,22,500	1,48,796	1,55,242	1,70,000
13.	सरकार से प्राप्त	500	500	0	500
14.	अन्य शुल्क	5,200	3,999	3,479	4300
15.	वेतन	1,660	3,506	2,441	3920
16.	ओवरटाइम भत्ते	-	0	0	50
17.	चिकित्सा उपचार	31	134	95	250
18.	अन्य शुल्क (इंफ्र.टेक)	597	596	560	600
19.	स्वच्छता कार्य योजना	597	593	432	700
20.	पेशेवर सेवाएं	9,000	59,999	54,523	65,000
	कुल (गैर-योजना)	4,40,015	5,17,553	5,02,878	6,16,000
21.	योजना (राजस्व)	1,10,000	1,14,000	1,15,484	1,20,000
22.	योजना (पूँजी)	2,84,400	2,45,000	1,77,091	3,67,900
	कुल योग	8,34,415	8,76,553	7,95,453	11,03,900

संकाय सदस्य तथा कर्मचारी कौशल विकास कार्यक्रम

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों के कौशल, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए व्यवस्थित प्रक्रिया उपलब्ध है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा देश-विदेश के प्रख्यात संस्थानों में संकाय सदस्यों को भेजा जाता है। संकाय सदस्य विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों को नामित किया गया।

संकाय सदस्य का नाम (श्री/सुश्री/डॉ.)	उद्देश्य/पाठ्यक्रम पूरा हो गया	अवधि
सुनीता रानी	एफआईआर बी प्रमाणन कार्यक्रम	21 –22 अप्रैल, 2022
संजय जोशी	यू.लैब: एमआईटी, यूएसए से उभरते भविष्य से सीखना	21 मई, 2022
सुनीता रानी	गेट लर्न्ड फिट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से ट्रांसफर डिजाइनर प्रमाणीकरण	18 अक्टूबर – 4 नवंबर, 2022
अनुपम तलवार	नेतृत्व में महिलाएँ: कॉर्नेल विश्वविद्यालय से कॉर्नेल प्रमाणपत्र कार्यक्रम	
सरफराज हुसैन खान	केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय – अभिमुखी कार्यक्रम (ऑनलाइन)	10 – 14 अक्टूबर, 2022
सरफराज हुसैन खान	केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय – गहन हिन्दी कार्यशाला (ऑनलाइन)	05 – 09 दिसंबर, 2022
आनंदी	द हेग एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नीदरलैंड्स में अंतर्राष्ट्रीय कानून पर शीतकालीन पाठ्यक्रम	09 – 27 जनवरी, 2023
सरफराज हुसैन खान	भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	19 – 21 जनवरी, 2023
छवि भारद्वाज	एमआईटीएक्स से सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए डेटा विश्लेषण	31 जनवरी, 2023
सौजन्या	एमआईटीएक्स से सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए डेटा विश्लेषण	31 जनवरी, 2023

27 कर्मचारी	एक सप्ताह का क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, सरकार में संस्थान प्रबंधन, तिरुवनंतपुरम	16 -20 जनवरी, 2023
29 कर्मचारी	एक सप्ताह का क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, (यशदा), पुणे	06 – 10 फरवरी, 2023

प्रकाशन:

अकादमी 1961 से "द एडमिनिस्ट्रेशन" का प्रकाशन कर रही है। आधे से ज्यादा शताब्दी इस पत्रिका ने क्षेत्र में अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को बांटने के लिए सिविल सेवकों और शिक्षाविदों को क्षेत्र में अपने अनुभवों से प्राप्त ज्ञान को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया है। योगदानकर्ता मुख्य रूप से सिविल सेवक रहे हैं, लेकिन विशेष रूप से ऐसा नहीं है। पत्रिका को बुद्धिजीवियों, विद्वानों और प्रतिष्ठित सार्वजनिक हस्तियों से योगदान मिलता रहा है जिन्होंने लोक प्रशासन, सार्वजनिक नीति आदि के क्षेत्रों में अपने ज्ञान को लागू किया है। 2022-23 में अकादमी ने सामान्य संस्करण निकाले।

शिष्टमंडल/टीम जिन्होंने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का दौरा किया

विभिन्न संस्थानों के छात्र विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी तथा विभिन्न राष्ट्रों के प्रतिनिधिमंडल प्रत्येक वर्ष अकादमी का दौरा करते हैं। यह एक पारस्परिक जानार्जन अनुभव होता है। ऐसे पारस्परिक कार्यक्रम से अकादमी के साथ-साथ आगंतुक भी लाभान्वित होते हैं। वर्ष 2022-2023 के दौरान केवल निम्नलिखित दौरा आयोजित किया गया:

01.04.2022 से 31.03.2023 तक सुरक्षा अनुभाग द्वारा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में आयोजित किए जा रहे विभिन्न स्कूलों/संस्थानों के दौरे का विवरण

क्र. संख्या.	संस्थान का नाम और पता	टिप्पणी
1.	04.05.2022 को आईटीबीपी अकादमी मसूरी के 47 अधिकारियों का दौरा।	-
2.	01.12.2022 को जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 37 प्रतिभागियों का दौरा	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
3.	17.12.2023 को बांग्लादेश के सिविल सेवकों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 39 प्रतिभागियों का दौरा	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
4.	17.12.2023 को मालदीव के सिविल सेवकों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 27 प्रतिभागियों का दौरा	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
5.	दिनांक 29.12.2023 को उत्तराखंड शैक्षणिक संस्थान के 20 छात्रों का भ्रमण	-
6.	दिनांक 09.01.2023 को मुख्य विकास अधिकारी देहरादून द्वारा अनुशंसित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत 45	-

	छात्र-छात्राओं का भ्रमण।	
7.	14.01.2023 को अरुणाचल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 30 प्रतिभागियों का दौरा।	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
8.	15.01.2023 को बांग्लादेश से अकादमी के दोरे के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 42 प्रतिभागियों का दौरा।	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
9.	29.01.2023 को पंडित दीनदयाल उर्जा विश्वविद्यालय गांधीनगर गुजरात के 53 छात्रों का भ्रमण।	-
10.	11.02.2023 को जम्मू और कश्मीर के सिविल सेवकों के लिए 50वें क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 38 प्रतिभागियों का दौरा	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
11.	03.03.2023 को बांग्लादेश के सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 40 प्रतिभागियों का दौरा।	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
12.	04.03.2023 को अरुणाचल प्रदेश के सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 29 प्रतिभागियों का दौरा।	एनसीजीजी, मसूरी के अनुरोध पर
13.	25.03.2023 को लोक नीति, हौज खास, दिल्ली के इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के 30 छात्र	-

परिशिष्ट-1: भौतिक अवसंरचना

क.	कक्षा/व्याख्यान/सम्मेलन कक्ष	क्षमता
1.	डॉ. संपूर्णानंद ऑडिटोरियम	469 सीटें
2.	अम्बेडकर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	158 सीटें
3.	टैगोर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	190 सीटें
4.	विवेकानंद हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	190 सीटें
5.	होमी भाभा कंप्यूटर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	108 टर्मिनल्स
6.	सम्मेलन कक्ष (कर्मशिला ब्लॉक)	35 सीटें
7.	गोविन्द वल्लभ पंत हॉल (कर्मशिला ब्लॉक)	115 सीटें
8.	नेहरू ऑडिटोरियम (ज्ञानशिला ब्लॉक)	110 सीटें
9.	सेमिनार कक्ष 2 - 5 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	06 (राउंड टेबल) प्रत्येक में कुल 30 सीटें
10.	सेमिनार कक्ष 1 और 6 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	प्रत्येक में 65 सीटें
11.	सेमिनार कक्ष 7 -12 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	12 (राउंड टेबल प्रत्येक)
12.	सेमिनार कक्ष ए और बी (ज्ञानशिला ब्लॉक)	प्रत्येक में 55 सीटें
ख. छात्रावास/आवास		
1.	ब्रह्मपुत्र निवास	12 कमरे
2.	गंगा छात्रावास	78 कमरे
3.	हैप्पी वैली छात्रावास	25 कमरे
4.	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	20 कमरे
5.	कालिंदी अतिथि गृह	21 कमरे
6.	कावेरी छात्रावास	33 कमरे
7.	महानदी छात्रावास	39 कमरे
8.	नर्मदा छात्रावास	22 कमरे
9.	सिल्वरवुड छात्रावास	54 कमरे

10.	वैली व्यू होस्टल (इंदिरा भवन)	48 कमरे
11.	ज्ञानशिला	06 कमरे
12.	मोनास्ट्री एस्टेट हॉस्टल	469 सीटें

परिशिष्ट-2: हमारे निदेशक एवं संयुक्त निदेशक

अकादमी का नेतृत्व भारत सरकार के सचिव रैंक के अधिकारी द्वारा किया जाता है। अकादमी में सेवा के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा इसका शीर्ष कार्यभार संभाला गया। अकादमी के आरंभ से इसके निदेशकों तथा संयुक्त निदेशकों की सूची निम्न प्रकार से है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के निदेशक

क्र.स.	नाम	अवधि
1.	श्री ए.एन. झा, आई.सी.एस	01.09.1959 to 30.09.1962
2.	श्री एस.के. दत्ता, आई.सी.एस	13.08.1963 to 02.07. 1965
3.	श्री एम.जी. पिम्पुटकर, आई.सी.एस	04.09. 1965 to 29.04.1968
4.	श्री के.के. दास, आई.सी.एस	12.07.1968 to 24.02.1969
5.	श्री डी.डी. साठे, आई.सी.एस	19.03.1969 to 11.05.1973
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, आईएएस	11.05.1973 to 11.04.1977
7.	श्री बी.सी. माथुर, आईएएस	17.05.1977 to 23.07.1977
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, आईएएस	23.07.1977 to 30.06.1980
9.	श्री पी.एस. अप्पू, आईएएस	02.08.1980 to 01.03.1982
10.	श्री आई.सी. पुरी, आईएएस	16.06.1982 to 11.10.1982
11.	श्री आर.के. शास्त्री, आईएएस	09.11.1982 to 27.02.1984
12.	श्री के. रामानुजम, आईएएस	27.02.1984 to 24.02.1985
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, आईएएस	06.06.1985 to 29.04.1988
14.	श्री बी.एन. युगांधर, आईएएस	26.05.1988 to 25.01.1993
15.	श्री एन.सी.सक्सेना, आईएएस	25.05.1993 to 06.10.1996
16.	श्री बी.एस. बसवान, आईएएस	06.10.1996 to 08.11.2000
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, आईएएस	08.11.2000 to 13.01.2003

18.	श्री बिनोद कुमार, आईएएस	20.01.2003 to 15.10. 2004
19.	श्री डी.एस.माथुर, आईएएस	29.10.2004 to 06.04.2006
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, आईएएस	06.04.2006 to 20.09.2009
21.	श्री पदमवीर सिंह, आईएएस	02.09.2009 to 28.02.2014
22.	श्री राजीव कपूर, आईएएस	20.05.2014 to 9.12.2016
23.	सुश्री उपमा चौधरी, आईएएस	11.12.2016 to 31.12.2018
24.	डॉ. संजीव चोपड़ा, आईएएस	01.01.2019 to 31.03.2021
25.	श्री लोक रंजन, आईएएस	15.04.2021 to 04.09.2021
26.	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, आईएएस	05.09.2021 to

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के संयुक्त निदेशक

क्र. सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जे.सी. अग्रवाल	19.06.1965 से 07.01.1967
2.	श्री टी.एन. चतुर्वेदी	27.07.1967 से 09.02.1971
3.	श्री एस.एस.बिसेन	01.04.1971 से 09.09.1972
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन	20.09.1972 से 05.12.1973
5.	श्री एच.एस. दुबे	03.03.1974 से 18.12.1976
6.	श्री एस.आर. एडिगे	12.05.1977 से 07.01.1980
7.	श्री एस.सी. वैश	07.01.1980 से 07.07.1983
8.	श्री एस. पार्थसारथी	18.05.1984 से 10.09.1987
9.	श्री ललित माथुर	10.09.1987 से 01.06.1991
10.	डॉ. वी.के. अग्निहोत्री	31.08.1992 से 26.04.1998
11.	श्री बिनोद कुमार	27.04.1998 से 28.06.2002
12.	श्री रुद्र गंगाधरन	23.11.2004 से 06.04.2006
13.	श्री पदमवीर सिंह	12.03.2007 से 02.02.2009
14.	श्री पी.के. गेरा	24.05.2010 से 20.05.2012
15.	श्री संजीव चोपड़ा	09.09.2010 से 05.12.2014

16.	श्री दुष्यन्त नरियाला	24.12.2012 से 16.01.2016
17.	सुश्री रंजना चोपड़ा	06.08.2013 से 15.12.2014
18.	श्री तेजवीर सिंह	06.08.2013 to 31.3.2017
19.	सुश्री जसप्रीत तलवार	24.10.2014 to 31.3.2017
20.	सुश्री आरती आहूजा (विशेष निदेशक)	19.07.2017 to 19.05.2020
21.	श्री मनोज आहूजा (विशेष निदेशक)	06.11.2017 to 19.05.2020
22.	सुश्री राधिका रस्तोगी (विशेष निदेशक)	01.09.2021 to 27.03.2023

परिशिष्ट-3: आईएस चरण-2 (2020 बैच) में प्रतिभागी

राज्य से प्रतिभागी	पुरुष	महिला	प्रतिभागियों
अगमुट	06	06	12
आंध्र प्रदेश	08	03	11
असम-मेघालय	04	04	08
बिहार	05	02	07
छत्तीसगढ़	04	03	07
गुजरात	04	04	08
हरियाणा	04	01	05
हिमाचल प्रदेश	04	00	04
झारखंड	05	01	06
कर्नाटक	07	01	08
केरल	06	03	09
मध्य प्रदेश	07	01	08
महाराष्ट्र	07	03	10
मणिपुर	01	00	01
ओडिशा	04	01	05
पंजाब	03	01	04
राजस्थान	04	02	06
रॉयल भूटान सिविल सेवा	02	01	03
सिक्किम	00	01	01
तमिलनाडु	07	05	12
त्रिपुरा	04	00	04
तेलंगाना	06	02	08
उत्तर प्रदेश	12	04	16
उत्तराखंड	02	00	02
पश्चिम बंगाल	12	03	14
कुल	128	52	180

**परिशिष्ट-4: 97वें फाउंडेशन कोर्स में प्रतिभागी
सेवा के अनुसार विवरण**

सेवा	पुरुष	महिला	कुल योग
भारतीय प्रशासनिक सेवा	127	50	177
भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा	04	03	07
भारतीय सिविल लेखा सेवा	05	00	05
भारतीय कॉर्पोरेट कानून सेवा	02	02	04
भारतीय रक्षा लेखा सेवा	11	03	14
भारतीय रक्षा संपदा सेवा	02	00	02
भारतीय विदेश सेवा	22	12	34
भारतीय वन सेवा	45	05	50
भारतीय सूचना सेवा	01	00	01
भारतीय पुलिस सेवा	65	33	98
भारतीय डाक सेवा	03	03	06
भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क)	10	10	20
भारतीय राजस्व सेवा (आईटी)	15	11	26
रॉयल भूटान सिविल सेवा	02	01	03
रॉयल भूटान वन सेवा	02	00	02
रॉयल भूटान पुलिस सेवा	06	00	06
कुल योग	322	133	455

परिशिष्ट-5: आईएस चरण- I (2022 बैच) में प्रतिभागी

राज्य से प्रतिभागी	पुरुष	महिला	प्रतिभागियों
अगमुट	13	02	15
आंध्र प्रदेश	07	03	10
असम-मेघालय	06	03	09
बिहार	07	03	10
छत्तीसगढ़	02	01	03
गुजरात	06	03	09
हरियाणा	04	02	06
हिमाचल प्रदेश	02	00	02
झारखंड	02	04	06
कर्नाटक	03	01	04
केरल	08	01	09
मध्य प्रदेश	06	02	08
महाराष्ट्र	09	04	13
राज्य से प्रतिभागी	पुरुष	महिला	प्रतिभागियों
मणिपुर	04	01	05
नागालैंड	01	00	01
ओडिशा	04	02	06
पंजाब	04	01	05
राजस्थान	07	02	09
रॉयल भूटान सिविल सेवा	02	01	03
सिक्किम	02	00	02
तमिलनाडु	07	03	10
त्रिपुरा	03	02	05
तेलंगाना	04	02	06
उत्तर प्रदेश	09	05	14
उत्तराखंड	02	00	02
पश्चिम बंगाल	08	04	12
कुल	132	52	184

परिशिष्ट-6: आईएस अधिकारियों के लिए 124वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम

राज्य	महिला	पुरुष	अधिकारियों की संख्या
अगमुट	2	16	18
आंध्र प्रदेश		4	4
असम-मेघालय	3	2	5
छत्तीसगढ़	3	5	8
गुजरात		11	11
हरियाणा		4	4
हिमाचल प्रदेश	2	4	6
झारखंड	1	2	3
कर्नाटक	2	1	3
केरल		2	2
मध्य प्रदेश	3	4	7
महाराष्ट्र	1	16	17
मणिपुर	1	2	3
ओडिशा	1	5	6
पंजाब	1	6	7
राजस्थान	5	10	15
तमिलनाडु		2	2
उत्तराखंड		5	5
पश्चिम बंगाल	1	2	3
कुल योग	26	103	129

परिशिष्ट-7: दूसरे संयुक्त मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

प्रतिभागियों का विवरण

सेवा	महिला	पुरुष	कुल
आईएएस	2	3	5
आईएस	4	16	20
आईसीएस	1	4	5
आईडीएस	3	2	5
आईडीईएस		1	1
आईएफएस		2	2
आईएफएस (एआईएस)		5	5
आईआईएस	2	2	4
आईओएस	4	2	6
आईपीओएस	3	1	4
आईपीएस	2	13	15
आईपीटीएफएस	1		1
आईआरएस		5	5
आईआरपीएस	2	3	5
आईआरएस (सी एंड आईटी)	3	9	12
आईआरएस (आईटी)	4	20	24
आईआरटीएस	1	7	8
आईएसएस	3		3
कुल योग	35	95	130

परिशिष्ट-8: राष्ट्रीय सुरक्षा पर 28वें संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम में प्रतिभागी

सेवा	महिला	पुरुष	कुल
बीएसएफ		2	2
कैबिनेट सचिवालय		1	1
सीआरपीएफ		1	1
मुख्यालय आईडीएस		1	1
आईएसएस		2	2
आईबी		1	1
आईडीएस/सीबीआई		1	1
इंडस		1	1
आईएफओएस		2	2
भारतीय विदेश सेवा		1	1
आईआईएस		1	1
भारतीय वायु सेना		3	3
भारतीय सेना		5	5
भारतीय तट रक्षक		2	2
भारतीय नौसेना		3	3
आईपीएस		4	4
आईआरएस (सी एंड आईटी)		4	4
आईआरएस (आईटी)		3	3
आईआरटीएस	1		1
आई टी बी पी		2	2
एनएसजी		1	1
एसएसबी		1	1
वैज्ञानिक	1	3	4
कुल योग	2	45	47

परिशिष्ट-8: अकादमी में संकाय सदस्य और प्रशासन

वर्ष के दौरान लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में संकाय सदस्य और अन्य अधिकारी

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, आईएएस	निदेशक
2.	सुश्री सौजन्या, आईएएस	संयुक्त निदेशक
3.	सुश्री आनंदी, आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
4.	सुश्री छवि भारद्वाज, आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
5.	श्री नंद कुमारम, आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
6.	श्री अभिराम जी शंकर, आईएएस	उप निदेशक
7.	श्री दिशा पन्नू, आईपीओएस	उप निदेशक
8.	श्री शैलेश नवाल, आईएएस	उप निदेशक
9.	सुश्री अनुपम तलवार, आईडीईएस	उप निदेशक
10.	सुश्री एकता उनियाल	सहायक निदेशक
11.	श्री रोमियो विसेंट टेरे	सहायक निदेशक
12.	श्री हरि प्रकाश, आई.ए.ए.एस	प्रोफेसर, प्रबंधन
13.	डॉ. सुनीता रानी	प्रोफेसर सामाजिक प्रबंधन
14.	डॉ. संजय जे जोशी	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत और संवैधानिक विधि
15.	श्री नितेश कुमार झा, आईआईएस	रीडर, राजनीतिक सिद्धांत और संवैधानिक विधि
16.	सुश्री भावना पोरवाल	सहायक आचार्य, हिंदी
17.	श्री राजेश कपूर	सहायक निदेशक, राजभाषा
18.	श्री सरफराज हुसैन खान	हिन्दी अनुदेशक
19.	श्री अरशद एम. नंदन	भाषा अनुदेशक (पंजाबी)
20.	श्री के. बृजभासी सिंघा	भाषा अनुदेशक (असमिया या मणिपुरी)
21.	श्री जसमेल सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
22.	संग्राम सिंह	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक
23.	श्री राजेंद्र सिंह बिष्ट	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
24.	श्री शोभित कौशिक	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक

अन्य अधिकारी (31/03/2023)

क्र.संख्या.	नाम	पदनाम पद पदनामनामपदhjhhh
1.	श्री विजेन्द्र सिंह राणा	प्रधान निजी सचिव
2.	श्री एम. जगदीश्वर राव	मेडिकल अधिकारी
3.	श्री लक्ष्मी प्रसाद	वरिष्ठ निजी सचिव
4.	श्री कैलाश चन्द्र	प्रशासनिक अधिकारी
5.	श्री पवन कुमार पाल	प्रशासनिक अधिकारी (संपदा)
6.	श्री प्रकाश सिंह डसीला	प्रशासनिक अधिकारी लेखा

7.	श्री राम मिलन केवट	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
8.	श्री एस.के. भारती	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
9.	श्री राजेंद्र बिस्ट	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
10.	श्री मुकेश कुमार गर्ग	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
11.	श्री राकेश चंद्रा	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
12.	श्री सी.एस.सुब्बुराज	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
13.	श्री नरेश कुमार गुप्ता	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
14.	सुश्री प्रमिला बहुगुणा	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
15.	श्री एन.एल बुनकर	निजी सचिव
16.	श्री एम.के. त्यागी	निजी सचिव
17.	श्री सुनील नेगी	निजी सचिव
18.	श्री नीरज कुमार	निजी सचिव
19.	सुश्री दर्शनी	निजी सचिव

वर्ष 2022-2023 के दौरान अकादमी से कार्यमुक्त हुए अधिकारी

क्र.सं.	नाम	कार्यमुक्त होने की तिथि
1.	सुश्री अश्वथी एस	28/06/2022
2.	सुश्री गौरी पराशर जोशी	08/08/2022
3.	श्री विजय बाबू वसंत	22/09/2022
4.	श्री हरि लाल चौहान	26/09/2022
5.	सुश्री मोनिका धामी	06/01/2023
6.	सुश्री राधिका रस्तोगी	27/03/2023
7.	डॉ.अभिषेक कुमार	09/01/2023

वर्ष 2022-2023 के दौरान अकादमी से सेवानिवृत्त स्टाफ

क्र.सं.	नाम	कार्यमुक्त होने की तिथि
1.	श्री रमेश कुमार, पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी	31/05/2022
2.	श्री रमेश, एमटीएस	31/07/2022
3.	श्री पुष्कर सिंह, सहायक प्रशासनिक अधिकारी	28/02/2023
4.	श्री धर्म दास, सीनियर मशीन मैन	06/09/2022, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

Annual Report

2022-2023



Contents

Contents.....	2
Academy Mission & Core Values Mission.....	1
Core Values.....	1
Serve the Underprivileged.....	1
Integrity	1
Respect	1
Professionalism	2
Collaboration	2
An Introduction.....	3
Genesis & Growth	3
Chronology.....	3
Training Methodology.....	4
Field visits	6
Promoting ‘Esprit-de-Corps’	6
Campus.....	6
TRAINING PROGRAMMES DURING 2022-2023.....	8
COURSES AND ACTIVITIES – HIGHLIGHTS	11
Introduction	11
IAS Professional Course Phase II (6 Weeks) (2020 batch)	12
Course Aim	12
Course Objectives	13
Course Design	13
Course Coordinator’s Report	13
Evaluation.....	16
Physical fitness and the Outdoors	16
97th Foundation Course (15 Weeks).....	20
Course Aims.....	21
Course Objectives	21
Course Design	21
Academic Inputs.....	22
Participants in 97 th Foundation Course	26
IAS Professional Course Phase-I (2022 Batch)	27
Course Aims.....	27
Course Objectives	27
Course Design	28
Academic Inputs.....	28
Our Motto.....	30
Our Mission: Mission Karmayogi	31
Core Values	32
The recast LBSNAA	32

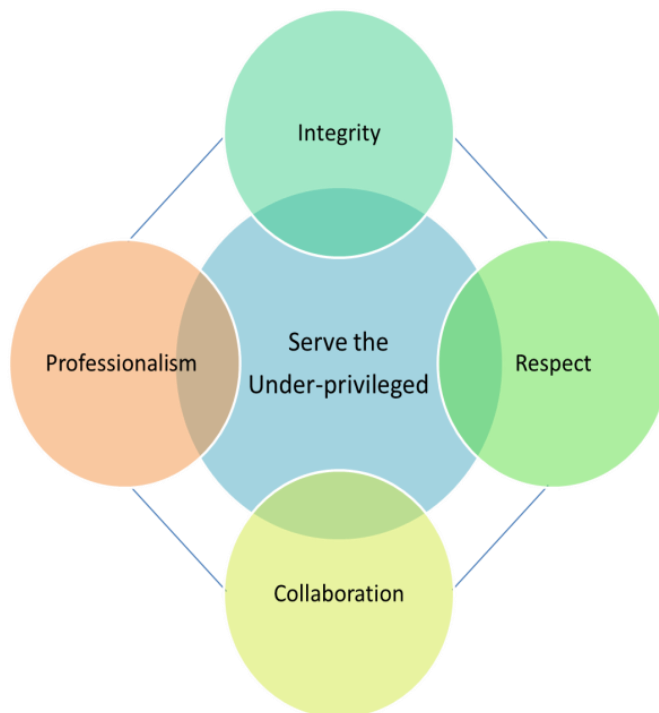
Aims and objectives of the Parvatmala Learning Arena:	34
Outdoor & Extra-Curricular Activities.....	39
District Training of 2021 Batch (53 Weeks)	42
Mid- Career Training Program for IAS Officers	43
16th Round of Phase-IV of MCTP (4 Weeks).....	43
Course Aim	43
Course Objectives	43
Evaluation of Participants	45
Course Coordinator's remarks	45
Induction Training for Officers of the State Civil Services Promoted to IAS (4 Weeks).....	47
124th Induction Training Programme for IAS Officers	47
Course Objectives	47
Course Design	48
Weekend Modules	48
Bharat Darshan	49
Course Coordinator's Report	49
Details of the Participants	50
2nd Common Mid-Career Training Programme.....	52
Course Aim	52
Course Objectives	52
Course Design	52
28th Joint Civil Military Programme	54
Introduction of the Course.....	54
Objectives, Course Activities and Highlights	54
Group photo of 28 th JCM Training Programme	56
Service-wise breakup of participants in 28 th JCM	56
Research Centres	57
Center for Disaster Management (CDM).....	57
B N YUGANDHAR CENTRE FOR STUDIES	76
National Gender and Child Centre (NGCC)	87
Sardar Patel Leadership Centre	89
Centre for Food Planet Health (CFPH)	91
Clubs and Societies	98
Adventure Sports Club	98
Computer Society	99
Film Society	99
Fine Arts Society	100
Hobbies Club	101
Innovation Club –LBSNAA	101
Officers' Club.....	103
Rifle And Archery Club	104
Society for Contemporary Affairs	108

Report on the Activities of the Society for Social Services	110
Rahul Sankrityayan Bhasha Manch	116
NIC Training Unit (NICTU)	122
राजभाषा.....	125
Gandhi Smriti Library	127
COMPUTER CENTRE.....	129
Financial Statement of LBSNAA.....	130
Faculty & Staff Skill Development Program	132
Publications:	133
Delegations/Teams that visited LBNSAA:	133
Annexure-1: Physical Infrastructure	135
Annexure-2: Our Directors and Joint Directors.....	136
Joint Directors of LBSNAA	137
Annexure-3: Participants in IAS Phase-II (2020 Batch).....	138
Annexure-4: Participants in 97th Foundation Course	139
Annexure-5: Participants in IAS Phase-I (2022 Batch).....	139
Annexure-6: 124th Induction Training Programme for IAS Officers.....	140
Annexure-7: Participants in 2nd Common Mid-Career Training Programme.....	141
Annexure-8: Participants in 28th Joint Civil Military program on National Security.	142
Annexure-8: Faculty & Administration in the Academy	143

Academy Mission & Core Values Mission

“We seek to promote good governance by providing quality training towards building a professional and responsive civil service in a caring, ethical and transparent framework.”

Core Values



Serve the Underprivileged

“Be humane in your approach while dealing with people; be the voice of the underprivileged and be proactive in addressing any injustice against them. You can achieve success in this Specialize if you act with integrity, respect, professionalism and collaboration”.

Integrity

“Be consistent in your thoughts, words and actions which will make you trustworthy. Have courage of conviction and always speak the truth to even the most powerful, without fear. Never ever tolerate any degree of corruption, be it in cash, kind or intellectual honesty”.

Respect

“Embrace diversity of caste, religion, colour, gender, age, language, region, ideology and socio-economic status. Reach out to all with humility and empathy. Be emotionally stable; grow with confidence and without arrogance”.

Professionalism

“Be judicious and apolitical in your approach; be professional and completely committed to your job with a bias for action and results; and continuously pursue improvement and excellence”.

Collaboration

“Collaborate in thoughts and actions by engaging deeply with all to evolve consensus. Encourage others, promote team spirit and be open to learning from others. Take initiative and own responsibility”.

An Introduction

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie under the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions (Department of Personnel & Training) is the premier training institute for the civil services in India. It is headed by the Director, who is an officer of the level of Secretary to the Government of India.

LBSNAA conducts various training modules for civil servants posted at different ranks. A Foundation Course is held for the young entrants to the All India Services and other central Services. This is followed by a professional training of recruits to the Indian Administrative Service (IAS) including members of the Royal Bhutan Administrative Service. The Academy also conducts the Mid-Career Training Program (MCTP) for members of the IAS and an Induction Training Program for officers promoted to the IAS from the state civil services. Along with this, workshops and seminars on policy issues are also conducted at the Academy at regular intervals.

Genesis & Growth

On April 15, 1958 the then Home Minister announced in the Lok Sabha a proposal to set up a National Academy of Administration where all the recruits of the senior civil services were to be given training in administration. The Ministry of Home Affairs decided to merge the IAS Training School, Delhi and the IAS Staff College, Shimla to form the National Academy of Administration at Mussoorie. The Academy was set up in 1959 and was called the 'National Academy of Administration'. For a few years it functioned under the Ministry of Home Affairs. In October 1972, it was renamed "Lal Bahadur Shastri Academy of Administration" and in July 1973, the word "National" was added and today the Academy is known as the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration.

Chronology

1958	Announcement in the Lok Sabha by the Union Home Minister Pandit Govind Ballabh Pant to set up the National Academy of Administration.
1959	Academy established in Mussoorie along with Director's Office, Language Block (later renamed Charleville after renovation), Sardar Patel Hall (SPH) and Happy Valley Guest House.
1960	A common FC for IAS, IFS and other Central Services was introduced.
1969	Sandwich pattern of training introduced in the Academy which included Phase-I, District Training in the respective State Cadres followed by Phase-II.
1970	Academy functioned under the Ministry of Home Affairs from the date of inception till 1970 and again from 1977 to 1985.
1970-1977	Academy functioned under Cabinet Secretariat.
1972	Name changed to "Lal Bahadur Shastri Academy of Administration".
1973	Subsequently, the word "National" was added and it became "Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration".
1975-1978	Ganga, Kaveri and Narmada hostels constructed.

1984	In May, 1984, a portion of the Campus which housed the Officers' Mess, the Library, VIP Guest House, Director's Residence etc., was destroyed in a fire accident.
1985	Academy began functioning under the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions, Government of India.
1988	NIC Training Unit established.
1989	Centre for Rural Studies (initially called the Land Reform Unit) established.
1991	In October, 1991, the Uttarkashi earthquake severely damaged the Ladies' Block and the G.B. Pant Block, and on these two sites, 'Dhruvshila' and 'Kalindi Guest House' came up.
1991	Sampoornanand Auditorium was constructed by UP Government and named after the second Chief Minister of the State.
1992	Karmashila Building was inaugurated by the then Vice President of India Mr. K.R. Narayanan.
1995	National Gender Centre, a registered society the under Societies Registration Act-1860, was set up.
1996	Kalindi Bhavan inaugurated by the then Union Minister of State for Personnel, Public Grievances, Pensions and Parliamentary Affairs Mr. S.R. Balasubramaniam.
1996	Dhruvshila inaugurated by the then Minister of State for Personnel, Public Grievances, Pensions and Parliamentary Affairs Mr. S.R. Balasubramaniam.
2004	Hospital Block inaugurated by the then Minister of Home Affairs Mr. Shivraj V. Patil.
2004	Centre for Disaster Management inaugurated.
2010	Gyanshila Building made operational. Silverwood Executive Hostel was inaugurated.
2012	Mahanadi Executive Hostel was inaugurated.
2014	National Centre for Leadership Development & Competency Assessment (NCLDCA) a registered society under the Societies Registration Act-1860, was set up.
2015	Aadharshila Block inaugurated by the Minister of State for Personnel, Public Grievances and Pensions Dr. Jitendra Singh.
2016	Originally established as Centre for Cooperatives & Rural Development in 1995, it was renamed the Centre for Public Systems Management (CPSM).
2021	Sardar Patel Leadership Centre was set up

Training Methodology

The effort of the Academy is to help create a bureaucracy that commands respect by performance rather than through position. To ensure that the academic curriculum is relevant, it is periodically reviewed and updated. This is done through the mechanism of consultation with the state governments, feedback of the participants and the recommendations of the committees set up by government for the purpose. Various departments of the central government are also consulted from time to time. Several new methodologies are used as the conventional classroom teaching methodology is not always the most effective mode to make an impact on attitudes and values of trainees. Most courses operate on a modular structure, whereby relevant themes are chosen and dealt with, in a consolidated manner to ensure that all aspects of a particular issue are addressed.

A module consists of all or some of the following methodologies: -

- **Lectures by both in-house and guest faculty**
- **Panel discussions to promote appreciation of divergent opinions and views**
- **Case Studies**
- **Films**
- **Group discussions**
- **Simulation exercise**
- **Seminars**
- **Moot Court and Mock Trial**
- **Order and Judgement Writing Practice**
- **Practical demonstration**
- **Problem Solving Exercises**
- **Report Writing (Term Paper)**
- **Group Work**

Field visits

Trek to the Himalayas

During such treks the Officer Trainees face conditions of difficult terrain, unpredictable weather, insufficient accommodation and limited access to food items, as a result the true mettle of the Officer Trainees is tested and is strengthened.

Visit to villages in backward districts

These visits facilitate the Officer Trainees 'understanding of the problems and the realities of village life. Through these field visits and interaction with the beneficiaries, active research on the impact of government programmes on the society is also taken up.



Promoting 'Esprit-de-Corps'

All the officer trainees of the All India Services and Central Services Group-'A' begin their careers with training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration at Mussoorie. This is usually their first experience of the government sector. As a result, this institution facilitates bonding between young officers from different civil services. The Academy thus, furthers a sense of camaraderie among the officers who look back to this institution with nostalgia and with a stronger intent to uphold its values.

Campus

A striking feature of the Academy, apart from its state-of-the-art infrastructure, is its unique blend of the new and the old. The prestigious "Charleville Hotel" built around 1870, provides the location and initial infrastructure of the Academy. There have been subsequent expansions. Several new buildings have been constructed and others acquired over the years. The Academy is spread over three sprawling campuses: Charleville, Glenmire and Indira Bhawan. Each has its own specific orientation. Charleville caters to training of fresh entrants as well as 6 specialize courses. Glenmire housed the erstwhile

NCGG, and the Indira Bhawan campus and offers facilities for in-service training, other 7 specialized courses, programs, workshops and seminars. Further details of the Academy's infrastructure are at Annexure-1.

TRAINING PROGRAMMES DURING 2022-2023

The Academy arranges various training programs and the following table shows the distribution of trainees in various courses during 2022-2023.

Sr. No.	Name of Course	Coordinator Mr./Ms.	Schedule	No. of participants			
				M	F	Total	
Induction Training for newly recruited AIS and other Central Services (Group-A)							
1.	IAS Professional Course, Phase-I (2022 batch) (22 Weeks)	Shelesh Nawal	21st March to 19th August, 2022	121	62	183	
2.	IAS Professional Course, Phase-II (2020 batch) (6 Weeks)	Abhiram G. Shankar	30 th May, 2022 to 8 th July, 2022	128	52	180	
3.	97 th Foundation Course for newly recruited officers of All India Services and Civil Services (Group-A) (2022 batch)	Ms. Anandhi,	29 th August, 2022 to 9 th December, 2022	322	133	455	
Mid-Career Training Programme for IAS officers							
5.	16 th Round of Phase-IV of MCTP	Ms. Radhika Rastogi	18 th July – 12 th August, 2022	78	16	94	
6.	124 th Induction Training for Officers Promoted to the IAS from the State Civil Service (4 Weeks)	Mrs. Chhavi Bhardwaj	13 th February –24 th March, 2023	103	26	129	
7.	2 nd Round of Combined Mid-Career Training Programme	Ms. Radhika Rastogi	27 th October to 31 st October, 2022	95	35	130	
8.	28 th Joint Civil-Military Training Programme	Disha Pannu	8 th June 2022 to 17th June, 2022	45	02	47	
Short Term Courses/ Seminar/ Workshop/ Others							
9.	Disaster Risk Management	CDM	16 -18 November 2022	15	0	15	
10.	District Disaster Management Plan & Incident Response System	CDM	(06-08 February, 2023)	19	6	25	
11.	Disaster Risk Reduction & Management	CDM	26 - 29 September 2022	26	3	29	
12.	2 nd Customized Training programme on Disaster Risk Reduction & Management	CDM	05- 31 December, 2022	29	20	49	
13.	Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists	CDM	25-29 July 2022	26	3	29	

14.	Two e-ITEC -Workshops on Gender Inclusive Governance for Policymakers	NGCC	12-13 November, 2020 and 17-18 Feb 2021	52	112	164
15.	Webinar on the occasion of International Women's Day, 2021	NGCC	08th March, 2021	5	22	27
16.	Training Programme on Arbitration for Senior Officers at LBSNAA, Mussoorie	CPSM	02nd – 03rd September 2021 f	16	13	29
17.	Overview on Eat Right India Movement	CPSM	26th April 2021			67
18.	Pre-dinner talk by Ms. Rijuta Diwekar	CPSM,CFPH	26th August, 2021			49
19.	Ayurvedic Physician Dr Sanandan Thapliyal	CPSM,CFPH	10th August, 2021			49
20.	ToT on Eat Right India Movement held by Ms. Inoshi Sharma, Director FSSAI	CPSM,CFPH	16, July,2021			24
21.	FSSAI's COVID-19 FoSTaC Programme	CPSM,CFPH	12th October, 2021			40
22.	A Leadership Module for Phase II of 2021 batch officers	SPLC	8th - 9th June, 2022			181
23.	A leadership module for Phase I of 2021 batch.	SPLC	27th July, 2022			183
24.	A refresher ToT before conducting final leadership modules for the Officer Trainees of 96th Foundation Course	SPLC	18th -20th February, 2022			
25.	The Leadership Module for the Officer Trainees of 97th FC	SPLC	22nd - 23rd September, 2022			455
26.	1st Workshop on Preparation of a Road Map for Parvatmala Himalayan & North-East Outdoors Learning Arena	Centre for North East Studies	01st June 2022			

27.	2nd Workshop on Preparation of a Road Map for Parvatmala Himalayan & North-East Outdoors Learning Arena	Centre for North East Studies	12th August, 2022			
------------	---	-------------------------------------	-------------------------------------	--	--	--

Abbreviation:

CDM – Centre for Disaster Management

NGCC – National Gender and Child Centre

CPSM – Centre for Public System Management

CFPH- Cente for Food Planet Health

SPLC- Sardar Patel Leadership Centre

COURSES AND ACTIVITIES – HIGHLIGHTS

Introduction

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie is Government of India's premier institution for the training of higher civil services in the country. The Academy imparts induction level and in-service training. A common Foundation Course is held for entrants to All India Services and all Group "A" services of the Union. The professional training to regular recruits of the Indian Administrative Service (IAS) and members of the Royal Bhutan Civil Service is conducted after the Foundation Course. The Academy also conducts in- service and Mid-Career Training Program (MCTP) for members of the IAS and Induction Training program for officers promoted to the IAS from State Civil Services, as well as workshops and seminars on various issues in public administration.

To ensure that the academic curriculum is relevant, it is constantly reviewed and updated through extensive consultations with the representatives of the state governments, the central government and other scholars and practitioners. Given the limitations of conventional classroom lectures, new pedagogical methods have been introduced to deliver training inputs in a more effective manner. Most courses operate on a modular structure whereby relevant themes are chosen and dealt with in a consolidated fashion to ensure that all aspects relating to them are covered comprehensively.

In order to promote all-round development of the personality, due emphasis is placed on outdoor and co-curricular events. Physical training, team games and tennis, badminton cross-country running, yoga, horse riding, and adventure sports like river rafting, para-gliding, bungee jumping and rifle shooting are some of the activities that the officer trainees are involved in. Exposure to public speaking, theatre workshops, motor mechanic skills, gardening, photography and music appreciation are some of the co-curricular activities offered to the young administrators.

To nurture the values of integrity, moral courage, empathy and respect for the underprivileged, and freedom from any sectarian prejudices based on religion, region, caste, class or gender, Officer Trainees are encouraged to participate in diverse social activities. Various Clubs and Societies have been formed to which the Officer Trainees are elected as office-bearers. They organize and take part in quizzes, debates, poetry competitions and numerous other activities after class hours. This lends a spirit of *bonhomie* and also promotes *esprit de corps*.

IAS Professional Course Phase II (6 Weeks) (2020 batch)

While theoretical concepts are sought to be imparted in the Foundation and Phase-I courses and ground level realities are studied during the District Training; Phase-II Professional Course is the time to share experience gathered across the country when all the Officer Trainees return to the Academy from different Districts of India. The course content of Phase-II is designed for consolidation of the learning and assimilation of the district experiences gained by the Officer Trainees over a year in the State at the District training, as well as to put trainees on the path of Mission Karmayogi throughout the rest of their long career.

Course Duration	30 th May, 2022 to 8 th July, 2022
Target group	IAS Officer Trainees, after District Training
Course Coordinator	Shri Abhiram G. Sankar, Deputy Director
Associate Course Coordinator(s)	Dr. Sanjay J. Joshi, Professor
	Shri Nitesh Jha, Reader
	Dr. Ekta Uniyal, Assistant Director
Valedictory Address by	Shri Suresh N. Patel, Central Vigilance Commissioner
Total No. of Participants	180 Officer Trainees (177 IAS Officer Trainees and 3 Officer Trainees from Royal Bhutan Civil Services)

Course Aim

The IAS Professional Course Phase- II is designed to hone trainees' skill sets to function effectively in the field. The course is designed in a manner that is participative, interactive and at the same time reflective so that you can make sense of what you have observed and assimilated over the last 12 months with the benefit of hindsight. In contrast to the earlier Foundation Course and the Phase 1 Programme, the Phase II programme was intended to facilitate the Officer Trainees to reflect on their own learnings - which are actual first-hand experience - and have attempted to curate modules around this to the extent possible. Moreover, the trainees also have to understand that the Academy has undergone a massive shift in terms of pedagogy and content over the last six months.

Inspired by the Prime Minister's exhortation to the Academy to transform into a capacity-building crucible for a technology-led, citizen-centric, progressive and responsive administration, Mission Karmayogi has become the core moving force behind each of the Academy's actions and thoughts.

The Phase-II Course laid emphasis on acquiring all the core competencies prescribed by the Mission Karmayogi *i.e.* Functional (Right Skills), Domain Knowledge (Right

knowledge) and Behavioural (Right attitude), as well as to imbibe in the Officer Trainees the values that the Academy stands for - Austerity, Anonymity and Ability.

Course Objectives

- To internalise the importance of an Officer's role and responsibility during Amrit Kaal.
- To analyse individual and collective experiences of District Training through a process of structured reflection and experience-sharing.
- To understand the imperatives of working as field officer towards technology-led citizen-centric good governance.
- To improve administrative, managerial and ICT skills along with practical application of laws at the District level.
- To inculcate required leadership qualities and emotional intelligence to effectively manage the work-worker-workplace.
- To promote physical and mental fitness.
- To align with aims of "Mission Karmayogi" *i.e.* impart behavioral, functional and domain knowledge related competencies.

Course Design

The primary emphasis of this Course was on interactive, learning through experience sharing and analysis. Certain themes and topics were selected for presentation by OTs which were expected to contribute to the objective of the session, as drivers of discussion.

The assessment of the Officer Trainees was based on the quality of submission, classroom interaction and participation in course activities during and outside the classroom. Needless to say the attitude, discipline and general conduct of trainees formed the basis of the Director's assessment in Phase-II. The presentation sessions were moderated by Faculty Members and/or external resource persons.

The Academy had designed this Course to include topics that were meaningful, relevant, and applicable in their immediate work situations after completion of training. There were inputs in Public Administration relevant to field administrators, Law, ICT and Language. The subject content drew upon beyond what trainees had learnt in the earlier phases of training. In this training programme, the Academy sought to consolidate the gains made by the trainees so far and facilitate further learning. Some specific sessions on soft skills like negotiation, regulation, leadership & communication were included based on the training needs analysis responses. The inputs were provided both by internal and external resource persons.

Course Coordinator's Report

The IAS Professional Phase-II Course for the 2020 batch commenced on 30th May 2022 and stretched over six weeks, till 8th July 2022. A total of 181 Officer Trainees (178 IAS Officer Trainees and 2 Officer Trainees from Royal Bhutan Civil Services) participated in this final course that any IAS Officer Trainee undergoes at the Academy.

To respond to the vision of Hon'ble Prime Minister, the Academy had to reimagine the persona of an IAS officer. The Hon'ble PM called upon trainees to be reflective and evaluate the "rule context" - ascertain the ecosystem of the regulation and then apply it judiciously. He called for "National Vision, Local Action". This mandates young IAS Officer Trainees to be Karmayogis of a difference. Each public service must adapt and interpret the principles of Karmayogi and imbibe them. So too, in the case of the IAS, we at LBSNAA have undertaken a cathartic visioning exercise, and now see the soul of the service in the image of a Mussooriewala-Karmayogi.

A Mussooriewala-Karmayogi is a Scholar-Administrator. A Mussooriewala is a civil servant whose soul is suffused with the foundational principles of "ability-anonymity-austerity", and is dexterous with the multiple attributes of "domain-practice-mechanistic" skills governed by a deeply contextualised scholarly approach. This is what the PM referred to in his address as the "rule context". An empathetic Mussooriewala-IAS Officer is an embodiment of that servant of the people, who is animated by Gandhiji's talisman.

The pedagogy of the Academy shall now reflect these core components of the persona, and different cohort levels of varying seniority will be given inputs appropriate to their career and level needs. For instance, the needs of a younger officer will be higher on citizenship values, mechanical and practitioner skills; while the senior levels will require more of the scholastic skills. The curriculum recommended by the Boards of Studies and approved by the Academic Council reflects this approach.

To design this course and to take into consideration needs/priorities for field level IAS Officers during their first 8-10 years of service, the Academy conducted Training Need Analysis (TNA) Survey for Phase-II IAS officers during May 2022. This comprehensive survey was geographically spread out across the country and gave us many insights. These findings have informed the new pedagogy of your course.

During the Phase-II course, the Academy strove to make trainees reflect on their own journey so far, while at the same time impart key competencies as mandated by the Mission Karmayogi. This is expected to enable them to tackle not only the day to day working challenges but also the unforeseen and emergent crisis effectively. As we have now placed our faith in the adult-learning pedagogy, we wished to facilitate trainees in learning from their own experiences and from that of their peers. The memorable words of the Prime Minister animate us when he exhorted "*ask oneself whether the spirit of service or the sense of duty is not ebbing*" and "*there is a vast difference between the two methods of getting work done-by giving orders and motivating others with a sense of duty...that is a leadership quality that you must develop*". Thus, leadership skills were delivered through the newly setup **Sardar Patel Leadership Centre**, and its flagship "**Learning to Lead**" program.

As part of an enriched delivery, trainees got to interact with eminent leaders such as Shri Rajnath Singh, Hon'ble Raksha Mantri and Shri Pushkar Singh Dhami, Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand.

The ecosystem of the Indian Administrative Service demands continuous “***Learning, De-learning & Re-learning***”. We began with an intense De-construction Module (a re-orientation exercise for new entrants to the services) which is now an integral part of the Academy’s pedagogy. De-construction modules held during the 96th Foundation Course and the IAS 2021 batch Phase-I Professional Course were not only very well received, but also left an indelible mark on the minds of the young Officer Trainees. A similar exercise was held in the first week of the Phase-II course that made trainees reflect upon their journey so far - the Foundation Course and Phase-I course in the Academy, the Winter Study Tour and the year-long District Training. We endeavoured to guide trainees along the path of transitioning from a young student-citizen to a public servant – imbuing the values and ethos of the new role, while retaining the empathy and belongingness of an enlightened citizen.

During the De-construction exercise and throughout the Phase-II Course, we re-emphasised the three virtues which encapsulate the vision of the Academy and the spirit of the IAS i.e. ***Anonymity, Ability and Austerity***. These three traits were nurtured as the keystone of the service ethos. The virtue of Anonymity in the face of a noxious social media environment is a survival need. Ability denotes competence of the IAS Officer to learn, de-learn and relearn tasks and skills relevant to the rapidly changing roles. Austerity not only indicates the understanding and assimilation of the concept of frugal and simple lifestyle but also refers to the judicious and effective management of public resources. Young members of the service were trained to be anonymous rather than pursue false publicity, to be austere and able, rather than aspire for glamour, to be grounded to earth rather than have false sense of entitlement.

We are confident that their interactions from eminent senior officers such as Shri Rajiv Mehrishi, Shri Govind Mohan, Shri Devesh Chaturvedi, Shri Ashok Kumar, DGP of Uttarakhand and Shri Ajay Bhatnagar, Additional Director CBI would have guided them to towards the expected outcomes as elaborated in the previous paragraphs.

The Hon’ble Prime Minister, while addressing the Valedictory Function of 96th Common Foundation Course in March 2022 said that “*We should add courses on Artificial Intelligence and Data Governance at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration for the future generations*”. The Academy now houses the **DigiTAG arena**, set up as a response to this call, and is well-equipped to make trainees future-ready and acquaint them with higher level ICT tools such as Artificial Intelligence and Machine Learning. A ‘Conclave on Emerging technologies & Start-Up India’ was organised during the course by DiGitag along with NeGD. This is intended to lead officers and the institutions they will lead in the coming years, into the realm of transparent, efficient, and easily accessible citizen-centric e-Governance frameworks.

Further, the focus of Phase-II was on ‘Sensitisation to National Goals during Amrit Kaal’ as the central theme, that we attempted to cover under 5 Broad umbrellas - Supporting Livelihoods, Building Rural India, Towards Better HDI, Atmanirbharta @ 2047 and Transforming Urban India. In the spirit of Sabka Prayas, the Academy facilitated interaction and learning from a mix of awardee administrators, policy-makers,

practitioners, innovators, individual achievers, industry and civil society organisations - all bound by a common cause of delivering public good.

Within the context of “*Vocal for Local*”, “*Think National, Act Local*” and “*Atma Nirbhar Bharat*”, we enriched trainees with insights on schemes like POSHAN Abhiyaan, Beti Bachao Beti Padhao, Aspirational Districts, MGNREGA & NRLM, J-A-M Scheme (Jan Dhan-Aadhar-Mobile-based), Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana (PM-GKAY), Geographical Indicators, Van Dhan Vikas Yojana for marketing of Tribal Produce, ODOP & Invest India, PMAY - Urban, Smart Cities and AMRUT, Jal Jeevan Mission, Jal Shakti Abhiyan & Doubling of Farmers' Income.

Further, new academic inputs that characterize the renewed LBSNAA were delivered. Macroeconomics module by the South Asia Regional Training and Technical Assistance Center (SARTTAC)-IMF; Output-outcome Monitoring Framework & Data Governance Quality Index by DMEQ, NITI Aayog; Data Collection, Intervention Design and Preparation of Case Studies by IIM-Raipur; Commodity Markets by NCDEX; inputs on RERA Act & IT Act 2000; Hands-on module on Census by the Registrar General and Census Commissioner of India to name a few.

The focus on functional and domain knowledge realms was reinforced through session on practical administration such as Ethics in Public Administration, Handling law & order, Municipal Commissioners' Seminar, Working in Difficult Areas (Ladakh, Arunachal & LWE in Chhattisgarh), Handling Court Work, Handling unprecedented situations, How to prepare a Complaint, Service Matters and Regional language inputs.

In July 2022, they were expected to be posted as Assistant Secretaries in various Ministries of the Government of India, after the completion of the Phase-II course. We also tried to empower them with the tools that would enable them to deliver appreciably during their stints in the Ministries. These included skills on cabinet note preparation and noting and also the ability to crisply communicate and present matters of public policy.

Evaluation

The Academy has shifted from the traditional exam based evaluation methods to concurrent & intensive evaluation patterns based on the submission of research papers, classroom presentations, debates and discussion etc. on the course modules. Trainees made presentations on each of the major national schemes and related sectors that was evaluated as part of the Course. This was done with an aim to ground learning's as well as generate new & innovative ideas. With the new concept of Adjunct Faculties, the larger talent pool of eminent IAS Officers across the country was made available to trainees for their continuous guidance & mentorship.

Physical fitness and the Outdoors

The entry-level fitness benchmarking that was introduced for the 96th FC was extended to the Phase-II trainees also. Physical fitness was enhanced through various physical activities including scientific flexibility training, pursuing adventurous sports to build

extreme physical and mental endurance and maintaining strict discipline in the day to day schedule. These included inputs on Krav Maga, swimming apart from traditional sports and games. Inter-batch sports competitions IAS 2020, IAS 2021 and IFS 2021 batches were held in the spirit of de-siloisation. Cultural programmes by trainees and other eminent national artists added colour and vibrance of our heritage to the course.

1. **Seminar on AKAM** was organised for the IAS Trainees, and was inaugurated by the **Hon'ble CM of Uttarakhand**.
2. AKAM was jointly celebrated as *Amritotsav* by the 2020 and 2021 IAS batches. More than Rs. 1.20 lakhs worth profit was made by the trainees' stalls which were then contributed to the Social Service Society.
3. **SHGs were invited from 22 States** (Annexure – 2) to showcase handicrafts and GI products. It was a matter of pleasure that these stalls had on display and for sale, GI products that IAS 2020 trainees had worked on during their District Training.
4. **An Exhibition on Role of districts in freedom struggle** was organised in Indira Bhawan by the Ministry of Culture. Many of these stories were collected by trainees of the 2020 and 2021 batch, as part of the District Digital Repository Project. More than 500 school children from 4 major schools of Mussoorie, Officer Trainees, staff members and their families visited the exhibition.
5. Mass tree plantation was taken up along with the Eco-task force battalion of the Indian Army, in a village near Mussoorie.
6. **Goal setting exercise** on what one would achieve for the country by 2047 - this was undertaken by all IAS trainees of the 2020 batch for the **Walkway of Service Time Capsule**. These will be opened by August 2047 and provide a sense of reflection, pride and satisfaction for these very officers, who will then be donning very senior leadership roles.

State-wise breakup of participants in IAS Phase II (2020 batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	06	06	12
Andhra Pradesh	08	03	11
Assam-Meghalaya	04	04	08
Bihar	05	02	07
Chhattisgarh	04	03	07
Gujarat	04	04	08
Haryana	04	01	05
Himachal Pradesh	04	00	04
Jharkhand	05	01	06
Karnataka	07	01	08
Kerala	06	03	09
Madhya Pradesh	07	01	08
Maharashtra	07	03	10
Manipur	01	00	01
Odisha	04	01	05
Punjab	03	01	04
Rajasthan	04	02	06
Royal Bhutan Civil Service	02	01	03
Sikkim	00	01	01
Tamil Nadu	07	05	12
Tripura	04	00	04
Telangana	06	02	08
Uttar Pradesh	12	04	16
Uttarakhand	02	00	02
West Bengal	12	03	14
Total	128	52	180

The valedictory address was delivered by Shri Suresh Patel, Central Vigilance Commissioner on 7th July 2022. This was followed by a **visit to the Statue of Unity** on 9th July 2022. This served as a literal and metaphorical capstone event indicating a fruitful and intense Phase-II Professional Course.



Valedictory of IAS Phase II (2022 Batch)

97th Foundation Course (15 Weeks)

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration conducts its flagship training programme, the Foundation Course each year for the successful young recruits of the All India Services, Central Services and officers from the Royal Bhutan Civil Service.

The Foundation Course, as the nomenclature suggests, lays the basis on which the edifice of career of a Civil Servant in Government is built. The Foundation Course marks the formal induction of Civil Servants into the government, the beginning of a life dedicated to the service of people of India and our nation. It gives a glimpse of how the government functions, what are the values and ethos which drive it, what are the main challenges, opportunities and responses that arise in governance of a large, complex and diverse country like India.

The Course was inaugurated by Shri Srinivas R. Katikithala, Director, LBSNAA on 5th September, 2022 and Course Valedictory was graced by the Hon'ble President of India, Mrs. Droupadi Murmu, on 9th December, 2022.

As the Officer Trainees are new entrants in the Government, the Academy sought to familiarize them with the environment of political, economic, social and administrative issues, through a well-defined syllabus. The fifteen week long Foundation Course comprising of more than 15 services of the Indian Union and the three Royal Bhutan Civil Services sought to open the mind of civil servants to new learnings and adventures, immersive experiences in rural India, celebration of resilience, diversity and depth of our rich heritage, a trek of a lifetime

Date of Program	29 th August, 2022 to 9 th December, 2022
Programme meant for / Target group	Newly recruited All India Services and various Central Service (Group- 'A') Officers [including Royal Bhutan Civil Services]
Course Coordinator	Ms. Anandhi, Deputy Director (Sr.)
Associate Course Coordinator(s)	Shri Abhiram G Sankar, Deputy Director Ms. Disha Pannu, Deputy Director Dr. Sanjay Joshi, Professor Dr. Anupam Talwar, Assistant Director Dr. Ekta Uniyal, Assistant Director
Course Inaugurated by	Shri Srinivas R. Katikithala, Director, LBSNAA
Valedictory Address by	Mrs. Droupadi Murmu, Hon'ble President of India
Total Participants	Total-455 (Gentlemen - 322; Ladies - 133)

amidst the mountains and valleys of Himalayas and a reverential visit to the Statue of Unity at Kevadia.

Course Aims

The 97th Foundation Course primary aimed at developing officer-like qualities and attitudes in the 455 young Officer Trainees. One of the prime objectives of the Foundation Course was to inculcate *esprit de corps* in the Officer Trainees attached to different services of the country. The Academy also facilitated the training of officer trainees of the Royal Bhutan Civil Services, as a part of the 97th Foundation Course.

The Foundation Course marks the transition from the academic world of the college and university to the structured system of government. Accordingly, for most of the course participants, the course was their first introduction to the process of governance, and the role of the government in a society. The course was designed in a manner to achieve the objectives outlined by arranging a combination of academic, outdoor, extra-curricular and co-curricular activities. The Academy intends to equip each of the Officer Trainees with a core set of values, skills and knowledge that would help them in their respective careers. They are given training inputs useful in understanding the basic concepts of governance and rules and regulations, necessary for effective performance in the government sector.

Course Objectives

- To orient Officer Trainees to the administrative, social, economic and political environment of the country.
- To make Officer Trainees aware of the challenges and opportunities within the Civil Services.
- To promote overall development of personality traits of the Officer Trainees. i.e. Intellectual, moral, physical and aesthetic.
- To foster greater coordination among the members of different Civil Services by building *esprit de corps*.
- To provide exposure to the best possible teaching material and resource persons to facilitate the Officer Trainees' professional, intellectual and emotional growth.
- To provide the Officer Trainees with an environment that encourages enquiry and freedom of thought, yet imbued with discipline, to foster intellectual growth and all-round development.

Course Design

The course design in the 97th Foundation Course made a significant departure from the past in more ways than one.

One, it was largely thematic, week by week. Each week had a central idea/subject, running through it to enable each Officer-Trainee to understand that topic deeply with all its nuances. The Assessment and Evaluation criteria had also been modified to accommodate these changes in course design beginning with Journaling, the essay and the oral presentation at the end.

Secondly, the course design was aligned with the principles of ‘Mission Karmayogi’ and indoor classroom experiences had been suitably balanced by outdoor visits which have been consciously designed to be immersive and experiential.

Out of 15 weeks which comprise the Foundation Course, almost five weeks were travel, tours and camping outside the Academy premises. With a longer than usual Field Study and Research Programme (12 days) to 75th Freedom Fighter Districts of India to twelve days in Gujarat from Ahmedabad to Kevadia for Aarambh 4.0 & Bhuj to more than a week of Himalayan trek, all of these had been consciously built in to not only expand and hone the intellectual capabilities but also foster qualities of conduct, fortitude, endurance, sharing, empathy and inclusion.

The course design had two ‘critical areas of focus and salience this year. One was the emphasis on communication, both oral and written and the other being emphasis on fitness. This was given the shape of a discipline to bring rigor and at the same time ample exercises and assessments around it were built. Experts from all across the world were gathered to deliver this module and this module ran through the entire Foundation Course constituting its back bone.

Academic Inputs

Academic inputs on a wide range of subjects were delivered through modules in: -

- ♦ Oral Communication
- ♦ Written Communication
- ♦ Law
- ♦ Economics (Micro and Macro) with IMF
- ♦ Data Analytics with CMU
- ♦ India & its Neighbourhood with the MEA
- ♦ National Security Module
- ♦ Public Policy
- ♦ Management
- ♦ Ethics
- ♦ Information Technology

In addition, co-curricular inputs were also given by way of outdoor activities (physical training; yoga classes and horse riding), cultural activities, extra-curricular modules.

A number of medals and trophies were awarded to the Officer Trainees who excelled in various activities at the Academy.

The main activities organized during the Foundation Course were:

- 1) Physical Fitness & Sports:** Physical fitness is not only one of the most crucial aspects to attain a healthy body; it is the foundation of a healthy mind as well. The Academy strove to provide an encouraging atmosphere to all the Officer Trainees wherein physical fitness was an inseparable and crucial component of the training and holistic personality development.

- **Pre-course evaluation:** As soon as Officer Trainees reported to the Academy, some essential health and fitness tests to assess parameters like

flexibility, muscular strength, cardio-vascular fitness and balance were conducted. This provided the baseline of current fitness level, which the Academy encouraged every Officer Trainee to improve using the facilities available in the Sports Complex along with the advice of coaches and trainers.

- **Morning Activities:** The day began at 0615 hrs. for all Officer Trainees with mandatory morning activities which included Physical Training, Yoga, Aerobics, Zumba and Un-Armed Combat. Self-defence through Krav Maga (a form of un-armed combat) had been identified as a critical skill and Officer Trainees were encouraged to master this with full enthusiasm.

2) Field Study and Research Programme: To assess the dynamics of the socio-economic-political situation existing in a village.

- Understand the problems faced by the rural people, especially, the socially disadvantaged sections and women.
- Evaluate the spatial and temporal changes that have occurred in the village in terms of quality of life as a result of Government and non-Governmental interventions or with the passage of time.
- Evaluate the working of various village level institutions, both formal and informal in terms of participation and effectiveness.
- Recognize the importance of the need to learn from the villagers in evolving people-based solutions to their problems.
- Study the physical environment of the village in relation to ecological imbalances and vulnerability to disasters.

The Officer Trainees proceeded for the Field Study and Research Programme in Freedom Fighter District in India from September 24, 2022 to October 2, 2022. The Field Study and Research Programme is a major component of the Foundation Course, not only because it exposes the Officer Trainees to the realities of rural India through a structured study, but, also because it provides them the opportunity to stay in villages and interact intensively with the rural populace to understand and appreciate their concerns and priorities. They were given inputs on Data Collection & Analysis, Rural development programs, Social sector, Role of NGOs, PRA techniques, etc. to equip them adequately for the visit. Officer Trainees also conducted a survey in the village as per the guidelines provided to them.

On return, they submitted individual as well as group reports of the activities, findings and recommendations and made group presentations, which was graded on both the data collected and the quality of analysis.

3) Sabka Vikas and Amritotsav Mela: The Academy had taken the initiative to curate a *'Sabka Vikas' event on 17th September 2022* showcasing the life, struggle and contribution of around dozen Padma Awardees who have selflessly rendered themselves to public good and made a meaningful impact on lives around them. The

Officer Trainees engaged and interacted with the Padma Awardees in the forenoon. On the same weekend, the Officer Trainees conducted “Amritotsav Mela” in order to celebrate the successes and achievements of Self-Help Groups (SHGs) across the country who are striving to protect and promote the local traditional handicrafts. Officers Trainees were graced by the ***Smt. Anandiben Patel, Hon'ble Governor, UP to inaugurate the “Amritotsav Mela” and as Chief Guest for the Sabka Vikas event on 17th September 2022.***

- 4) Athletics Meet:** This is a major event during FC and participation of all Officer Trainees is mandatory. In this Meet, various track and field events like 100 & 200 meters relay races, high jump, long jump, shot-put throw etc. are organized. It is an occasion for Officer Trainees to test and display their athletic prowess. ***Some new level of records was made during this FC like 100 mt race & High Jump (women) and High Jump (Men).***

5) Kevadia Visit: Aarambh

- a) With the vision of making the civil service recruits capable of leading transformation and work seamlessly across departments and fields, common visioning and collaborative exercise named “Aarambh” was started as part of the 94th Foundation Course in 2019 in which all these new entrants came together at Kevadia, Gujarat, to understand changing technology and its possibilities for governance with the help of experts from world class institutions. During “Aarambh”, a theme relevant and important for the country in the current context is taken up for deeper understanding and analysis in the form of an exercise by the Officer Trainees.
- b) In the 97th Foundation Course, Aarambh 4.0 was held from 27th October to 31st October, 2022 at Kevadia itself. The theme was “Digital Governance: Foundations & Frontiers” where experts who have undertaken local innovations, to global next-gen experiments interacted with the Officer Trainees on this theme. This programme concluded with an address of the Hon’ble Prime Minister to the Trainees.

- 6) India Day:** The high point of the cultural activities was the celebration of “India Day”. On this day, the culture, customs, art & craft and cuisine of different regions of the country were be put up on display - both through outdoor and indoor activities by the Officer Trainees. The event helped build pride in the country’s rich heritage besides sensitizing the Officer Trainees on the rich traditions from regions other than their own.

- 7) Meet with IMA:** In addition, young cadets of IMA were invited to the Academy for exhibition matches between the mixed teams of LBS and IMA in Football, Basketball, Volleyball and Show jumping events during the Course. The main purpose of such events was to ensure desiloization and creating strong bonds amongst the committed and responsible future leaders of the Academy.

- 8) A K Sinha Memorial One Act Play:** Late Shri Anirudh Kumar Sinha, an IAS Officer Trainee of 1976-78 batch (Rajasthan Cadre) was a very talented dramatist. He

was on the verge of completing his District Training when he fell ill and succumbed to brain fever. To perpetuate his memory, his batchmates instituted the A.K. Sinha Memorial Trophy to be awarded to the best one-act play. Accordingly, every FC has an A. K. Sinha Memorial One Act Play competition. The quality of plays put up during this event has also gone up, making this a much awaited event over the years.

- 9) Annual Fete:** This is put up by all Officer Trainees as per their Tutor Groups on one day of the course. Stalls of games, food, SHG products etc. are set up and people across Mussoorie are invited to the event. The main purpose of the Fete is to raise funds for the social service society and also support self-help groups. It is an important event in the calendar of Mussoorie and is looked forward to by Officer Trainees, faculty and people of the town with equal anticipation and excitement.
- 10) Trekking:** The Himalayan Trek (23rd November 2022 to 2nd December, 2022) was the high point of the Foundation Course, both literally and metaphorically. It exposed the Officer Trainees to the natural grandeur and beauty of the Great Himalayas. It provided one of the most exhilarating experiences. It was a significant learning experience in group dynamics and brought out leadership qualities. The mighty Himalayas evoke a sense of respect for nature as well as humility in any person who makes the attempt to know them. It is also a test of endurance and courage.

Participants in 97th Foundation Course

Service wise Break-up

Service	Male	Female	Grand Total
Indian Administrative Service	127	50	177
Indian Audit And Accounts Service	04	03	07
Indian Civil Accounts Service	05	00	05
Indian Corporate Law Service	02	02	04
Indian Defence Accounts Service	11	03	14
Indian Defence Estate Service	02	00	02
Indian Foreign Service	22	12	34
Indian Forest Services	45	05	50
Indian Information Services	01	00	01
Indian Police Service	65	33	98
Indian Postal Service	03	03	06
Indian Revenue Service (Customs And Central Excise)	10	10	20
Indian Revenue Service(IT)	15	11	26
Royal Bhutan Civil Services	02	01	03
Royal Bhutan Forest Service	02	00	02
Royal Bhutan Police Services	06	00	06
Grand Total	322	133	455

IAS Professional Course Phase-I (2022 Batch)

(12th December, 2022 to 12th May, 2023)

Programme meant for / Target Group	Professional Course for newly recruited IAS officer
Course Coordinator	Mr. Abhiram G Sankar, Deputy Director
Associate Course Coordinator (s)	Shri Shelesh Nawal, Deputy Director Dr. Sunita Rani, Professor Mr. Nitesh Jha
Inaugural Address by	Smt. S. Radha Chauhan, Secretary, DoPT
Valedictory Address by	Shri Srinivas R. Katikithala, Director LBSNAA
Total No. of Participants	184 (181 & 03 from RBCS) (Male- 132 ; Female-52) <i>Details of participants of IAS Phase - I are attached in Annexure - 1</i>

Course Aims

- The Academy aims to make the young IAS Officer Trainees as real Karmayogis by inculcating the leadership qualities so as to make them Creative & Constructive, Imaginative and Innovative, Proactive & Polite, Professional & Progressive, Energetic & Enabling, Transparent & Tech-Enabled along with the knowledge, skills and attitudes to become effective civil servants
- To create learning experiences regarding ethical and developmental administration

Course Objectives

- Acquire a pan-India perspective of emerging socio-economic, and politico-legal trends; an understanding of the emerging role of the IAS and its shared administrative responsibilities with other services.
- Acquire knowledge and skills needed to discharge administrative responsibilities in the first decade of career in the following areas:
 - Law and legal instruments
 - Administrative rules, procedures and programme guidelines
 - Modern management tools, and
 - Economic analysis
- Demonstrate proficiency in the regional language of the allotted State to better appreciate its administrative and cultural ethos.
- Acquire an understanding on the cultural and socio-economic background of the allotted State

- **Demonstrate effective written/ oral communication skills both in interpersonal and organizational context**
- **Exhibit right values and attitudes**
- **Maintain physical fitness**
- **Adhere to the spirit of ‘Sheelam Param Bhushanam & Mission Karmayogi**

Course Design

The Course design of the Phase I programme was consciously liberal in spirit and content of the Mission Karmayogi. While seeking to provide the Officer Trainees with ample space to study, learn, experience, it strives to impart key competencies i.e Domain Knowledge(Right Knowledge), Behavioral (Right Attitude) and Functional(Right skills) which would enable them to shoulder future responsibilities and to tackle not only the day to day working challenges but also the unforeseen and emergent crisis effectively. The 22-week IAS Professional Course, Phase-I for the 2022 batch, commenced on 12th December, 2022 and concluded on 12th May, 2023. It had two main components:

- **Winter Study Tour cum Bharat Darshan (from 26th December, 2022 to 3rd February, 2023)**
- **On-campus training inputs part 01 (from 12th December, 2022 to 25th December 2022)**
- **On-campus training inputs part 02 (from 13th February, 2023 to 12th May, 2023)**

The Phase-I is a full time training programme with an eclectic mix of curricular and extra-curricular activities. A typical day commenced at 0640 hours with physical exercises at the Happy Valley ground. The evenings were dedicated to programmes by Clubs and Societies including cultural programmes.

Academic Inputs

The on-campus academic training commences on 12th December to 25th December, 2022 and 13th February to 12th May, 2023. While the syllabus prescribed under ‘The Indian Administrative Service (Officer Trainees' Final Examination) Regulations, 1955’ is the basic framework, suitable modifications have been made to adapt it to the changing training needs of IAS Officers. Inputs were given in the faculties of Law, Public Administration, Political Science & Constitution and Management & Economics. The Public Administration modules were structured around thematic inputs covering varied domains that IAS Officers have to deal with. These were interspersed with sessions in Languages and ICT.

The IAS Professional Phase I Course (2022 Batch) is being offered to you in the light and spirit of Mission Karmayogi with new vision and sharpened pedagogical tools.

Total 184 Officer Trainees will be participating in this course including 181 IAS Officer Trainees and 03 Officer Trainees from Royal Bhutan Civil Services. As has been the pattern since the 2021 Batch, the IAS Professional Phase I Course (2022 Batch) will commence with a one week de-construction module, to a form of which, you were all exposed to during the 97th Foundation Course. Needless to reiterate, it had received an overwhelming response from the Officer Trainees of the 2021 Batch too. In this De-construction module, eminent and illustrious civil servants of the country will interact with you formally as well as informally giving you the opportunity to have meaningful conversations about the service, its future, challenges and opportunities and above all, how to learn from some of the best officers in the service.

The Phase-I Professional Course will be based on the principle of Knowledge Continuum. The Course has been devised in such a manner so that it acts as the next level of continuum following the Foundation Course. This Course gives emphasis on acquiring all the core competencies prescribed by the Mission Karmayogi i.e. Functional (Right Skills), Domain Knowledge (Right knowledge) and Behavioural (Right attitude).

As mentioned above the IAS Professional Phase-I Course is a new beginning in some ways and a continuation of the good practices set during the previous Phase-I for the 2021 Batch. Various new concepts and pedagogical tools are being offered to you such as advanced level Economics module by IMF, Public Policy, Communication skills, Data Analytics and Leadership Modules to name a few. Inputs on Law, cadre language and ICT will be a prominent part of the Phase-I course.

Modules of relevance to the IAS such as Rural Management & Rural Entrepreneurship, exposure visit to Jim Corbett National Park for the Environment Module, overview of District Administration, Health & Nutrition, Agriculture, Education, Energy, Women & Child Development, Research Methodology and so on have been added to the Course so as to give you a synoptic view of the field along with inputs from reputed universities and institutions. An addition this year, will be the hands-on learning for certain developmental modules like health, urban development etc. wherein the trainees are expected to go to the field for a day and learn by immersing themselves in the immediate environment.

Special emphasis will be given on physical fitness of the Officer Trainees as well as on their extracurricular development. There will be compulsory morning physical activity and sports/ horse riding in the evening. The Officer Trainees will be nudged to adopt and excel in one of the sports so that it may remain forever along with her/him in life. Also Officer Trainees will be regularly exposed to the adventure activities such as trekking, river rafting and various other adventure sports on weekends. Similarly, the Officer Trainees are expected to perform cultural activities representing the art and culture of various states of India apart from attending cultural evenings by celebrated artistes. The Officer Trainees will have opportunity to learn and develop lifelong interest in enriching activities such as music, painting, photography etc. Various societies and clubs will be nudged to organise their activities so as

to nurture and enliven the Academy atmosphere with debates, quizzes, competitions, and discussions.

Our Motto



“योगः कर्मसु कौशलम्”

(Excellence in Action)



“शीलं परमं भूषणम्”

Character is the Utmost Virtue)

Our Mission: Mission Karmayogi



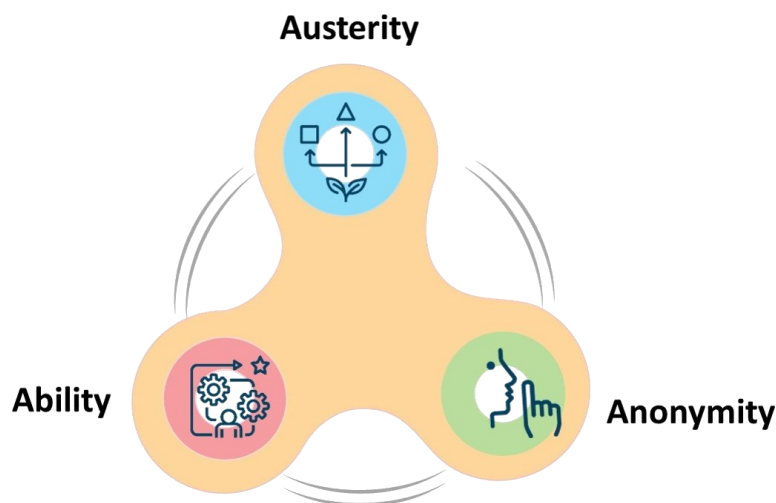
To forge Karmayogis out of Civil Servants, by transforming them to be;

- Creative & Constructive,
- Imaginative & Innovative,
- Proactive & Polite,
- Professional & Progressive,
- Energetic & Enabling,
- Transparent & Tech Enabled

To make citizen centric and future ready civil service with right attitude, skills and knowledge aligned to vision of New India;

To develop key core competencies i.e. Domain (Right Knowledge), Functional (Right Skills), Behavioral (Right Attitudes).

Core Values



Austerity

To understand, assimilate and adopt the concept of frugal and simple life and also the judicious management of public resources so as to get the best output for general public and nation as a whole and to prevent the unnecessary wastage of scarce resources.

Ability

To learn, unlearn and relearn tasks and skills relevant to the rapidly changing roles in the career of IAS and also to adopt and adjust to the various situations so as to set the fine balance between Rules and Roles

Anonymity

To work silently without any desire of awards, rewards or publicity behind the curtain for the service to the nation and for the betterment of common people.

The recast LBSNAA

Being the apex Civil Service Training Institute in India, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, prepares civil servants to be future-ready. In the true spirit of the *Mission Karmayogi* as announced by the Hon'ble Prime Minister, the Academy aims to make the young IAS Officer Trainees as true Karmayogis by inculcating the leadership qualities so as to make them Creative & Constructive, Imaginative and Innovative, Proactive & Polite, Professional & Progressive, Energetic & Enabling, Transparent & Tech-Enabled.

In order to achieve these objectives, the Academy is shaping the IAS Phase-I pedagogy in completely new and innovative manner taking into consideration the present and future needs of the Indian Administrative Service.

New Knowledge Curating Institutional Mechanism:

Research Support Unit: LBSNAA believes that the ability to conduct rigorous field research is a fundamental component of the skillset that all administrators must have. In order to cultivate this skill among newly inducted Officer Trainees, the Academy is looking to engage the expertise of eminent research professionals with strong academic credentials. Technical data analytics support will be provided to the Officer Trainees during their district training in continuation with the IAS Phase-I through Research Support Unit (RSU). The sectors in which such research work will be done by the Officer Trainees is to be decided based on their interest and in consultation with officers who work in the respective State.

Board of Studies (BoS): In order to develop and update the training pedagogy in tune with new and contemporary developments in different fields, it is imperative to bring the relevant expertise in every sector. In order to ensure the same, the Academy has constituted Board of Studies (BoS) chaired by the Director and external experts are nominated as members of Board of Studies for guidance in their respective fields/domains. The idea is that the specific domain experts will be able to help in identifying the course contents, institutional partnerships, evaluation mechanisms, etc. for all courses conducted by LBSNAA.

Centrum: There were various Knowledge Centers in the Academy such as the B. N. Yugandhar Center for Rural Studies, Center for Disaster Management, National Gender Center, Center for Public Systems Management, Center for Cooperatives & Livelihood etc. Though significant knowledge activities were being conducted, the individual Centers were neither working in line with the course pedagogy nor they were contributing to the knowledge curation for various study modules for the on-going courses. Thus these Centers were acting in isolated loops and silos, most of the time. In order to better utilise the knowledge base of various Knowledge Centers and to make them coherent and connected with the ongoing pedagogy and courses, it has been decided to merge all these Knowledge Centers under one umbrella entity called the Centrum.

Center for Field Study & District Administration (CFSR): Centre for field studies and district administration is envisaged as a learning arena that weaves in historical and contemporary knowledge repositories, eclectic experiences from praxis, advanced data analytics and dashboarding and real- time, case based learning into a lab to land ecosystem for field practitioners. The objective of this centre is to simulate a learning experience that

enables Officer Trainees as well as young officers serving in different capacities in the field to learn about the district ecosystem, to learn from each other and to contribute to field studies, research and analysis. The objectives of this centre include Enabling learning about the ecosystem of the district; Enabling learning from each other; and Enabling pursuit of, participation in and contribution to field research and studies, documentation of case studies.

'Parvatmala' Himalayan & North-East Outdoors Learning Arena: The Himalayas are not just a geographical feature, but a powerhouse of spirituality, culture, biodiversity, water security, national security and a source of national pride. Similarly the North-East Indian region is poised for economic growth and greater development given the government's sharp focus on the area. LBSNAA is uniquely situated to craft the convergence of knowledge on the Himalaya and North-East India and educate civil servants and administrators on the same, and shape them to be effective agents of development.

Aims and objectives of the Parvatmala Learning Arena:

1. To curate exhibits around North East India & the Himalaya, on themes such as physical, human and geopolitical using audio-visual media, photographs, panoramic murals, cyclorama/diorama overlaid with QR codes for a rich user-experience.
2. Present information pertaining to the history, administrative traditions, culture, geopolitical issues and ecology of the North East & Himalayan system along with narratives of past explorations and contemporary issues.
3. Sensitise about India's North-East & Himalaya in the context of the Look-East/ Act-east Policy and other international conventions like UNFCCC, Sendai Framework on Disaster Risk Reduction etc. that place a special focus on these regions.
4. Act as the base for designing and executing the Outdoors activities of the Academy, like Himalayan trek, Bharat Darshan etc.
5. Play a central role in curation of North-East Focus Courses (like the Induction course for Arunachal Pradesh PCS Officers etc).
6. House a state-of-the-art multi-purpose learning facility with disabled-friendly accessibility measures.

Innovative concept of Knowledge Continuum:

Earlier various courses taught in the Academy, were isolated, discontinued and episodic events without any kind of continuum. As a renewed pedagogy from the 97th Foundation Course, various Academic Modules are being planned for IAS Professional Phase-I Course

in line with the new pedagogy of **Knowledge Continuum** of 120 months (10 years) covering the Foundation Course (15 weeks), IAS Phase I (22 weeks), District Training (53 weeks), Phase II (6 weeks) and Pre Phase III period of about 8 years. Thus the level of various modules will be raised gradually from one course to the other so as to maintain the continuum of seamless knowledge flow for the next 10 years of IAS Officer's life.

Adjunct Faculty:

In order to make available the best practical and field level knowledge to the Officer Trainees about their cadres, it has been decided to prepare a list of a select Adjunct Faculty from IAS Officers of various seniority, who will guide the Officer Trainees during the Phase-I and District Training. This initiative will make available a good role model before the young IAS Officer Trainees to emulate and also to provide peer to peer learning opportunity.

New Pedagogical tools:

Training Need Analysis to assess the requirement for IAS Training at the Academy: In order to drill down the needs of training pedagogy, recently Training Need Analysis (TNA) was conducted by the Academy in which almost 400 IAS Officers from the 2010 to 2019 batches were administered detailed questionnaires to assist the Academy in designing the Phase-I Course. Some highlights of the the TNA exercise are (i) Need to maintain physical activities and emphasis on fitness and good mental health; (ii) Need to give more emphasis on Law module with inclusion of good case studies/case-lets in small groups, role play/simulation, order writing. (iii) Need for greater interaction with immediate seniors (iv) Modules on communication with seniors, fellow civil servants, the media, and self-expression on social media (v) To inculcate sense of integrity & humility among the Officer Trainees (vi) To include field-study based learning in the Phase-I course, instead of it being just theoretical in its approach (vii) Life skills for professionalism etc. For short term training, there is need to develop the essential competencies for the Officer Trainees such as Trust, Team Building, time Management, Developing proper Listening Skills, proper communication skill etc. Also there is need on the part of the Officer Trainees to have proper knowledge of Rules, Acts, and Regulations and need of stronger Trainee-Trainer bond etc has come out of the TNA. Similarly the long term training needs have been assessed as the need for futuristic technological advances, need to create online experiences for Officer Trainees by simulating various situations, need for creation of an audio/video depository etc. The Academy is making efforts to plan the Courses and modules based on the inputs from the Training Needs Analysis (TNA).

IAS Phase-I & De-Construction: The present ecosystem of Indian Administrative Service demands continuous "Learning, De-learning & Re- learning". The young IAS

Officer Trainees may have inherent misperceptions and biases in their minds about Indian Administrative Service, which may not match the field reality. Thus, in order to do away with such misconceptions prevalent in the minds of young IAS Officer Trainees and to make them aware about the rapidly changing needs of Indian Administrative Service, it was decided to initiate the IAS Professional Phase-I Course with an intense De-Construction Module. During De-Construction, the IAS Officer Trainees will be guided to perceive the nuances of the real world rather than restricting them to ideal but theoretical constructs; to be anonymous rather than to chase false publicity; to be austere rather than accumulating easy wealth through wrong means; to be grounded; to retain the simplicity of the common citizen than nurture a false sense of superiority; to develop a sense of deep humility; etc. Perhaps the De-Construction module is the most challenging one for the Academy to impart, as it will shake the beliefs and myths deeply rooted in the minds of young Trainees. Many renowned and illustrious IAS Officers will be invited to address the Officer Trainees during this first week of De-construction.

Bharat Darshan: The Bharat Darshan (Winter Study Tour) in the months of December 2022 and January 2023, has been aligned with concept of Knowledge Continuum. Thus, before going to Bharat Darshan, the Officer Trainees will be exposed to critical attachments that they will undergo during the tour, so that they can experience it during their Bharat Darshan. There will be focus on the attachment with the Armed Forces. Apart from the attachment with Army, Navy and Air force, the Officer Trainees will be sent to at least one of the concerned Armed Force Academy so as to consolidate and further deepen their knowledge gained during the attachment with the Armed Forces. In this way the Officer Trainees will not only be able to understand to appreciate the sacrifices and valour of our Armed Forces but will also develop people to people bond with the gentlemen cadets which may last forever in their lives. This is in line with the spirit of Mission Karmayogi to break the silos between the services and sectors. Apart from this the Officer Trainees will be made acquainted with various developmental aspects such as Health, Education, Rural Development and Livelihood, Information & Technology, Tribal Welfare, Tourism, Industry, Island development etc. Officer Trainees will compulsorily undergo the North East attachment so that they can understand the difficulties and challenges of serving in the North-Eastern Region of the country as well as the future potential and prospects of the Region. Also, the Officer Trainees will be attached key Institutes of Eminence in across the country so that they can understand the immense contribution of Science and Technology sector in the progress of the country.

Emphasis on Leadership Building: As the IAS Officer Trainees are future leaders of the country, they will be nudged to inculcate key leadership qualities through various Leadership Modules to be curated carefully under the “Sardar Patel Leadership Center” in

the Academy. Also as a part of Leadership Module, a module on Communication has been added in Phase-I encouraging the Officer Trainees to level up their communication skills.

Focus on soft skills: To be an effective IAS Officer in the field, it is necessary that she/he should have soft behavioural skills such as effective negotiation capability, emotional intelligence, patience, self-restraint, self-control and deep sense of listening to others. Soft skills are one of the important tools for an IAS Officer to be effective and successful in her/his carrier. IAS Officer Trainees will be imparted soft skills through various innovative Management modules in the Academy.

Renewed Emphasis on Public Policy: The significance of Public Policy in modern day governance is to make the society to lead a better life and to maintain the delivery of the goods and services in seamless manner. Emphasis on Public Policy is being introduced in all the courses of the Academy including the Phase-I Course so as to make the IAS Officer Trainees aware of present context as well as to make them future ready.

Vidhaan aur Samvidhan Maah, centred around ‘Celebrating the Rule of Law’, from the 5th March - 16th April 2023. The month will commence with the Dr. Justice Katikithala Ramaswamy Memorial Lecture on 6th March 2023, which will be delivered by a sitting Judge of the Supreme Court of India. Further, on the 16th April, former President of the Republic, Shri Ramnath Kovind, will visit the Academy to formally conclude the celebrations. We will conduct a series of events - quiz, film-making etc. - during the Maah. During this month, your active participation is a sine qua non for you to reap the benefit from interacting with luminaries like Hon'ble Justice Shri Sudhanshu Dhulia, Hon'ble Justice Shri S. Ravindra Bhat, Shri Tushar Mehta and Hon'ble Shri Ramnath Kovind.

New resources are being created to augment the capacity of the Academy - the **DiG-FAC** Centre being the newest addition to the centres of excellence that we play host to. This centre for field studies and district administration, housed in Charleville block, is envisaged as a learning arena that weaves in historical and contemporary knowledge repositories, eclectic experiences from praxis, advanced data analytics and dashboarding and real- time, case based learning into a lab to land ecosystem for field practitioners. The objective of this centre is to simulate a learning experience that enables Officer Trainees as well as young officers serving in different capacities in the field to learn about the district ecosystem, to learn from each other and to contribute to field studies, research and analysis.

The Objectives of the DiG-FAC centre include:

1. **Enabling learning about the ecosystem of the district** - through District Gazetteers; system of land administration; Databases of central and state government; Language of the state/district by way of online language learning modality available for twenty two official languages; Important state laws; Past assignments/projects/dissertations submitted by probationers/ SDMs/DDOs/ District Magistrates etc.
2. **Enabling learning from each other** – In terms of having access to best practices, case studies of initiatives undertaken by young officers; access to digital dashboards that enable comparative assessment and understanding of the performance of different districts on a spectrum of projects, programs and schemes; identification, analysis and evaluation of impactful district level interventions every year, under the Swantaha Sukhaya initiative etc.
3. **Enabling pursuit of, participation in and contribution to field research and studies, documentation of case studies.**

Similarly, a **Research Support Unit (RSU)** has been set up from 2022 onwards to strongly ground and guide the research activities of the trainees, especially when they undergo training in the districts. The RSU will also support officer trainees to undertake research and convert them into case studies. Already the 2021 batch trainees are drawing benefits from this unit, as they proceed with their district training.

Data Analytics and e-Governance: To be future ready, Officer Trainees must be acquainted with the higher ICT tools such as data analytics. Large amounts of data are generated in the Districts and States but await proper utilization. Thus there is an urgent need for integrating and analysing the data at various levels for focused, targeted and timely policy interventions. The Academy is collaborating with the Ministry of Electronics and Information Technology Government of India and other Institutions of Eminence in this sector to impart inputs on Data Analytics and E-Governance.

Focus on Rural Management/Rural Enterprise and Rural Supply Chain & Cooperatives: There is an urgent need to revamp our agriculture practices, to better manage the rural agro-supply chain and to promote agro-based enterprises effectively. IAS Officers should understand the significance of these sectors so as to better contribute to the country's economic growth effectively and sustainably. Recently the Government of India has created new Ministry of Cooperation for renewed focus on the vast cooperative sector of the country.

New pattern of Evaluation and Assessment: Moving away from the traditional evaluation pattern of only conducting periodic examinations, the Academy has decided to give emphasis on concurrent evaluation after each academic module through submission of papers, individual/ small group presentation, debates & discussions etc. This will help to

cultivate innovative ideas and thoughts in the minds of IAS Officer Trainees about the concerned sector. Also getting the opportunity of presentation, debates, discussions etc. will further develop the communication and soft skills, and assist in diminishing the hidden inhibitions and fears in the minds of some of the Officer Trainees.

New Module on Environment & Forest (Man-Animal Conflict): For survival of human beings, it is necessary that all the wildlife species and natural resources must be conserved, promoted and protected. Due to rapid encroachment by human beings on the forest areas, the natural habitats of many wild species is shrinking faster leading to frequent interface and conflict of the wild animals with humans in various parts of the country. Also due to increasing demand of the infrastructural development, many natural eco-systems are getting damaged. There is urgent need for IAS Officer Trainees to understand the delicate balance between animals and human beings. Thus it has been decided to impart practical field module in this regard to the IAS Officer Trainees by taking them to Jim Corbett National Park for two days in collaboration with institutions of eminence in this field. Here, the Officer Trainees can observe and study issues such as relationship between human beings and wildlife, rehabilitation, effective interface between the general Administration and Forest/Wildlife Administration, prospects and challenges of ecotourism etc.

Renewed Emphasis on Physical Fitness and Sports: Great emphasis is being given on the physical fitness of the Officer Trainees. The Officer Trainees will be motivated to choose and excel in any of the sport of their choice, to help build a spirit of sportsmanship, apart from one's own physical & mental fitness regime. Also, on weekends, Officer Trainees are encouraged to undertake adventure sports such as white-water rafting in Ganges, treks, rock climbing etc. so as to stretch their minds and bodies. This will explore new limits and also to imbibe a sense of adventure and ability to face uncertain situations.

Overall the Academy will aims to strive to build the virtue of **Character & Integrity** in the young IAS Officer Trainees and to build a deep sense of ***"Discipline & Duty"***.

Outdoor & Extra-Curricular Activities

In Phase -I Professional Course, the attempt is to raise the bar, not only in aspects of their physical fitness but also in their chosen sport in Academy. For this, skilled trainers across the nation are being invited to guide, support and assist in the journey of each individual trainee. Focus would be given that the sessions remain engaging, interesting and importantly injury free across the course. By the end of the Course it is expected that the trainee imbibe the values associated with sports and physical fitness like, discipline, team spirit, camaraderie, and most importantly learning the 'wisdom of body' wherein the trainees understand their bodies well and learn to listen to its requirements in the fitness arena.

The Outdoor activities are divided into two parts - Morning and Evening Activity. For the above the Officer Trainees would be divided into smaller groups based on the activity they have chosen for the morning slot. The Groups will be shuffled after every 3 weeks, so that all get the benefits of the various activities that are offered by the Academy.

The main objectives of the Evening Outdoor Pedagogy would be the following:

- To provide all possible opportunities to the trainees to pick up the sport of their choice from the following, learn it well and raise their bar enough to be able to get the confidence and skill to participate at the State/National Level: Badminton/ Lawn Tennis/ Table Tennis/ Swimming/ Horse Riding/ Chess.
- To bring individuals of both genders and of all physical abilities to a higher level of proficiency in self-defense. The trainees would be given the professional training of Krav Maga by professional and skilled UAC Trainers.
- Horse riding has been an integral part of the training of Officer Trainees. It not only helps promote physical strength and mental fitness of the individuals but also helps develop agility and enhance the sense of empathy and socialization. Interaction with horses in the overall horse riding activity is one of the crucial aspects the rider gets exposed to, which further promotes companionship.

In cases of serious incapacitation preventing movement, prior permission has to be obtained from the Associate Course Coordinator (Discipline) and in his absence, from the Associate Course Coordinator (Outdoors). However in such cases, health check-up will be done in the Medical center in order to ascertain the level of sickness and necessity of complete exemption from the Physical activity and sessions. On weekends, adventure sports activities and treks may be scheduled.

Officers with interests and hobbies beyond just the official work are better equipped to handle the stress that the job creates. In the Phase I programme, the Officer Trainees will be encouraged to develop a passion for creative activities through extracurricular modules. There will also be performances by national level exponents in music, dance and theatre.

Annexure-1

Participants in IAS Phase-I (2022 Batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	13	02	15
Andhra Pradesh	07	03	10
Assam-Meghalaya	06	03	09
Bihar	07	03	10
Chhattisgarh	02	01	03
Gujarat	06	03	09
Haryana	04	02	06
Himachal Pradesh	02	00	02
Jharkhand	02	04	06
Karnataka	03	01	04
Kerala	08	01	09
Madhya Pradesh	06	02	08
Maharashtra	09	04	13
Manipur	04	01	05
Nagaland	01	00	01
Odisha	04	02	06
Punjab	04	01	05
Rajasthan	07	02	09
Royal Bhutan Civil Service	02	01	03
Sikkim	02	00	02
Tamil Nadu	07	03	10
Tripura	03	02	05
Telangana	04	02	06
Uttar Pradesh	09	05	14
Uttarakhand	02	00	02
West Bengal	08	04	12
Total	132	52	184

District Training of 2021 Batch (53 Weeks)

The objective behind district training is to expose the Officer Trainees to the entire range of activities at the district level. All the states have their own training schedules and accordingly, the time devoted to various attachments of training may differ. But, during these attachments, Officer Trainees get to become familiar with the functioning of the Collectorate, procedures for Revenue Administration, Role of Executive Magistrates, Various Centrally and State sponsored Development Schemes & Programmes, Police & Forest Administration, Court Work and the working of other District – level Departments etc. Although the duration of attachment and the nature of duties assigned may vary from State to State, it is useful for the Officer Trainees to obtain an exposure to the following functions during their field training.

- Attachments with different Offices and Departments in the District
- Independent Charges to Officer Trainees
- Attachment with the State Training Institutes
- Attachment with the State Secretariat

One of the main purpose of the District Training for an Officer Trainees is to get an opportunity to understand following issues during their attachment with each department/unit.

- Organizational structure, roles and responsibilities in the department.
- Basic understanding of Acts and Rules governing the department.
- Office procedures – understanding a file, methods of noting/ drafting, preparation of office orders and movement of file.
- Budgeting and Audit – understanding the procedure and sequence of resource allocation, guidelines for expenditure, financial powers vested with officials and audit.
- System of programme implementation, monitoring and report.

During district raining, the Officer Trainees also get to undergo the following assignments:

- Drafting of Demi – Official (DO) Letters once in two months
- Village Study Assignment & Land Revenue Assignment
- Tehsildar Survey Assignment
- Brick Kiln Assignments/Migrant Labour Assignment/Geographical Indication Assignment
- Dissertation Report on various important issues assigned by the Academy
- Court Work Assignments
- Language Assignments

Mid- Career Training Program for IAS Officers

The issue of mandatory and structured mid-career training for IAS Officers was formalized with the introduction of the Mid-Career Training Program (MCTP) in 2007. The objective of MCTP was to equip officers to handle the next, higher level of responsibilities at certain identified stages of their careers; broadly when they were primarily working in the field (7-9 years), at the policy formulation stage (15-18 years) and inter-sectoral policy formulation and implementation stage (27-28 years). These three stages were named Phase II, IV and V respectively. In the first three-year cycle, these programmes were outsourced by the Ministry to international/national institutions of repute. However, since 2010 the mandate for the design and delivery of the program was reviewed by Government and the durations were shortened. The revised programme is as follows: Phase-III (weeks), Phase-IV (4 weeks including 1 week Foreign Study Tour) and Phase-V (3 weeks).

16th Round of Phase-IV of MCTP (4 Weeks)

Name of Course	16th Round of Phase-IV (MCTP)		
Duration (Specify Dates)	18th July – 12th August, 2022		
Name of Course Coordinator	Ms. Radhika Rastogi		
Names of other members of Course team	Shri Vizay B. Vasanta, Ms. Anandhi, Dr. Sunita Rani, Dr. Sanjay J. Joshi and Shri Romeo Vincent Tete		
Number of participants	Total	Male	Female
	94	78	16
Batches which participated	Officers of 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006 and 2007 Batches		
Course inaugurated by	16th Round of Phase-IV (MCTP)		
Valedictory Address by	Shri Pema Khandu, Hon'ble Chief Minister, Arunachal Pradesh		

Course Aim

To equip officers who have completed 14 to 16 years of service and effective transition to policy formulation and better implementation.

Course Objectives

- Appreciate the role of political economy and institutions in public policy and governance;

- Understand the process of public policy formulation, analysis, implementation and evaluation;
- Apply tools of policy analysis to better understand and solve policy problems; and
- Strengthen individual leadership and negotiation skills.
- feedback
- Aimed at leveraging on participants experience and knowledge and peer to peer learning
- Interactive and participative
- Attempt to provide strategic and global perspective.
- Mix of speakers- academicians, senior officers, grassroots practitioners, industry: National and International.

Broadly, the course included the following thematic areas:

Week 1

- Economics for Public Policy
- The Last Mile-Turning Public Policy Upside Down
- Career Progression
- Maternal and Child Health & Nutrition
- Future Policy Making
- Urban Transport
- Urban Policy
- Procurement in Government – Policy Challenges
- Disaster Management

Week 2

- Rationale for Public Policy
- North-East Integration
- Economic Utility of Agro Commodity Derivatives
- Overcoming Challenges of the Active Borders of Jammu, Kashmir & Ladakh
- Cyber Security
- Facilitated Conversation
- Final Lecture: Facilitated Conversations
- EPoD India – Policy Evaluation
- Importance of Art & Culture
- Education

Week-3

- Disinvestment
- Environment and Climate Change

- Census
- Ethical Dilemmas of IAS Officers
- Engaging with Startups and Leadership
- Eat Right – Nutrition and well being
- Questionnaire
- Reflection Exercise
- Negotiation Module
- Policy Communication
- Ayush Integration
- Delhi EV Policy
- Maximizing the demographic dividend through National Education Policy 2020
- MSME

Week - 4

Though Phase –IV MCTP course typically has a week of Foreign Study Tour (FST), however, due to COVID related travel restrictions, physical travel to foreign Universities could not take place. In lieu of FST, to ensure that the participants do not lose out on learnings from global best practices in leadership, a Module on Leadership-Theory “U” was organized during the last week in collaboration with Presencing Institute, Cambridge, USA.

Evaluation of Participants

Grade	No. of Participants
A+	22
A	38
B+	34
Total	94

Course Coordinator’s remarks

The Phase IV MCTP has been successfully completed which was scheduled from 18th July to 12th August 2022. The course was held completely in the Academy, and due COVID related precautions were taken.

Phase IV was designed with focus on public policy formulation and implementation. All the four weeks were spent by the participants at the Academy itself. There was no foreign study tour for

the current programme.

The program sought to equip the participants with skills and attitude for continuous learning. Inputs were provided on various sectors, policy formulation and skills in negotiation, leadership and evidence-based policy design.

In addition to mandatory morning activity every day, the programme also included several cultural programs in which the trainees participated with great enthusiasm. Short Treks, sports and games were also organised. The participants were evaluated based on the individual case studies written by them and Group presentations on various policy challenges.

Induction Training for Officers of the State Civil Services Promoted to IAS (4 Weeks)

Induction courses are conducted for officers on a select list of various states or officers promoted to the Indian Administrative Service from the State Civil Services. The aim of these courses is to update levels of knowledge, skills and to provide opportunities for exchange of ideas, views and experiences with people who have developed expertise in different sectors of national development. Considerable focus is given to new managerial thoughts, techniques and skills as well as to the frontier areas of technology and its management. There is an emphasis on imparting an All-India perspective to its participants. The officers are also taken on a tour of premier institutions in the country to expose them to the pan-India character of the service.

124th Induction Training Programme for IAS Officers

(13th February – 24th March, 2023)

Programme meant for / Target group	Officers from State Civil Service who have been inducted (Promotion/Select List) into IAS
Course Coordinator	Mrs. Chhavi Bhardwaj
Associate Course Coordinator	Mrs. Disha Pannu, Dr. Sanjay J. Joshi, Dr. Ekta Uniyal, Mr. Romeo Vincent Tete
Inaugural address by	Shri Deepak Khandekar, IAS (Retd), Former Secretary, DOPT, Ministry of Peronnel, Public Grievances and Pensions
Valedictory Address by	Shri Ajay Mittal, IAS (Retd), Former Secretary, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions
Total No. of Participants	Total – 129 [Male- 103; Female- 26]

Course Objectives

- ✓ **To understand the all-India nature of Administrative Services and develop an all-India perspective on the working of public administration and the macro-economy of the country.**
- ✓ **To be better equipped to handle their assignments with the knowledge of latest policies and programmes in various sectors as well as learnings from experiences of the fellow participants**
- ✓ **To be able to apply the principles of collaborative working and leadership and negotiations in their various work setting.**

The pedagogy that was adopted to meet the course objectives included Lecture and Discussion, Case Studies, Heritage/Nature Discourse, Experience Sharing Presentations, Films And Discussions, Management Games, Group Work.

Course Design

Week 1	Reflections, IAS in perspective, Tour of the Academy, Deconstruction Module, Module on Leadership, Perspectives on India's North East, Introduction to Data Analytics and Hands-on practice of What-if-Analysis and Predictive Analysis, Ethics for Administrators, Gender: Inclusion and Inter-sectionality, Eat Right-The Strategy of 3S, Hands-on practice of Descriptive Analysis and Graphical Analysis.
Week 2	Hands-on practice of Artificial Intelligence (AI) Tools- ChatGPT, CM Dashboard and Data Analytics, GSTN-Application and Analytics Framework, GeM Portal-Experiences of Procurement & Analytics, ICT, Mental Health, Overview of Education Section: Focus on NEP, Non-Governmental Support for Enriching Education, Use of Technology for Immersive Learning, Panel Discussion: 360 Perspective, Health Systems Strengthening: Bijapur and Bastar Experience, Anemia: A crucial Public health challenge, Gati Shakti and Single Window Clearance System, Airport Sector, Port Sector, Investment Promotion through DPIIT's Vocal for Local initiatives, ODOP- Districts as Export hub, Urban Governance- Slums, Civic Amenities and Citywide Inclusive Sanitation, Carbon Trading and Green Emission, Instruments of Municipal Finance, Urban Planning: Redevelopment in Cities, Case Study Discussion: Redevelopment in Cities, Module on Emotional Intelligence.
Week 3 & Week 4	Bharat Darshan
Week 5	Financial Framework of Procurement, General Financial Rules (GFRs), Budgeting, Goods and Services Tax (GST), Project Management, All India Service Rules (AIS), Use of Drugs and Role of Administrators to Tackle the Menace, National Security, Procurement, Company Law, Negotiation Module.
Week 6	Rural, Tribal Development and Livelihoods, Use of Artificial Intelligence in Government, Overview of Defence, Handling Legal Matters, Rural Development and Livelihoods, Practices from the field – Rural Development, Gender Sensitive Communication.

The participants were to submit a 1500 words essay/research paper on any intervention made by them in the state, public policy or any topic of interest in administration with their own suggestions.

The participants were evaluated out of 100 marks, 20 of which were Examination MCQ type, 20 for Case Study, 20 for Group presentation, 20 for Field Intervention Group Activity and 25 for Director's Assessment.

Weekend Modules

- (i) Trek to George Everest
- (ii) Visit to IMA

Bharat Darshan

The course features a 02 week long Bharat Darshan. Participants were grouped in such a way that they get to visit parts of country they have not served in. The central idea of the Bharat Darshan was to acquaint participants with the larger national issues with attachments with the Army/Air Force/Navy, Central Public Sector Undertakings, large public sector infrastructure projects and India's North Eastern States

Course Coordinator's Report

- The objective of the Induction Training Programme was to enable participants who have been promoted from state civil services into the IAS to understand the all-India nature of the Indian Administrative service and develop a national perspective on the working of public administration and the macro-economy of the country.
- Further, the aim was to equip these officers with the knowledge of latest policies and programmes in different sectors of governance as well as with skills that are vital to effective performance in the administrative context of today.
- The 124th Induction Training Program for officers promoted from the State Civil Services to the Indian Administrative Service was designed in response to the Honourable Prime Minister's call for a shared national vision.
- 124th ITP had 131 participants from batches 2008 to 2020. They come from 18 states and 6 UTs. 20% of these were female participants. The average age of participants was 52 years. The group had served an average of 23 years in the state governments in different administrative capacities.
- Mission Karmayogi aims to create an ideal civil servant, one who is imaginative and innovative, proactive and polite, professional and progressive, energetic and enabling, transparent and tech-enabled, constructive and creative. Administrative leaders embodying these leadership styles and values will be best positioned to serve the nation and its citizens. Accordingly, the course has been so structured that domain, functional and behavioral inputs are woven into the course design.
- **In a clear change from the past, this course comprised thematic modules, some of which addressed the domain and functional inputs while some modules clearly focused on the behavioral dimension of civil service.**
- Inputs on leadership, emotional intelligence, negotiation, inclusion, gender and ethics skills were aimed at honing behavioral dimensions of a civil servant. The course incorporated inputs on AI and data analytics as well as procurement, financial management and budgeting – domain inputs that are relevant and useful for practitioners working across different domains.
- Thematic sectoral inputs on infrastructure and industry, urban governance and rural development, health, nutrition, education and skills, agriculture and land management etc were organized in the form of day-long modules wherein domain experts interacted with course participants around thematic areas.

- Hands-on ICT skills - particularly the organization, management, analysis and interpretation of data using analytical tools was an integral part of ITP with an average of 2 ICT sessions per week to focus on acquisition of hands-on skills on data processing and analysis tools. 124th ITP featured a full day module on AI and Data Analytics in addition to regular ICT practical sessions.
- The pedagogy for the course was realigned with the introduction of pedagogical tools that facilitated greater participation, experience sharing and peer learning. While most of the sessions were delivered in a lecture form earlier, case study based learning, panel discussions, group work, role plays and group assignments around problem solving in an administrative context were introduced as modalities for teaching and learning during the 124th ITP.
- The 124th ITP featured, for the first time, a day-long deconstruction module where experienced officers who were inducted into the IAS from states across the country interacted with participants and shared their experiences of having implemented important projects or having played key roles in framing / executing key policies. This was to bring to focus the need for a clear role change and hence, to adopt a systemic perspective to decision making. Post initial experience sharing and interaction around thematic areas in breakout sessions, the group reconvened for the plenary that will take the form of a panel discussion. The keynote address for the Deconstruction module was delivered by Shri Deepak Khandekar, former Secretary, DoPT, GoI.
- From 124th ITP onwards, a day-long module designed as a field intervention group activity was also introduced. The idea was peer learning and participation such that real life scenarios faced by senior administrators were presented as problems to groups of participants for them to deliberate upon and propose a solution. Sessions on India's North East and National Security were curated to bring in a larger perspective as we went about laying out the landscape of governance.

The course featured a 2 week long Bharat Darshan as well. The two-week Bharat Darshan program was aimed at helping officers gain a larger, national perspective that enabled them to contextualize and understand the canvas of governance. Attachments with the Armed Forces - the Army (Srinagar), the Navy (Kochi) & the Airforce (Ambala, Hyderabad) were incorporated to underscore the dimension of national security. A visit to capitals of one North-Eastern state (Mizoram, Arunachal Pradesh, Meghalaya and Sikkim) was incorporated in every route itinerary to re-emphasize the focus on development of north east states as a vital component of national development. Further, there were attachments with large public/private sector undertakings(JN Port Trust Mumbai, Visakhapatnam Port Trust , GIFT City,Ahmedabad SEZ, T-Hub Hyderabad) municipal corporations (Ahmedabad, Chandigarh, Bangalore, Hyderabad, Bhubaneshwar) and SPVs delivering key public services in important domains of governance.

Details of the Participants

The 124th Induction Training Programme (ITP) had officer Participants from 19 different cadres. The break up for the same is as detailed below:-

State	Female	Male	No. of Officers
AGMUT	2	16	18
Andhra Pradesh		4	4

Assam-Meghalaya	3	2	5
Chhattisgarh	3	5	8
Gujarat		11	11
Haryana		4	4
Himachal Pradesh	2	4	6
Jharkhand	1	2	3
Karnataka	2	1	3
Kerala		2	2
Madhya Pradesh	3	4	7
Maharashtra	1	16	17
Manipur	1	2	3
Odisha	1	5	6
Punjab	1	6	7
Rajasthan	5	10	15
Tamil Nadu		2	2
Uttarakhand		5	5
West Bengal	1	2	3
Grand Total	26	103	129

The Evaluation report of Participants is as follows:-

Grade	No. of Participants
A+	01
A	24
B+	83
B	21

2nd Common Mid-Career Training Programme

Name of Course	2nd Common Mid-Career Training Programme
Duration	27th October to 31st October, 2022
Course Coordinator	Ms. Radhika Rastogi, Special Director
Associate Course Coordinator	1. Ms. Chhavi Bhardwaj, Deputy Director (Sr.) 2. Shri Abhiram G. Sankar, Deputy Director 3. Shri Romeo Vincent Tete, Assistant Director
Participants	Total: 130 - Male: 95; Female: 35
Batches represented	2002 batch officers from 18 services
Course inaugurated by	Shri Srinivas R. Katikithala, Director, LBSNAA
Valedictory address by	Joined the address by Hon'ble Prime Minister online who was addressing the Officer trainees of 97 th Foundation course.

Course Aim

The Common MCTP aims at bringing together officers from different services who occupy important positions at senior levels in various government organizations, to promote collaboration and enhance leadership capacities. This programme strives to instill a sense of national pride, mission & camaraderie among the participants, who will lead their teams to learn, build & deliver on national aspirations & goals.

Course Objectives

- Discover and enhance next level leadership capacities;
- Strengthen the common understanding of national aspirations and challenges;
- Bring a stronger collaborative work ethic in their official functioning; and
- Ensure citizen centric efficient service delivery of the highest standard.

Course Design

The course was conducted by Dr. R. Balasubramaniam, Member, Capacity Building Commission. The theme of the course was 'Exercising enlightened leadership'. The day wise topics were - Understanding Leadership and Authority, Understanding 'Self' and 'Others', Adaptive vs. Technical Challenges & Enlightened leadership – A New Framework for

Leadership. On the fifth day, a panel discussion on digital governance was organized with some of the participants as panelists.

The participants were required to complete the online course –“Digital Governance” before coming to the Academy. This provided a common platform to all the participants to approach a national challenge and to discuss various means and opportunities to achieve this goal.

The second Common Mid-Career Training Program was designed to de-siloize the senior leadership in government and create a shared national vision. It aimed to forge a strong Civil leadership at the policy making level equipped with the tools to lead their organization to learn and adapt to various challenges and pursue excellence.

This is the first attempt to introduce the idea of well-being into the training course at the Academy. The five day training programme was designed to focus on the physical and mental well-being of the participants. Each day began with yoga practice in the morning followed by a millet based pro-biotic drink. The menu was specially curated on the principles of Ayurveda and consisted of '*satvik*' dishes to promote detoxification. The health parameters such as blood pressure, blood sugar, weight of the participants before and after the five day regime showed positive impact on the health of the participants especially for those suffering from disorders like diabetes, hypertension, and digestion. Nature Walk to George Everest was organized which was well received by the participants.

28th Joint Civil Military Programme
(8 June to 17 June, 2022)

Course Name	28 th Joint Civil Military Programme (8 June to 17 June, 2022)
Course Coordinator	Ms. Disha Pannu, Course Coordinator
Associate Course Coordinator(s)	Shri Hari Lal Chauhan, Associate Course Coordinator
Programme inaugurated by	Shri Rajnath Singh, Hon'ble Defence Minister
Valedictory address by	Shri Srinivas R. Katikithala, Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Composition of Group–Service represented and male/female breakup	Total = 47 (Male- 45; Female- 02)
Programme meant for/Target Group	All India Services -IAS, IPS, IFoS, Central Civil Services- IFS, IC&CES, IRS, IRTS, IDAS, IDES Paramilitary Organizations- BSF, CRPF, NSG, ITBP, SSB Defence Services - Indian Army, Indian Navy, Indian Air Force, Coast Guard, Integrated Defence HQ, Raksha Sewa Staff College Intelligence-IB, Cabinet Secretariat Other Organizations - CBI
Seniority Level	Joint Secretary/Director to the Govt. of India Major General/Brigadier/Colonel in the Armed Forces

Introduction of the Course

The Joint Civil-Military Training Programme on National Security is a flagship course of the Academy. It was introduced in 2002 consequent to the report of the Group of Ministers on reforming the National Security apparatus.

Objectives, Course Activities and Highlights

- To increase awareness levels about the different dimensions and elements of National Security and the various threats to the Indian state;
- To familiarize the participants with challenges to management of national security, external security environment and internal security environment;
- To create awareness on different dimensions of security (Cyber, Environmental, Economic, Energy) as well as threats to such security;
- To expose them to the imperatives of civil-military interface; and
- To provide an opportunity for the participants to interact and exchange ideas on the subject

The 28th iteration of the JCM program was the first programme which infused the principles of “**Mission Karmayogi**”. The critical components of Mission Karmayogi are desiloization, inter-institutional collaborations and a shift from ‘rule’ to ‘role’. Accordingly, the main emphasis in the 28th iteration was on broadening the base and including more stakeholders in the training. Accordingly, officers from Indian Information Services and scientists from DRDO were also invited in the training for the first time. Widening the base of participants by inviting nominations from different sectors provided the requisite richness of experiences in the course and ensured a deeper understanding of the roles and challenges of other services leading to breaking the silos. The presence of scientists from DRDO in the program also provided a platform for all stakeholders to engage with the Research and Development organization of the nation opening vistas for collaboration. The instructional inputs comprised Ice-breaking sessions, lectures, Panel Discussions, Case Studies, Visit to Khalanga War Memorial, Treks, group discussions and films. The program attempted to juxtapose alternate view points on critical issues for deeper understanding of security challenges. It also aimed to harness the rich and diverse experience of the participants for more effective learning. The proximate objective of this program was to meet the perceived gaps in knowledge, skill and attitude in respect of comprehensive national security through appropriate training inputs. Besides the Academic inputs, ample opportunities were created for building camaraderie and life long bonds.

Group photo of 28th JCM Training Programme



LAL BHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION, MUSSOORIE



Sitting Row(L-R) Rita Raj, Patil Ketan Baliram, DIG Pankaj Verma, Gp Capt Solajan Kannan VSM, Satpal Rawat, Maj Gen Ajay Kumar Verma, AVSM, Disha Pannu, Srinivas R Katikithala, Hon'ble Defence Minister Shri Rajnath Singh Radhika Rastogi, Hari Lal Chouhan, Air Cmde V. M. Reddy, DIG Rana Yudhvir Singh, DIG Srishtiraj, Capt Vikrant Shankar Sabnis, Prawin Kumar, Anuya Venkatesh

Standing Row(L-R) I Sonam Chombay, Satya Narayan Choudhary, Veenu Bansal, Raj Kumar Negi, Cmde Rajan Dhimani, Col Navjot Singh, SM, DIG I. J. Singh, Cmde Sandeep Berry, Raj Kumar, Rahul Garg, Priyatu Mandal Dr. Jitendra Gupta, S. R. Natesha, Nabarun Dhar, Debasish Lahiri, Amarnath Kesari, Vivek Kumar Jain, Pramod Verma, Ajay Kumar Mishra, Col H. Sabarinath, YSM, Raju Agasimani

Standing Row(L-R) II Surinder Khatri, Amaram Gujar, Air Cmde B. J. Mammen, VSM, Ameya Abhyankar, Col Dalbir Singh Rawat, Anwar Ali TP, Col A. S. Gill, S. Jayaprasadam, R. K. S. Rawat Dr. Sanjay Kumar Mishra, Vidhyadhar Vasudeo Pawar, Col Ashok Kumar Sharma, SM, Dr. Atul Dev, Col Puspendar Sorayan

Service-wise breakup of participants in 28th JCM

Service	Female	Male	Total
BSF		2	2
Cabinet Secretariat		1	1
CRPF		1	1
HQ IDS		1	1
IAS		2	2
IB		1	1
IDAS/CBI		1	1
IDES		1	1
IFoS		2	2
IFS		1	1
IIS		1	1
Indian Air Force		3	3
Indian Army		5	5
Indian Coast Guard		2	2
Indian Navy		3	3
IPS		4	4
IRS (C&IT)		4	4
IRS (IT)		3	3
IRTS	1		1
ITBP		2	2
NSG		1	1
SSB		1	1
Scientist	1	3	4
Grand Total	2	45	47

Research Centres

Center for Disaster Management (CDM)

**Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA),
Mussoorie-248179**

Centre for Disaster Management (CDM) is a research and training Centre and a unit of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie, Department of Personnel & Training (DoPT), Government of India. It was established in the year 2003, and registered as autonomous society under Societies Registration Act (Reg.No-199/2007-2008 Dt. 26-05-2007). The Centre has is involved in training of civil service officers (the IAS and other Group-A civil services) at induction as well as at Mid-Career level in various aspects of disaster mitigation (policy, planning, programme formulation and implementation) through classroom sessions, case studies, experience sharing presentations, panel discussions, workshops, mock drills, besides undertaking action research projects, the Centre was also involved in publication activities such as documentation of best practices, development of case studies, books, and development of IEC materials in the area of Disaster and Emergency management and Science and Technology.

Since 2007, the Centre is also engaged in conducting a number of tailor-made training programmes under the XI Five Year Plan for the Plan Scheme “National Programme for Training of Scientists & Technologists working in the Govt. Sector” in collaboration with the Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi. Hundreds of scientists and technologists across the country have got exposed to the training environment of this premier institute with its unique pedagogical approach. The Centre was supported by the ministry of Home affairs since 2012-13. The CDM has been receiving support from National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India and New Delhi under the Project entitled “Capacity Building on Disaster Management for IAS/ Central Civil Services Officers”.

A. Inputs on major initiatives/ achievements of CDM for the development and management of Human Resources

CDM, LBSNAA has successfully conducted the following training programmes for IAS/ Central Civil Services Officers, Scientists & Technologists working in government sector.

1. 3 days Annual Joint Training Programme on “Disaster Risk Management” for officers belonging to the IAS/ IPS/ IFS (16 -18 November 2022)

Programme meant for/ target group	IAS/ Central Service Officers in India (Secretary/ Joint Secretary (DM department), District Magistrates/ Deputy Commissioners, Additional District Magistrates/ Additional Deputy Commissioners, Sub-Divisional Magistrates from multi hazard prone districts)
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Shri Srinivas R Katikithala, IAS Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Shri Abhiram G. Sankar IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Valedictory Address by	Smt. Radhika Rastogi, IAS Special Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Shri Abhiram G. Sankar IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 15 (Gentlemen-15)

The 03 (three) day **Annual Joint Training Programme on “Disaster Risk Management” for officers belonging to the IAS/ IPS/ IFS** was organised from **16 -18 November 2022**, at Kalam Hall, Indira Bhavan, LBSNAA, Mussoorie. The programme was a part of the ‘**Azadi Ka Amrit Mahotsav**’, **commemorating 75 years of India Independence**, designed especially for the IAS/IPS/IFS Officers the different states of India. The three-day training programme was

organised by the Centre for Disaster Management (CDM), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Department of Personnel & Training (DoPT), Government of India in association with Odisha State Disaster Management Authority (OSDMA), Government of Odisha, under the National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India scheme titled “Capacity Building on Disaster Management for IAS/ Central Civil Services Officers”.

Aim and Objectives of the training programme:

The main aim of this training programme is to achieve the Vision stated in the National Disaster Management Plan, 2019 to “Make India disaster resilient across all sectors, achieve substantial and inclusive disaster risk reduction by building local capacities starting with the poor and decreasing significantly the loss of lives, livelihoods, and assets in different forms including economic, physical, social, cultural, and environmental while enhancing the ability to cope with disasters at all levels”.

The specific objectives of this training programme are:

- To familiarize the participants with challenges and strategies to disaster risk management (focusing on heatwave, cloud burst, flash flood and forest fire etc.).
- To provide an opportunity for the participants to interact and exchange ideas on the subject.
- To expose them to the imperatives of Inter-services synergy.
- To increase awareness of the different dimensions and elements of Disaster Management
 1. Conforming to the national legal mandates – the DM Act 2005 and the NPDM 2009
 2. Coherence and Mutual Reinforcement for DRR of the Post-2015 Global Frameworks
 3. Prime Minister’s Ten Point Agenda for DRR articulating contemporary national priorities.
 4. Social inclusion as a ubiquitous and cross-cutting principle
 5. Mainstreaming DRR as an integral feature

Broad Themes:

The programme was designed to provide orientation to the officers on following thematic areas through presentations on best practices and learnings in disaster risk mitigation and management by administrators, area experts, experience sharing.

1. Prevention/Mitigation: Capacity Building; Understanding Risk; Tracking Risk Reduction Measures; Disaster Risk Reduction: Planning (Structural & Non-structural measures); Resource Management
2. Preparedness & Planning: Risk Forecasting & Forecast Based risk Communication: Early Warning; Evacuation; Perspective DMP Planning: Contingency Planning & Resource Mobilization; Monitoring
3. Response: Community Based Disaster Response; Search & Rescue; Inter-Agency Coordination; Disaster Database; Loss & damage assessment; Emergency Relief (Food, Water, Healthcare, Medicine, Shelter, Trauma Care); Restoration of Services
4. Build Back Better in Recovery, Rehabilitation and Reconstruction: Mainstreaming Disaster Risk Reduction and Climate Change Risk Management; Community Recovery (Psycho logical and Social & Economic Recovery); Effective Implementation; Investing in DRR- Structural & Non-Structural Measures

Outcome of the training programme:

This programme will be able to strengthen the existing system of disaster management by fostering structured interface between All India Services for a shared understanding of Disaster Risk Reduction and to improve coherence between field level administrators for better risk management and in striving to achieve the national goals and can also enhance the degree of camaraderie amongst the various services as well as improve cohesiveness in their functioning which would led to improve governance.

2. 3 days District Disaster Management Plan & Incident Response System for IAS Officers (06-08 February, 2023) at LBSNAA, Mussoorie

Programme meant for/ target group	IAS/ Central Service Officers in India (Secretary/ Joint Secretary (DM department), District Magistrates/ Deputy Commissioners, Additional District Magistrates/ Additional Deputy Commissioners, Sub-Divisional Magistrates from multi hazard prone districts)
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM

	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Course Inaugurated by	Smt. Radhika Rastogi, IAS Special Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie Shri Abhiram G. Sankar IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Valedictory Address by	Shri. Kunal Satyarthi, IFS Joint Secretary & Advisor (Policy & Plan), National Disaster Management Authority, New Delhi Shri Abhiram G. Sankar IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Total no. of Participants	Total: 25 (Gentlemen-19 & Ladies-06)

The 03 (three) day **3 days District Disaster Management Plan & Incident Response System for IAS Officers for officers belonging to the IAS** was organised from **06-08 February, 2023**, at Kalam Hall, Indira Bhavan, LBSNAA, Mussoorie. The programme was a part of the ‘**Azadi Ka Amrit Mahotsav**’, **commemorating 75 years of India Independence**, designed especially for the IAS/IPS/IFS Officers the different states of India. The three-day training programme was organised by the Centre for Disaster Management (CDM), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Department of Personnel & Training (DoPT), Government of India in association under the National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India scheme titled “Capacity Building on Disaster Management for IAS/ Central Civil Services Officers”.

Aim and Objectives of the training programme:

The broad objective of this pre-event is to sensitize officers on Disaster Risk Reduction and to orient them to designing and preparing, evaluating the District Disaster Management Plans Integrating Incident Response system as per the guidelines laid by the NDMA, Government of

India with respect to various disasters. The programme was designed to provide orientation to the officers on following aspects through presentations on best practices and learnings in disaster risk mitigation and management by administrators, area experts, experience sharing. The pre-event on District Disaster Management Plan (DDMP) and Incident Response System (IRS) aims to provide necessary and useful fundamental knowledge and skills on disaster risk management, incident planning and response in order to enhance the capabilities of disaster managers, who wish to reduce the impact of disastrous events on communities.

- To familiarize the participants on disaster risk management systems in India; disaster risk and challenges for SDGs
- To appraise on policies, planning - operational approaches and tools for disaster risk reduction
- To discuss on practical approaches of mainstreaming DRR into development planning across sectors at state/district, local and national levels
- To provide an opportunity for the participants to interact and exchange ideas on the Disaster Risk Governance
- To give an introduction overview of the framework, principles, concepts, practices and features of the IRS & DDMP for efficient Disaster Response Management
- To explain the need and importance of coordination between various government departments for ensuring effective response to disasters in India
- Participants will be encouraged to develop key skills and adopt proactive attitudes through participation in interactive lectures allowing discourse on a range of key
- Issues and to increase awareness of the different dimensions and elements of
- Disaster Management such as:
 1. Inform about disaster and its implications on the Sustainable Development Goals
 2. Conforming to the national legal mandates – the DM Act 2005 and the NPDM2009
 3. Coherence and Mutual Reinforcement for DRR of the Post-2015 Global Frameworks
 4. Disaster management framework for disaster risk reduction & Global Perspective
 5. Comprehensive understanding of the Sendai Framework and Prime Minister's Ten Point Agenda for DRR articulating contemporary national priorities.
 6. Social inclusion as a ubiquitous and cross-cutting principle
 7. Mainstreaming DRR as an integral feature
 8. Preparation of district disaster management plans, by integrating incident response system. These plans shall include measures for prevention/mitigation (capacity building;

understanding risk; tracking risk reduction measures; disaster risk reduction: planning (structural & non-structural measures); resource management); preparedness & planning (risk forecasting & forecast based risk communication: early warning; evacuation; perspective DMP planning: contingency planning & resource mobilization; monitoring); response (community based disaster response; search & rescue; inter-agency coordination; disaster database; loss & damage assessment; emergency relief (food, water, healthcare, medicine, shelter, trauma care); restoration of services); build back better in recovery, rehabilitation and reconstruction (mainstreaming disaster risk reduction and climate change risk management; community recovery (psycho logical and social & economic recovery); effective implementation; investing in DRR- structural & non-structural measures) for effective management of Disasters.

The specific objectives of this training programme are:

- To familiarize the participants with challenges and strategies to disaster risk management (focusing on heatwave, cloud burst, flash flood and forest fire etc.).
- To provide an opportunity for the participants to interact and exchange ideas on the subject.
- To expose them to the imperatives of Inter-services synergy.
- To increase awareness of the different dimensions and elements of Disaster Management
 - Conforming to the national legal mandates – the DM Act 2005 and the NPDM 2009
 - Coherence and Mutual Reinforcement for DRR of the Post-2015 Global Frameworks
 - Prime Minister’s Ten Point Agenda for DRR articulating contemporary national priorities.
 - Social inclusion as a ubiquitous and cross-cutting principle
 - Mainstreaming DRR as an integral feature

Broad Themes:

The programme was designed to provide orientation to the officers on following thematic areas through presentations on best practices and learnings in disaster risk mitigation and management by administrators, area experts, experience sharing.

1. Prevention/Mitigation: Capacity Building; Understanding Risk; Tracking Risk Reduction Measures; Disaster Risk Reduction: Planning (Structural & Non-structural measures); Resource Management

2. Preparedness & Planning: Risk Forecasting & Forecast Based risk Communication: Early Warning; Evacuation; Perspective DMP Planning: Contingency Planning & Resource Mobilization; Monitoring
3. Response: Community Based Disaster Response; Search & Rescue; Inter-Agency Coordination; Disaster Database; Loss & damage assessment; Emergency Relief (Food, Water, Healthcare, Medicine, Shelter, Trauma Care); Restoration of Services
4. Build Back Better in Recovery, Rehabilitation and Reconstruction: Mainstreaming Disaster Risk Reduction and Climate Change Risk Management; Community Recovery (Psycho logical and Social & Economic Recovery); Effective Implementation; Investing in DRR- Structural & Non-Structural Measures

Outcome of the training programme:

Outcome of the pre-event: The participants have become competent to formulate and review the DDMP and Incident Response Plan as per guidelines laid by NDMA for effective disaster response and also mutually benefitted by the peer and involved learning by interacting with trainers, external faculty and among themselves to achieve PM 10 Point agenda & Priorities of the Sendai Framework for Disaster Risk Reduction 2015-2030 & Sustainable Development Goals (SDGs).

3. 4 day Specialized Training Programme on Disaster Risk Reduction & Management (26 - 29 September 2022) at Itanagar, Arunachal Pradesh

Programme meant for/ target group	APCS officers, DDMOs and Nodal officers of other Departments
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Shri Pema Khandu, Hon'ble Chief Minister of Arunachal Pradesh Sh. Tage Taki , Minister Agriculture, Horticulture, AH &Vety, Dairy Development, Fisheries, Arunachal Pradesh Shri Srinivas R Katikithala, IAS , Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Shri Dharmendra, IAS , Chief Secretary of Arunachal Pradesh Shri Dani Salu, IDAS , Secretary of Disaster Management, Arunachal

	Pradesh Shri Abhiram G. Sankar IAS , Deputy Director & Director, CDM, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Shri Komkar Dulom , Director, SDMA, Arunachal Pradesh Dr. Ekta Uniyal , Assistant Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie- 248179
Valedictory Address by	Shri Dani Salu, IDAS , Secretary of Disaster Management, Arunachal Pradesh Shri Komkar Dulom , Director, SDMA, Arunachal Pradesh Shri Abhiram G. Sankar IAS , Deputy Director & Director, CDM, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Smt C. Wanglet , Deputy Director, SDMA, Arunachal Pradesh Dr. Pankaj Kumar Singh , Associate Professor, CDM, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Total no. of Participants	Total: 96 (Gentlemen-26; Ladies- 3)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of Disaster Mitigation
- To provide exposure to various tools and techniques for enabling community level disaster mitigation
- To provide exposure on effects of disasters on various socio-economic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Mitigation Planning
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR 2015-2030)

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction (DRR)
- Participatory learning and action (PLA)
- Community-based Disaster Risk Mitigation (CBDRM) Planning
- Role of Technology in Disaster Mitigation

- Office Disaster Management Plan

4. 2nd Customized Training programme on “**Disaster Risk Reduction & Management**” to be trained 49 officers (Civil Service Officers of Arunachal Pradesh (APCS Officer) at LBSNAA, Mussoorie duration on 05-12-2022 to 31-12-2022 but disaster session on dated 07 to 08-12-2022 & 28-12-2022

Programme meant for/ target group	Officers (Civil Service Officers of Arunachal Pradesh (APCS Officer)
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 49 (Gentlemen-29; Ladies- 20)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of Disaster Mitigation
- To provide exposure to various tools and techniques for enabling community level disaster mitigation
- To provide exposure on effects of disasters on various socio-economic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Mitigation Planning
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR 2015-2030)

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction (DRR)
- Participatory learning and action (PLA)
- Community-based Disaster Risk Mitigation (CBDRM) Planning
- Role of Technology in Disaster Mitigation
- Office Disaster Management Plan

5. Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists (25-29 July 2022)

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor & Nodal Officer, CDM, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Course Inaugurated by	Shri Srinivas R. Katikithala IAS, Director & Chairman , CDM, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179 Dr. Srivari Chandrasekhar Secretary & Chief Guest in Inaugural session , Dept. of Science & Technology, GoI, New Delhi Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie Dr. Ekta Uniyal, Assistant Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Valedictory Address by	Shri Upendra Tripathy, IAS (retd.) Honorary Principal Advisor (Education) to Hon'ble CM, Odisha & Adviser, Odisha Adasha Vidyalaya Sangathan, Government of Odisha, Qr. No -2, VIII MR, Unit-VI, Bhubaneswar- 751003 Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

	Dr. Ekta Uniyal , Assistant Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Total no. of Participants	Total: 29 (Gentlemen-26; Ladies- 3)

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of Disaster Mitigation
- To provide exposure to various tools and techniques for enabling community level disaster mitigation
- To provide exposure on effects of disasters on various socio-economic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Mitigation Planning
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR 2015-2030)

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction (DRR)
- Participatory learning and action (PLA)
- Community-based Disaster Risk Mitigation (CBDRM) Planning
- Role of Technology in Disaster Mitigation
- Office Disaster Management Plan

6. Climate Risk Management Policy and Governance” for Scientists & Technologists (30 Jan-03 February 2023)

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS , Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh , Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179

Course Inaugurated by	Dr. Akhilesh Gupta Secretary Science & Engineering, Department of Science & Technology, New Delhi Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Valedictory Address by	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie-248179
Total no. of Participants	Total: 23 (Gentlemen-22; Ladies- 01)

Objectives of the Training Programme:

- To deliberate on the mechanisms (various tools and techniques) for enabling community level disaster mitigation.
- To discuss emerging issues, Challenges and policies related to Climate change
- To provide exposure on effects of Climate change on Various Socioeconomic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Climate Risk Mitigation Planning
- To identify the policies, governance and planning and coordination mechanisms for inclusive climate resilience
- To collate information and exchange technical knowledge/ experiences and information for climate change adaptation and Disaster Risk Reduction
- To discuss learnings and recommendations for future course of action and to suggest future strategies, policies and options
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Paris Agreement, Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR).

Thematic Areas:

- Governance and Policy aspects
- Sectorial Impacts and solutions
- Climate Risk Mitigation Planning
- Climate Change Adaptation and Disaster Risk Reduction

Training methodology:

- a. Flipped classroom sessions, field visits and group exercises will be part of the pedagogy.

Additional Activities

- a. Village Visit for Application of PLA Tools and Techniques for Development of Climate Smart Village Plans & Group Presentations and Discussions
- b. Institutional Visits to Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Survey of India (SoI), and Forest Research Institute (FRI), Dehradun

7. “A Resilient Future: Science and Technology for Disaster Risk Reduction” for Scientists & Technologists (27 February to 03 March 2023)

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Course Inaugurated by	Shri Srinivas R Katikithala, IAS Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179 Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179 Dr. Ekta Uniyal, Assistant Director,

	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie-248179
Valedictory Address by	Dr. Vinod B. Mathur, IFS (Retd) Former Chairperson National Biodiversity Authority of India & Former Director Wildlife Institute of India, Dehardun Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie-248179
Total no. of Participants	Total: 25 (Gentlemen-23; Ladies- 02)

Objectives of the Training Programme:

- To explain Disaster Risk Reduction (DRR) related concepts and science and technology for DRR
- To identify and describe existing and emerging technologies for landslide and flood reduction
- To explain methodological tools to assess vulnerabilities and risk and strengthen the resilience of communities at risk of landslides, floods and earthquakes.
- To exemplify the role and the challenges of science and technological innovations for disaster risk reduction in an interdisciplinary manner including the importance of social aspects.
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Paris Agreement, Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR).
- To this course aims to introduce participants to existing and emerging technologies suitable for disaster risk reduction while promoting the overall aim of sustainable development

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction and Science and Technology for DRR
- Science and Technology for Risk Assessment
- Science and Technology for Prevention

- Science and Technology for Early-Warning and Preparedness
- Science and Technology for Disaster Response and Emergency Relief
- Science and Technology for Post Disaster Recovery and Reconstruction
- Science and Technology for Resilience and Sustainable Development

Training methodology:

- c. Flipped classroom sessions, field visits and group exercises will be part of the pedagogy.

Additional Activities

- d. Visit Mussoorie

**8. “Climate Change: Challenges and Response” for Women Scientists & Technologists
(13-17 March 2023)**

Programme meant for/ target group	Scientists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Course Inaugurated by	Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179 Dr. Pankaj Kumar Singh, Associate Professor, Centre for Disaster Management Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
Valedictory Address by	Dr. Vinod B. Mathur, IFS (Retd) Former Chairperson National Biodiversity Authority of India &

	Former Director Wildlife Institute of India, Dehardun Dr. Ekta Uniyal, Assistant Director Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie-248179
Total no. of Participants	Total: 24 (Ladies- 24)

Objectives of the Training Programme:

- Deliberate on the mechanisms (various tools and techniques) for enabling community level disaster mitigation.
- Discuss emerging issues, challenges and policies related to climate change
- Provide exposure on effects of climate change on various socioeconomic sectors and Livelihoods integrating
- Provide exposure on role of science and technology in community level climate risk mitigation planning
- Identify the policies, governance and planning and coordination mechanisms for inclusive climate resilience
- Collate information and exchange technical knowledge/ experiences and information for climate change adaptation and disaster risk reduction
- Discuss learnings and recommendations for future course of action and to suggest future strategies, policies and options
- Facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Paris Agreement, Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR).

Thematic Areas:

- Governance and Policy aspects
- Sectorial Impacts and solutions
- Climate Risk Mitigation Planning
- Climate Change Adaptation and Disaster Risk Reduction

Training methodology:

- a. Flipped classroom sessions, field visits and group exercises will be part of the pedagogy.

Additional Activities

- b. Institutional Visit Centre for Excellence in Disaster Mitigation and Management, Roorkee & CSIR, Roorkee
- c. Haridwar

9. In-house sensitization for modules (Environment and Climate Change with Disaster) on for 18th round of MCTP (IAS Phase-III) courses:

- to discuss Climate change and changing thresholds;
- to deliberate on the mechanisms (tools, frameworks, methodologies, action plans, guidelines);
- to discuss emerging issues, Challenges and policies;
- to examine the adequacy of existing legal, institutional frameworks and recent developments;
- to identify the policies, governance and planning and coordination mechanisms for inclusive climate resilience;
- to collate information and exchange technical knowledge/ experiences and information for climate change mitigation and adaptation;
- to discuss learnings and recommendations for future course of action;
- to suggest future strategies, policies and options; and
- to facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Paris Agreement, Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR).

Thematic Areas:

- Water security
- Biodiversity Loss & Ecological Imbalances
- Food security
- Climate Refugees
- Tectonic shifts in geopolitics
- Role of Technology
- Disaster Risk Reduction

Film: "2040" documentary film by Damon Gameau

Course coordinator:

Shri Nand Kumarum, IAS, Deputy Director (Sr.) & Course Coordinator;
Phase-III, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

CDM: Coordinating:

- 1. Shri Abhiram G. Sankar IAS,**
Deputy Director & Director, CDM
Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
- 2. Dr. Ekta Uniyal,**
Assistant Director,
Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179
- 3. Dr. Pankaj Kumar Singh,**
- 4. Associate Professor, CDM**
Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
- 5. Dr. Pasala E. Rao,** Research Officer, Centre for Disaster Management, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie-248179

10. In-house sensitization modules on Disaster management for various courses:

CDM inducted various capacity building modules on Disaster Prevention/Mitigation, Preparedness & Planning, Response & Build Back Better in Recovery, Rehabilitation and Reconstruction to sensitize Officer Trainees of 97th Foundation Course (FC), IAS Phase- I (2021 batch), IAS Phase-II (2020 batch), 18th round of MCTP Phase- III and 16th round of MCTP Phase- IV during the F.Y. 2022-23. The officers of the foundation course and Phase - I are being provided in-depth training in enforcing the Epidemic Diseases Act, 1897, and the Disaster Management Act, 2005, Public health emergency management strategies along with best practices in policy intervention in the country's efforts to manage the outbreak of the COVID-19 pandemic.

B N YUGANDHAR CENTRE FOR RURAL STUDIES

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Mussoorie-248179

VISION OF THE CENTRE

“Help building and promoting an environment for training, research and policy debate on various issues of land, rural development, agrarian movement, livelihood, gender, and panchayati raj.”

MISSION OF THE CENTRE

“Develop training material and manuals for training of Officer Trainees, conducting research studies, organizing workshops and policy seminars, networking with partner organizations and professionals, ensuring publication of journals, research papers, reports etc. and disseminating research based knowledge with a view to help government agencies for policy initiation or changes, and exposing young professional to socioeconomic realities of the country.”

NAME OF CENTRE DIRECTOR

Ms Anandhi, IAS
(Since 21.12.2020)

A BRIEF BACKGROUND OF THE CENTRE

B N Yugandhar Centre for Rural Studies (BNYCRS), since its establishment in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the year 1989, has emerged as a leading resource/ establishment for training of Officer Trainees (OTs) of the Indian Administrative Service (IAS) and policy recommendations. It is mainly funded and supported by Department of Land Resources, Ministry of Rural Development, Government of India. Presently it is registered as a scientific training and research society under the Indian Societies Registration Act 1860. Director of the Academy is ex-officio Chairperson and he is authorized to appoint any Joint Director, Deputy Director or the Professor as the Centre Director.

The Centre conducts and promotes research, training and publications in the field of land reforms, land records management, wage employment, common property resources, displacement and rehabilitation, contemporary agrarian movements, and various issues of rural development, panchayati raj etc. It fundamentally organises Field Study and Research Programme (Earlier known as Village-Visit Programme) for the OTs during the Foundational Course. Inputs on Participatory Rural Appraisal (PRA) Techniques are given to the OTs for assessing priorities of villagers to improve their socio-economic conditions. It is also involved in preparation and canvassing of schedules through OTs during their district training. The data on tenancy, land ceiling, land records, land consolidation, wasteland management, homelessness, rural development programmes including poverty alleviation programmes is captured and used by OTs for preparing socio-economic and land reform reports of assigned villages. Based on these reports the Centre has published a series of ‘Land Reforms in India’ and three series of

‘Socio-Economic Profile of Rural India.’ Other publications of the Centre include books, articles, research papers and most importantly the peer reviewed Journal of Land and Rural Studies, published by Sage Publications-New Delhi, is an international platform for disseminating and sharing opinions on above mentioned subjects. The Centre is also engaged in organizing workshops for regular exchange of views on land administration and rural development.

ACTIVITIES DURING THE REFERENCE YEAR

(A) Training Programme

The BNYCRS actively participates during the Foundation Courses and IAS Professional Courses organized by the Academy. During the reference year the Centre undertook following training activities:

(i) IAS Professional Course Phase-I

Agriculture Module: The Centre designed and prepared three-day ‘Agriculture Module’ for its introduction in the IAS Professional Course Phase-I of 2021 Batch. The reading material was finalized with support, guidance and directions received from the Director of the Academy, Additional Chief Secretary – Uttar Pradesh (Personal, Appointment & Agriculture Department, Lucknow), Country Director – India (ICRISAT, New Delhi).

The Module covered evolution of Agriculture in Post-Independence Era, the Green Revolution (GR), current issues of Climate Resilient Agriculture (CRA) & Agro-biodiversity, administrative set-up of agriculture and allied sector departments in the States, Natural Resource Management (NRM), various schemes being run for development of agriculture and allied sectors, and issues in agriculture marketing. It was a complete package for practitioner administrators since numbers of case studies were also included to help readers understand the problems, plausible solutions and strategic interventions needed for the development of agriculture in the country.



Special Director of the Academy felicitating the Padma-Awardees & Progressive Farmers

Resource Persons from various States were invited for providing state-specific inputs related to agriculture and allied sector. Further, the Padma-Awardees and Progressive Farmers were invited for the first time for sharing their success stories and interventions they have made in the field.

Land Administration Module: The Centre after revisiting and revising the reading material conducted the Land Administration Module for Officer Trainees of IAS Professional Course Phase-I of 2021 Batch.



Secretary, DoLR delivering the Valedictory Address & OT of 2021 Batch felicitating him

Various topics of land administration and management were covered in this Module. Readings prepared for the Module gave a brief historical perspective of the land systems, land reforms & related policy issues, and highlighted the land record system of the country. The current programme under which land records are being modernised in the country and the path that is to be traced in times-to-come for ease of citizen were thoughtfully included in this Module. Land acquisition that always need strategic thinking and action at ground level was given due space duly incorporating the issues and complications of RFCTLARR. Similar topics related to FRA were gathered from the report of the Joint Committee formed by the MoEF and MoTA. The key-

functions of revenue administration, and few important land revenue terms were covered as fundamentals. In fact, it was a good compilation for an officer going to handle land related issues in their professional career.

This time Centre also prepared 'Land Administration in States/ Union Territories – History, Organizational Structure and Modernization of Records' as a complement to the classroom sessions; thereby covering Andhra Pradesh, Bihar, Chhattisgarh, Goa, Gujarat, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Mizoram, Odisha, Punjab, Rajasthan, Sikkim, Tamil Nadu, Telangana, Tripura, Uttarakhand, Uttar Pradesh, West Bengal, Andaman & Nicobar Island, Lakshadweep and Puducherry.

The Centre duly coordinating with the Survey of India, Dehradun and District Survey and Settlement Office, Dehradun organised a 'Hands-on Training on Survey Techniques'. This programme was focused on demonstrating traditional and modern survey equipment and their usability during revenue surveys.



Photographs of the Hands on Training on Land Surveying

For successful conduct of the Module the Centre invited Resource Persons from various States for ensuring that state-specific inputs are delivered to the OTs. This helped OTs to understand land related processes and procedure of respective cadre states in comparatively more informed way. Shri Ajay Tirkey, IAS, Secretary, DoLR delivered the valedictory address.

(ii) IAS Professional Course Phase-II: District Training

Village Study Assignment (VSA): VSA is major part of the District Training Assignment given to IAS OTs during their training. During the reference period, the Centre had received 178 Socio-Economic (SE) and 177 Land Administration (LA) Reports from the IAS OTs of 2020-22

Batch. These reports were scrutinised and evaluated by the Centre for coverage of existing situation, socio-economic & political analysis and poverty alleviation initiatives. These evaluations play major role in identifying best reports for conferring awards. In times to come, these will be used for preparing ‘Socio-Economic Profile of Rural India’ and ‘Land Reforms in India’.

The District Training Manual on Village Study Assignment for the IAS OTs of 2021-23 Batch has been revised to accommodate the changes in the rural development scenario.

Ethnographic Study of Rural Households (ESRH): Schedules executed and Reports/ Case Studies covered under the VSA not only present the development of village/ villagers as a community but also of select households. However, as most of the data is normally time-point based, an Ethnographic Study is possible only when same villages and same households are covered at different time-points. It is with this vision that Centre has adopted and designed a research strategy from IAS Professional Course Phase-I of 2020 Batch onwards thereby allocating one OT per State the task of preparing an “Ethnographic Study of Rural Households (ESRH)” instead of Case Study on “Poorest of the Poor”. Aim of this qualitative research is to capture ‘everyday lived realities’ of the households and understand the processes of change within the individual household and track 'developmental' changes in 'community' at large. Last year 15 OTs were assigned this study and this year (i.e. during IAS Professional Course Phase-I of 2021 Batch) 12 OTs are chosen for ESRH.

(iii) Foundation Course

Field Study & Research Programme (FSRP): The Field Study and Research Programme (FSRP) comprises of three activities: classroom inputs, field study, and evaluation of reports and films submitted by the OTs. During the 97th Foundation Course following exercises were executed by the Centre:

Planning Phase of FSRP

- ‘Field Study and Research Programme Manual’ was redesigned as reference document for OTs.
- 74 villages of 74 districts (as per “*Azadi se Antyodaya Tak*” Campaign) of 28 states (Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Assam, Bihar, Chhattisgarh, Goa, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Karnataka, Kerala, Maharashtra, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Madhya Pradesh, Odisha, Puducherry, Punjab, Rajasthan, Sikkim, Telangana, Tamil Nadu, Tripura, Uttarakhand, Uttar Pradesh and West Bengal) were selected for the conduct of FSRP. Concerned District Magistrates were contacted and requested to coordinate the programme.
- Since districts covered under ‘*Azadi Se Antyodaya Tak*’ (ASAT) were chosen for conduct of FSRP, 17 schemes of ASAT were also allocated for detailed study. Accordingly, the Centre

prepared 17 booklets thereby covering each of the schemes and facilitating OTs to study their implementation in saturation mode.



Director of the Academy addressing OTs during the Briefing Session of FSRP (97th FC)

- Groups of OTs (6-8 members per Group) were formed with a Group Leader (GLs) for each District and respective village.
- OTs were given inputs on the Participatory Learning and Action (PLA) and Focus Group Discussions (FGD) techniques through class room teachings followed by mock exercises in the Academy itself.

Execution Phase of FSRP

- It was ensured that during the conduct of FSRP OTs would stay in respective villages, interact with villagers & grass-root functionaries and conduct PLA/ FGD exercises.
- An in-house control room was established to manage and coordinate the FSRP activities right from the departure of OTs from the Academy, during their stay and coming back.
- Each Group of OTs prepared a detailed Field Study and Research Report and a Film to depict activities performed with the villagers in the field and also to give an overview of rural life.

Completion Phase of FSRP

- All the Groups made presentations based on their field studies on ASAT schemes. These were evaluated by the Faculty of the Academy and the experts from concerned Ministries/ Departments.
- The Field Study and Research Reports submitted by various Groups were evaluated by the Centre. These Reports are now part of the repository maintained by the Centre. Select Groups were awarded Gold Medal, Silver Medal and Bronze Medal on the basis of quality of their reports.

- Select Groups were also awarded suitable cash prizes on the basis of the quality and coverage in the Films produced by them. These Films were also evaluated by the Centre.
- A specially designed questionnaire on learning from the field study was also submitted by the OTs. The Centre coordinated this exercise as well. This has helped Academy to compile and prepare a Memoirs of Officer Trainees titled “*Azadi Se Antyodaya Tak: Through the Eyes of a Karmayogi*”.
- ***While delivering the Valedictory Address to the OTs of 97th FC, the Hon’ble President of India has appreciated the way FSRP was conceptualized, designed, organized and conducted in the field.***

(B) Research Studies – Proposed/ Worked on

Sl. No.	Title
1	Urban and Rural Land Management: Conflicts and Challenges in Karnataka and Tamil Nadu
2	Status of Land Ownership by Women after the enactment of the Hindu Succession (Amendment) Act, 2005
3	Land Bank and Pending Issues: Maharashtra and Uttar Pradesh
4	Common Property Resources (CPRs): Practices, Laws and Challenges in Odisha & Madhya Pradesh
5	Land Governance in North-East States: Status and Impact of Policy Reforms and Regional Initiatives on Customary and Indigenous Laws (VI-th Schedule Areas)
6	Studying the Extent and Usage of Property Card as Legal Land Document

(C) Other Research Studies – Worked on

Sl. No.	Title	Status
1	Status of Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act – 2006 & Amendment Rule – 2012 in Maharashtra	Draft report is under progress
2	Status of Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act – 2006 & Amendment Rule – 2012 in Himachal Pradesh	Draft report received.

(D) Workshops/ Seminar/ Exposure Programme – Proposed/ Worked on

Sl. No.	Theme of the Workshops/Seminars/Exposure Programme
1	Land Governance: Issues and Challenges
2	State-level Workshops on ‘Peer Learning of State Officials on Land Records Modernization: Status and Challenges and Exposure Visit to Learn from International Practice(s) on Land Titling’ Status: A letter has been sent to 17 States/ UTs informing them that the Centre is assigned the work of identifying best practices, challenges and capacity building of various states in land record modernization through inter-exchange of ideas. Thus, they need to appoint a Nodal Officer to carry forward this exercise. So far Puducherry, Ladakh, Arunachal Pradesh, Daman and Uttarakhand have responded. Meeting with officials of Uttarakhand is scheduled on 23rd Jan 2022. Representatives from DoLR are very likely to attend the said meeting. A discussion has already happened with Department of Land Resources regarding International Exposure of high performing (DILRMP) States. A note is under preparation for selecting a country among Netherlands, Australia and Georgia.
3	National Workshop on ‘Role of Geospatial Technology in Improving Land Administration’
4	Regional Workshop on ‘Land Governance in North-East States: Status and Impact of Policy Reforms and Regional Initiatives on Customary and Indigenous Laws (VI-th Schedule Areas)’ Status: The Centre has contacted various subject experts, and themes & sub-themes of the workshop are almost finalized and tentative programme schedule (day-wise) has been prepared. Centre is in contact with various North-Eastern State Governments for deciding the venue. However, given the forthcoming elections in some of the states, requests from concerned States are being received to hold the workshop once the elections are over.

(E) Publications: Current and Forthcoming

A long pending publication on ‘Land Survey’ could be completed. This publication has been given the title “Handbook on Land Survey in India”.

Hon’ble Prime Minister has released the above publication on 31.10.2022 at the Statue of Unity, Kevadia during ‘Aarambh 4.0’, a programme conducted under 97th FC.

This edited publication covers the existing practices of land surveying and recording systems in 12 States (Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Haryana, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, Uttar Pradesh and West Bengal), and also highlights various models and technologies of modern methods of land surveying.

Sl. No.	Title
<i><u>Current Publications</u></i>	
1	Hand Book on Land Survey in India
2	Journal of Land and Rural Studies (Vol. 10, Issue 2: July 2022)
3	Journal of Land and Rural Studies (Vol. 11, Issue 1: Jan 2023)
<i><u>Forthcoming Publications</u></i>	
1	Impact Assessment of DILRMP of Punjab
2	Impact Assessment of DILRMP of Rajasthan
3	Impact Assessment of DILRMP of West Bengal
4	Impact Assessment of DILRMP of Kerala
5	Impact Assessment of DILRMP of Maharashtra
6	Impact Assessment of DILRMP of Mizoram
7	Impact Assessment of DILRMP of Goa
8	Impact Assessment of DILRMP of Lakshadweep
9	Socio-Economic Profile of Rural India (Series IV)
10	Impact Assessment of National Generic Document Registration System (NGDRS) in Punjab
11	Impact Assessment of National Generic Document Registration System (NGDRS) in Jharkhand
12	Journal of Land and Rural Studies (Vol. 11, Issue 2: Jul 2023)
13	Hand Book on Land Survey in India (Volume-2)

(F) Journal of Land and Rural Studies (JLRS)



Journal of Land and Rural Studies, a peer reviewed journal, is being published by Sage Publications India Pvt. Ltd. on behalf of the Centre since 2012. This journal is a member of the Committee on Publication Ethics (COPE). It is available in Print (ISSN: 2321-0249) and Online (ISSN: 2321-7464). Its tentative circulation, national and international, is around 10,446 at present.

During the reference period the Centre has published Volume 10 Issue 2 (July, 2022) and selected papers/ articles for their publication in Volume 11 Issue 1 (January, 2023). Details of these are as follows:

Volume 10 Issue 2 (July, 2022): Article and book reviews included are:

1. Impacts of Water and Energy Sector Reforms in Gujarat: The Case of Expansion of Micro Irrigation Schemes and Rationalisation of Agricultural by Power Tariff by *P. K. Viswanathan, Chandra Sekhar Bahinipati and Bibhu K. Mohanty*
2. Magnitude and Determinants of Reverse Tenancy: A Study of Agriculturally Developed and Backward States by *H. R. Sharma and Shakir Hussain Malik*
3. Dynamics of Land Use Trends and Patterns in Uttar Pradesh: A Sectoral Perspective by *Shahab Fazal, Azharuddin S. K. and Deepika Vashishtha*
4. Socio-ecological Dynamics Within Rural Settlements: Evidence from Mbire District in Zimbabwe by *Innocent Chirisa and Verna Nel*
5. A Study on 'Dharani Portal' and Its Transformative Impact in Khammam District, Telangana by *K. Varun Reddy*
6. Reinforcing Exclusions: Caste, Patriarchy and Land Reforms in India by *Prashant K. Trivedi*
7. Fostering Ecosystem Services for Mitigating Climate Change and Sustaining Food Production Systems in Developing Economies by *Egbe B. Etowa, Emmanuel B. Effa, Ugochukwu I. Nzogbu and Evilla Olabiyi Badiru*
8. Book Review: Robert Home, Land Issues for Urban Governance in Sub-Saharan Africa by *Taiwo Oladapo Babalola*

Volume 11 Issue 1 (January, 2023): Article and book reviews selected for publication are:

1. Land Alienation and Subversion Strategies on Land Rights: Perspectives from Attappady by *K. A. Manjusha and Bipin Kishore Jojo*
2. Monitoring Culturable Wastelands Using Satellite Images in A Part of Tarai Region of Uttar Pradesh by *Ranjeet Singh Verma, Amit Kumar Singh, Manisha Mishra and Alok Mathur*
3. From Colonial to Neoliberal Regime: Understanding the Paradigms of Land Dispossession in India by *Animesh Roy*
4. Factors Influencing Farm-Level Climate Adaptation Strategies of Smallholder Farmers in Rural Ghana by *Richard Kofi Asravor*
5. Agricultural Risk Management and Production Efficiency among Peasant Farmers in Taraba State, North Eastern Nigeria Maryanne by *Odufa Egbeadumah, Elisha Apakeh Aboshi, Godiya Bulus and Mohammad N. Zarewa*
6. Native Land Right System About Tribal Women in Jharkhand: An Interpretative Analysis by *Ambrish Gautam*
7. Book Review: Land Reforms to Land Titling; Emerging Paradigms of Land Governance in India by *T. Prabhakar Reddy*

Special Efforts: From 2021-22 onwards the Centre has started publication of Dissertations submitted by the Officer Trainees in partial fulfillment of the requirements for the completion of IAS Professional Course Phase-II. Awarded Dissertations are abridged and re-written by the concerned Officer Trainees in the form of research papers for their publication in the Journal. So far following papers based on Dissertations have been published:

- 1 The Process and Shortcomings in Paddy Procurement: A Case Study of Bhandara District of Maharashtra by *Minal Karanwal*
- 2 A Study on 'Dharani Portal' and Its Transformative Impact in Khammam District, Telangana by *K. Varun Reddy*

(G) Dashboard and Digitization of Old Reports

During the reference year the BNYCRS continued an IT Project with following objectives:

- Creating a single digital repository of the Socio-Economic (SE) Reports and Land Reforms (LR) Reports through digitization of the Reports and the filled-in Schedules submitted by Officer Trainees of various Batches.
- Creation of a well-structured user-friendly Dashboard and database; thereby facilitating administrators in decision making and encouraging researchers/ academicians to utilise it for future research

Idea is to facilitate Administrators in examining the impact of development schemes in their region (State/ District/ Village). They may like taking strategic decisions for better implementation (if needed). At the same time, individual researchers, academicians, data scientists etc. across globe would find it easy to cull out data for future research, and Institutions/ Universities with whom Academy or its Centres has undergone an MOU may be requested to access the data, conduct research and come out with policy suggestions.

National Gender and Child Centre (NGCC)

The **National Centre for Gender Training, Planning and Research**, (National Gender and Child Centre) was established in 1993 and got registered as a society under the Societies Act 1860 in 1998.

The main aim of the Centre is to mainstream gender and child rights issues in policy, programme formulation and implementation in Government and to ensure the equitable development of men, women and children. The Centre is involved in training of civil servants at induction level as well as in service level on gender and child rights through courses and sensitization workshops. Apart from the regular Academy courses the Centre is also associated with agencies such as, MWCD, NCW, NCPCR, UNICEF, UN-Women, UNDP, UNFPA, IFPRI and civil societies and academic institutes like Jagori, MAJLIS, TISS, etc. in conducting thematic training programmes and conferences.

- Dr. Sanjeev Chopra, Chairperson, National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
- Major Disha Pannu Executive Director, National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
- Dr. Anupam Talwar, Deputy Executive Director, National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

1. Two e-ITEC -Workshops on Gender Inclusive Governance for Policymakers were conducted on 12-13 November, 2020 and 17-18 Feb 2021:-

Aims and Objectives of the above mentioned workshops were:-

- To provide a platform to senior policymakers from across ITEC countries to interact and discuss the importance of and challenges in making governance gender inclusive.
- To brainstorm on the ways and means of achieving the same.

Program Coordinator	Ms. Alankrita Singh., IPS, Executive Director (12-13 Nov 2020) Ms. Vidya Bhushan., IAS, Executive Director (17-18 Feb 2021)
Program Associate Coordinator	Ms. Anjali S Chauhan
Number of participants	Total: 50 (Gentlemen: 18; Ladies: 32) Total: 114 (Gentlemen: 34; Ladies: 80)
Course inaugurated by	Dr. Sanjeev Chopra, IAS, Director, LBSNAA Shri Ram Mohan Mishra, IAS, Secretary, Ministry of Women and Child Development, Government of India

2. Special Issue on Administrator- The National Gender and Child Centre completed 25 years of contribution to gender responsive governance, in 2020. A Silver Jubilee special issue of the “Administrator” (Journal of Lal Bahadur Shastri National Academy of

Administration) was brought out capturing the 25 years of the Centre and dissertations of the Officer's Trainees of 2018 batch submitted on women's rights and advancement of children's rights.

3. Webinar on the occasion of International Women's Day, 2021:-

Program Coordinator	Major Disha Pannu, Executive Director
Program Associate Coordinator	• Dr. Anupam Talwar, Deputy Executive Director • Ms. Anjali S. Chauhan, Associate Professor
Number of participants	Total: 27 (Gentlemen: 5 ; Ladies: 22)
Course inaugurated by	Hon'ble Minister, Smt. Smriti Z Irani, Ministry of Women and Child Development, Government of India

Aim and Objective of the programme

The National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, organized a webinar on the International Women's Day, 2021 theme of "Women in Leadership: Achieving an equal future in a Covid-19 world", for all women District Magistrates and women Superintendents of Police from across the country who spearheaded the fight against Covid-19 along with our front-line workers. The purpose of the webinar was not only to provide a platform for the officers to share their experiences and journeys but also to highlight their learning from the challenges and how women can play an integral role in empowering each other. The webinar was organized on 11th March, 2021, with an aim to showcase the best practices and inspiring stories of women leaders, especially in light of the Covid-19 pandemic. It is in this regard that the discussions revolved around re looking at the Covid-19 pandemic through the gender lens in terms of impact on violence against women and children, workforce participation and access to resources, experience-sharing by the participants on how they spearheaded the fight against Covid-19 along with our front-line workers and the learning and challenges of the women DMs and SPs in tackling this challenge. The inaugural address was delivered by Hon'ble Minister Smt. Smriti Zubin Irani, Hon'ble Minister for Women and Child Development and Textiles.

Sardar Patel Leadership Centre

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration



Sardar Patel Leadership Centre was inaugurated on 31st October, 2021 by Hon'ble Union Minister of State Science & Technology; Minister of State Earth Sciences; MoS PMO, Personnel, Public Grievances, Pensions, Atomic Energy and Space, Dr Jitendra Singh and dedicated this centre to the nation at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration on the occasion of Rashtriya Ekta Diwas, marking the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel.

The Centre aims to lay the foundation capacity building for future generations of Civil Servants so that they learn from the best practices of leadership across the world while at the same time they remain connected with their cultural ethos, values and roots. He added that Good governance needs good leadership skills among the field officers as well as officers at the policymaking level. The Sardar Patel Leadership Centre aims to be Resource Centre to provide continuous study and learning opportunities to Civil Servants from India

The objective behind this centre's establishment is to enable a civil servant to constantly remain in touch with Sardar Patel Leadership Center, an entity that can provide them with upgraded skills and guidance for their own personal pathways.

The following leadership modules were conducted during the mentioned courses:

- **8th-9th June, 2022:** A Leadership Module for Phase II of 2021 batch officers was conducted. There were 181 participants participating in the module. The objective of this leadership module was to provide inputs on basic negotiation skills to the participants. During this program, the participants learned about importance of negotiation skills in their professional life as a civil servant, assessment of their own style of conflict resolution, its strength and weaknesses, various types of negotiations and strategies to handle them.

- **18th -22nd July, 2022:** As a part of the main objective of the Sardar Patel leadership Centre (SPLC), LBSNAA conducted a ‘Women in Leadership’ training programme for Women officers in Government. SPLC conducted the first exclusive leadership programme for Women Officers. The programme was based on the premise that Women in leadership can support inclusive development through numerous pathways. A total of 41 women officers from All-India Services, Central Civil Services, Armed Forces, Scientific Institutes and reputed Academic Institutions participated in this programme. This program was inaugurated by Hon’ble Justice, Smt Abhilasha Kumari, Judicial Member, Lokpal on the 18th July, ’22. The valedictory of the program was held on 22nd July, ’22 and the chief guest for the event was Dr Ritu Kridhal Srivastava, Scientist, ISRO.
- **27th July, 2022:** A leadership module for Phase I of 2021 batch was conducted. 183 Officer Trainees participated in this module. The objective of this module was to help the participant learn about the importance of interpersonal relationships at work and handling various stakeholders in implementation of programs. They learned about the various ways of influencing different types of stakeholders.
- **22nd -23rd September, 2022** : The Leadership Module was conducted for the 455 Officer Trainees of 97th Foundation Course by outside experts and in-house faculty at the Academy. The objective of this module was to expose the trainees to basic leadership skills including understanding of the concept of leadership, impact of role models in our life, how to give effective feedback, role of an officer as a team member, importance of listening and verbal communication etc.
- **27th-31st October, 2022:** The third round of Common Mid-Career Training Programme (CMCTP), 2022 for 2002 batch officers was held for five days from October 27-31. Total 130 officers participated in this program. The primary objective of the CMCTP is Leading to Learn, an opportunity to explore yourself “leader in you”. The programme is designed to de-silozize Leadership to create a shared national version. There were 130 participants participated the five days long programme from the different services including the Indian Civil Services and Central Civil Services.
- **14th-15th February, 2023:** 124th Induction Training Program was held for 133 participants. Its objective was to cultivate both generic and domain specific competencies among cutting-edge level government functionaries. The program aimed to enhance their abilities, promote a shift in attitudes, and ultimately improve the delivery of public services. By capitalizing on their existing experience, we tapped into their expertise to foster a culture of introspective deliberation. This approach endeavoured to encourage them to reflect on their past experiences, fostering the enhancement of fresh skills, the cultivation of new attitudes, and the development of a new way of thinking.
- **27th-31st March, 2023:** A workshop on new Leadership module design specifically for Phase I Courses was conducted. 15 in-house faculty along with 10 outside experts

participated in the workshop. Its objective was to design a leadership module that prompts officer trainees (OTs) to apply self-awareness principles to understand reputation and core values, driving conscious decisions. The workshop emphasized the consistent identification of growth opportunities through learning-agile behaviours: seeking, sense-making, internalizing, and applying knowledge. In communication, it stressed holistic strategies- active listening, impactful questions, support, and accountability. To enhance leadership influence, trust-building and network leverage was prioritized, guiding effective direction-setting for successful leadership endeavours.

Centre for Food Planet Health (CFPH)

The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) in collaboration with Centre for Public System Management (CPSM) of the Academy had set up a Centre for Food, Planet, Health in 2019.

The main aim of the Centre is to inculcate in civil servants the competence to think and act in a holistic manner and promote policies and actions on food that are healthy, for both, people and planet. The Centre is involved in training of civil servants at induction level as well as in service level on sustainable food systems, food safety and security, and nutrition and public health through sensitization workshops and introducing comprehensive training modules in the courses.

Centre's Executive Director: Shri. Vizay B Vasanta

Activities undertaken during 2021 – 2022

Overview on Eat Right India Movement by Ms. Rijuta Pandav on 26th April 2021

Target Group: Promoted IAS Officers of 123rd Induction Training Programme

Coordinator: Ms. Monika Dhami

Number of Participants: 67

Programme Highlights



Ms. Rijuta Pandav,
Deputy Lead, Food
Fortification
Resource Centre
(FFRC) of FSSAI

Centre for Food, Planet, Health had organized a training session on Eat Right India for participants of 123rd Induction Training Programme on 26th April, 2021 through online mode. The objective of the session was to make participants understand the broader picture of the Eat Right India initiative that Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) launched to ensure safe, nourishing and sustainable diets in the country. The training session led by Ms. Rijuta Pandav, Deputy Lead, Food Fortification Resource Centre (FFRC) of Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) highlighted how Eat Right India movement which is based on three pillars i.e. Eat Safe, Eat Healthy, and Eat Sustainable that includes initiatives such as combatting adulteration, eliminating toxic industrial trans fat, reduce consumption of salt, sugar and saturated fat, Eat Right campus, FoSTaC and food fortification etc aids in addressing

three critical problems of Unsafe food, Unhealthy diets and environmental degradation in the country. Since the participants are the policy makers and connects with the people on a day-to-day basis and have a better understanding of their eating behaviours and associated problems discussion about safe, healthy and sustainable diets would aid in promoting policies and actions on food that are safe and healthy, for both, people and planet. The session ended with a short quiz on eat right, followed by an interactive Q & A session which addressed each query put forward by the participants.

Pre-Dinner talk by Ms. Rijuta Diwekar on 26th August, 2021

Target Group: Participants of 15th Round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme

Programme Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 49

Programme Highlights



**Ms. Rijuta Diwekar,
Nutritionist**

Ms. Rijuta Diwekar, Celebrity nutritionist was invited on 26th August, 2021 to raise awareness about nutrition and healthy eating habits among the participants of 15th Round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme at the Academy. She stressed on the importance of eating right and healthy to achieve a wholesome lifestyle and debunked many myths regarding certain

foods. She gave her views on diet fads such as intermittent fasting and emphasized on a blend of a traditional food wisdom which is available in indigenous languages for a healthy body and mind. She further stressed on eating local and seasonal food to encourage sustainable eating and most importantly mentioned about health benefits of exercising and working out regularly to stay fit. Ms. Diwekar personally interacted with the participants and clear their misconceptions on food.

“Slimming is not about cutting calories, but improving nourishment, body composition and taking a holistic approach to health. Weight loss is a byproduct, not the goal,” -Ms. Rijuta Diwekar

Ayurvedic Physician Dr Sanandan Thapliyal speaks at LBSNAA, Mussoorie on 10th August, 2021

Target Group: Participants of 15th Round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme

Programme Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 49

Programme Highlights



**Dr. Sanandan Thapliyal,
Ayurvedic Physician**

The Academy in association with Centre for Food, Planet, Health organized a session on by Dr. Sanandan Thapliyal, MD(Ay) for the participants of 15th round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme on the topic ‘Ayurvedic Cooking - Eat Right’

Dr. Thapliyal began his talk by a presentation on the need of Eat Right India movement an initiative of FSSAI in the present Indian scenario; when the country is going through an epidemiological shift from communicable to non-communicable diseases, particularly the rising incidence of diet- related diseases. He further explained the principles of healthy lifestyle, what makes super foods so super and discussed the Ayurvedic concept of food and nutrition such as ten ayurvedic rules for healthy eating, logical explanation of how to balance food according to one dosha and physical needs and benefits of practicing Ayurveda and fasting to enhance the quality of life. The talk was interactive and informative and helped the participants to know about the ayurvedic concept of eating right and benefits of it in daily life. He also assisted in preparation of Eat Right menu for the day.

Eat Right - Ayurveda Cooking for Healthy Living



Food based on Ayurveda recipes served to the participants of 15th Round of Phase-IV of MCTP on 10th August, 2021

ToT on Eat Right India Movement held by Ms. Inoshi Sharma, Director FSSAI

Target Group: Faculty Members, Representative Members of the Centres, Research Fellows and Teaching Associates of the Academy

Programme Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 24

Programme Highlights



**Ms. Inoshi Sharma,
Director, FSSAI**

A training of trainers (ToT) on the topic Eat Right India movement was conducted jointly by Centre for Food, Planet, Health and Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) here in the Academy on 16th July, 2021.

Ms. Inoshi Sharma, Director, FSSAI imparted training to the trainers that includes all the faculty, representative members of the centres, research fellows and teaching associates of the Academy.



**Dr. Pulkit
Mathur**

The training covered core functions of FSSAI, regulatory framework of Eat Right India movement and various Eat Right India initiatives such as food safety rating and certification, Eat Smart Cities Challenge, FoSTaC, Eat Right Campus, Eat Right Toolkit and social and behavioural change campaigns like food safety on wheels and fortification.

She underscored the importance of active involvement of the field functionaries in the successful implementation of this ambitious movement.

The session was followed by Q & A session wherein the faculty members interacted with Ms. Sharma.

FSSAI's COVID-19 FoSTaC Programme held at LBSNAA, Mussoorie on 12th October, 2021

Target Group: Personal employed in Officers' Mess and Departmental Canteen Programme

Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 40

Programme Highlights

20 food handlers of the Academy were awarded the 'Food Safety Supervisor's Certificate' from FSSAI on completion of FoSTaC

Centre for Food, Planet, Health in collaboration with Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) on 12th October, 2021 organized a COVID-19 focused Food Safety Supervisory Training in Basic Catering under the FoSTaC programme for personal employed in Officers' Mess and Departmental Canteen of the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie.

Dr. Pulkit Mathur, Head, Dept of Food and Nutrition and Food Technology, Lady Irwin College, Delhi was the key facilitator to deliver the training. The focus of the training was to deepen the understanding of food safety, creating an improved environment of self-compliance to FSS Act, Rules and Regulations and hygiene requirements to be followed by food handlers in the Academy.

The food handlers were assessed, scored, declared passed/failed and provided with FoSTaC Certificate on successful completion of this training.

Food Habit Assessment during Field Visit and Research Programme conducted for Officer Trainees of 96th Foundation Course



Officer Trainees spent one week between 29th December, 2021 and 8th January, 2022 in selected villages in Uttar Pradesh, Rajasthan, Kerala, Bihar and Uttarakhand in groups of 6 under Field Visit and Research Programme of 96th Foundation Course to study rural realities very closely. Centre for Food, Planet, Health shared a questionnaire to officer



trainees to sensitize them towards the food habit and health challenges faced by the rural population. The data collected aids the Centre in understanding the present scenario of villages in regard to health and nutrition of the rural people. The Highlights are as follows:-

Rajasthan: Village of 14Bd of Bikaner and Dhok of Barmer district were the part of this study. Key findings are as follows:

It has been observed that the inhabitants of these villages do not have access to fortified industrialized food or are not covered by public nutrition programmes using fortified food. Health issues observed were diabetes, cardio vascular diseases, weak knee joints due to salinity in water and no diversification of meals, excessive dependence on crops like bajra is found.

Uttar Pradesh: Janakpur, Bhatgawan, Mathura Nagar and Vishnupur vishram villages of Uttar Pradesh were covered for the study.

It was observed that Mathura Nagar and Vishnupur inhabitants are provided with fortified ration. Carbohydrate intake is more due to high intake of Potatoes.



Here regional and traditional dishes were Kalanamak Rice (GI Tagged), Litti Chokha, Raseela Aloo Tamatar Sabzi, Litti chokha, Mutton Curry, various types of parathas and rotis main traditional dishes is Chawal ka maad that they used to take in the morning however, now their food habits are majorly similar to north India. Lack of nutritional diversity due to less intake of green leafy vegetable which is almost missing leading to lack of iron in diet. Health issue observed were diabetes blood pressure and malnutrition.



Bihar: Dhum Nagar, West Champaran of Bihar was covered for the study.

Access to fortified foods not found. Local fruit grown were litchi and mango , regional dishes is malpua and baati chokha and traditional dishes is champaran mutton health issue observed is Malnutrition, Stunting due to carbohydrate rich & nutrient deficient diet.

Kerala: Kalliyoor village of Thiruvananthapuram district of Kerala.



Paddy, Spinach, drumsticks, bitter gourd, peas are the local crops grown. Tapoica puzhukku, Aviyal, sambar, fish curry are the traditional dishes made by them. They grow fortified paddy provided by Kerala Agriculture University.

Uttarakhand: Jurka of Kashipur district and Sarpura of Udham Singh Nagar district.

Health challenges observed at Jurka is protein deficiency among children and at Sarpura is pre-diabetic due to high sugar intake. Consumption of fortified food is observed at Jurka village.

A Menu Booklet with calorie information has been prepared by the Centre for the Academy

Beverages			Appetizers		
Juices			Soups		
Juice	Quantity	Calories	Indian Shorba / Soup / Rasogolla	Quantity	Calories
Freshly Squeezed Fruit Juices	250 ml	125	Palak Shorba	150 ml	107
Banana Juice	5 ml	12	Dal Shorba	150 ml	79
Fresh Lime Juice/ Lime Water	200 ml	60	Makhi Ka Shorba	150 ml	55
Vegetable Juice	250 ml	55	Mintou Shorba	150 gpa	71
Apple Juice	250 ml	113	Mulligatawny Soup	350 ml	125
Lemon Squash	250 ml	706	Pepper Rasam	100 gpa	48
Orange Squash	5 ml	7	Tomato Rasam	150 gpa	43
Rooboo Tea	5 ml	21			
Milkshakes			Continental Soups		
Milkshake	Quantity	Calories	Tomato Soup	Quantity	Calories
Banana Shake	250 ml	230	Mexican Soup	150 ml	94
Mango Shake	250 ml	191	Cream of Vegetable Soup	150 ml	68
Strawberry Shake	250 ml	162	Almond Soup	150 ml	173
Chocolate Shake	250 ml	239	Mintoune Soup	250 gpa	133
Vanilla Shake	250 ml	368	Wild Mushroom Soup	350 ml	407

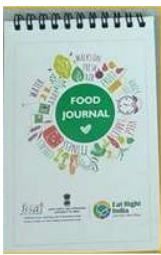
Calorie content on menu to help the participants of various programmes to make informed and healthful decisions about meals and snacks.

Renewal of LBSNAA's Eat Right Campus Certification is in Pipeline



The food available in the Academy should be safe, healthy given that diet related diseases are rising at an alarming rate the Centre conducted the self assessment of the officers' mess and identified gaps and areas of improvement based on a check list. To address the gaps training of food safety supervisors was conducted. Soon, the Academy's mess will undergo a third party audit to be certified as an Eat Right Campus.

During Inaugural of 96th Foundation Course Centre distributed Food Journals and Eat Right lapel pins to the Officer Trainees



The Centre for food, planet, health to spread education and raise awareness on eating right distributed the food journal and lapel pins which was sent by FSSAI to the officer trainees of 96th Foundation Course that can be incredibly beneficial for them. The food journal to help to keep track of what they eat and drink throughout the day, understanding their eating habits a little better, and in finding out which foods or ingredients they are sensitive to. According to research studies using dietary self- monitoring methods like keeping a food journal is also linked to significant weight loss.

Clubs and Societies

The all-round development of the personality of the Officer Trainees is the prime objective of training in the Academy. Various indoor and outdoor activities are organized by Officer Trainees through Clubs and Societies. These are run by the Officer Trainees themselves under the overall guidance of Director's Nominees. Activities of the Clubs and Societies provide an excellent medium to the Officer Trainees for their self-expression and development. Officer Trainees through their creative innovations, conduct activities which are not only entertaining but also enrich the Academy's campus life. All the Officer Trainees are expected to actively participate and make optimal use of the facilities. The Office bearers of Clubs and Societies are elected by the Officer Trainees themselves but the activities of Clubs and Societies are run with the cooperation and assistance of all the Officer Trainees. The Director's Nominee/ Associate Director's Nominees provide necessary guidance and assistance in running of the Clubs and Societies and in organizing activities undertaken by them. The Faculty Members and their families are invited to join the Officer Trainees in all such activities. For running their activities the Clubs and Societies are provided with annual and bi-annual grants-in-aid apart from the fund which they receive through membership fees. The participation in the activities of the Clubs and Societies is evaluated at the end of the Course as part of the Director's assessment. A brief outline in respect of the objectives and activities of each of the Clubs and Societies is given below.

Adventure Sports Club

- Composition of the committee : 1 Secretary and 3 Members
- Director's Nominee : Dr. Milind Ramteke, Deputy Director
- Director's Associate Nominee : Mr. Hari Lal Chouhan

Objectives: -

To inculcate the spirit of adventure among the Officer Trainees by organizing various adventure sports activities. To organize periodically, adventure sports activities like cross-country run, horse riding show, river rafting, mountaineering, rock-climbing, hang-gliding, para-sailing etc.

Activities : -

The adventure sports club aims at organizing events and activities in order to keep & promote zeal of adventure among the Officer Trainees. In pursuance of this goal, the first activity which the club organized was “**a trek to Lal Tiba**”. Herein OTs with some faculty members tested their endurance in climbing the peak in lesser Himalayas. To provide a mix of adventure and entertainment, the club also organized a **River Rafting** in the holy city of Rishikesh.

Computer Society

IAS PROFESSIONAL COURSE PHASE I (2021 BATCH)

- Organised a workshop on “IoT-enabled Smart Decision Making” on the applications of Internet of Things (IoT). OTs were guided to assemble the components, configure the components to create “Smart City” and Smart Farming” IoT solution.
- Provided feedback on AI training module proposed by INTEL.
- Along with Innovation club, the Computer Society discussed with INTEL and ISB to setup a gentry of excellence in Emerging technologies at LBSNAA. Computer Society created draft memorandum and conducted several meetings to understand each other's view point and consolidate the draft memorandum.
- Organized Counter Strike tournament along with Rifles and Archery club.
- Started ICT buddy system to help the fellow OTs who face difficulty in ICT hands on sessions.
- Organized Microsoft Power Bi hands-on session for the OTs.
- Created live dashboards for LPL badminton and lawn tennis events using Google data studio.
- Organized mega Hackathon event.

IAS PROFESSIONAL COURSE PHASE II (2019-21 BATCH)

- A successful event was held for best IT initiatives by the officer trainees. In the event, 135 officer trainees actively participated.
- An on line Quiz was conducted. 120 OTs participated in the quiz.
- Following on line games were conducted:
 - Ludo - 135 OTs participated
 - Chess – 25 OTs participated
 - Poker – 37 OTs participated

Film Society

1. During 2020-21, 22 movies on various themes including social issues were screened for the Officer Trainees of the Foundation Course and IAS Phase-I.
2. Organised different online quiz events of Films for the Officer Trainees of IAS Phase-II of 2018 batch.
3. Organised Movie Review Competition for the Officer Trainees of 95th Foundation Course.
4. Organised Quiz on films for the Officer Trainees of IAS Phase-I of 2020 batch.
5. Organised Film Review Competition and Dumb-Charades Competition for the Officer Trainees of IAS Phase-I of 2020 batch.

Fine Arts Society

Objectives

The Fine Arts Association bonded the officer trainees through a wide variety of cultural program in which group participation was given priority. The programs organized by the association generated esprit de corps amongst the officer trainees and broad the barriers of region and language.

Cultural programs gave an opportunity to several officer trainees to explore their creative side. The Fine Art Association was also actively involved in organizing the programs of various visiting artists and groups. The Fine Arts Association also organized extra-curricular modules for Indian vocal music, guitar and drums.

FC 96 2021

BASANT SINGH

Members

CATHERINE SARANYA A

E12

Members

Phase I 2021

Directors Associate Nominee

HARI LAL CHOUHAN

APARNA M B

Members

Members

T PRATEEK RAO

U20

Director Nominee	ANANDHI	--	
2	Directors Associate Nominee	LAL CHOUHAN	--
3	Accountant	DEV SINGH RANA	--
4	Secretary		E02
5	Members	SHRESTH KUMAR KRISHNA	B29
6			
7	Members	RIA DABI	J03
8		<u>Vacant</u>	--

Director Nominee	ANANDHI	--	
2			--
3	Accountant	DEV SINGH RANA	--
4	Secretary		D20
5	Members	Y MEGHA SWAROOP	V22
6		SHAILJA PANDEY	G22
7	Members	PEDDITI DHATRI REDDY	M10
8			

Hobbies Club

Objectives

- To develop, promote and popularize interest to various hobbies such as -photography, painting, philately, plant collection and
- Quizzes based on films and songs etc.
- To arrange talks, discussions, exhibitions etc. to inculcate interests in the hobbies and encourage the OTs to learn and be proficient in them.
- To serve as a forum for exchange of views
- To provide necessary facilities including materials and equipments to pursue hobbies.

Highlights of the Activities

To meet its objectives the Hobbies Club carried out the following activities during the year:

- Waste to Wealth competition"
- Mehendi Competition(Male and Female category),
- Sketching workshop"
- Painting workshop Event
- Photo Exhibition
- Home Turf Revamping & lighting

These activities have shown a large number of participation by the officer trainees of different training programmes. Shri Nitesh Jha & Abhiram G Sankar, Deputy Director were the Director's Nominee for the period from April 2022 to March, 2023

Innovation Club –LBSNAA

Objectives of the club

1. Awareness about the importance of the Ground level innovation in the administration and ease of doing administration among Officer Trainees
2. Maintenance and upgradation of the LINK Portal
3. Collecting ground level Innovative idea for the unmet needs posted in the LINK Portal
4. Conducting Innovation Seminars for the Interaction between the Officer trainees and Innovators in various fields
5. Organising Innovation Exhibitions
6. Organising events like Quiz to improve the participation of officer trainees in the activities of the club

96TH FOUNDATION COURSE

Director's Nominee and Office Bearers during 96th Foundation Course:

S.NO.	ROLE	OFFICE BEARER NAME
1.	Director Nominee	SHELESH NAWAL
2.	Directors Associate Nominee	AMARJEET SINGH DUTT
3.	Directors Associate Nominee	AZAD SINGH
4.	Accountant	AWADH DABAS
5.	Secretary	JAYANT NAHATA
6.	Members	KANDARKAR KAMALKISHOR DESHBHUSHAN
7.	Members	POOJA ASHOK KADAM
8.	Members	AAKASH SHARMA
9.	Members	BHARAT SINGH
10.	Members	VAIBHAV JINDAL
11.	Members	NIRJA ANISH SHAH
12.	Members	KANDARKAR KAMALKISHOR DESHBHUSHAN
13.	Members	AKSHITA GUPTA
14.	Members	MITHUN PREMRAJ

Activities conducted by the Club

1. Ideathon:
Organised 'Ideathon' competition on 19th January, 2022 on the Theme - Village based Innovations.
2. SHG:
SHG products stall display in LBSNAA to promote women entrepreneurs.
3. Open Access:
Open Access to online group meetings via Zoom facilitated via Gyan portal.
4. Innovation In Governance:
Organised lecture by Dr Chintan Vaishnav, Director, Atal Innovation Mission on 28th January, 2022 on the theme 'Innovation in Governance'
5. Data Analytics Module:
Collaborated with faculty to facilitate a more holistic 'Data Analytics Module' by Carnegie Mellon University

Officers' Club

- **Composition of the Committee:** 1 Director's Nominee, 2 Director's Associate Nominee, 1 Accountant-cum Clerk & 1 MTS
- **Director's Nominee:** Ms. Sowjanya, Joint Director
- **Director's Associate Nominee:** Ms. Disha Pannu, DD (Account Signatory), Mr. Shelesh Nawal, DD
- **Accountant-cum-clerk:** Mr. Balwant Singh
- **MTS:** Mr. Vikas

Objectives:

- The Officers' Club provided Outdoor & Indoor games facilities to all its members i.e. Officer Trainees, Participants of In- Service courses i.e. 97th Foundation Course, Phase V, Phase IV, Phase III, Phase II, Phase I & J.C.M and faculty members of Academy.
- The main aim of the Club is to provide broad avenues to the members whereupon they can focus not only on health and overall confidence but develop better leadership skills, and team –working abilities.
- The Outdoor facilities include Lawn Tennis, Basketball, Volley ball, Cricket, Football, Skating and Athletics Events. Outdoor Activities include Riding Establishment. The Academy has 23 Horses for the purpose of imparting basic skills of Riding. The Officer Trainees and interested Officers from different Courses are given training and exposure in Horse Riding in the Riding Arena. The Riding Instructors are called from President Body Guard's Regiment on deputation, which is an elite cavalry regiment of the Indian Army.
- The Indoor games facilities include Billiards, Carom, Swimming, Chess, Snooker, Table Tennis, Squash, Foosball and Badminton.
- Extending the concept of Vocal for Local in the area of Sports Training, trained instructors in the field of Yoga, Meditation, Aerobics and Zumba are hired to make the activity sessions interesting, engaging and fun filled.
- The Club has well equipped Gymnasium operating throughout the year.

Activities:

The Officers Club organized a variety of activities. For the 97th Foundation Course, the club hosted an Athletic Meet, fostering teamwork and healthy competition. Additionally, comprehensive practice sessions for sports like Volleyball, Football, Basketball, Table Tennis, Lawn Tennis, Squash, Badminton, Cricket, and Swimming were conducted across Foundation Course, Phase 1 and 2, Mid-Career Training Programmes, JCM and even extended to the Reunion batches. During Phase 1 participants enjoyed Rock Climbing, setting the adventurous tone for their journey. The Officers Club also organises the Happy Valley Mussoorie Marathon, combining physical challenge with scenic beauty in which the participants of Phase-I, faculty and staff members participated.

Rifle And Archery Club

- **Composition of the Committee:** 1 Director's Nominee, 2 Director's Associate Nominee, 1 Accountant-cum Clerk & 1 MTS
- **Director's Nominee:** Ms. Sowjanya, Joint Director
- **Director's Associate Nominee:** Ms. Disha Pannu, DD (Account Signatory), Mr. Shelesh Nawal, DD
- **Accountant-cum-clerk:** Mr. Balwant Singh
- **MTS:** Mr. Vikas

Objectives

To train the members of the Club in efficient handling of firearms and bows and arrows.

To encourage and promote the art and science of marksmanship among the members as a healthy sport. To organise periodic shooting competitions for teams and/or individuals and to offer prizes. To sponsor/organise recreational programmes in both archery and shooting. To provide facilities for range and outdoor shooting with following six weapons: 12-Bore Rifle, Small Bore Rifle, Pistol and Revolver, Air Rifle and Bows & Arrows, such other items of marksmanship as may be thought fit by the Director's Nominee.

Activities

The Rifle and Archery Club orchestrated dedicated practice sessions tailored to the Officer Trainees of the Foundation Course, Phase-1 and Phase-II. These sessions aimed to refine their skills in rifle shooting and archery. The club's commitment to honing the marksmanship and archery abilities of the trainees was evident through these well-organized practice sessions. This initiative provided a conducive environment for the trainees to learn and improve their shooting techniques and archery precision. By offering specialized training in both disciplines, the Rifle and Archery Club played a pivotal role in enhancing the skill set of the Officer Trainees, fostering their growth and expertise.

THE OFFICERS' MESS

Dated: 09-08-2023

Activities

The Officers' Mess in the premises of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is a sacred institution. It is a place where cultures, traditions, practices and beliefs converge through a variety of cuisines. This institution endlessly fosters and nurtures the spirit of universal brotherhood and fraternity amongst the officer trainees. The Mess has a mandate to achieve the highest standards in terms of decorum, conduct and services. Every officer trainee is an integral part of this institution.

The Officers' Mess is run by a Mess Committee. The members of the mess committee are from amongst the officer trainees. The mess committee consists of a President, a Secretary, a Treasurer and five other members, who take upon themselves the unquestioned duty to boost the underlying philosophy of esprit-de-corps.

The Mess Committee functions under the overall guidance and supervision of the Director's Nominee of the Officers' Mess. The Mess is assisted by a full time Mess Officer, Manager (Accounts), Store Keeper, and Supervisors. The strength of this institution, are the employees of the Officers' Mess which include cooks, helpers, table bearers, room bearers, sweepers and, dishwashers.

Officers' Mess caters to about 700 people at the Karamshila, Gyanshila, Monastery Estate and Indira Bhawan Mess premises. The Officers' Mess serves (Prepared in house) a variety of cuisines from and across the corners of this nation for the participants. Officers' Mess also offers its services through its cost centers:-

1. A.N. Jha Plaza Cafe,
2. Home Turf Cafeteria,
3. Sports Cafeteria

Office Bearers of the Officers' Mess during the calendar year 2022-23

IAS Phase I (2021-22 Batch)

Director Nominee: Dr. Sunita Rani, Professor of Management

Associate Director's Nominee: Sh. Hari Prakash, Professor

- Satabdi Mazumdar President Mess Committee

- Rehan Khatri, Secretary
- Yash Jaluka, Treasurer
- Sunny Raj, Member Mess Committee
- Dheenah Dastager., Member Mess Committee
- Sara Ashraf, Member Mess Committee
- Pooja Gupta, Member Mess Committee

IAS Phase II (2020-22 Batch) Online

Director Nominee: Dr. Vizay Babu Vasanta, Professor of Economics

Associate Director's Nominee: Sh. Abhiram G. Sankar, Deputy Director

- Tatimakula Rahul Kumar Reddy, President Mess Committee
- Abhishek Kumar Secretary
- Deepak Babulal Karwa, Treasurer
- Nupur Goel, Member Mess Committee
- Priyanka S, Member Mess Committee
- Harjinder Singh, Member Mess Committee
- Abhinav Kumar Singh, Member Mess Committee
- Hemanth N., Member Mess Committee

97th Foundation Course

Director Nominee: Dr. Sunita Rani, Professor of Management

Associate Director's Nominee: Sh. Hari Prakash, Professor

- Mohd. Abdul Rauf, President Mess Committee
- Arpit Gupta, Secretary
- Deepesh Kumari, Treasurer
- Kiranmayi Koppiseti., Member Mess Committee
- Sreekumar Ravindra Kumar, Member Mess Committee
- Divya P., Member Mess Committee
- Suvigya S Chandra., Member Mess Committee
- Bharat Kumar D K, Member Mess Committee

IAS Phase I (2022 Batch)

Director Nominee: Dr. Sunita Rani, Professor of Management

Associate Director's Nominee: Sh. Hari Prakash, Professor

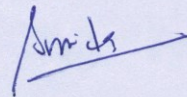
- Suvigya S. Chandra President Mess Committee

- | | |
|------------------------------|-----------------------|
| • Shivam Chandra, | Secretary |
| • Shubankar Pratyush Pathak, | Treasurer |
| • Arjit Mahajan, | Member Mess Committee |
| • Rahul Anand, | Member Mess Committee |
| • Anand Malhotra, | Member Mess Committee |
| • Arjit Mahajan, | Member Mess Committee |

Major Activities:

- 1) Food menu were prepared to cater to the nutritional and health requirement of officers trainees.
- 2) This year first time a millet menu was introduced for full day in Common Mid-Career Training Programme, 28th Joint Civil Military Programme and in Induction Programmes also.
- 3) Organize the Zonal days, India Day and State days.
- 4) Regional cuisines of various states were served and introduced.
- 5) Various competitions were held among the officer trainees like, cooking, baking, Goleppa eating competition etc.
- 6) Food Cart at Class rooms, Gym and other various locations were introduced continued for officer trainees during Foundation Course, Phase-I and Phase-II.
- 7) Successfully, organized the meals for the Hon'ble President of India Smt Draupadi Murmu during the visit to the Academy.
- 8) Many other dignitaries visit's held in Academy like Former President of India Sh. Ram Nath Kovind, variety of cuisines were served to them.
- 9) Formal Dinner for a week was done in IAS Phase- I Batch of 2022.
- 10) Bearer uniform similar to Indian Military Academy Mess was provided to Mess staff for Formal Dinners.

The Officers' Mess has, as always, been instrumental in adding life, colour and flavor in all academic and non-academic activities of the Academy.



(Dr. Sunita Rani)
Professor of Management &
Director's Nominee on Officers' Mess

Society for Contemporary Affairs

- Composition of the Committee 1 Secretary and 3 members
- Director's Nominee: Mr. Nitesh Jha, Reader

Objectives

- To provide a forum for discussion, debate and study of all matters of general interest including current affairs, science and technology and subjects of topical interest.
- To provide a forum for all general activities to officers at the Academy not taken up specifically by other clubs or Societies.

Ms. C. S. Ramya, IFS OT and Secretary of Society of Contemporary Affairs of 97th Foundation Course has conducted a quiz on the Subject “**Digital Solutions for Indian Governance**” during 97th Foundation Course.

Summary of Activities

1. As the first event and prelude to our foundation course's exercise of Book review, our society conducted One Minute to Review. The event involved participants reviewing their most favorite book within the stipulated time. In addition to this, they had to use their persuasion and innovative methods to convince the judges to read their books. 27 officer trainees participated with full zeal. John George bagged the first prize for One Hundred Years of Solitude followed by Saksham Goel and Vishal Khartri.
2. Our second event followed close to our learnings in village visit and Aarambh Solutions for Indian Governance. The solutions had to be of practical usability, relevance to current challenges and that follows Pareto principle. Among 19 entries, Sivanandham bagged the first prize with his entry on consolidated dashboard tracking of scheme beneficiaries to attain scheme saturation at individual level. Vishal Khatri's Geospatial analytics technology for infrastructure management and planning and Faisal Khan's Breaking the silos among public officials has been awarded second and third prizes respectively.
3. As a final event, an Inter-house Pop-quiz contest was organized however due to unavoidable circumstances, the event could not be held at the last moment.

The Secretary of Society of Contemporary Affairs/Kanchenjunga House of IAS Professional Course **Phase-I 2022** Batch has conducted a quiz on the subject “**Photography**” during Phase-I Course.

Summary of Activities

In a world where visual storytelling has become an essential part of human communication, the art of photography continues to flourish. The year 2022 marks another significant chapter in the realm of photography as enthusiasts from around the globe gather to showcase their creativity, perspective, and skill in the much-anticipated "Capturing Moments" Photography.

Unveiling Creativity: The Essence of the Competition

The "Capturing Moments" Photography Competition isn't just an event; it's a celebration of the diverse ways in which we perceive and interpret the world around us. The competition aims to bring together photographers of all levels – from amateurs with a passion for freezing time to professionals who have mastered the nuances of light, composition, and emotion.

The competition is open-themed, allowing participants to submit photographs across a wide spectrum of subjects, genres, and techniques. From breathtaking landscapes that transport viewers to distant realms, to intimate portraits that reveal the essence of human emotions, and even experimental abstracts that challenge conventional perspectives – every photograph has a story to tell, a moment to freeze, and an emotion to convey.

Fostering a Community of Creativity

More than just a platform for showcasing talent, the "Capturing Moments" Photography Competition fosters a sense of community among photographers. Through workshops, webinars, and interactive online forums, participants have the opportunity to learn from each other, share insights, and exchange ideas. This collaborative atmosphere not only enhances their individual skills but also contributes to the overall growth of the art form.

A Glimpse into the Future of Photography

As the world hurtles into the future, photography remains a powerful medium for capturing the essence of life, culture, and human experience. The "Capturing Moments" Photography Competition stands as a testament to the enduring significance of this art form. By bringing together photographers from diverse backgrounds and corners of the globe, the competition not only showcases the present state of photography but also offers a glimpse into its exciting future.

In a world where moments fleetingly pass us by, photography has the unique ability to pause time and encapsulate the beauty, emotion, and stories that define our existence. The "Capturing Moments" Photography Competition is a celebration of this power – an ode to the photographers who freeze these moments and invite us to see the world through their eyes.



Report on the Activities of the Society for Social Services

1. Visit to Government schools :

The social service society organized school visits on 25th February 2023. We visited gate school at LBSNAA main gate, government schools in camel back road. The volunteers have interacted with students and teachers. They have played with children ,assessed their learning levels. Interacted with teachers to find the issues in the school. Bal Mazdoori is one of the major problems here. Also safai karmachari is not there. We have distributed fruits, stationary and socks to the children. The visit is a learning experience for OTs.



We found that the children were talented in painting and painted some beautiful pictures. The teachers were extremely motivated to teach the students.

2. Visit to Old age home –

The Society for Social Service had organized a visit to a old age home called Kalpavriksh samajik old age home in Dehradun on 11th March 2023. We have interacted with inhabitants present there and found out the issues they were facing. They were so happy to talk to OTs. We found that owners were committed to the cause. They were running the home without government support. The donations and monthly payments by family members are the major source of revenue. The food and facilities were satisfactory.



3. Mentoring to BVG Staff –

We have to put the own house in order first. So we decided to teach our own staff who tirelessly work to keep our stay comfortable in the campus. We prepared a list of lady staff who are interested to learn and started classes for them in the weekend. Time was a major constraint here. Still I must appreciate OTs who came forward to teach the Women. We distributed books, notes, slates, pens for them to learn the most basic and necessary things that they should know. We started with alphabets, numbers, operating phones, operating ATM, reading salary slips etc. Some of them are reading and writing first time in their life. We are amazed by the gratefulness they show towards us. The classes continue till the end of phase 1.



4. Health camp for students of Balwadi school –

We conducted a health camp on 25th March, 2023. OTs have prepared a medical card for the children. The camp aimed to check basic health parameters like weight, height, BMI, general health check-up. There were around 90 children who got their health parameters checked and issued health cards. The OTs who were doctors have checked children so patiently and given their valuable advice. At the end, parents were given general health advisory about health, hygiene and nutrition. The camp was appreciated by teachers and parents.



SOCIAL SERVICE SOCIETY REQUESTS 124TH ITP OFFICERS FOR DONATION

No amount is
too small to give.



- 5. Fund raising from 124th ITP officers** – The activities of society are majorly funded by voluntary contributions. In this regard a presentation was made to ITP officers to contribute to the society. A sum of Rs.1,14,055/- was raised through this effort. The society acknowledges the generosity of officers who contributed happily.

6. **Cloth Donation Drive** – As the phase 1 of 2022 batch is in its final days, taking advantage of the mandatory shifting of hostels by the Officer Trainees, we organized a cloth donation drive. Items ranging from shoes, shirts, trousers, jeans, caps, gloves, light blankets, umbrellas, bamboo bags etc. are being donated by the Officer Trainees. Donation was asked from ITP officers as well. These will be distributed to the BVG workers of the respective hostels. It is on the principle of Sharing is Caring.



Society for Social Service is Organizing



Cloth Collection Drive

You can donate Clothes, Shoes, Jackets, Socks etc.

Please Submit in a good condition

Location: Hostel Reception

Society for Social Service, LBSNAA, Mussoorie

7. **Learning Assessment for KV Students:**After the education module classes in phase 1, OTs were interested to practically learn about learning levels in government schools. So we have selected KV, LBSNAA school for assessment of students. OTs prepared question papers for classes of 2nd, 3rd, 4th, 5th, 6th, 7th and 8th. We have conducted a test on 3rd May, 2023. 9 OTs have conducted the exam and evaluated the papers of students. We have observed that practical , general knowledge, Mathematics is weak in students. We have given feedback on how to improve learning levels and focus on low hanging fruits for better results.



- 8. Fund Raising from phase 4 officers** – Keeping in mind the onset of harsh winters, society opened avenues for officers of phase 4 to donate money at their will which would be used to conduct society's activities.

Rahul Sankrityayan Bhasha Manch

1. Parliamentary Committee Visit: Cultural Event

Rahul Sankrityayan Bhasha Manch had the privilege of organising a Cultural Event on the evening of the visit of the Parliamentary Committee on April 11th 2022 and the Civil Services Day on April 21st 2022. The event on April 11th was organised in association with the fine arts club.

The one hour performance on April 11th comprised two skits based on themes "Sabka Sath, Sabka Vikas, Sabka Prayas" and "Anonymity, Austerity, Ability", a Fusion dance, a Musical Spill poetry rendition and a special patriotic performance by the Academy Band, on the theme of "Vision for India@100". Bhasha Manch members curated the event - guiding and scripting anchoring, mentored in writing the skits, spill poetry and contributing to composition, instrumental and vocal pieces of the Band performance.





2. Civil Services Day Events

On April 21st, Rahul Sankrityayan Bhasha Manch organised & coordinated various events on the occasion of Civil Services day 2022. The day started with "Shramdan" by Officer Trainees resulting in collection of 186 Kgs of waste, and a "Wreath Laying Ceremony" in memory and honour of members of the services who laid down their lives in the line of duty. The Academy choir sang



renditions of Academy Song and National Anthem. Bhasha Manch also organized "Jashn" (Kavya-Sammelan and Mushaira) in the evening, which witnessed finest of poetries by 18 officer trainees and a special performance by the Academy Band encapsulating the Spirit of Service. The occasion was graced by Director, Joint director and Faculties of the Academy.

trainees alike. Bhasha Manch would like to thank each and every individual who was involved in organizing, participating and attending the event.

The events have been great successes and was appreciated by guests, faculty members and officer





3. Safarnama: The journey goes on

A Travelogue titled Safarnama is published by the Bhasha Manch. It tries to capture the experiences of officer trainees during Bharat Darshan and other travels undertaken. The emphasis is on documenting the experiences and beautiful photos taken by the officer trainees. Bhasha Manch aims to create an institutional memory in form of Safarnama.

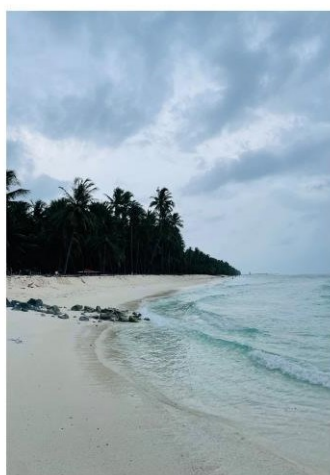
A "LIVING IN THE MOMENT" TRIP TO LAKSHADWEEP!

The pain of losing sleep for early morning flights, strictly planned attachments that gave us no time to enjoy the tour the way we wished, all the chaos we faced while hotel check outs or flight check ins and living out of a bag for almost 42 days, Bharat Darshan was tiring as hell. Yet, each of us had the best time of our lives. Each one of us has that one memory that we will cherish for our entire lives. For me, it was the trip to Lakshadweep!

It's not like that the trip to Lakshadweep was any less dramatic. We had a flight from Chennai to Kochi at 6:35 am. The chaos started at Kochi airport. Our booking was not available in the Air India's database for reasons beyond our understanding. We stood at the counter for 2 hours straight to get this thing sorted instead of enjoying our 4 hours long lay off in Kerala. And to our surprise, for the first time in our lives, we got hand-written boarding passes!! Then we waited at the boarding gate for the flight. First, it was delayed, and then it got cancelled after waiting there for 2 hours for nothing. Monsoon just arrived in India, already making its presence noticed!

Thankfully, our stay in Kochi was arranged quite promptly by the academy and it was quite amazing as well. But, we were all hoping for the weather to improve. Island attachment was something that we were all waiting for. After a tiring journey to Burn La for our army attachment and heavily packed Health & Education attachment in Chennai, we all anticipated that Lakshadweep would finally give us some "Me Time". It rained all night, while we were in Kochi, almost rendering us hopeless for the trip. But to our surprise, the weather did improve in the morning! All 38 of us were excited beyond measure.

We landed in Agatti amid cloudy weather. As soon as we settled ourselves in the guest house, we headed for the beach. The turquoise coloured seawater and white sand beach was all we needed to set the tone for our island attachment. It was so calming to just sit there, hear the ocean roar and watch the endless horizon at the end of it! On top of it, lush green coconut trees covering the entire island was an added solace to the eyes. This was the moment we were longing for, since the training began. But thankfully, this was not the last one. We had many



The next day, we took a chopper ride to Karanathi island, the first such ride for most of us. That 15 minutes ride was all about clicking selfies, making videos and literally being happy like a child! Karanathi island is bigger than Agatti, a more commercial one as well. Our accommodation here was right by the beach. There was a fish-shaped floating jetty on that beach. The fun part was to walk on the floating surface to reach the end of it. None of us could walk straight on that thing, and each one of us had our peculiar wobbly walk to reach the end of it. Entire afternoon, we sat there, talking, taking thousands of pictures, enjoying the sea breeze with half of our leg dipped in water.

For two days straight, we had no attachments. No formal meet-ups. No rush to be anywhere. Before this experience, I believed that in better said than done - "Living in the moment". But Lakshadweep trip made me experience this. The sheer uncertainty of the trip which left us clueless about the question "what next?" or the scenic beauty of the pristine beaches that captivated our attention, whatever be the reason, the "living in the moment" came true for all of us!

Final day on this island was the most lively one. We went for SCUBA Diving in the morning. Because of the rain, we couldn't go very deep and were under water for only 15-20 minutes, but it was still an adventure for most of us. After that, we went for the Naval Attachments, met the Naval Officials posted there and tried to understand their operations. While we were there, we planned to go for Kayaking. But to our surprise, while we were coming back to the hotel, we were informed that we will be "battled" back to Agatti island in the afternoon itself because of the weather. By the evening, we were back in Agatti, from all the chaos to again doing nothing.

Strolls along the beaches, taking a walk from one end of the island to the another, enjoying the sun with sea while sitting under the shack, talking for hours or even lying silently on the hammock along the beach, every moment spent in Lakshadweep was an unparalleled experience. One could complain that these islands are yet to be properly commercialised for tourism. Mobile network is patchy there. It is difficult to find a good place to eat, especially during the monsoon when Lakshadweep is closed for tourism. But for us, it was blessing in disguise.

We did regret not being able to visit Bangaram island or have good sea food because shacks were closed. Rain added another spoiler to our trip, cutting it short wherever possible. But still, for me it was the best part of the Bharat Darshan. We experienced the joy of doing nothing, something we might not experience for a very long time once we are posted in our respective districts, the reason why I will cherish this trip for my entire life!

हलक तक सास अटका ह मुझे मात आता ह
गर वो दुश्मन है मेरा बधाई क्यों नहीं देता?
गला रूंधा है उसका भी अखि नम है उसकी भी
इन अंतिम लम्हों में वो विदाई क्यों नहीं देता
शायद कुछ गीते थे दरम्यां कुछ बातें करनी थी
गर अहम नहीं हैं मुझमें, उसे बुला ही क्यों नहीं लेता ?
छोटी बात थी कितनी, मुझे महसूस होता है
मेरी इन भावनाओं को बता ही क्यों नहीं देता?
शायद वो पास है मेरे फासला क्यों है इतना फिर
दोनों की चाहतों को एक बना ही क्यों नहीं देता?
गुजरे हुए हर एक लम्हे याद आते हैं
मेरी परछाई की तरह ही मेरे साथ जाते हैं
कि मैं अखि नम लेना है और उलझन को त्यागना है

4. Kavyanjali: Collection of poems

To showcase the talented poets of the batch the Bhasha Manch compiled a collection of poems. The officer trainees submitted their own creations depicting emotions and themes like friendship, women empowerment, depiction of sorrow, romantic themes, migration et cetera. This Collection of poem is published under the title Kavyanjali.

5. Sangam: The magazine

Sangam magazine is one of the main publications of the Bhasha Manch. To celebrate the linguistic diversity of India the officer trainees give their entries in various Indian languages. The magazine consists of articles, poems, stories, work of art and other creative expressions by the officer trainees.



6. Thought of the day in Indian languages

The classroom sessions starts with a thought of the day. To promote the linguistic diversity Bhasha Manch compiled a collection of thought of the day in various Indian languages like Tamil, Telugu, Marathi, Hindi ,Sanskrit, Oriya, Bangla etc. These were read out by officer trainees at the start of the academic sessions.

Language: Marathi

OT- Prathmesh-M08

असे जगावे दुनियेमध्ये
असे जगावे दुनियेमध्ये,
आव्हानाचे लावुन अत्तर,
नजर रोखुनी नजरे मध्ये,

7. Story writing competition.

A Picture tells us thousand tales. The Bhasha Manch organised a competition where officer trainees were shown a picture and based on that picture and their imagination they were required to write a story in half an hour. The officer trainees came up with more than 30 stories beautifully written in more than six languages.



8. Literature and Book Club Meetup

To create curiosity and promote Indian literature the Basha Manch organised a literature meet up. Officer trainees discussed books, poems, plays, shayries, articles etc by various authors. Some officer trainees also presented their own creations.

9. Storybook in Indian languages.

The Bhasha Manch compiled stories written by officer trainees and published the stories in a single publication. The stories were in English Hindi, Tamil, Telugu and Oriya language.

ସେହି ଆମେରିକା ଯେ ସଂସାର କରି ରହିଲା । ହେଲେ ମଧ୍ୟବର ମନରେ ଟିକେ ବି ଗ୍ଲାନ୍ ନାହିଁ । ପଡ଼ାଖା ସହି ପଡ଼ିଶାର ଲୋକେ ଯେବେ ବି ତା' ପୁଅ ବିଷୟରେ କିଛି ବି କହନ୍ତି କି ବେଶ "ଧେଡ଼ କିପରି ପୁଅ, ବାପା ଟିକୁ ପଢ଼ାଉଛି" ବୁଢ଼ା ମାଧବ କହେ ଚୁପ୍ ରୁହନ୍ତୁ "ଗୋ ପୁଅ ଫେରି ଆସିବ ଗୋ ପାଖକୁ" ବୁଢ଼ା ବାଉ କରାଣୀଙ୍କ ଶରୀରରେ ଆଜିବି ଅଶେଷ ଆକାଂକ୍ଷା ସାରିବି ରଖୁଛି, ଆଉ ବୁଢ଼ିଲର ପ୍ରତିଘାତରେ ମଧ୍ୟ ରିକସା ଟିକୁ ଗାଈ ଜିଜ୍ଞାସେ ପେଟ ପାଗୁଛି । ଖାଲିମାନୀ ମାଧବ କାହା ପାରେଇ ହାତ ଘୋଡ଼ିବି ।

ଆଜି ଟିକେ ବୁଢ଼ା ମାଧବ ବେଶୀ ଭାବ ବିହୀନ ହୋଇଯାଇଛି, ହୁଅନ୍ତାନ୍ତି ବା କେମିତି? ଆଜି ପରା ତା'ର ପୁଅ
 ହିମାଂଶୁ ର ଜନ୍ମଦିନ । ଏଇ ମିନିଟ ବାହୁରେ ଆଉଜି ହୋଇ ସେ ତା' ପୁଅର ଲକ୍ଷ୍ୟ ଜୀବନ ଓ ସୁଖଶାନ୍ତି ପାଇଁ ପ୍ରାର୍ଥନା
 କରୁଛି । ଧନ୍ୟରେ ପିତା ମାତା!!!!

ଧନ୍ୟରେ ପ୍ରଭୁ ତୁମର କି ବିଚିତ୍ର ସୃଷ୍ଟି । ପିତାର ସେହି ନିଶ୍ଚାର୍ଥପର ଭଲପାଇବା ତା'ପୁଅ କୁ କଣ କେବେ ଫେରେଇ ପାରିବି!!!!

Tamil

மாடாவின் கனவு

மாடசாயி என்னும் 67 வயது மதிக்கத்தக்க முதியவர் கோயில் துப்புரவு செய்பது பிறைக்கும் தொழிலாளர் ஒரு மதியான நேரத்தில் நல்ல வெய்யில் அடிக்கிற இடம் மாடசாயி நல்லா துப்புரவு பண்ணிட்டு கடைசியா தான் பக்கத்தில் உட்கார்ந்து தன் தலையில் வழிந்த வியர்வையை நன்கு துடைத்த சீர் சிறிது நேரம் யோசிக்கிறார் எப்படி தான் குறுக்கு வழியில் செல்வோம் போன்ற விட வேண்டாம் என்று வெறி அவரது மனதிற்குள் அப்படியே அவரது

10. Cultural Programme on 12th August

Bhasha Manch held in writing the lyrics of the songs presented by the music band of Academy. There were enactment of the plays during the cultural event with the help of the Bhasha manch.



11. Hindi Debate Competition

Basha much organised a debate competition in Hindi language. Various officer trainees participated in group of two. The topics topics we are contemporary and of national importance.

12. Stand Up Comedy

Humour is a great medicine for many ills. A stand-up comedy night organised to tickle the funny bone of the officer trainees. The performers showcase their talent in taking a humorous take on various aspects of both inside the academy and outside

NIC Training Unit (NICTU)

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie

The coordination, session design, concurrent evaluation and successful delivery by NICTU contributed significantly to the skilling requirements of the training programmes of LBSNAA. NICTU did it as per the course requirements, feedback and training needs analysis shared by the respective course coordinators of LBSNAA and approved by its Academic Council. In addition, NICTU conducted Training of Trainers (ToTs) for the officers of LBSNAA, NIC Uttarakhand, ITBP and DRDO. Overall during 2023, around 1600 Nos. of Government officers benefitted by the hands-on skilling by NICTU on Information and Communication Technologies (ICT), e-Governance and Digital Transformation. Some of the intended objectives are: increasing personal and office productivity, data-driven decision-making and framing up of the requirements needed for attempting digital transformation at the field level by the Government officers, so trained.



NICTU ensured that successful e-Governance implementations and the current trends of generative AI, data analytics, computer vision based Machine Learning, GIS and Drone technology were explained to the participants of the induction and Mid-term Career programmes at LBSNAA. For this, NICTU coordinated with experienced practitioners in the Government: Central ministries (MeitY, NIC, NeGD, Income Tax, GST, Railways, Niti Aayog), State Governments (Land records, IT agencies, CM Dashboards and other IT initiatives), PSUs/ agencies (State Electricity Boards, Smart Cities, Banks), global organisations (World Bank, Carnegie Mellon University), Academia (CMU, IIT Delhi, IIT Guwahati, IIM Ahmedabad), and Industry (award-winning Tech startups suggested by MeitY and NASSCOM). LBSNAA invited their respective representatives for guest lectures and technology demonstrations.



NICTU also ensured that the training participants acquired sufficient hands-on skills in handling public data. They were guided to use different data formats of large datasets sourced from different sources to solve problem statements relevant to the administration and governance domain. NICTU made them practise elementary data extraction and data transformation using Structured Query Language (SQL) on the RDBMS tool. They were also made to practise data summarisation and data visualisation using common spreadsheets and visualisation tools. They were also exposed to AI/ML tools for preparing predictive models using a sample data. The individual and team efforts led them to attempt meaningful Infographics and actionable insights. They created and presented different data stories among peers and before the invited esteemed guests. Smt. Droupadi Murmu, the President of India, Shri Ramnath Kovind, the former President of India, Lt. Gen. (Retd.) Shri Gurmeet Singh, Governor of Uttarakhand, Shri Pushkar Singh Dhami, Chief Minister of Uttarakhand, Secretaries to the Government of India and the state Governments, the Chairman and members of Capacity Building Commission of India, witnessed such demonstrations and presentations made by the participants of training programmes of LBSNAA and trained by NICTU.



NICTU also contributed to the improved automation of the back-office operations and activities of LBSNAA. Few of the important ones are: planned shifting of on-premises deployments of applications to NDC and MeitY-empanelled clouds, tele-medicine facility established between LBSNAA and AIIMS Rishikesh, hiring and deployment of NeGD-sponsored data analysts, equipping the NICTU lab at LBSNAA with 120 Nos. high-end machines procured through NICS, and a series of rich dashboards developed and curated depicting live monitoring of Government schemes across the governments.

राजभाषा

संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए -

भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया गया। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' क्षेत्र के साथ 94.77%, 'ख' क्षेत्र के साथ 92.83% और 'ग' क्षेत्र के साथ 69% पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, इस अकादमी ने हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 46.57% प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। अकादमी के प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की गई तथा यथोचित मार्गदर्शन किया गया।

अकादमी में दिनांक 14 सितंबर से 29 सितंबर 2022 तक दो सप्ताह हिन्दी के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ के लिए भारत सरकार की राजभाषा नीति संबंधी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, आशुभाषण, सभी वर्गों के लिए अलग-अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुतलेखन, यूनिकोड टाइपिंग तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2021-22 के कुल 10 प्रतिभागियों को भी निदेशक महोदय तथा प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा पुरस्कार स्वरूप नकद धनराशि प्रदान की।

इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका 'सृजन' के 10वें अंक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर निदेशक महोदय और प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट किया और सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय द्वारा राजभाषा शील्ड प्रदान की गई।

अकादमी को राजभाषा की प्रगति के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून द्वारा दिनांक 28 जून, 2023 को समिति की बैठक के दौरान द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

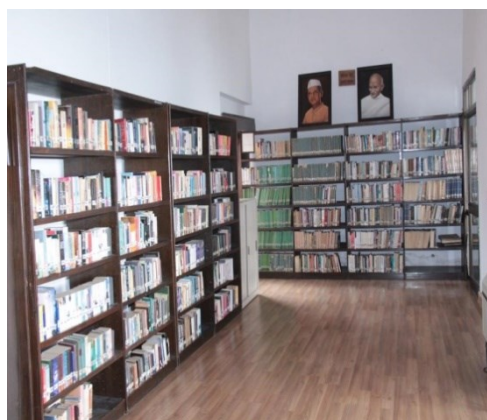
Gandhi Smriti Library

The Academy has a well-stocked library. It is located in scenic surroundings which gives it a panoramic view of the majestic Himalayas and an eternal sense of togetherness with Nature. The library is named the "Gandhi Smriti Library". The library is computerized and the complete catalogue of the library is accessible online at <http://4.240.60.45:70/>

- The books and CDs/DVDs are RFID enabled. Self-issue/return kiosk is installed at the library counter for issuing, renewing and returning of books by the users near the library circulation counter. RFID enabled kiosks are placed at the entry of the Karmshila building and in Gyanshilla building in the main campus. Library users can use this facility for returning the books without coming to the library. This service is available 24x7.



Library Collections



- The Gandhi Smriti Library is a treasure trove of resources containing about 1.71 lakhs documents (including books- 161184, Bound volumes of journals- 9497, Braille books- 64) and CDs/DVDs- 8496 (contains lecture recordings, documentaries, movies). Additionally about 4178 digitized rare and old books also available.
- The Library subscribes e-Resources 11, Newspapers 18, Magazines 63, Foreign Journals 8, Indian Journals 61 and e-Journals 30 published by various National and International Organizations/Institutions.

The library subscribes to the following E-resources

- **EBSCO's Business Source Complete:** database providing a full text contents of more than 3000 journals/journal articles, covering disciplines of business, including marketing, management, management information systems, production & operations management, accounting, finance and economics.
- **EBSCO's Econlit with Full Text:** database providing full-text articles in all fields of economics, including capital markets, country studies, econometrics, economic

forecasting, environmental economics, government regulations, labour economics, monetary theory, urban economics and much more.

- **EBSCO's Political Science Complete:** database provides more than 340 full-text reference books and monographs and more than 44,000 full-text conference papers, which includes those from the International Political Science Association.
- **EBSCO's SocIndex:** is a comprehensive sociology research database. It has nearly 900 full-text journals and contains informative abstracts for more than 1,500 core journals dating to 1895.
- **IndiaStat:** Which covers secondary level data i.e. Socio-economic statically data about India and its States.
- **Jstor:** A digital archive of scholarly journals in anthropology, Asian Afro American studies, ecology, economics, education, finance, general science, history, literature, mathematics, music, philosophy, political science, sociology, and statistics.
- **Indian journals.com: (Business, Economics and Management)** which covers around 52 Indian Academic Journals and Research publications.
- **Manupatra:** A legal database which covers law materials related to Indian and overseas.
- **SCC Online:** A legal database which covers legal cases etc. from Supreme Court, all High Courts, Tribunals and Commissions, Statutory material and many foreign jurisdiction and International material.
- **EPWRF India Time Series:** The database relates series online in about thirteen modules covering a wide range of macro-economic and financial sector variables in for research and analytical work.
- **EBC Reader:** The EBC Reader e-Library, allows you to read eBooks of legal content. EBC Reader Comes with Single Search feature enabling you to search for books, Topics, Phrases within your e-Library, Annotations and Notes.
- **Live Law:** a legal website.
- **Bar And Bench:** a legal website.
- **Magzter:** A Newspaper and Magazine database.
- **MyLOFT:** MyLOFT stands for “My Library On Fingertips” is a remote access tool to search and use the library resources off campus.

Besides, the above the library release a monthly bulletin namely New Arrivals of books. During the current year from April 2022 to March 2023 library added about 2138 books.



COMPUTER CENTRE

The LBSNAA is using Information Technology solutions for most of its critical processes. LBSNAA has a fully networked campus and is increasingly relying on IT for its training and administrative needs. The critical components of IT infrastructure at LBSNAA are:

- Computer Centre is managing different applications, some of the applications are being hosted in the cloud and some are hosted in-house. List of the major applications is as follows:
 - LBSNAA Website
 - Training Management Software (SARGAM)
 - Learning Management System (GYAN)
 - E-Office
 - SPARROW for LBSNAA Employees
 - Personal Information Management System (PIMS)
 - Online Examination and Evaluation System
 - CGHS Module
 - DigiTAG arena
 - Library Management Software (KOHA)
 - Centralized Call monitoring system
 - Telemedicine facility with AIIMS Rishikesh
 - Implementation of e-HRMS (Implementation started)
- Procurement and distribution of computer hardware and Software to all the employees and trainees of LBSNAA through GeM.
- Development and strengthening of existing computer facilities.
- The ERP being used in the campus is covering various modules for managing the activities of Academy in different sections of LBSNAA.
- Setup of Telemedicine Facility has been done with AIIMS Rishikesh. The facility is open for the Employees of LBSNAA and residents of Mussoorie.
- Network Devices, Security Systems and LAN (which is primarily UTP based, but has been integrated with Wi-Fi devices in the classrooms).
- Computer Centre revamped the website of LBSNAA which is more interactive and dynamic.
- Computer Centre is also involved in the designing the course manual, training calendar, brochures, banners, posters, officer's directory, memoirs, photo rosters, LBSNAA diary and monthly calendar etc. Besides this computer centre is also involved in video film editing and mixing for the course participants. Thereafter the movie is being showcased during the valediction Programme.
- Computer Centre helps Controller of Examination in preparing the course-related examination result and also involved in preparing the result of MA in Public Administration, JNU.
- Computer Centre gives computer assistance from time to time to the faculty, officer trainees and staff for different IT related activities.

- LBSNAA is having 1 Gbps National Knowledge Network link for the use of Internet along with 100 Mbps backup link as a redundancy.
- Computer Centre provides laptops to the Participants and Officer Trainees of different courses. Trainees could access the network through Wi-Fi and wired LAN from Hostel rooms and communicate to each other apart from enhancing their skill and getting acquainted with latest software's.
- State of the art Computer Lab has been setup for the ICT classes being conducted for the Participants of different courses.
- Training Programmes are also organized by the Computer Centre time to time for all the employees of the Academy to train them on the new software's. Computer Centre also provides on-job training to all the sections of the Academy about the use and features of e-office and other applications.
- Most of the class rooms and conference halls are equipped with the Video Conferencing (VC) facility and other webinar software's. Most of the courses/classes were organized online using VC and other Webinar Software's by the Computer Centre during the COVID period.
- Artificial Intelligence/ Machine Learning Lab have been setup in LBSNAA to create an environment where Officer Trainees and participants are trained Data analytics, AI/ ML , Drone, IoT and Other emergent technologies.

Financial Statement of LBSNAA

Budget allocation of LBSNAA is made under “Demand No.074-Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions”. The provision includes establishment related expenditure under Non-Scheme (Revenue).Infrastructure related expenditure is provided under Scheme (Revenue) and Scheme (Capital). The budget allocation is made for various core activities of the Academy that include training programme such as the Foundation Course, Refresher Courses, Mid-Career Training Programmes, etc. Allocations are made under Scheme (Capital) and Scheme (Revenue) for improvement of Infrastructure and up-gradation of essential facilities at LBSNAA.

The details of actual expenditure for 2020-21, 2021-22, 2022-23 and allocation for financial year 2023-24 is as under.

(Figure in thousands)

S.No.	Non-Scheme(Revenue)	Actual Expenditure			Budget Allocation
		2020-21	2021-22	2022-23 (As on 23 rd Jan, 2023)	
1.	Salaries	1,62,877	1,62,235	1,49,963	2,15,080
2.	Wages	33,495	36,498	37,840	46,000

3.	Overtime allowance	0	0	0	50
4.	Medical Treatment	4,480	5,145	4,977	6,000
5.	Domestic travel expenses	5,996	5,725	3,413	6,600
6.	Foreign travel expenses	84	0	40	500
7.	Office expenses	88,950	85,528	87,727	90,000
8.	Rent, rates & taxes	1,998	1,964	1,574	3,000
9.	Publication	350	636	382	650
10.	Other administrative expenses	200	199	190	300
11.	Minor works	1,500	1,500	0	2500
12.	Professional services	1,22,500	1,48,796	1,55,242	1,70,000
13.	Grant-in-aid	500	500	0	500
14.	Other Charges	5,200	3,999	3,479	4300
15.	Salaries	1,660	3,506	2,441	3920
16.	Overtime allowances	-	0	0	50
17.	Medical treatment	31	134	95	250
18.	Other Charges (Inf. Tech)	597	596	560	600
19.	Swachhta Action Plan	597	593	432	700
20.	Professional Services	9,000	59,999	54,523	65,000
	Total (Non-Plan)	4,40,015	5,17,553	5,02,878	6,16,000
21.	Scheme (Revenue)	1,10,000	1,14,000	1,15,484	1,20,000
22.	Scheme (Capital)	2,84,400	2,45,000	1,77,091	3,67,900
	Grand Total	8,34,415	8,76,553	7,95,453	11,03,900

Faculty & Staff Skill Development Program

There is a systematic process at the Academy to upgrade and update the skills, knowledge and the instructional techniques of its faculty. To achieve this, programs are organised on campus and by deputing faculty members to reputed institutions both within India and outside the country. The following faculty members were deputed for training, attending workshops, seminars and for exploring possibilities for collaboration both in India and abroad under Faculty Development Program:

Faculty Name (Mr./Ms./Dr.)	Purpose/ Course done	Duration
Sunita Rani	FIRO B Certification Programme	21 –22 April, 2022
Sanjay Joshi	U.lab: Learning from the Emerging Future from MIT, USA	21 May, 2022
Sunita Rani	Transfer Designer Certification from Get Learned Fit India Pvt. Ltd.	18 October – 4 November, 2022
Anupam Talwar	Women in Leadership: Cornell Certificate Programme from Cornell University	
Sarfaraz Hussain Khan	केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय – अभिमुखी कार्यक्रम (ऑनलाइन)	10 – 14 October, 2022
Sarfaraz Hussain Khan	केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय - गहन हिन्दी कार्यशाला (ऑनलाइन)	05 – 09 December, 2022
Anandhi	Winter Course on International Law at The Hague Academy of International Law, Netherlands	09 – 27 January, 2023
Sarfaraz Hussain Khan	भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	19 – 21 January, 2023
Chhavi Bharadwaj	Data Analysis for Social Scientists from MITx	31 January. 2023
Sowjanya	Data Analysis for Social Scientists from MITx	31 January. 2023

27 Officials	One-Week Capacity Building Training Programme, Institute Management in Government, Thiruvananthapuram	16 th -20 th January, 2023
12 Officials	One-week Capacity Building Training Programme, (YASHADA), Pune	06 th – 10 th February, 2024

Publications:

LBSNAA has been publishing “The Administrator” Since 1961. Over its half a century long existence, the journal has provided a forum to civil servants and academicians to share their knowledge distilled from their experiences in the field. The contributors have primarily been civil servants but not exclusively so. The journal has been receiving contributions from intellectuals, scholars and eminent public figures who have applied their knowledge in the areas of Public Administration, Public Policy etc. In 2022-23 the academy brought out General Editions.

Delegations/Teams that visited LBNSAA:

Students of various institutions, participants of different training programmes and delegations of various nations visit the Academy every year. This is a mutual learning experience. The visitors, as well as the Academy benefit from such interactions. The following visit was held during 2022-2023:

Details of visit of various Schools/Institutions to LBNSAA, Mussoorie being organised by Security Section from 01.04.2022 to 31.03.2023

Sl. No.	Name and Address of Institution	Remarks
1.	Visit of 47 Officers of ITBP Academy Mussoorie on 04.05.2022.	-
2.	Visit of 37 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Senior Officials of Jammu & Kashmir Administrative Service on 01.12.2022	Request sent by NCGG, Mussoorie
3.	Visit of 39 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Civil Servants of Bangladesh on 17.12.2023	Request sent by NCGG, Mussoorie
4.	Visit of 27 Participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Civil Servants of Maldives on 17.12.2023	Request sent by NCGG, Mussoorie
5.	Visit of 20 Students of Uttarakhand Educational Institute on 29.12.2023	-
6.	Visit of 45 students under Beti Bachao Beti Padhao Abhiyan recommended by Chief Development Officer of Dehradun on 09.01.2023.	-

7.	Visit of 30 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Senior Officers of Arunachal Pradesh on 14.01.2023.	Request sent by NCGG, Mussoorie
8.	Visit of 42 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for the visit of LBSNAA from Bangladesh on 15.01.2023.	Request sent by NCGG, Mussoorie
9.	Visit of 53 students of Pandit Deendayal Energy University Gandhinagar Gujarat on 29.01.2023.	-
10.	Visit of 38 participants of 50 th Capacity Building Programme for Civil Servants of Jammu and Kashmir on 11.02.2023	Request sent by NCGG, Mussoorie
11.	Visit of 40 participants of Capacity Building Programme for the Civil Servants of Bangladesh on 03.03.2023.	Request sent by NCGG, Mussoorie
12.	Visit of 29 participants of Capacity Building Programme for the Civil Servants of Arunachal Pradesh on 04.03.2023.	Request sent by NCGG, Mussoorie
13.	30 Students of Indian School of Public Policy of the Lok Niti, Hauz Khas, Delhi on 25.03.2023	-

Annexure-1: Physical Infrastructure

A. CLASS/LECTURE/CONFERENCE ROOM		Capacity
1.	Dr. Sampoorananand Auditorium	469 seats
2.	Ambedkar Hall (Aadharshila Block)	158 seats
3.	Tagore Hall (Aadharshila Block)	190 seats
4.	Vivekananda Hall (Aadharshila Block)	190 seats
5.	Homi Bhabha Computer Hall (Aadharshila Block)	108 Terminals
6.	Conference Hall (Karamshila Block)	35 seats
7.	Govind Ballabh Pant Hall (Karamshila Block)	115 seats
8.	Nehru Auditorium (Gyanshila Block)	110 seats
9.	Seminar Room – 2 to 5 (Gyanshila Block)	06 (Round Table) each total 30 seats
10.	Seminar Room – 1 & 6 (Gyanshila Block)	65 seats each
11.	Seminar Room – 7 to 12 (Gyanshila Block)	12 (Round Table each)
12.	Seminar Room – A & B (Gyanshila Block)	55 seats each
B. HOSTELS/ACCOMMODATION		
1.	Brahmaputra Niwas	12 rooms
2.	Ganga Hostel	78 rooms
3.	Happy Valley Hostel	25 rooms
4.	Indira Bhawan Hostel (Old)	20 rooms
5.	Kalinidi Visitors' Hotel	21 rooms
6.	Kaveri Hostel	33 rooms
7.	Mahanadi Hostel	39 rooms
8.	Naramada Hostel	22 rooms
9.	Silverwood Hostel	54 rooms
10.	Valley View Hostel (Indira Bhawan)	48 rooms
11.	Gyanshila	06 rooms
12.	Monastery Estate Hostel	76 rooms

Annexure-2: Our Directors and Joint Directors

An officer of the rank of Secretary of Government of India heads the Academy. The Academy has had illustrious members of the service heading it. The name and tenure of Directors and Joint Directors of the Academy since the inception of the Academy are as follows:

Directors of LBSNAA

Sl. No.	Name	Duration
1.	Mr. A.N. Jha, ICS	01.09.1959 to 30.09.1962
2.	Mr. S.K. Datta, ICS	13.08.1963 to 02.07. 1965
3.	Mr. M.G. Pimputkar, ICS	04.09. 1965 to 29.04.1968
4.	Mr. K.K. Das, ICS	12.07.1968 to 24.02.1969
5.	Mr. D.D. Sathe, ICS	19.03.1969 to 11.05.1973
6.	Mr. Rajeshwar Prasad, IAS	11.05.1973 to 11.04.1977
7.	Mr. B.C. Mathur, IAS	17.05.1977 to 23.07.1977
8.	Mr. G.C.L. Joneja, IAS	23.07.1977 to 30.06.1980
9.	Mr. P.S. Appu, IAS	02.08.1980 to 01.03.1982
10.	Mr. I.C. Puri, IAS	16.06.1982 to 11.10.1982
11.	Mr. R.K. Shastri, IAS	09.11.1982 to 27.02.1984
12.	Mr. K. Ramanujam, IAS	27.02.1984 to 24.02.1985
13.	Mr. R.N. Chopra, IAS	06.06.1985 to 29.04.1988
14.	Mr. B.N. Yugandhar, IAS	26.05.1988 to 25.01.1993
15.	Mr. N.C. Saxena, IAS	25.05.1993 to 06.10.1996
16.	Mr. B.S. Baswan, IAS	06.10.1996 to 08.11.2000
17.	Mr. Wajahat Habibullah, IAS	08.11.2000 to 13.01.2003
18.	Mr. Binod Kumar, IAS	20.01.2003 to 15.10. 2004
19.	Mr. D.S. Mathur, IAS	29.10.2004 to 06.04.2006
20.	Mr. Rudhra Gangadharan, IAS	06.04.2006 to 20.09.2009
21.	Mr. Padamvir Singh, IAS	02.09.2009 to 28.02.2014
22.	Mr. Rajeev Kapoor, IAS	20.05.2014 to 9.12.2016
23.	Ms. Upma Chawdhry, IAS	11.12.2016 to 31.12.2018
24.	Dr. Sanjeev Chopra, IAS	01.01.2019 to 31.03.2021
25.	Mr. Lok Ranjan, IAS	15.04.2021 to 04.09.2021

26.	Mr. Srinivas R Katikithala, IAS	05.09.2021 to
-----	---------------------------------	---------------------

Joint Directors of LBSNAA

Sl. No.	Name	Duration
1.	Mr. J.C. Agarwal	19.06.1965 to 07.01.1967
2.	Mr. T.N. Chaturvedi	27.07.1967 to 09.02.1971
3.	Mr. S.S. Bisen	01.04.1971 to 09.09.1972
4.	Mr. M. Gopalakrishnan	20.09.1972 to 05.12.1973
5.	Mr. H.S. Dubey	03.03.1974 to 18.12.1976
6.	Mr. S.R. Adige	12.05.1977 to 07.01.1980
7.	Mr. S.C. Vaish	07.01.1980 to 07.07.1983
8.	Mr. S. Parthasarathy	18.05.1984 to 10.09.1987
9.	Mr. Lalit Mathur	10.09.1987 to 01.06.1991
10.	Dr. V.K. Agnihotri	31.08.1992 to 26.04.1998
11.	Mr. Binod Kumar	27.04.1998 to 28.06.2002
12.	Mr. Rudhra Gangadharan	23.11.2004 to 06.04.2006
13.	Mr. Padamvir Singh	12.03.2007 to 02.02.2009
14.	Mr. P.K. Gera	24.05.2010 to 20.05.2012
15.	Mr. Sanjeev Chopra	09.09.2010 to 05.12.2014
17.	Mr. Dushyant Nariala	24.12.2012 to 16.01.2016
16.	Ms. Ranjana Chopra	06.08.2013 to 15.12.2014
18.	Mr. Tejveer Singh	06.08.2013 to 31.3.2017
19.	Ms. Jaspreet Talwar	24.10.2014 to 31.3.2017
20.	Ms. Arti Ahuja (Special Director)	19.07.2017 to 19.05.2020
21.	Mr. Manoj Ahuja (Special Director)	06.11.2017 to 19.05.2020
22.	Ms. Radhika Rastogi(Special Director)	01.09.2021 to 27.03.2023

Annexure-3: Participants in IAS Phase-II (2020 Batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	06	06	12
Andhra Pradesh	08	03	11
Assam-Meghalaya	04	04	08
Bihar	05	02	07
Chhattisgarh	04	03	07
Gujarat	04	04	08
Haryana	04	01	05
Himachal Pradesh	04	00	04
Jharkhand	05	01	06
Karnataka	07	01	08
Kerala	06	03	09
Madhya Pradesh	07	01	08
Maharashtra	07	03	10
Manipur	01	00	01
Odisha	04	01	05
Punjab	03	01	04
Rajasthan	04	02	06
Royal Bhutan Civil Service	02	01	03
Sikkim	00	01	01
Tamil Nadu	07	05	12
Tripura	04	00	04
Telangana	06	02	08
Uttar Pradesh	12	04	16
Uttarakhand	02	00	02

West Bengal	12	03	14
Total	128	52	180

Annexure-4: Participants in 97th Foundation Course

Service wise Break-up

Service	Male	Female	Grand Total
Indian Administrative Service	127	50	177
Indian Audit And Accounts Service	04	03	07
Indian Civil Accounts Service	05	00	05
Indian Corporate Law Service	02	02	04
Indian Defence Accounts Service	11	03	14
Indian Defence Estate Service	02	00	02
Indian Foreign Service	22	12	34
Indian Forest Services	45	05	50
Indian Information Services	01	00	01
Indian Police Service	65	33	98
Indian Postal Service	03	03	06
Indian Revenue Service (Customs And Central Excise)	10	10	20
Indian Revenue Service(IT)	15	11	26
Royal Bhutan Civil Services	02	01	03
Royal Bhutan Forest Service	02	00	02
Royal Bhutan Police Services	06	00	06
Grand Total	322	133	455

Annexure-5: Participants in IAS Phase-I (2022 Batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	13	02	15
Andhra Pradesh	07	03	10
Assam-Meghalaya	06	03	09
Bihar	07	03	10
Chhattisgarh	02	01	03
Gujarat	06	03	09
Haryana	04	02	06
Himachal Pradesh	02	00	02
Jharkhand	02	04	06
Karnataka	03	01	04
Kerala	08	01	09
Madhya Pradesh	06	02	08
Maharashtra	09	04	13

Participants from the State of	Male	Female	Participants
Manipur	04	01	05
Nagaland	01	00	01
Odisha	04	02	06
Punjab	04	01	05
Rajasthan	07	02	09
Royal Bhutan Civil Service	02	01	03
Sikkim	02	00	02
Tamil Nadu	07	03	10
Tripura	03	02	05
Telangana	04	02	06
Uttar Pradesh	09	05	14
Uttarakhand	02	00	02
West Bengal	08	04	12
Total	132	52	184

Annexure-6: 124th Induction Training Programme for IAS Officers

State	Female	Male	No. of Officers
AGMUT	2	16	18
Andhra Pradesh		4	4
Assam-Meghalaya	3	2	5
Chhattisgarh	3	5	8
Gujarat		11	11
Haryana		4	4
Himachal Pradesh	2	4	6
Jharkhand	1	2	3
Karnataka	2	1	3
Kerala		2	2
Madhya Pradesh	3	4	7
Maharashtra	1	16	17
Manipur	1	2	3
Odisha	1	5	6
Punjab	1	6	7
Rajasthan	5	10	15
Tamil Nadu		2	2
Uttarakhand		5	5
West Bengal	1	2	3

Grand Total	26	103	129
--------------------	-----------	------------	------------

Annexure-7: Participants in 2nd Common Mid-Career Training Programme

Details of Participants

Service	Female	Male	Total
IAAS	2	3	5
IAS	4	16	20
ICAS	1	4	5
IDAS	3	2	5
IDES		1	1
IFS		2	2
IFS(AIS)		5	5
IIS	2	2	4
IOFS	4	2	6
IPOS	3	1	4
IPS	2	13	15
IPTAFS	1		1
IRAS		5	5
IRPS	2	3	5
IRS (C&IT)	3	9	12
IRS(IT)	4	20	24
IRTS	1	7	8
ISS	3		3
Grand Total	35	95	130

Annexure-8: Participants in 28th Joint Civil Military program on National Security

Service	Female	Male	Total
BSF		2	2
Cabinet Secretariat		1	1
CRPF		1	1
HQ IDS		1	1
IAS		2	2
IB		1	1
IDAS/CBI		1	1
IDES		1	1
IFoS		2	2
IFS		1	1
IIS		1	1
Indian Air Force		3	3
Indian Army		5	5
Indian Coast Guard		2	2
Indian Navy		3	3
IPS		4	4
IRS (C&IT)		4	4
IRS (IT)		3	3
IRTS	1		1
ITBP		2	2
NSG		1	1
SSB		1	1
Scientist	1	3	4
Grand Total	2	45	47

Annexure-8: Faculty & Administration in the Academy

Faculty and Other officers in the LBSNAA during the Year

Sl. NO.	Name of the Officer	Designation
1.	Mr. Srinivas R Katikithala, IAS	Director
2.	Ms. Sowjanya, IAS	Joint Director
3.	Ms. Anandhi, IAS	Deputy Director (Sr.)
4.	Ms. Chhavi Bharadwaj, IAS	Deputy Director (Sr.)
5.	Mr. Nand Kumarum, IAS	Deputy Director (Sr.)
6.	Mr. Abhiram G Shankar, IAS	Deputy Director
7.	Mr. Disha Pannu, IPoS	Deputy Director
8.	Mr. Shelesh Nawal, IAS	Deputy Director
9.	Ms. Anupam Talwar, IDES	Deputy Director
10.	Ms. Ekta Uniyal	Assistant Director
11.	Mr. Romeo Vincent Tete	Assistant Director
12.	Mr. Hari Prakash, IAAS	Professor of Management
13.	Dr. Sunita Rani	Professor of Social Management
14.	Dr. Sanjay J Joshi	Professor of Political Theory and Constitutional Law
15.	Mr. Nitesh Kumar Jha, IIS	Reader in Political Theory and Constitutional Law
16.	Ms. Bhawna Porwal	Assistant Professor of Hindi
17.	Mr. Rajesh Kapoor	Assistant Director Rajbhasa
18.	Mr. Sarfraz Hussain Khan	Hindi Instructor
19.	Mr. Arshad M. Nandan	Language Instructor Punjabi
20.	Mr.K. Brijbhasi Singha	Language Instructor (Assamese or Manipuri)
21.	Mr. Ris Jasmail Singh	Riding Instructor
22.	Mr. Sangram Singh	Asst. Riding Instructor
23.	Mr. Rajendra Singh Bisht	Physical Training Instructor
24.	Mr. Shobhit Kaushik	Asst. Physical Training Instructor

Other Officers As on (31/03/2023)

Sl.No.	Name	Designation
1.	Mr. Vijendra Singh Rana	Principal Private Secretary
2.	Mr. M Jagdeeswara Rao	Medical Officer
3.	Mr. Laxmi Prasad	Senior Private Secretary
4.	Mr. Kailash Chandra	Administrative Officer Est
5.	Mr. Pawan Kumar Pal	Administrative Officer (Estt)
6.	Mr. Prakash Singh Dasila	Administrative Officer Accounts
7.	Mr. Ram Milan Kewat	Assistant Library Information Officer
8.	Mr. S.K. Bharti	Assistant Library Information Officer
9.	Mr. Rajendra Bist	Assistant Library Information Officer

10.	Mr.Mukesh Kumar Garg	Asst. Administrative Officer
11.	Mr. Rakesh Chandra	Asst. Administrative Officer
12.	Mr. C.S.Subburaj	Asst. Administrative Officer
13.	Mr. Naresh Kumar Gupta	Asst. Administrative Officer
14.	Ms. Parmila Bahuguna	Asst. Administrative Officer
15.	Mr. N.L Bunker	Private Secretary
16.	Mr. M.K. Tyagi	Private Secretary
17.	Mr. Sunil Negi	Private Secretary
18.	Mr. Neeraj Kumar	Private Secretary
19.	Ms. Darshani	Private Secretary

Officers who were relieved from the LBSNAA during the Year 2022-23

Sl.No	Name	Date of reliving
1.	Ms. Aswathy S	28/06/2022
2.	Ms. Gauri Parasher Joshi	08/08/2022
3.	Mr. Vijay babu Vasanta	22/09/2022
4.	Mr. Hari lal Chouhan	26/09/2022
5.	Ms. Monika Dhami	06/01/2023
6.	Ms. Radhika Rastogi	27/03/2023
7.	Dr. Abhishek Kumar	09/01/2023

Superannuation of Staff during the year 2022-23

Sl.No.	Name	Date of Retirement
1.	Mr. Ramesh Kumar L&IO	31/05/2022
2.	Mr. Ramesh, MTS	31/07/2022
3.	Mr. Pushkar Singh, AAO	28/02/2023
4.	Mr. Dharam Das, Sr. Machine Man	06/09/2022, VRS



लाल बहादुर शास्त्री
राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी-248179

ईपीएबीएक्स लाईंस: +91-0135-2222000, 2632236, 2632489, 2632367, 2632374 & 2632405

वेब: <http://www.lbsnaa.gov.in>

**Lal Bahadur Shastri
National Academy of Administration**

Mussoorie-248179

EPABX . : 0135-2222000, 2632236, 2632489, 2632367, 2632374 & 2632405

Fax No. : 0135-2632350 & 0135-2632720

Website : <http://www.lbsnaa.gov.in>